भोपाल

Licensed to post without prepayment
License No. P.P.-7

पंजी क्रमांक जे.—१८७

मध्यप्रदेश राजपत्र

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक ४७] भोपाल, शुक्रवार, दिनांक २४ नवम्बर १९६१—अग्रहायण ३, शके १८८३

भाग ३ (१)

RECEIPT No. 904/61
DATE 7-12-61
SECTION B

विज्ञापन

न्यायालयों की सूचनाएँ

न्यायालय अतिरिक्त जिला जज, गुना

प्र० क्र० १९६१ वि. दी. (गार्जियन).

प्रार्थना-पत्र गुलाबसिंह आत्मज भवानजी, निवासी जटेरी, परगना चाचौड़ा, बाबत नियुक्त किये जाने संरक्षक तन व संपत्ति अल्पवयस्क चन्दरसिंह पुत्र अमरसिंह, गूजर, निवासी जटेरी, अधीन धारा १०, गार्जियन एण्ड वार्ड्स एक्ट.

उपरोक्त प्रकरण में प्रार्थी ने प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत कर प्रकट किया है कि प्रार्थी अल्पवयस्क चन्दरसिंह का सगा काका है. इस समय अल्पवयस्क महिला मूलीबाई विधवा पत्नी खुशहाल, जाति गूजर, निवासी सोनाहेडा, तहसील चाचौड़ा की सरपरस्ती में है जो अल्पवयस्क की नानी है परन्तु वह अल्पवयस्क के हितों का उतना ध्यान नहीं करेगी जितना कि आवेदक रखेगा. अल्पवयस्क की संपत्ति, कृषि-भूमि, मवेशी, सोना आदि मिलाकर ४,१८७ रुपये की है, जो उसकी नानी के कब्जे में है. मूलीबाई अल्पवयस्क की संपत्ति में अनुचित हस्तक्षेप कर रही है तथा उसने अल्पवयस्क की जमींदारी का क्षतिपूर्ति-धन भी प्राप्त कर लिया है.

प्रार्थी के अतिरिक्त अल्पवयस्क का काका बिहारीलाल पुत्र भवानी, गूजर, निवासी जटेरी निकट संबंधियों में है.

प्रार्थी अल्पवयस्क का सगा काका है व इस कारण उसका गार्डियन नियुक्त किये जाने के योग्य है. अतः प्रार्थी को अल्पवयस्क चन्दरसिंह की जात व जायदाद का संरक्षक नियुक्त किया जावे.

प्रार्थी को अल्पवयस्क का संरक्षक नियुक्त किये जाने में यदि किसी को आपत्ति हो तो वह दिनांक ११ दिसम्बर १९६१ को समय १०॥ बजे दिन इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करे. अवधि निकलने के पश्चात् कोई आपत्ति-पत्र न लिया जाकर विधि अनुसार कार्यवाही होगी.

हमारे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा के अधीन आज दिनांक २५ अक्टूबर १९६१ को यह विज्ञप्ति प्रचलित की गई.

एन. एल. श्रीवास्तव,
एडीशनल डिस्ट्रिक्ट जज.

(१३०९—बी)

OFFICE OF THE ADDITIONAL DISTRICT JUDGE, JAGDALPUR

Notice of an Application for Grant of Letters of Administration U/s 278 of Indian Succession Act.

Misc. Judicial Case No. 1/1961.

1. Smt. Julekha Bai widow of Seth Habib Bhai, age 52 years, 2. Haroon Bhai S/o Seth Habib Bhai, age 30 years, 3. Alauddin Bhai S/o Seth Habib Bhai, age 26 years, 4. Hamid Bhai S/o Seth Habib Bhai, age 23 years, 5. Smt. Jinnat Bai wife of Seth Karim Bhai, age 34 years, 6. Smt. Jubeda Bai wife of Seth Sattar Jusao Bhai, age 32 years, 7. Kumari Hamida Bai daughter of Seth Habib Bhai, age 19 years, 8. Sakur Bhai S/o Sattar Bhai, age 28 years, all residents of Rajapara, Kanker, District Bastar .. .. *Applicants*.

To

To whom it may be concerned.

Whereas the applicants have applied to this Court for grant of letters of administration in favour of Shri Harun Bhai in respect of certain ornament placed in State Bank of India, Dhamtari by deceased Habib Bhai S/o Rahamat Tulla, Kanker, district Bastar died on 30th June 1960;

And, whereas the application will be heard on 15th day of December 1961 at 11 A.M;

Take notice that if you claim any interest in the deceased you should appear that day with a statement of claim, and objection if any and that in default of your

कार्यालय मध्यप्रदेश वक्फ्स बोर्ड, भोपाल

क्रमांक २.—उन अख्त्यारात की बिना पर जो बोर्ड को तहत दफा ४२, मुस्लिम वक्फ्स एक्ट, सन् १९५४ ई. हासिल है और उस हि... की बिना पर जो गवर्नमेंट मध्यप्रदेश ने तहत दफा ६३, मुस्लिम वक्फ्स एक्ट, सन् १९५४ ई. अन्दरीन बाब बोर्ड को नाफिज फरमाई हैं:—

बोर्ड तै करता है के मोलवी अब्दुल अलीम खां साहब, एम. ए., एल-एल. एम., डिप्टी सेक्रेटरी, गवर्नमेंट ऑफ मध्यप्रदेश, लॉ डिपार्टमेंट, ... को औकाफे शाही भोपाल का उस वक्त तक के लिए जब तक कि औकाफे शाही का मसलए तोलियत मुस्तकिल तौर पर तै हो मुतवल्ली मुकर्र... जाना मंजूर करता है.

नीज यह भी तै करता है कि साहब मोसूफ को तारीखे इमरोजा से औकाफ मजकूर के इन्तजाम और अगराजे औकाफ के इन्सराम में वह ... हुकूक और अख्त्यारात हासिल होंगे, जो कि हिज हाईनेस, भोपाल खुल्द आशियां को अंदरीं बाब हासिल थे।

नीज यह भी तै किया जाता है कि इस रेजूलूशन की एक नकल मय तर्जुमा होम डिपार्टमेंट, मध्यप्रदेश स्टेट की खिदमत में इत्तलाअन ... करदी जावे और एक-एक नकल बखिदमत मोलवी अब्दुल अलीम खां साहब, एम. ए., एल-एल. एम. व लियाकत हुसेन साहब, सेक्रेटरी औकाफे ... बिला लवाजे तवक्कुफ बगरज कार्रवाई जरूरी इरसाल करदी जावे.

बोर्ड की मीटिंग में पेश होकर इत्तफाक राय से मंजूर हुआ.

दिनांक २८ अगस्त, १९६०. मौलाना सर्जी मशरिकी, चे...

(९९१ बी)

Survey Report pertaining to Shia Awkaf situate within Bhopal Region Prepared by Commissio... of Wakfs under Section 4 of Muslim Wakfs Act. 1954 and published by the Muslim Wakfs Board, Bhopal under Section 5 (2) of the Act.

नंबर सिल-सिला	सरवे नंबरात	नाम वक्फ हर जायेदाद मौकूफा मय हुदूद अरबा	तफसील जायेदाद वक्फ मय सालाना आमदनी	वक्फ करनेवाले मय वल्दियत, व सकूनत व ... व गर्ज ...
१	२	३	४	५
१	१ ता २ ..	मकान मोसूमा फेज हाशमी वाके बेरून जुमेराती दरवाजा मुतसिल इलेक्ट्रिक सब-स्टेशन, अलीगंज, भोपाल. हुदूद अरबा.—मशरिक—मुलहिका मकान, वरसा मुमताज-हुसेन साहब. मगरिब—सड़क पुख्ता सरकारी. शुमाल—मुलहिक मकान सेठ कन्हैयालाल. जुनूब—मुलहिक मकान वरसा मुमताज हुसेन साहब.	यक किता मकान पुख्ता दो मंजिला चादर-पोश, मालीयत १५,००० ,, सदर दरवाजा मगरिब रूया बरलबे सायर कुल रोड़ इसमें एक डेवढ़ी है सेहन पुख्ता है, एक कमरा है. बावरचीखाना एक, गुसलखाने दो मौजूद हैं. एक पाखाना, मंजिल दोम पर जाने का जीना, डेवढ़ी में से है. बरआमदा पुख्ता कमरे तीन, कोठरी एक, बावरचीखाना एक, पाखाना एक, गुसलखाना एक, चांदनी एक, इसीमें एक किता दुकान, जो बाहर से सेह चश्मी है और मगरिब रूया है. सालाना आमदनी १,५०० रुपये.	मुल्ला मुमता... वल्द मुल्ला... हुसेन साह... बोहरा, ... मोहल्ला अली... भोपाल ... माहवार ... में मरम्मत व अदायगी टैक्स ... यतामा व वगैरा.
२	३ ..	मसजिद मोसूमा बोहरा मसजिद वाके कस्बे बेरसिया, तेहसील बेरसिया, जिला सीहोर.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला टीन-पोश. सेहन में होज पुख्ता है. इसमें एक हुजरा. तीन गुसलखाने, एक पाखाना लबे सड़क मुलहिका दीवार जुनूबी.	बोहरा जमा... बेरसिया. ... अदाये न... इबादत ...
३	४ ..	कबरस्तान मोसूमी बोहरा कबरस्तान वाके कस्बे बेरसिया, जिला सीहोर.	यक किता आराजी बराये कबरस्तान बोहरा जमाअत. इसका तूल ३५ फीट व अर्ज ३० फीट है.	बोहरा जमा... बेरसया ... चन्दे से ... वक्फ किया है व तदफीन ... जमाअत.
४	५ ता ७ ..	मसजिद मोसूमा बोहरा मसजिद वाके मोहल्ला अलीगंज, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.—हर चार जानिब सड़क सरकारी है.	यक किता मसजिद पुख्ता, दो मंजिला, चादर-पोश, जिसकी मंजिल अव्वल मरदाना और मंजिल दोम जनाना है. इसमें एक सेहन, पुख्ता है और पुख्ता होज भी है, ९ गुसलखाने हैं, जीना पुख्ता है, सदर दरवाजा मशरिक रूया है, इसमें ४ जनानी गुसलखाने भी हैं. इमारत मसजिद के तीन जानिब गेलरी हैं. चांदनी भी पुख्ता है. इसमें एक मकबिरा गुंबददार गोशे शुमाल व मशरिक वाके है.	बोहरा जमा... भोपाल ने ... से तामीर ... की है. ... नमाज ... इलाही.

२	३	४	५
[illegible] ता ९ ..	बोहरा जमाअत खाना, मोहल्ला अलीगंज, शहर भोपाल. हुदूद अरबा. मशरिक व मगरिब में रास्ता आम. शुमाल—मकान मुल्ला अकबर भाई, दूधवाले. जुनूब—इमारत दारुल इमारत.	यक किता इमारत पुख्ता दो मंजिला, चादरपोश, जिसकी मंजिल अव्वल में मरदाना बोहरा जमाअत खाना और मंजिल दोम में जनाना बोहरा जमाअत खाना है. चोबी जीना मंजिल दोम पर जाने के लिये शुमाली बरआमदे में नसब है. सेहन पुख्ता है, इसमें जानिब मशरिक व मगरिब दोहरे बरआमदे हैं और जानिब शुमाल व जुनूब इकेरे बरआमदे हैं. तंदूर ३ अदद पुख्ता मगरबी बरआमदे में मौजूद हैं. सदर दरवाजे तीन मशरिक, मगरिब और जुनूब में वाके हैं, इसमें गुसलखाने एक जानिब मगरिब और एक पाखाना जानिब जुनूब वाके हैं. सालाना आमदनी २,००० रुपये.	बोहरा जमाअत शहर भोपाल ने चन्दा बाहमी से तामीर करके वक्फ किया है. खेराती— जमाअती तकरीबात.
१०	आराजी मोसूमे हुसेनी हाल वाकै मोहल्ला अलीगंज, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—इमारत दारुल इमारत, मगरिब, मकान—मुल्ला इनायत अली, शुमाल—इमारत जमाअत खाना, जुनूब— सड़क सरकारी.	एक किता आराजी मालियती ५,००० रुपये जिसका तूल व अरज हर चार जानिब ४० फीट है.	बोहरा जमाअत शहर भोपाल ने चंदा बाहम से तामीर करके वकफ की है. खेराती व बराये इन एकाद मजलिस मोहर्रमुल हराम.
११	मकान मोसूमा दारुल इमारत वाकै अन्दरुन मोहल्ला अलीगंज, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.—मशरिक—मकान मुल्ला रज्जब अली, मगरिब—रास्ता जमाअत खाना, शुमाल—इमारत जमाअत खाना, जुनूब—सड़क.	यक किता मकान पुख्ता दो मंजिला जिसका सहन पुख्ता है, इसमें तीन गुसलखाने, एक पाखाना है. बरआमदा पुख्ता हर चार तरफ हैं.—तीन कमरे हैं, दूसरी मंजिल में चार गुसलखाने हैं.	बोहरा जमाअत शहर भोपाल. खेराती—व बराये सकूनत आमिल साहब.
१२ ता १४ ..	कबरस्तान बोहरा वाकै जानिब शुमाल इमारत सेफिया हाईस्कूल, भोपाल. हुदूद अरबा.—मशरिक—सड़क सरकारी, शुमाल व जुनूब—आम कबरस्तान मुसलमानान, मगरिब—आराजी वकफोया मुन्शी हुसेनखां साहब मरहूम.	यक किता आराजी जिसकी चहार दीवार पुख्ता तामीर है. इसका तूल व अर्ज हर चहार जानिब तखमीनन २०० गज है. इसमें एक चाह पुख्ता भी है. एक मसजिद पुख्ता तामीर है. इसका सदर दरवाजा मशरिक रुया है और सदर दरवाजे से मिला हुआ एक मकान पुख्ता यक मंजिला कवेलूपोश भी मौजूद है.	बोहरा जमाअत शहर भोपाल. खेराती—तदफीन बोहरा जमाअत.
१५ ता १६ ..	एक किता मकान वाकै मेहल्ला मालीपुरा, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—मालीपुरा रोड, मगरिब—मकान मुस्तफा खां साहब, शुमाल—भोलाराम, कुनजदगर, जुनूब—मकान मुस्तुफाखां साहब.	यक किता मकान पुख्ता दो मंजिला चादर पोश. इसमें दो किता दुकानात पुख्ता मशरिक रुया भी मौजूद है. मंजिल दोम में दो कमरे एक बावरचीखाना, एक गुसलखाना और एक पाखाना भी है. सालाना आमदनी ४८० रुपये.	मुल्ला अब्दुल हुसेन साहब मरहूम, साकिन मोहल्ला अलीगंज, भोपाल. खेराती—अदाये मसारिफ तामीर मरम्मत मसजिद व मकान हाजा.
१७ ता ३८ ..	बोहरा मसजिद एक वाकै मोहल्ला मालीपुरा, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान हाफिज किफायतुल्ला खां साहब. मगरिब—सड़क सरकारी. शुमाल—मकान काजी कमरुद्दीन साहब. जुनूब—सड़क सरकारी.	बोहरा मसजिद एक. इसकी मंजिल अव्वल मरदाना और मंजील दोम जनाना है. इसके सदर दरवाजे तीन हैं. जिनमें दो शुमाली दीवार में और एक मगरबी दीवार में कायम है. इमारत मसजिद पुख्ता है. सेहन पुख्ता बना हुवा है. इसी में एक चाह पुख्ता भी मौजूद है. होज भी पुख्ता मौजूद है. जीने तीन मंजील दोम पर जाने के लिये है. इसमें मोटर गेरिज और मकबरे भी मौजूद हैं. सालाना आमदनी ३,७८० रुपये है.	बोहरा जमाअत शहर भोपाल. मजहबी—अदाये नमाज व इबादत इलाही.
३९ ता ४२ ..	सराये हाजी मुल्ला हसनअली सा. मरहूम वाकै बेरुन जुमेराती, मंगलवारा रोड, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—इमारत सराये जुज व असगर. मगरिब—मकान नन्दकिशोर सा. शुमाल—कूचा नाफजा. जुनूब—मंगलवारा रोड.	यक किता इमारत पुख्ता दो मंजिला कीमती ३,००५ रु. सदर दरवाजा दो, जिनमें एक जानिब शुमाल है दुसरा जानिब जुनूब वाके है. इसका सेहन पुख्ता है, इसमें गुसलखाने दो और पाखाने, दो, एक होज पुख्ता, मंजिल दोम पर जाने के लिये दो जीने मौजूद हैं. इसीमें एक मसजिद भी है इसीमें ६ किता दुकानात हैं सदर दरवाजे के जानिब मशरिक ३ और जानिब मगरिब तीन हैं. सालाना आमदनी १,७४० रुपये है.	मुल्ला हाजी हसनअली साहब वल्द मुल्ला कादर भाई साहब मरहूम साकिन मेहल्ला अलीगंज, शहर भोपाल. खेराती— बराये कयाम मुसाफिरान बोहरा.

	२	३	४	५
१२	४३.. ..	मकान वाके मुत्तसिल इमारत साबिक दफ्तर सायर कुल भोपाल. हुदूद अरबा:— मशरिक—सायर कुल रोड. मगरिब—आबचक. शुमाल—सड़क सरकारी. जुनूब—मकान मोकूफा सानी.	यक किता मकान यक मंजिला कवेलूपोश है. दो किताआत पर मुश्तमिल है. एक किता मशरिक रूया दुसरा किता शुमाल रूया है सामने दुकाननुमा दरवाजा और एक-एक चबूतरा कायम है, पीछे मुकुन्ती मकान है. सालाना आमदनी १८० रुपये हैं.	मुल्ला रोशनअली मरहूम वल्द मु हाजी हुसनअली मरहूम, साकिन अ गंज, शहर, भोपा खेराती—अदाये म रिफ आबादानी तामीर मरम्मत.
१३	४४ ता ४५ ..	यक किता मकान वाके मुत्तसिल इमारत साबिक सायर कुल. हुदूद अरबा:— मशरिक—सड़क सरकारी. मगरिब—मकान मुल्ला जब्बार हुसेन सा. शुमाल—मकान मोकूफा सानी व आबचक. जुनूब—रास्ता मकान मुल्ला जब्बार हुसेन सा.	यक किता मकान पुख्ता दो मंजिला सिफाला-पोश. दुकान नुमा मकान चार चदमों का दोहरा कमरा. चादरपोश, दो दालान, एक सेहन और एक पाखाना मोजद है. इसमें एक मोटर गेरिज मशरिकरूया जिसमें संगीन फर्श लगा हैं और चादर के आहनी किवाड़ नसब है. सालाना आमदनी ५४० रुपये हैं.	मुल्ला हाजी हुसन सा. मरहूम वल्द मु कादर भाईसाहब हूम, साकिन अली शहर भोप खेराती—अदाये म रिक तामीर मरम्म
१४	४६ ता ४७ ..	मकान वाके जुमेराती रोड, भोपाल हुदूद अरबा:— मशरिक—मकान मोसूमा रतन कुटी. मगरिब—दुकान प्रभूदयाल, हलवाई. शुमाल व जुनूब—सड़क सरकारी.	यक किता मकान पुख्ता दो मंजिला सिफाला-पोश, मालियती ३,५०० रु., जीने दो मंजिल दोम पर जाने के वास्ते कमरा, एक बरआ-मदा एक चादरपोश, एक चांदनी, एक गुसल-खाना और एक पाखाना मोजूद है. और पांच किता दुकानात मंजिल जेरी मकान मुन्दर्जा पुख्ता आगे चबूतरा बरलबे जुमेराती रोड, मुसलसल वाके है. सालाना आमदनी ९०० रुपये है.	मुल्ला हाजी हुसन सा. वल्द मुल्ला क भाई सा. मरहूम, किन मोहल्ला अ गंज, भोपाल. खेराती जरे किरा दौरान माह मोह मुसाफिरान मु सरायेखाना व दी जाती है व म किनो को स खिलाया जाता है
१५	४८.. ..	दुकानात वाके बिल मुकाबिल इमारत थाना शाहजहां आबाद, भोपाल. हुदूद अरबा:— मशरिक—सड़क सरकारी. मगरिब—मकान शराफत मोहम्मद खां. शुमाल—मकान सेठ भगवान जी. जुनूब—मकान डॉक्टर गुबरेल साहब.	सात किता दुकानात दोहरी यक मंजिला कवेलू-पोश जो मुसलसल एक दुसरे से मुलहिक वाके हैं. जिनके आगे सरासरी चबूतरा पुख्ता बना हुवा है व नीज बरआमदा कायम है. सालाना आमदनी २४ रुपये है.	मुल्ला हाजी हुसन सा. वल्द मुल्ला क भाई सा. मरहूम, किन मोहल्ला गंज, भोपाल. खेर जरे किराये में दौरान मोहर्रम मु फिरान मुकीम स को खाना वगैरा जाता है.
१६	४९ ता ५० ..	मकान मुतअल्लिका फेज हुसेनी वाके लोहा बाजार, भोपाल. हुदूद अरबा:— मशरिक—लोहा बाजार रोड. मगरिब—कूचा नाफजा. शुमाल—मकान मुल्ला अब्दुल कादर, कुरबान अली साहब. जुनूब—मकान अब्दुल कय्यूम.	यक किता मकान पुख्ता दो मंजिला सिफाला-पोश. जीना एक अकब मकान से, मंजिल दोम नं. १ बालाखाना एक जिसके सामने चांदनी है.पाखाना एक जेरीन मकान. दो किता दुका-नात पुख्ता मशरिक रूया इकेरी जिनके आगे चबूतरा सायेबान मोजूद है.यह दोनों दुकानें एक-दुसरे से मिली हुई हैं. सालाना आमदनी ६९० रुपये हैं.	मुल्ला मोहसिन वल्द मुल्ला मोहम्मद सा. सा लखेरापुरा, भो खेराती—माह रम मुबारिक की तारीख को नियाज खाना किया जात
१७	५१ ता ५२ ..	मकान मुतअल्लिका फेज हुसेनी वाके लखेरा-पुरा, भोपाल. हुदूद अरबा:— मशरिक—कूचा नाफजा. मगरिब—मकान हरीराम पटवा. शुमाल—पीर दरवाजा रोड़ जुनूब—मकान अब्दुल कय्यूम व अख्तर हुसेन साहब.	यक किता मकान पुख्ता सेह मंजिला सिफाला-पोश जिसकी मंजिल दोम में बालाखाना एक, बरआमदा एक, दालान एक,गुसलखाना एक. मंजिल सोममें कमरा एक,चांदनी एक. हिस्सा अव्वल में. एक किता दुकान शुमाल रूया दो चश्मी जिसके आगे चबूतरा पुख्ता मोजूद है. सालाना आमदनी ३२४ रु. है.	मुल्ला मोहसिन वल्द मुल्ला अली म्मद सा., सा लखेरापुरा भोपाल. खेराती रमजानुल मुबारि १७ तारीख नियाज का किया जाता है.
१८	५३ ता. ७१ व १०१ ता. १०६	इमारत सेफिया इन्टरमीजियेट कॉलेज वाके बरलबे अलीगंज रोड भोपाल. हुदूद अरबा:— मशरिक—अलीगंज रोड. मगरिब—इमारत सेफिया हाईस्कूल. शुमाल—नाला और बाद तकिया कलंदरशाह. जुनूब—इमारत कसेर सेफी व इमारत मस-जिद बोहरा.	यक किता इमारत सेफिया इन्टरमीजियेट कॉलेज पुख्ता दो मंजिला मुश्तमिल बर मंजिल अव्वल, सदर दरवाजा,मशरिक रूया बरलबे अलीगंज रोड जिसमें दो आहनी दरवाजे, दोनों दरवाजों के दरमियान जीना मंजिल दोम पर जाने का. इसमें कमरेहैं बर-लबे अलीगंज रोड बरआमदा मगरिब रूया कमरेजात मजकूर के आगे पेशावखाना एक	जमीन के वाकिफ अब्दुल हुसेन मुल्ला खानअली साकिन अ भोपाल, नं. २ इ के वाकिफ व त कुनन्दा सेठ सज्जाद हुसेन

३	४	५
	शुमाली गोशे में, दूसरा जुनूबी गोशे में वाके है. कॉलेज कम्पाउन्ड में पाखाना एक शुमाली दीवार से मुलहिक है. दुसरी मंजिल में पांच कमरे हैं. दो गुसल खाने और दो पेशाबखाने भी मोजूद हैं, एक बरआमदा जानिब मशरिक और मंजिल सोम में एक बरआमदा नीज नं. १. यक किता दुकान मशरिक रूया इकेहरी पुख्ता बरलबे अलीगंज रोड व यक किता गेरीज पुख्ता चादरपोश जिसमें आहनी चादर के किवाड़ नसब हैं. यक किता क्वार्टर पुख्ता यक मंजिला जिसमें ३ कमरे और कमरे के आगे बरआमदा चादरपोश इसमें दो दरवाजे आमदोरफ्त के लिये कायम हैं. यक किता इमारत पुख्ता यक मंजिला व दो मंजिला सेफिया हाईस्कूल जिसका नं. २ गेट मशरिक रूया बरलबे अलीगंज रोड है. इसमें ५ कमरे जात पुख्ता टाइलपोश शुमाल रूया उसके आगे बरआमदे कायम हैं. इसके अलावा सात कमरेजात पुख्ता टाइलपोश मगरिब रूया, इसके आगे सिमेन्ट का पुख्ता बरआमदा कायम है, इन कमरों के दरमियान एक दरवाजा आमदोरफ्त के लिये मोजूद है. नीज हाल दो मंजिला चादरपोश जिसके चारों तरफ बेरुनी बरआमदा और अन्दरूनी बालकनी कायम है अलावा अजी पांच कमरे जात टाइलपोश जुनूब रूया जिसके आगे सिमेन्ट का बरआमदा व ३ कमरे जात टाइलपोश शुमाल रूया जिसके आगे बरआमदा व ५ कमरे जात टाइलपोश जुनूब रूया जिसके आगे बरआमदा, पाखाने ३ शुमाल रूया जुनूबी दीवार अहाते से मुलहिक, वाटर रूम एक जुनूबी दीवार में मोजूद है. नं. ३ यक क्वार्टर पुख्ता यक मंजिला शुमाल रूया इसमें दो कमरे एक बरआमदा हाजरी वाला है. एक बावरचीखाना भी मोजूद है. नं. ४ यक किता क्वार्टर यक मंजिला टाइलपोश मशरिक रूया इसमें दो कमरे. नं. ५ यक किता क्वार्टर पुख्ता जिसका सदर दरवाजा जाफरीदार है. इसमें दो कमरे एक बरआमदा एक बावरची खाना मोजूद है. नं. ६ यक किता क्वाटर मुलहीक क्वार्टर नं. ५ नं. ७ यक किता क्वार्टर मुलहिक क्वार्टर नं. ६. नं. ८ यक किता क्वार्टर पुख्ता टाइलपोश इसमें एक जीना सिमेन्ट का मंजिल दोम पर जाने का, कमरे २, बावरचीखाना एक, सेहन एक मोजूद है. नं. ९ यक किता क्वार्टर वाके मंजिल दोम मुलहिक क्वार्टर नं. ८. नं. १० यक किता क्वार्टर वाके मुलहिक क्वार्टर नं. ९. नं. ११ दो किता पाखाने पुख्ता चादरपोश जिसमें एक मशरिक रूया दूसरा मगरिब रूया कायम है. नं. १२ यक किता क्वार्टर पुख्ता दो मंजिला बर मंजिल अव्वल दरवाजे दो जुनूब रूया इसमें कमरे दो, गुसलखाना एक, बावरचीखाना एक, मंजिल दोम में दो कमरे, एक गुसलखाना मोजूद है. नं. १३ दो किता मोटर गेरेज जुनूब [illegible] चादरपोश व दीवार चादर आहनी वाके [illegible]	मुल्ला एहसान हुसेन–सा., साकिन अलीगंज, शहर भोपाल. शेराती तालीम आम, अदाये मसारिक सेफीया इंटरमीजियेट कॉलिज व मरम्मत वगैराह.

१	२	३	४	५
			नं.१४ यक मसजिद पुख्ता यक मंजिला जिसके तीन गुम्बद हैं. इसका सदर दरवाजा जानिब मशरिक है और जिसके अन्दर एक चाह पुख्ता भी मोजूद है.	
			नं.१५ मौज एक किता इमारत पुख्ता दो मंजिला इसमें कमरे टाइलपोश ४, बरआमदे २, पेशावखाना, बावरचीखाना व पाखाना और तीन चांदनियां हैं और एक दुकान बर-लबे अलीगंज रोड व ४ कमरेंजात जो इसी से मुतअल्लिक हैं. सालाना आमदनी ७,३०८ रुपये है.	
१९	७२ ता ७३ ..	मकान यक किता वाके मोहल्ला फतेहगढ़, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—आबचक व बादहू मकान मोहम्मद इसहाक साहब. मगरिब व शुमाल—सड़क सरकारी. जुनूब—मकान मोहम्मद इसहाक साहब.	यक किता मकान पुख्ता यक मंजिला व दो मंजिला जिसका सदर दरवाजा मगरिबरूया मय डेवढ़ी इसमें कोठरियां दो, सेहन खाम कमरे छे, बावरचीखाने २, गुसलखाना एक, पाखाना एक, बरआमदा एक, जीना मंजिल दोम पर जाने का डेवढ़ी में है. मंजिल दोम में कमरे दो मशरिकरूया. बरआमदा चादर-पोश जानिब मगरिब है. इसमें तीन कोठरियां, पाखाना व गुसलखाना व बावरची खाना मोजूद है और दो चांदनियां भी हैं. मंजिल अव्वल में एक मोटर गैरिज पुख्ता मगरिब रूया जिसमें चोबी फाटकनुमा किवाड़ नसब है. सालाना आमदनी १,२०० रुपये है.	मुल्ला हैदर हुसेन वल्द मुल्लामोह[illegible] हुसेन सा., सा[illegible] ललतपूर, यू. पी., रातो—जरे कि[illegible] माहाना सेफिया [illegible] स्कूल के कयाम [illegible] सर्फ होता है.
२०	७४ ता ७५ ..	मकान मोहूरी सेकी मंजिल वाके चोक बाजार, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान सेठ सरदारमल साहब, जलवानी. मगरिब—चौक बाजार रोड. शुमाल—मकान सेठ बाबूलाल साहब. जुनूब—गली आम.	यक किता मकान सेह मंजिला पुख्ता, सदर दरवाजा जुनूब रूया अकबी गली से, जीना बेरूनी मंजिल दोम पर जाने के लिये है. मंजिल दोम में दो कमरे, एक पाखाना और एक गुसल खाना व बरआमदा मगरिब रूया बना हुआ है और इसीमें जीना मंजिल सोम पर जाने के वास्ते है. मंजिल सोम में दो कमरे, एक गुसलखाना, एक चांदनी मोजूद है. मंजिल अव्वल में एक किता दुकान पुख्ता दोहरी मगरिब रूया है. इस दुकान में जीना अन्दरूनी मंजिल दोम पर जाने के वास्ते बना हुवा है. सालाना आमदनी ८१० रुपये है.	बोहरा जमाअत, भोपाल, खेराते[illegible] किराया सेफिया[illegible] स्कूल मोहल्ला [illegible] गंज के कयाम [illegible] होता है.
२१	७६ ता ७८ ..	मकान वाके चोक बाजार, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक व शुमाल—मकान मुल्ला कुरबान अली साहब. मगरिब—चोक बाजार रोड. जुनूब—दुकान मुल्ला मोहम्मद हुसेन साहब.	यक किता मकान पुख्ता दो मंजिला चादरपोश मंजिल अव्वल में एक जीना मंजिल दोम पर जाने के लिये है, मंजिल दोम में कमरा एक चादर पोश मगरबी रूया और एक बरआमदा है, मंजिल अव्वल में दो किता दुकानात पुख्ता-भी मोजूद हैं. सालाना आमदनी ६०० रु. है.	बोहरा जमाअत[illegible] भोपाल, खेरात[illegible] किराया सेफिय[illegible] स्कूल, मोहल्ला [illegible] गंज के कयाम [illegible] होता है.
२२	७९ ता ८१ ..	इमारत साबेका प्रायमरी स्कूल मौसूमे सेफिया प्रायमरी स्कूल वाके बरलबे अलीगंज रोड, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक व शुमाल—मे गली सरकारी. मगरिब—अलीगंज रोड. जुनूब—मकान मुल्ला कुरबानअली सा.	यक किता इमारत पुख्ता सेह मंजिला चादर-पोश मंजिल अव्वल, सदर दरवाजा मगरिब रूया बरलबे अलीगंज रोड जीना पुख्ता मंजिल दोम पर जाने के वास्ते कायम है. मंजिल दोम में कमरे तीन बराये सिन्धी बोहिज मिडिल स्कूल. इसका सेहन पुख्ता है एक पाखाना है और तीन बरआमदे हैं. इसमें जीने दो जिनमें से एक जानिब मशरिक दुसरा जानिब मगरिब मंजिल सोम पर जाने के लिये कायम हैं. मंजिल सोम में तीन कमरे एक पेशाब खाना, कोठरियां दो कायम हैं और बरआमदे ३ चादरपोश भी मौजूद हैं. नीज इसी में दो किता दुकानात भी हैं और पुख्ता हैं. सालाना आमदनी ९६० रुपये है.	बोहरा जमाअत, भोपाल, खेरात[illegible] किराया सेफि[illegible] स्कूल, मोहल्ला [illegible] गंज के कयाम [illegible] होता है.
२३	८२.. ..	कोठरी नं. १ मशमूला इमारत पुख्ता दो मंजिला वाके बरलबे अलीगंज रोड, भोपाल. [illegible] हुदूद अरबा.— [illegible]—मकान गोविंदसिंह व केसरसिंह साहेबान. [illegible]—अली[illegible]गंज रोड.	बर वक्त कायमी वक्फ हाजा. यह कुल यकजाइ इमारत थी जिसको बाद में अलहदा-अलहदा हिस्सों में तकसीम करके हर हिस्से को कि-राये पर दिया गया. कुल इमारत का हुदूद अरबा यह है. मशरिक में कच्चा नाफजा व मकान गोविंदसिंह व केसरसिंह साहेबान,	बोहरा जमाअत[illegible] भोपाल, खेरात[illegible] किराया सेफि[illegible] स्कूल के कयाम [illegible] होता है.

३	४	५
शुमाल—आराजी उफतादा म्युनिसिपल बोर्ड. जनूब—कोठरी नं. २.	मगरिब—अलीगंज रोड, शुमाल—आराजी उफतादा म्युनिसिपल बार्ड भोपाल, जुनूब—मकान मुल्ला मुजम्मल हुसैन साहब. यह कुल इमारत दो मंजिला पुख्ता कवेलूपोश है जिसकी मंजिल दोम में मगरिब रूया चोबी बरआमदा टाइलपोश तामीर है. सालाना आमदनी १८ रुपये है.	
.. कोठरी नं. २ मशमूला इमारत पुख्ता दो मंजिला वाके बरलबे अलीगंज रोड. हुदूद अरबा. मशरिक—मकान गोविंदसिंह सा. व केसरीसिंह सा. मगरिब—अलीगंज रोड. शुमाल—कोठरी नं. १. जुनूब—कोठरी नं. ३.	हुस्व खाना नं. ४ महाजी सिलसिला नं. ८२, सालाना आमदनी २४ रुपये हैं.	बोहरा जमाअत, शहर भोपाल, खैराती—जरे किराया सैफिया हाईस्कूल के कयाम में सर्फ होता है.
.. कोठरी नं. ३ मशमूला इमारत पुख्ता दो मंजिला वाके बरलबे अलीगंज रोड. जानिब जुनूब, कोठरी नं. २, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान गोविंदसिंह सा. मगरिब—अलीगंज रोड. शुमाल—कोठरी नं. २. जुनूब—कोठरी नं. ४.	हुस्व खाना नं. ४ महाजी सिलसिला नं. ८२, सालाना आमदनी २४ रुपये है.	बोहरा जमाअत शहर भोपाल, खैराती—जरे किराया सैफिया हाईस्कूल के कयाम में सर्फ होता है.
.. कोठरी नं. ४ मशमूला इमारत पुख्ता दो मंजिला वाके बरलबे अलीगंज रोड जानिब जुनूब कोठरी नं. ३, भोपाल, हुदूद अरबा:— मशरिक—मकान गोविंदसिंह सा. व मकान केसरीसिंह साहब. मगरिब—अलीगंज रोड. शुमाल—कोठरी नं. ३. जुनूब—कोठरी नं. ५.	हुस्व खाना नं. ४ महाजी सिलसिला नं. ८२, सालाना आमदनी २४ रुपये है.	बोहरा जमाअत शहर भोपाल खैराती—जरे किराया सैफिया हाईस्कूल के कयाम में सर्फ होता है.
.. कोठरी नं. ५ मशमूला इमारत पुख्ता, दो मंजिला वाके बरलबे अलीगंज रोड. मशरिक—मकान गोविंदसिंह सा. व मकान केसरीसिंह साहब. मगरिब—अलीगंज रोड. शुमाल—कोठरी नं. ४. जुनूब—कोठरी नं. ६.	हुस्व खाना नं. ४ महाजी सिलसिला नं. ८२, सालाना आमदनी २४ रुपये है.	बोहरा जमाअत शहर भोपाल, खैराती—जरे किराया सैफिया हाईस्कूल के कयाम में सर्फ होता है.
.. कोठरी नं. ६ मशमूला इमारत पुख्ता दो मंजिला वाके बरलबे अलीगंज रोड, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान गोविंदसिंह सा. मगरिब—अलीगंज रोड. शुमाल—कोठरी नं. ५. जुनूब—कोठरी नं. ७.	हुस्वखाना नं. ४ महाजी सिलसिला नं. ८२ सालाना आमदनी २४ रुपये है.	बोहरा जमाअत, शहर भोपाल खैराती—जरे किराया सैफिया हाईस्कूल के कयाम में सर्फ होता है.
.. कोठरी नं. ७ मशमूला इमारत पुख्ता दो मंजिला वाके बरलबे अलीगंज रोड, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान गोविंदसिंह सा. मगरिब—अलीगंज रोड. शुमाल—कोठरी नं. ६. जुनूब—कोठरी नं. ८.	हुस्वखाना नं. ४ महाजी सिलसिला नं. ८२ सालाना आमदनी २४ रुपये है.	बोहरा जमाअत, शहर भोपाल, खैराती—जरे किराया सैफिया हाईस्कूल के कयाम में सर्फ होता है.
.. कोठरी नं. ८ मशमूला इमारत पुख्ता दो मंजिला वाके बरलबे अलीगंज रोड, भोपाल. हुदूद, अरबा.— मशरिक—मकान गोविंदसिंह सा. मगरिब—अलीगंज रोड. शुमाल—कोठरी नं. ७. जुनूब—जीना पुख्ता.	हुस्वखाना नं. ४ महाजी सिलसिला नं. ८२ सालाना आमदनी २४ रुपये है.	बोहरा जमाअत, शहर भोपाल, खैराती—जरे किराया सैफिया हाईस्कूल के कयाम में सर्फ होता है.
.. जीना पुख्ता मशमूला इमारत पुख्ता दो मंजिला वाके बरलबे अलीगंज रोड भोपाल, हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान गोविंद सिंह सा. मगरिब—अलीगंज रोड. शुमाल—कोठरी नं. ८. जनूब—मकान मुल्ला मुजम्मील हुसैन सा.	हुस्वखाना नं. ४ महाजी सिलसिला नं. ८२ . .	बोहरा जमाअत शहर भोपाल खैरात—बराये इस्तेमाल व इस्तफिदा सा कनान मंजिल दोम.

१	२	३	४	५
३२	९१	क्वार्टर नं. १ वाके जानीब जुनूब मंजिल दोम मशमूला इमारत पुख्ता वाके बरलबे अली-गंज रोड भोपाल, हुदूद अरबा.— मशरिक—गली नाफजा. मगरिब—अलीगंज रोड. शुमाल—क्वार्टर नं. २. जुनूब—मकान मुल्ला मुजम्मील हुसेन सा.	यक किता क्वार्टर बरआमदा चादरपोश मग-रिब रूया, कमरे २ कवेलूपोश, दालान चादरपोश दो, जिनमें एक मशरिक रूया दुसरा शुमाल रूया है पाखाना एक, सहन खाम. सालाना आमदनी ९० रुपये है.	बोहरा जमाअत, श भोपाल, खेराती- किराया सेफिया ह स्कूल के कयाम में होता है.
३३	९२	क्वार्टर नं. २ वाके जानिब शुमाल क्वार्टर नं. १ मशमूला इमारत पुख्ता बरलबे अलीगंज रोड हुदूद अरबा.— मशरिक—गली नाफजा. मगरिब—अलीगंज रोड. शुमाल—क्वार्टर नं. ३. जुनूब—क्वार्टर नं. १.	यक किता क्वार्टर पुख्ता टाइलपोश जिसमें ३ बरआमदे एक मगरिब रूया, दुसरा शुमाल रूया, तीसरा मशरिक रूया, टीनपोश है, कमरा एक मशरिक रूया, सेहन खाम, गुसल-खाना एक खाम. सालाना आमदनी ३० रु. है.	बोहरा जमाअत, श भोपाल, खेराती- किराया सेफिया ह स्कूल के कयाम में होता है.
३४	९३	क्वार्टर नं. ३ वाके जानिब शुमाल मशमूला इमारत पुख्ता बरलबे अलीगंज रोड. हुदूद अरबा.— मशरिक—गली नाफजा. मगरिब—अलीगंज रोड. शुमाल—क्वार्टर नं. ४. जुनूब—क्वार्टर नं. २.	यक किता क्वार्टर कवेलूपोश इसमें एक कमरा दो बरआमदे, एक मगरिब रूया, दुसरा मश-रिक रूया है, इसका सेहन खाम है. सालाना आमदनी ३० रुपये हैं.	बोहरा जमाअत, श भोपाल, खेराती- किराया सेफिया ह स्कूल के कयाम में होता है.
३५	९४	क्वार्टर नं. ४ वाके जानिब शुमाल मशमूला इमारत पुख्ता बरलबे अलीगंज रोड, भोपाल, हुदूद अरबा.— मशरिक—गली नाफजा. मगरिब—अलीगंज रोड. शुमाल—क्वार्टर नं. ५. जुनूब—क्वार्टर नं. ३.	यक किता क्वार्टर कवेलूपोश, इसमें एक कमरा, दो बरआमदे, एक मगरिब रूया दुसरा मश-रिक रूया है. इसका सेहन खाम है. सालाना आमदनी ३० रुपये है.	बोहरा जमाअत, श भोपाल, खेराती- किराया सेफिया ह स्कूल के कयाम में होता है.
३६	९५	क्वार्टर नं. ५ मशमूला इमारत पुख्ता बरलबे अलीगंज रोड भोपाल, हुदूद अरबा.— मशरिक—गली नाफजा. मगरिब—अलीगंज रोड. शुमाल—क्वार्टर नं. ६. जुनूब—क्वार्टर नं. ४.	यक किता क्वार्टर कवेलूपोश इसमें एक कमरा और दो बरआमदे एक मगरिब रूया दुसरा मशरिक रूया मोजूद है. सेहन खाम है, सालाना आमदनी ३० रुपये है.	बोहरा जमाअत, श भोपाल, खेराती- किराया सेफिया ह स्कूल के कयाम में होता है.
३७	९६ ..	क्वार्टर नं. ६ मशमूला इमारत पुख्ता बरलबे अलीगंज रोड, भोपाल, हुदूद अरबा.— मशरिक—गली नाफजा मगरिब—अलीगंज रोड शुमाल—क्वार्टर नं. ७. जुनूब—क्वार्टर नं. ५.	यक किता क्वार्टर कवेलूपोश इसमें एक कमरा, २ बरआमदे—एक मगरिब रूया दूसरा मशरिक रूया मोजूद है. सेहन खाम है. नीज क्वार्टर हाजा के शुमाली गोशे में ब इस्तसनाये क्वार्टर नं. १ के बकीया जुमला क्वार्टर्स का मुश्तरका पाखाना मोजूद है. सालाना आमदनी २४ रुपये.	बोहरा जमाअत, श भोपाल, खेराती- किराया सेफिया ह स्कूल के कयाम सर्फ होता है—
३८	९७	क्वार्टर नं. ७ मशमूला इमारत पुख्ता बरलबे अलीगंज रोड, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—क्वार्टर नं. ८, मगरिब—क्वार्टर नं. ६, शुमाल—आराजी उफतादा म्युनिसिपल बोर्ड, जुनूब—जिमन क्वार्टर नं. ५ व ६.	यक किता क्वार्टर, इसमें एक कोठरी कवेलू-पोश शिकिस्ता व बरआमदा कवेलूपोश शिकिस्ता है, सेहन खाम है.	बोहरा जमाअत, भोपाल, खेराती- किराया सेफिया स्कूल के कयाम सर्फ होता है.
३९	९८	क्वार्टर नं. ८, मशमूला इमारत पुख्ता बर-लबे अलीगंज रोड, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—गली. मगरिब—क्वार्टर नं. ५ व ६. शुमाल—क्वार्टर नं. १०. जुनूब—क्वार्टर नं. ९.	यक किता क्वार्टर, इसमें एक कोठरी कवेलू-पोश शिकिस्ता व बरआमदा कवेलूपोश शिकिस्ता है, सेहन खाम है.	बोहरा जमाअत, भोपाल, खेराती- किराया सेफीया स्कूल के कयाम सर्फ होता है.
४०	९९	क्वार्टर नं. ९ मशमूला इमारत पुख्ता बर-लबे अलीगंज रोड, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—गली. मगरिब—सेहन क्वार्टर नं. ५ व ६. शुमाल—क्वार्टर नं. ८. जुनूब—गली.	यक किता क्वार्टर कवेलूपोश, इसमें एक कमरा, एक चबूतरा खाम है. सालाना आमदनी २४ रुपये.	बोहरा जमाअत, भोपाल, खेराती किराया सेफीया स्कूल के कय सर्फ होता है
४१	१०० ..	क्वार्टर नं. १० वाके मशमूला इमारत पुख्ता बरलबे अलीगंज रोड, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—गली. मगरिब—क्वार्टर नं. ७ शुमाल—आराजी उफतादा म्युनिसिपल बोर्ड. जुनूब—क्वार्टर नं. ८.	यक किता क्वार्टर मुश्तमिल यक कमरा कवेलूपोश जिसका यक दरवाजा जानिब शुमाल, एक जानिब जुनूब कायम है. सालाना आमदनी १२ रुपये.	बोहरा जमाअ भोपाल, खेर किराया सेफि स्कूल के सर्फ होता है

२	३	४	५
	बूटानिकल गारडन (बाग नबाताती) वाकै बेलदारपुरा, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.– मशरिक–मकान सेठ सज्जाद हुसेन साहब. मगरिब–इमारत सेफिया कॉलेज. शुमाल–सेफिया कॉलेज रोड. जुनूब–कूचा नाफजा.	यक किता आराजी बाग इसका तूल शरकन व गरबन ८१ फीट और अर्ज शुमालन व जुनूबन ४७ फीट है.	मुल्ला सेठ सज्जाद हुसेन साहब वल्द मुल्ला ऐहसान हुसेन साहब मरहूम वाकै मोहल्ला अलीगंज रोड, भोपाल. खैराती तालीम आम.
ता १४२ ३ ता १९४.	ऐहसान बिल्डिंग उर्फ काफी हाउस वाकै हमीदिया रोड, निजद रेलवे स्टेशन, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक–लेडी अस्पताल रोड. मगरिब–कोठी लालजी भाई साहब ठेकेदार. शुमाल–हमीदिया रोड. जुनूब–सर्विस रोड, भोपाल ट्रान्सपोर्ट.	ऐहसान बिल्डिंग एक चार मंजिला पुख्ता सीमेंट की तामीरशुदा है, इसके हर चार जानिब कम्पाउन्ड था लेकिन अब इसमें मुख्तलिफ क्वार्टर्स तामीर हो चुके हैं. इसके बावजूद चार अलहदा-अलहदा किताआत कम्पाउन्ड में तकसीम होगया है. नीज असल बिल्डिंग के भी मुख्तलिफ हिस्से कर दिये गये हैं. इसमें बारह क्वार्टर और सत्रह हिस्से हैं. मंजिल अव्वल में गुसलखाना और पाखाना भी तामीर हैं और चार मोटर गेरिज पुख्ता तामीर हैं. इसमें एक पुख्ता चाह भी मौजूद है. नीज छः कम्पाउन्ड और पन्द्रह हिस्से कतआत और दो मोटर गेरिज भी पुख्ता तामीर हैं. सालाना आमदनी १९,८१८ रुपये है.	सेठ मुल्ला सज्जादहुसेन साहब वल्द मुल्ला ऐहसान हुसेन साहब मरहूम साकिन मोहल्ला अलीगंज, शहर भोपाल. खैराती तालीम दीनी कौमी व मसारिफ तामीर मरम्मत.
ता २०३..	आराजी उफतादा वाकै निजद भोपाल टाकीज बरलबे हमीदिया रोड, भोपाल. हुदूद अरबा.– मशरिक–बिल्डिंग शमशुद्दीन साहब. मगरिब–रास्ता आम. शुमाल–आराजी कब्रस्तान. जुनूब–हमीदिया रोड.	बरवक्त कायमी वक्फ व तहरीर तकमील वक्फनामा यह आराजी उफतादा एक प्लाट की शकल में मौजूद थी जिसकी कीमत वक्फनामे में ६०० रुपये दर्ज है. इसका तूल शरकन व गरबन ८५ फीट और अर्ज शुमाल व जुनूब ५५ फीट था. अब बहालते मौजूदा इसमें सीमेंट की दो मंजिला इमारत तामीर हो चुकी है. इसकी मंजिल अव्वल में बरलबे हमीदिया जुनूब रूया पुख्ता दुकानात बनी हुई हैं, जिनके दरमियान में एक पुख्ता सीमेंट का जीना मंजिल दोम में जाने के वास्ते कायम है. मंजिल अव्वल के अकबी हिस्से में मालगोदाम के कमरे बने हुए हैं. मंजिल दोम म पुख्ता कमरेजात जुनूब रूया व शुमाल रूया तामीर हैं और बरलबे रोड बालकनी मौजूद है. सालाना आमदनी ७,९८० रुपये.	सेठ मुल्ला सज्जाद हुसेन साहब वल्द मुल्ला ऐहसान हुसेन साहब मरहूम साकिन मोहल्ला अलीगंज, शहर भोपाल. खैराती तालीम दीनी कौमी व मसारिफ तामीर मरम्मत.
ता २०९..	मकान सुकुन्ती वाकिफ सा. और उनकी औलाद का वाकै बरलबे अलीगंज रोड, मोहल्ला मसजिद फरीदूखां, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक–अलीगंज रोड. मगरिब–कूचा नाफजा. शुमाल–मकान मुल्ला जाफर हुसेन गुलाम हुसेन साहबान. जनब–मकान मुल्ला मेंहदी हुसेन साहब.	यक किता मकान पुख्ता चार मंजिला, मालीयती १०,००० रु. जिसका तूल १०० फीट है और अर्ज ४५ फीट है. इस मकान की मंजिल अव्वल के तीन अलहदा-अलहदा हिस्से किये गये हैं और हर हिस्से अलग-अलग किराये पर हैं. नीज बरलबे सड़क दुकानात तामीर हैं. मंजिल दोम व सोम व चहारुम में वाकिफ साहब और उनके ऐहलो व अयाल की सकूनत है. हिस्सा अव्वल में डेवढ़ी मशरिक रूया तेहरी पुख्ता महराबदार, सेहन पुख्ता दरवाजा सदर सानी मगरिब रूया है. कमरे दो. जीना अंदरूनी दो. मंजिल दोम में जाने के लिये जीना बेरूनी मशरिक रूया मंजिल दोम पर जाने के वास्ते कायम है. हिस्सा दोम को तीन मसावी हिस्सों में तकसीम करके किराये पर दिया गया है. इसी तरह हिस्सा सोम कायम है. हिस्सा चहारुम में कमरे दो जानिब मशरिक-मगरिब रूया बरआमदा कमरों के आगे जानिब-मगरिब है. सेहन कमरों के दरमियान है. गुसलखाना व पाखाना, स्टोर-रूम, दो चांदनी, कमरा एक, कोठरी जानिब जुनूब, कमरा एक जानिब मगरिब व मशरिक रूया, जिसके आगे चादरपोश चांदनी है. नीज चांदनी पुख्ता एक, एक जीना मंजिल दोम पर जाने	सेठ मुल्ला सज्जाद हुसेन साहब वल्द मुल्ला ऐहसान हुसेन साहब मरहूम साकिन मोहल्ला अलीगंज, भोपाल. खैराती तालीम दीनी कौमी मसारिफ तामीर मरम्मत.

१	२	३	४	५
			के लिये है. सोम कमरा एक चादरपोश, चांदनी पुख्ता. कमरा सानी गुसलखाना एक चांदनी चादरपोश भी है. मंजिल चहारुम. चांदनी पुख्ता, जीना मंजिल चहारुम पर जाने का है. इसके अलावा सेह किता दुकानात दोहरी मशरिक रूया हैं. सालाना आमदनी १८० रुपये.	
४६	२१० ता २१२ ..	मकान सानी सुकुन्ती वाकिफ साहब और उनकी औलाद का वाकें मुत्तसिल इमारत सेफिया इण्टरमीजियेट कॉलेज बरलबे अलीगंज रोड, भोपाल. हुदूद अरबा.– मशरिक–अलीगंज रोड. मगरिब–मकान व आराजी उफतादा मुल्ला शमशाद अली साहब. शुमाल–सेफिया इण्टर कॉलेज रोड. जनूब–कूचा नाफजा.	यक किता मकान पुख्ता सेह मंजिलाम ालियती १०,००० रुपये मंजिल अव्वल में. सदर दरवाजा मशरिक रूया बरलबे अलीगंज रोड, जीना पुख्ता मंजिल दोम पर जाने का. कोठरी एक मशरिक रूया कमरा अकबी एक. मंजिल दोम. कमरा एक जीने के जानिब शुमाल व एक कमरा जानिब जुनूब बालकनी पुख्ता दो कमरों के आगे. कमरा अकबी एक बावरचीखाना व गुसलखाना व पाखाना व जीना मंजिल सोम पर जाने के वास्ते हैं. मंजिल सोम में कमरा एक, बरआमदा दो इसमें दो किता मोटर गेरिज और दो किता दुकानात पुख्ता कायम हैं. सालाना आमदनी ६०० रुपये.	सेठ मुल्ला सज्जाद हुसेन साहब वल्द मुल्ला ऐहसान हुसेन साहब मरहूम मोहल्ला अलीगंज रोड, भोपाल. खैराती, तालीम दीनी व मसारिफ तामीर मरम्मत.
४७	२१३ ता २१६ ..	मकान वार्के मोहल्ला चौकी इमामबाड़ा बरलबे नूरमहल रोड, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक–कूचा नाफजा. मगरिब–मकान नन्नेखां साहब. शुमाल–नूरमहल रोड. जुनूब–कूचा नाफजा.	यक किता मकान दो मंजिला चादरपोश बर मंजिल अव्वल. सदर दरवाजा शुमाल रूया बरलबे नूरमहल रोड जीना मंजिल दोम पर जाने के लिये. मंजिल दोम में दो कमरे बरआमदा चोबी सेहदरा पाखाना व गुसलखाना भी मौजूद है व नीज दो किता दुकानात पुख्ता व यक किता कोठरी पुख्ता जुनूब रूया जिसमें चोबी चौखट व किवाड़ नस्व हैं. सालाना आमदनी ६६० रुपये.	सेठ मुल्ला सज्जाद हुसेन साहब वल्द मुल्ला ऐहसान हुसेन साहब मरहूम साकिन मोहल्ला अलीगंज रोड भोपाल. खैराती तालीम दीनी कौमी व मसारिफ तामीर मरम्मत.
४८	२१७ ता २३६ ..	मकान वार्के मोहल्ला बरखेड़ी मुतसिल पातरा नदी, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.– मशरिक–मकान सुन्दरलाल, काछी. मगरिब–सड़क सरकारी. शुमाल–मकान रादेबाई दरमियान में आवचक. जुनूब–मकान खान बाजखां साहब.	यक किता मकान पुख्ता यक मंजिला कवेलूपोश जोकि वाकिफ साहब ने मोहम्मद अली साहब, ठेकेदार से सन् १९४६ ई. में ६,३०० रुपये में खरीदा था. बादहू इस मकान को १८ किता क्वार्टर्स में तकसीम करके अलग-अलग हर क्वार्टर को किराये पर दिया गया है. इनमें एक सेहन खास जो अन्दरूनी मशरकी ८ किता क्वार्टर्स ११ लगायत १८ के आगे वाके हैं और इन जुमला क्वार्टरान का मुशतरका सेहन है. सालाना आमदनी ६६० रुपये.	सेठ मुल्ला सज्जाद हुसेन साहब वल्द मुल्ला ऐहसान हुसेन साहब मरहूम साकिन मोहल्ला अलीगंज, शहर भोपाल. खैराती तालीम दीनी कौमी मसारिफ तामीर मरम्मत.
४९	२३७ ता २५० ..	(अ) वक्फ जेनबबाई साहेबा मरहूमा मोसूमा जेनब मंजिल वार्के मोहल्ला लखेरापुरा, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक–मकान अब्दुल वली खां साहब. मगरिब–मकान इस्माइल खां साहब. शुमाल–मकान मियां सआदत मोहम्मद खां साहब मरहूम. जुनूब–मकान हाजा की आवचक बादहू मकान मुल्ला इसरार हुसेन साहब.	इस वक्फ में जुमला पांच किता मकानात यक मंजिला व दो मंजिली और चार किता दुकानात शामिल हैं और तमाम जायदाद मोकूफा की तखमीनी मालियत २०,००० रुपया है इसमें तीन किता मकानात एक मंजिला व दो मंजिला एक दूसरे से मिल हुए है. १. यक किता मकान पुख्ता दो मंजिला सिफालापोश है. मंजिल अव्वल में सदर दरवाजा मशरिक रूया है. सेहन खाम है दालान जानिब मशरिक व मगरिब रूया दालान सानी शुमाल व जुनूब रूया है. दो कमरे हैं. दो मंजिले की मकानियत भी इसी नोइयत की है. २. यक किता मकान पुख्ता यक मंजिला सिफालापोश शुमाल रूया है इसमें ४ हिस्से हैं एक कमरा दोहरा कवेलूपोश है. एक सहन है जो कद्दे आदम दीवार से मेहदूद है जिसमें दाखिल होने का दरवाजा जनूब रूया है.	मुल्ला अब्दुल हुसेन साहब व मुल्ला फखरुद्दीन साहब व मुल्ला मुजफ्फर हुसेन साहब पिसरान मुल्ला अली-मोहम्मद साहब मरहूम, साकिनान मोहल्ला लखेरापुरा, भोपाल. खैराती, जरे किराया में तालीम दीनी व मसारिफ तामीर मरम्मत व अलीगंज की मसजिद के रोशनी के मसारिफ अदा होंगे.

१	२	३	४	५
			३. यक किता मकान पुख्ता यक मंजिला कवेलूपोश शुमाल रूया है. इसका सदर दरवाजा है. सहन खाम है इसमें एक टीन-पोश सायेबान है, एक कमरा और एक दालान भी दो दरा है.	
		(ब) मशरिक–मकान जगन्नाथ प्रशाद तेली. मगरिब–मकान जगन्नाथ बुधूलाल. शुमाल–मकान मानकचंद. जुनूब–लखेरापुरा रोड जो चौक बाजार को जाता है.	बकिया दो किता मकानात भी लखेरपुरे में लबे सड़क बिल मुकाबिल महल नवाब यार मोहम्मद खां साहब मरहूम एक-दूसरे से मुलहिक है लेकिन पहले ३ किता मकानात से अलहदा हैं. यह दोनों मकानात दो मंजिला हैं जिनकी मंजिल अव्वल में ४ किता दुकानात और मंजिल दोम पर जाने के लिये जीने बने हुये हैं. १. यक किता मकान पुख्ता दो मंजिला कवेलूपोश जुनूब रूया मंजिल अव्वल में जीना मंजिल दोम पर जाने का है इसकी मंजिल दोम में दो कमरे एक चांदनी पुख्ता है. २. यक किता मकान पुख्ता दो मंजिला कवेलूपोश जुनूब रूया इसमें एक जीना मंजिल दोम पर जाने का. मंजिल दोम में कमरा एक दोहरा चांदनी व पाखाना व गुसलखाना भी मौजूद है. सालाना आमदनी ८८८ रुपये है.	
	२५१ ता २५६ ..	बोहरा मसजिद वाके मोहल्ला कुम्हारपुरा, कस्बे इछावर, जिला सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक व जुनूब—रास्ता. मगरिब—गली. शुमाल—आराजी मुतल्लिका मसजिद.	यक किता मसजिद पुख्ता चादरपोश इसका सेहन खाम है और इसमें समरदार और गैर समरदार दरख्त नसब हैं. सदर तीन दरवाजे हैं. गुसलखाना एक जानिब शुमाल बरआमदा आहनी चादरपोश पांच दरा—इसीमें एक किता मकान चादरपोश जिसका सदर दरवाजा मशरिक की जानिब है. इसके मुतल्लिक जो आराजी है उसमें एक पुख्ता कुवां भी है, दहाना भी पुख्ता है उसपर दो चरखियां नसब हैं जिसमें एक मसजिद के लिये और दूसरी आम पब्लिक के लिये है.	जमाअत बोहरा साकनान कस्बे इछावर—मजहबी अदाये नमाज व इबादत इलाही.
	२५७ ता २६० ..	बोहरा कबरस्तान वाके जानिब जुनूब व बरुन आबादी कस्बे इछावर, जिला सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक व जुनूब में नाला. मगरिब व शुमाल—आराजी मासूम खां साहब.	यक किता आराजी कबरस्तान जो मुल्ला निसार हुसेन साहब मरहूम की आराजी माफी में वाके है. इस कबरस्तान में खाम व पुख्ता व कदीम व जदीद कबरें हैं. इसका खसरा नं. ३२३।१-१२ है इसमें एक पुख्ता कुवां भी मौजूद है, इसमें समरदार और गैर समरदार दरख्तान भी हैं.	जमाअत बोहरा साकेनान कस्बे इछावर—खैराती तदफीन बोहरा जमाअत.
	२६१ ..	मसजिद बोहरा कदीम वाके बोहरा मोहल्ला, कस्बे आष्टा, जिला सीहोर—हुदूद अरबा.— मशरिक व जुनूब—रास्ता आम. मगरिब—मकान मुल्ला निसार हुसेन. शुमाल—आराजी उफतादा सरकारी.	साठ साल पहले यह मसजिद बाकायदा तामीर थी लेकिन अब मुनहदिम हो चुकी है.	बोहरा जमाअत कस्बे आष्टा—खैराती अदाये नमाज व इबादत इलाही.
	२६२ ता २६३ ..	बोहरा मसजिद वाके बोहरा मोहल्ला, कस्बे आष्टा, जिला सीहोर—हुदूद अरबा— मशरिक व मगरिब व शुमाल–रास्ता आम. जुनूब—मकान मुल्ला जब्बार हुसेन व अली हुसेन साहेबान के हैं.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला आहनी चादरपोश है—सदर दरवाजा दो जिनमें से एक जानिब जुनूब दूसरा जानिब मशरिक है. दारूल इमारत में से कायम है. इसका सेहन खाम है जिसमें गुसलखाना और एक हौज तामीर है सेहन संगीन है—इमारत मसजिद दोहरी पांचदरी जिसकी मगरिबी दीवार में तीन खिड़कियां और शुमाली दीवार में एक खिड़की नसब हैं. इसमें एक किता इमारत दारूल उलूम पुख्ता यक मंजिला कवेलूपोश इसमें दो कमरे एक दालान भी है.	बोहरा जमाअत कस्बे आष्टा–मजहबी अदाये नमाज व इबादत इलाही.

१	२	३	४	५
५४	२६४ ता २६८..	बोहरा मसजिद नं. २ वाके मोहल्ला तरकोलिया कस्बे आष्टा, जिला सीहोर—हुदूद अरबा.— मशरिक—दारूल इमारत. मगरिब—मकान सेठ गोरमल सा. शुमाल—जमाअत खाना. जुनूब—रास्ता व मकान मुल्ला कमरअली साहब.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला कवेलूपोश इसका सदर दरवाजा दो, एक जानिब मशरिक दूसरा जानिब जुनूब है सेहन खाम है गुसलखाना चादरपोश तीन कुवां पुख्ता एक हौज पुख्ता एक सेहन पुख्ता इसमें एक इमारत दाखल उलूम पुख्ता दो मंजिला चादरपोश है और एक मकतब की इमारत है. इसमें कमरे तीन मशरिक रूया एक जीना मशरिक रुया मंजिल दोम पर जाने का है—नीज एक किता इमारत जमाअतखाना पुख्ता यक मंजिला चादरपोश. इसका सदर दरवाजा शुमाली दीवार में है. इसमें एक कोठरी एक बावरचीखाना भी है.	बोहरा जमाअत कस्बे आष्टा—मजहबी अदाये नमाज व इबादत इलाही.
५५	२६९ ..	कब्रस्तान बोहरा वाके अन्दरून आराजी माफी करीम शाह जानिब जुनूब कुदसिया मसजिद, कस्बे आष्टा—हुदूद अरबा.—हरचार जानिब आराजी माफी मजकूर.	आराजी कबरस्तान खसरा नं. ४४२।१-२४ इसमें पुख्ता व खाम कबरें मौजूद हैं.	साबिक हुकूमत रियासत भोपाल—खैराती व तदफीन बोहरा जमाअत.
५६	२७० ता २७९..	बोहरा मसजिद उर्फ मसजिद खातून वाके मोहल्ला कस्बा सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक—सड़क. मगरिब—बगीचा मसजिद हाजा. शुमाल व जुनूब—गली.	यक किता मसजिद पुख्ता दो मंजिला—मंजिल अव्वल में सदर दरवाजा मशरिक रूया जिसके आगे पुख्ता जीना बना है इसका सहन पुख्ता है—एक हौज—गुसलखाने तीन—इमारत मसजिद पांच दरी है—एक कोठरी है—बरआमदा भी है—एक चाह पुख्ता है—जीना मंजिल दोम पर जाने का २५ कदमचों का तामीर है—दो मंजिल में एक हुजरा और एक गुसलखाना है—यह मंजिल भी पांचदरी है और दीवारों में खिड़कियां नसब हैं—इसी से मुतल्लिक आराजी है जो अज नाम बगीचा है—इस बगीचे के वस्त में एक हौज बना हुआ है इसी आराजी से मिला हुआ एक जमाअतखाना कायम है पुख्ता है—नीज मदरसे की इमारत पुख्ता है वस्त में एक बड़ा हाल बना हुआ है—जानिब मशरिक व जुनूब पुख्ता बरआमदा तामीर है. इसी से मिली हुई एक दोमंजिल बिल्डिंग और है जिसकी मंजिल अव्वल में मदरसा सैफिया—मंजिल दोम में दारूल इमारत कायम है—मसजिद जनाना है.	सेठ अब्दुल्ला भाई साह बंबईवाले वल्द हाजी हुसेन अली साह साकिन लोहारी चा बंबई—मजहबी अदा नमाज व इबाद इलाही.
५७	२८० ता २८२.	कब्रस्तान बोहरा वाके मुत्तसिल शुगर फैक्टरी.	यक किता आराजी बोहरा कब्रस्तान है इसमें खाम और पुख्ता कब्रें बनी हुई हैं. यह कस्बा सीहोर और छावनी सीहोर का मुश्तरका कब्रस्तान है—इसमें एक चाह पुख्ता भी बना हुआ है और एक कमरा पुख्ता भी है जिसमें नमाज जनाजा अदा होती है.	साबिक हुकूमत रि भोपाल—खैरात फीन बोहरा ज
५८	२८३ ता २९०.	बोहरा मसजिद वाके छावनी सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक व शुमाल—सड़क सरकारी. मगरिब—मकानात मुतल्लिका मसजिद. जुनूब—इमारत जमाअतखाना.	यक किता मसजिद पुख्ता दोहरी दोमंजिला इसके दरवाजे दो जिसमें एक जानिब शुमाल दूसरा जानिब मगरिब है—सेहन खाम है जिसमें एक पुख्ता हौज बना हुआ है गुसलखाने तीन पाखाना एक—मय्यतखाना एक, मंजिल दोम पर जनाना मसजिद है और मंजिल अव्वल में मरदाना मसजिद है इसी के पास दारूल इमारत कायम है—नीज इमारत जमाअतखाना शुमाल रूया चादरपोश जिसमें दो दरवाजे और दो खिड़कियां जंगलेदार हैं—मगरिबी हिस्से में बावरचीखाना है इसी से लगी हुई तीन किता दुकानात इकहरी चादरपोश हैं—सालाना आमदनी २७६ रुपये है.	अफराद जमाअत साकिनान छाव मजहबी अदा व इबादत इला

	२		४	५
१९	२९१ ता ३४६.	बदरी महल वाके बरलबे भोपाल रोड, जानिब जुनूब छावनी सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान अब्दुल रेहमान साहब कुतुब फरोश. मगरिब व शुमाल व जुनूब—सड़क सरकारी.	बदरी महल की इमारत मुख्तलिफ किस्म की मकानियत पर मुश्तमिल है जानिब शुमाल बरलबे भोपाल रोड दुकानात का एक सिलसिला चला गया है, जिनकी तादाद ३४ होती है हर दुकान के सामने पुख्ता चबूतरा है और अकब में रिहाइशी परदादार मकान है. इस इमारत के कुछ हिस्से पर बालाइ मंजिल तामीर है इसके बाद जानिब जुनूब शरकन व गरबन एक रास्ता है. जो बदरी महल ही का एक जुज है. इस रास्ते के बाद कोठों का एक सिलसिला शरकन व गरबन वाके है. जिसके जानिब मशरिक पाखानेजात तामीर हैं—नीज इस इमारत में एक पुख्ता कुवां भी तामीर है इसके अलावा ३ दुकानात और हैं जो मगरिब रूया हैं. हर दुकान दोहरी और उसके आगे एक पुख्ता चबूतरा है —नीज आठ कोठे यक मंजिला शुमाल रूया चादरपोश हैं इसमें चार पाखाने भी है. सालाना आमदनी १६८ रुपये है.	हाजी कमरअली जिया भाई साहब मरहूम ताजिर छावनी सीहोर रियासत भोपाल— खैराती-अदाए मसारिफ बोहरा मदरसे जात दीनियात छावनी सीहोर व कस्बा सीहोर व तामीर मरम्मत मदरसे जात व बदरी महल.
१	२१० ता २१५.	मसजिद मलंग शाह वाके बरलबे सड़क सिन्धी बाजार व चौकी इमामबाड़ा रोड, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—सड़क सिन्धी बाजार. मगरिब—चौकी इमामबाड़ा रोड. शुमाल—आराजी तफरीहगाह मुतल्लिक मसजिद हाजा. जुनूब—मकान मसजिद हाजा बादहू मकान बन्ने भाई साहब.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसका सदर दरवाजा आहनी मशरिक रूया है. सदर दरवाजे के आसपास बतौर दीवार आहनी जंगला है इसमें गुसलखाना एक, वजूखाना चादरपोश सकावा एक—वजूखाना सानी मगरिब रूया है एक हुजरा मशरिक रूया—बरआमदा पांच दरा—इमारत मसजिदसेह दरी है. इसके शुमाल व जुनूब व मगरिब की दीवार में खिड़कियां लगी हैं इसी से मुतल्लिका एक मकान मसजिद वाके बरलबे सड़क सिन्धी बाजार पुख्ता यक मंजिला टाइलपोश है. इसका सदर दरवाजा बरलबे सिन्धी मार्केट है. दरवाजा सानी बरलबे चौकी इमामबाड़ा रोड है इसमें दो कमरे एक सेहन है—एक दालान मशरिक रूया एक पाखाना है. इसी मसजिद से मुतल्लिक एक कोठा (हुजरा) वाके अन्दरून तफरीहगाह पुख्ता यक मंजिला है—एक कमरा अन्दरून तफरीहगाह पुख्ता यक मंजिला जुनूब रूया जो तफरीगाह के ऐन शुमाल में वाके है. इसमें एक पाखाना और एक सकावा गरम पानी करने का है. इसीमें एक तफरीगाह भी है जिसमें दरख्तान समरदार और गैर समरदार नसब हैं—सालाना आमदनी १४४ रुपये है.	हर हाईनेस नवाब शाहजहां बेगम साहेबा मरहूमा साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. मजहबी—अदाये नमाज व इबादत इलाही.
२	२१६ ता २१८.	तफरीगाह मौसूमे मोतिया पार्क मुतल्लिक मोती मसजिद वाके बरलबे सुलतानिया रोड, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—सड़क पुख्ता व मसजिद तरजुमावाली. मगरिब—इमारत मोती मसजिद. शुमाल—सुलतानिया रोड. जुनूब—मसजिद केलेवाली व मकान मियां निशात मोहम्मद खां साहब बादहु सड़क सरकारी.	यक किता आराजी रकबा ७६४३-३२ मुरब्बा गज जिसके तीन जानिब आहनी जंगला बतौर दीवार अहाता कायम है. शुमाल व जुनूब व मशरिक के जंगलों के दरमियान में आहनी फाटक नसब है जिसमें मसजिद व तफरीगाह में आने का रास्ता है. पारक में अलावा फुलवार के दरख्त अम्बा १७, अमरूद ६, इमली १ के अलावा और दरख्तान भी नसब हैं. इस आराजी में दो कोठरियां कवेलूपोश जिसमें एक मशरिक रूया और दूसरी शुमाल रूया है—आमदनी १६५ रुपये सालाना जेर ठेका.	हर हायनेस नवाब सुलतानजहां बेगम साहेबा मरहूमा साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. खैराती—आराम आसायश मुसलमानान व रौनक जीनत मोती मसजिद.

	२		४	५
३	२१९ ता २२१.	मकानात मुतअल्लिका वक्फ सय्यदा महेरुन-निसां साहेबा वाकै अन्दरून जुमेराती दरवाजा, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान मुन्शी रामलाल साहब. मगरिब—साबिका मकान डॉक्टर अब्दुल अजीज साहब. शुमाल—सड़क सरकारी. जुनूब—मकान.	१. यक किता मकान पुख्ता यक मंजिला जिसका सदर दरवाजा शुमाल रूया डेवढ़ी कमरा १ बेरूनी जिसका एक दरवाजा डेवढ़ी में दूसरा बरलबे सड़क कायम है. दरवाजा जनानखाना, बावरचीखाना एक, पाखाना एक, सेहन खाम है. एक दालान जिसके आगे सायेबान चादरपोश कायम है. तीन कमरे, एक कोठरी, गुसलखाना एक, नीम का एक दरख्त, अमरूद के दो दरख्तान मौजूद हैं. छत पर जाने के लिये एक जीना भी है. २. यक किता मकान पुख्ता यक मंजिला इसमें कोठरियां तीन, बेरूनी जानिब शुमाल जिनके आगे बरआमदा चादरपोश है. पाखाना एक लबे सड़क जानिब शुमाल. ३. यक किता मकान पुख्ता यक मंजिला, इसका सदर दरवाजा मगरबी रूया. सेहन खाम, बरआमदा दालाननुमा. कमरा मगरबी रूया एक, बावरचीखाना एक, पाखाना एक, कोठरी एक, शुमाल रूया जिसके सामने बरआमदा है. सालाना आमदनी ५५८ रुपये.	सय्यदा मेहरुननिसां साहेबा मरहूमा जौजे पीरजादे कप्तान सय्यद मोहम्मद ताहिर साहब मरहूम साकिन अन्दरून दरवाजा जुमेराती, शहर भोपाल. खैराती—मदरसेतालीमुल कुरआन.
४	२२२ ता २२७.	मसजिद व मकबिरा फेज बहादर साहब मरहूम वाकै किला कोहना, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—आराजी अहाता मुतअल्लिका मसजिद हाजा. मगरिब—आराजी अहाता बादहू कमला पारक व किला कोहना रोड. शुमाल—आराजी अहाता. जुनूब— मारत मकबरा नवाब फेज बहादर साहब.	१. यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला जिसका सदर दरवाजा मशरिक रूया है. सेहन खाम है. गुसलखाना १, सकावा १, जीना सकावा व सलखाना की छत पर जाने का. सेहन पुख्ता जिसका एक दरवाजा जानिब शुमाल कायम है और खिड़की जानिब जुनूब खुलती है. बरआमदा चादरपोश ग्यारहदरा, दालान जानिब जुनूब तीनदरा. हुजरा एक दालान मजकूर के मशरिकी गोशे में है. इसीसे मुतअल्लिक एक आराजी है जिसमें एक होज पुख्ता तामीर है और दरख्तान समरदार व गैर समरदार नसब हैं. २. यक किता इमारत गुम्बदनुमा सेह मंजिला, मंजिल अव्वल में जीना संगीन जिसके जानिबे शुमाल पुख्ता चबूतरा पर एक कब्र बनी है. बरआमदा पुख्ता मशरिक रूया सेहदरा—बरआमदा जुनूब रूया सेहदरा जीना पुख्ता मंजिल दोम पर जाने का जुनूब मशरिकी गोशे में मौजूद है. हुजरा बगली एक जुनूबी बरआमदे में है. कमरा एक जिसमें मजार शरीफ संगमरमर का म्ये कठरा कायम है व यक कमरा पुख्ता जालियों और पुख्ता दीवारों से महदूद है और इसकी छत गुम्बदनुमा है. कमरा एक जानिब मगरिब जिसके अन्दर नवाब साहब रहेमतुल्ला इलेह की ऐहलया जनाब सालेहा बेगम साहेबा मरहूमा का मजार है. मंजिल दोम में हर चार जानिब पुख्ता चांदनी है. हुजरा पुख्ता हर गोशे में एक-एक तामीर है और हर हुजरे में एक-एक दरवाजा चांदनी की जानिब कायम है. मंजिल सोम—छत गुम्बद मा इसके चारों जानिब चार बुरजियां और मेहराबदार पुख्ता छज्जा कायम है. फर्श पुख्ता है. तीन-तीन दर हर चार जानिब कायम है इसीसे मुतअल्लिक एक आराजी है जिसमें दरख्तान समरदार और गैर समरदार नस्ब हैं. आमदनी ५ रुपये सालाना जरे नीलाम.	मुसम्मात सालेहा बेगम साहबा मरहूमा देहलवी जौजे नवाब फेज बहादर साहब रेहमतुल्ला इलेह. मजहबी—अदाये नमाज व इबादत इलाही.

२	३	४	५
२२८	मसजिद मौसूमा रिजमटवाली वाके अन्दरून लाइन पलटन बेरून रिजमट दरवाजा शाहजहांआबाद, भोपाल. हुदूद अरबा— हर-चार जानिब मैदान.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया है. सेहन पुख्ता है एक हौज पुख्ता है दरीमें आठ मशरकी दीवार में सदर दरवाजे के दोनों जानिब हैं. इमारत मसजिद दोहरी पांचदरी आगे सीमेंट का बरआमदा पांचदरा जिसमें शुमाली जानिब सीमट की जाली लगी है. हुजरा एक बरआमदे के जुनूबी गोशे में जिसका एक दरवाजा मसजिद में खुलता है, दूसरा मसजिद के बाहर मशरिक की जानिब खुलता है जिसके आगे एक चबूतरा खाम है. खिड़कियां चार इमारत मसजिद की मगरबी दीवार में नसब हैं. इसके अलावा खिड़कियां चार अदद जिसमें से दो इमारत मसजिद की शुमाली दीवार में और दो जुनूबी दीवार में नसब हैं.	हर हाइनेस नवाब सुल्तानजहां बेगम साहेबा मरहूमा साबिक फरमारवाये, भोपाल. मजहबी—अदाये नमाज व इबादत इलाही.
२२९ ता २३०	तफरीहगाह मसजिद गूजरपुरा वाके मुहल्ला गुजरपुरा अन्दरून जुमेराती, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—कूचा नाफजा. मगरिब—कूचा गैर नाफजा. शुमाल—कूचा गैर नाफजा व मकानात रिहायशी. जुनूब—काजीपुरा रोड.	यक किता आराजी रकबा ११५४-८६ मुरब्बा गज जिसके हर सेह जानिब पुख्ता फसील अलंगे की बनी हुई है. आराजी मजकूर के अन्दर तीन क्वाटर जदीद किस्म के तामीर हुए हैं. नीज एक किता कमरा (हुजरा) पुख्ता यक मंजिला जिसकी छत शिकिस्ता है. इसीसे मिला हुआ एक पाखाना भी पुख्ता मौजूद है. आमुदनी सालाना १८० रुपये है.	हर हाइनेस नवाब सुलतानजहां बेगम साहेबा मरहूमा साबिक फरमारवाये, भोपाल. खैराती—आराम आसायश मुसलमानान व रोनक जीनत मसजिद गूजरपुरा.
२३१ ता २४४ व १४९९ ता १५०९	मकान मुतअल्लिका सराये सिकन्दरी वाके बरलबे स्टेशन रोड, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—बेरूनी कम्पाउन्ड सराये सिकन्दरी. मगरिब—स्टेशन रोड. शुमाल—इमारत चौकी पुलिस सराये सिकन्दरी. जुनूब—इमारत रोबी होटेल.	यक किता मकान पुख्ता यक मंजिला बरआमदा बरलबे स्टेशन रोड, सातदरा चादरपोश बादहू कमरा एक कलां हालनुमा चारदरा जिसमें एक खिड़की जुनूबी दीवार व एक शुमाली दीवार में नसब है. और मशरिकी दीवार में दरवाजा नसब है. कमरे २, बरआमदा मशरकी चादरपोश, गुसलखाना बरआमदे के जुनूबी गोशे में, बावरचीखाना शुमाली गोशे में, पाखाना मशरिक की जानिब वाके है. सेहन पुख्ता है. एक कोठरी है, सदर दरवाजा बरलबे स्टेशन रोड महराबनुमा पुख्ता जिसमें आहनी फाटक नसब है. बादहू कम्पाउन्ड मजकूर नीज पांच अदद पाखानेजात पुख्ता छतदार हैं जिनमें से दो जानिब मगरिब व मशरिक रूया हैं और तीन जानिब मशरिक व शुमाल रूया हैं. एक किता क्वार्टर पुख्ता चादरपोश जानिब जुनूब व शुमाल रूया है इसमें एक दरवाजा शुमाल रूया नसब है और इसके दायें और बायें एक-एक खिड़की लगी हुई है. यक किता क्वार्टर पुख्ता यक मंजिला जानिब जुनूब व शुमाल रूया है. छतदार है, जिसमें एक दरवाजा और एक खिड़की नसब है. एक हौज गोल पुख्ता भी है, नौ क्वार्टर्स पुख्ता बेरूनी कम्पाउन्ड के जानिब मशरिक. यह क्वार्टर्स सराये की मगरबी दीवार से मुल्हीक शुमालन व जुनूबन मुसलसल वाके हैं इनके आगे चबूतरा संगीन बना हुआ है. यक किता इमारत पुख्ता यक मंजिला इसमें कमरे दो पुख्ता शुमाल रूया. इसके आगे चबूतरा पुख्ता कायम है, दोनों कमरों के आगे सायबान चादरपोश है, चबूतरे पर एक दरख्त सरेब का नसब है. दो किता दुकानात पुख्ता यक मंजिला चादरपोश जिनमें से एक सदर दरवाजे के जानिब शुमाल दूसरी जानिब जुनूब वाके है. हर दो दुकानात के आगे सायबान चादरपोश मौजूद है.	हर हाइनेस नवाब शाहजहां बेगम साहेबा मरहूमा साबिक फरमारवाये भोपाल. खैराती—मरम्मत तामीर सराये सिकन्दरी.

	२	३	४	५
			यक किता इमारत पुख्ता इसमें कमरे संगीन पुख्ता नौ अदद मगरबी रूया मुलहिक मशरकी दीवार सराये मजकूर. इसके आगे कम्पाउन्ड जिसमें एक दरख्त अम्बा व एक दरख्त नीम नसब है और जानिब शुमाल एक सरसब्ज़ बगीचा है. सदर दरवाजा फाटकनुमा अहाते स्कूल की जुनुबी दीवार में नसब है इसमें एक कोठरी भी है जिसमें पानी का नल लगा हुआ है, ४ पाखाने हैं. यक किता गुसलखाना पुख्ता मगरिब रूया है. यक किता पाखाना पुख्ता संगीन मगरबी रूया जो अन्दरूनी सदर दरवाजे के जानिब शुमाल वाके है. यक बालाखाना पुख्ता छतदार है. जीना जुनुबी दीवार से मुलहिक. मंजिल अव्वल से बालाखाने पर जाने का चांदनी पुख्ता बरआमदा पुख्ता बारादरा मगरिब रूया. कमरे चार मगरिब रूया हर कमरे में एक-एक दरवाजा और उसके दोनों जानिब एक-एक खिड़कियां नसब हैं. गेलरी एक कमरे चार मशरिक रूया जो पहले कमरों के अकब में तामीर हैं दो पाखाने और दो स्टोर रूम गेलरी के अन्दर—कमरे ३ मगरिब रूया—कमरा व बरआमदा कवेलूपोश, टेक पानी का मंजिल सोम पर वाके है. आराजी मुतअल्लिका सराये सिकन्दरी जिसके वस्त में पानी का एक नशेबी गड्ढा है. इस आराजी में खजूर वगैरा के दरख्तान नसब हैं. बसिलसिला आराजियात खरीदकरदा महकमे औकाफ मुतअल्लिका सराये सिकन्दरी की इमारत के जुनुबी दरवाजे से बाहर जो मुन्शी मन्सबअली साहब ने दीगर अशखास को फरोख्त करदी थी और उन लोगों ने कब्जा कर रखा था खरीदकर अपने कब्जे में ली है. आमदनी सालाना ५,६५९ रुपये ८ आने है.	
८	२४५ ..	मसजिद मांजी साहेबा वाके सिड़ी घांट तालाब कलां, शहर भोपाल.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसका सदर दरवाजा मशरकी रूया है, सेहन अव्वल में गुसलखाने दो, सकावे दो, दालान सेहदरा जिसमें वजूखाना है. कमरा एक, पाखाना एक, दरवाजा सानी मसजिद में दाखिल होने के लिये, सेहन पुख्ता है. दरवाजा एक शुमाली दीवार में कमरा एक जानिब जुनुब जिसमें तालाब की जानिब छः खिड़कियां नसब हैं. बरआमदा चादरपोश एक, इमारत मसजिद दोहरी पुख्ता नोदरी—पाखाने ५ बेरून मसजिद जानिब मगरिब खिड़कियां दो, शुमाली दीवार में मौजूद हैं.	हर हाइनेस नवाब गोहर कुदसिया बेगम साहेबा साबिक फरमारवाये रियासत, भोपाल. मजहबी-अदाये नमाज व इबादतें इलाही.
९	२४६ ..	मकान मोसूमे एम. एम. बी. रेस्टारेन्ट वाके बाजार इब्राहीमपुरा, भोपाल हुदूद अरबा.— मशरिक—गली सरकारी. मगरिब—सड़क पुख्ता. शुमाल—मकान बीरबल सा. सुनार व मकान मोतीराम गनेशराम. जुनुब—मकान पन्नालाल साहब.	यक किता मकान पुख्ता यक मंजिला कीमती तखमीनन ८,००० रुपये जिसमें बरलबे सड़क चार चश्में दुकानात तामीर हैं अन्दर से यह चश्मा एक ही दुकान एक हाल और उसके अकब में एक सेहन है नीज पाखाना पुख्ता छतदार भी है. आमदनी सालाना ८२२ रुपये है.	हाफिज सय्यद अब्दुल हफीज साहब सूरती जागीरदार वल्द मोलवी हाफीज सय्यद मोहम्मद सा. मरहूम साकिन कूचा शेखबती भोपाल. खैराती—अदाये मसारिफ मरम्मत मकान हाजा.
१०	२४७ ..	मसजिद गुलाम मेहबूबखां साहब मौसूमे मसजिद गंदी नाला वाके अन्दरून बुधवारा, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक में मकान वकफिया मुतअल्लिका मसजिद हाजा. मगरिब—रास्ता आम.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला. इसका सदर दरवाजा जुनूबी रूया—जीने तीन जिसके बाद सेहन पुख्ता गुसलखाना दो जानिब शुमाल—सकाया एक, वजूखाना—हुजरे दो बरआमदा चादरपोश—इमारत मसजिद सेहदरी जिसमें तीन खिड़कियां	गुलाम मेहबूब खां साहब मरहूम साबिक मोहतमिम पायेगाह रियासत भोपाल मजहबी-अदाये नमाज व इबादते इलाही.

२	३	४	५
	शुमाल—कूचा नाकजा. जुनूब—सड़क चौकी तलय्या.	जानिब मगरिब और एक खिड़की जानिब जुनूब नसब है. मोरसली का एक दरख्त भी है.	
..	मकान मुतअल्लिका मसजिद गुलाम मेहबूब खां साहब वाके मुलहिक मसजिद मजकूर अन्दरून बुधवारा शहर भोपाल. हुदूद अरबा— मशरिक—आराजी उफतादा गुलाम ऐहमद खां साहब. मगरिब—मसजिद हाजा. शुमाल—आराजी उफतादा व रास्ता आम. जुनूब—गंदी नाला सड़क सरकारी.	यक किता मकान यक मंजिला सिफालापोश मरत्तब व दीवार हाये संग व खिश्त गिले मालियती २००) जिसका तूल शुमालन व जुनूबन हरदो जानिब १४ गज ८ गिरह अर्ज शरकन गरबन हरदो जानिब २ गज ८ गिरह इसमें एक कोठा मगरिब रूया इस कोठे के अन्दर दायें-बायें दो कोठरियां मौजूद हैं.	गुलाम अजीज खां साहब उर्फ मनजा मियां साहब वल्द गुलाम कादर खां सा., साकिन मुत्तसिल मसजिद गुलाम मेहबूब खां साहब, शहर भोपाल. मजहबी खैराती—अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद व तामीर मरम्मत मसजिद व मकान.
..	मकान पोशुपे मदरसतुल कुरआन वाके घांटी भड़भूंजा, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान मुल्ला मुजफ्फर हुसेन साहब बकिया हरसेह जानिब रास्ता आम.	यक किता मकान आम चादरपोश चार कमरेजात एक कमरा जानिब मगरिब जिसका दरवाजा मगरिब रूया है यक कमरा जानिब शुमाल जिसमें तीन दरवाजे हैं, एक कमरा जानिब जुनूब जिसमें पांच दरवाजे हैं, एक कमरा जो कमरेजात शुमाल व जुनूब के दरमियान में वाके है—पाखाना एक, आबदारखाना एक, गुसलखाना एक.	हकीम सय्यद अब्दुल हमीद साहब वल्द हाफिज सय्यद मोहम्मद साहब सूरती मरहूम, साकिन मोहल्ला सब्जी मंडी, भोपाल. मजहबी—तालीमुल कुरआन.
..	मकान वाके मुत्तसिल सराये सिकन्दर कुली खां साहब बरून जुमेराती, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—सराये जुमेराती. मगरिब—मैदान म्युनिसिपल बोर्ड. शुमाल—मकान चान्द खां, सब्जीफरोश. जुनूब—सराये जुमेराती.	यक किता मकान पुख्ता सिफालापोश सहेकित आत—किता अव्वल, दोम, सोम—सदर दरवाजा मगरिब रूया—सेहन-दालान कमरा एक सेहदरा लेकिन किता सोम में एक दालान बतौर डालिया के जाइद है. हर सेह किताअत का मुशतरका पाखाना आबचक मकान हाजा सराये जुमेराती के अन्दर वाके है. आमदनी सालाना २२२ रुपये.	सैयद अब्दुल अहद साहब व सैयद अब्दुल रशीद सा., सैयद अब्दुल मजीद साहब, सैयद अब्दुल अजीज साहब, सैयद अब्दुल कबीर साहब पिसरान हाफिज सैयद अब्दुल लतीफ साहब, मरहूम साकिनान मोहल्ला घांटी भड़भूंजा, भोपाल मजहबी—मसारिफ उमूर खेर.
...का २५९.	क्वार्टरान मशमूला इमारत मोसूमे हमीद मंजिल वाके बिल मुकाबिल माल गोदाम रेलवे स्टेशन, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक-मगरिब—सड़क सरकारी. शुमाल—मकान सेठ ननईलाल, बिन्द्रावन दास साहेबान. जुनूब—क्वार्टर नं. २.	१. यक किता क्वार्टर यक मंजिला जानिब शुमाल चादरपोश. सदर दरवाजा दो एक जानिब मशरिक व यक जानिब जुनूब. हरदो दरवाजे के आगे चबूतरा चादरपोश दालान, कमरे ३, बावरचीखाना, गुसलखाना, पाखाना, बरआमदा, सेहन. २. यक किता क्वार्टर इसके सदर दरवाजे दो एक मशरिक रूया, दूसरा मगरिब रूया है, दोनों दरवाजे के आगे चबूतरा है इसमें कमरे तीन पाखाना एक है. ३. यक किता क्वार्टर इसके सदर दरवाजे दो, एक मशरिक रूया दूसरा मगरिब रूया है. दोनों दरवाजे के आ चबूतरा है इसमें ३ कमरे १ पाखाना है. ४. यक किता क्वार्टर इसके सदर दरवाजे दो एक मशरिक रूया दूसरा मगरिब रूया है. दोनों दरवाजे के आगे चबूतरा है इसमें ३ कमरे एक पाखाना है. ५. यक किता क्वार्टर वाके मंजिल अव्वल सदर दरवाजे दो मशरिक व मगरिब रूया हैं. दोनों के आगे चबूतरा है. तीन कमरे व एक पाखाना है.	हकीम डॉक्टर सैयद अब्दुल हमीद साहब वल्द हाफिज सैयद मोहम्मद साहब सूरती मरहूम, साकिन शहर भोपाल. मजहबी व खैराती—तामीर मरम्मत हमीद मंजिल व अदाये मसारिफ मदरसे तालीमुल कुरआन.

१	२	३	४	५
			६. यक किता क्वार्टर पुख्ता वाके मंजिल दोम क्वार्टर नं. २ के एन ऊपर इसके सदर दरवाजे दो मशरिक व मगरिब रूया हैं. दोनों के आगे चबूतरा है. तीन कमरे, १ पाखाना है. ७. यक किता क्वार्टर पुख्ता वाके मंजिल दोम क्वार्टर नं. ३ के एन ऊपर है इसमें दरवाजा २ मशरिक व मगरिब रूया हैं इसमें भी तीन कमरे और एक पाखाना. ८. यक किता क्वार्टर पुख्ता मंजिल दोम क्वार्टर नं. ४ के एन ऊपर वाके है इसमें भी दो दरवाजे हैं. तीन कमरे और एक पाखाना मौजूद है. ९. यक किता क्वार्टर पुख्ता मंजिल दोम इसमें ो दरवाजे, तीन कमरे और पाखाना मौजूद है. आमदनी सालाना १,७७६ रुपये.	
१५	२६० ता २६१	मसजिद मौसूमा मोती बी वाके अन्दरून पीर दरवाजा, शहर भोपाल. हुदूद अरबा. मशरिक—मकान सिकन्दर खां साहब व मकान मोकूफा मुतअल्लिका मसजिद. मगरिब—मकान अब्दुलगफूर, सब्जीफरोश. शुमाल—मकान अख़तर हुसेन. जुनूब—सड़क सरकारी.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसका सदर दरवाजा शुमाल रूया जिसके आगे चार कदमचों का संगीन जीना फुटपाथ तक कायम है. मसजिद का सेहन पुख्ता है. इसके आगे का सेहन खाम है उसमें तीन दरख्त अमरूद के और मुतअद्दिद दरख्त फुलवार के कायम हैं. नोज सकावा एक, गुसलखाना १, हुजरा एक, पाखाना एक, सा`बान चादरपोश हैं. इमारत मसजिद सेहदरी जिसमें एक खिड़की जानिब शुमाल नसब है. दरवाजा सानी जानिब मशरिक ह. इसी से मुतअल्लिक एक किता मकान पुख्ता दो मंजिला चादरपोश, मंजिल अव्वल में दालान एक, बरआमदा एक पुख्ता, मंजिल-दोम जीना मंजिल दोम के जाने के लिये मसजिद के सदर दरवाजे के सामने कायम हैं. इसमें दालान एक, कोठा एक, पाखाना एक कायम है. आमदनी सालाना २०४ रुपये.	मुसम्मात मोती बी साहेबा मरहूमा जौजे सुलेमान खां साहब, जागीरदार, साकिन अन्दरून पीर दरवाजा, भोपाल. मजहबी—अदाये नमाज व इबादत इलाही.
१६	२६२	मसजिद सुगरा वाके गोशे जुनूब मशरकी मंजिल दोम, ताज महल, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—जीना मुशतरका फलक मंजिल व मसजिद हाजा बकिया हरसेह जानिब इमारत ताज महल.	यक किता मसजिद पुख्ता इसका सदर दरवाजा मशरिक रुया जीना पुख्ता जो मसजिद हाजा और फलक मंजिल सरकारी के लिये आमदो-रफत का है सहेन मसजिद जिसके जानिब जुनूब एक दरवाजा नसब है बरआमदा चादर-पोश सेहदरा जिसकी जुनूबी दीवार में एक खिड़की नसब है. इमारत मसजिद सेहदरी जिसकी जुनूबी दीवार में एक खिड़की नसब है कमरा एक मुतअल्लिका मसजिद हाजा कमरा सानी जानिब मगरिब जिसका एक दरवाजा मसजिद हाजा में जानिब मगरिब और एक खिड़की जानिब जुनूब कायम है. गुसलखाना एक जानिब शुमाल, कमरा पुख्ता एक जानिब शुमाल है. सकावा एक सेहन मसजिद में एक दरख्त कुरेटम का कायम है.	हर हाइनेस नवाब शाहजहां बेगम साहेबा मरहूमा, साबिक फरमारवाये, रियासत भोपाल मजहबी अदाये नमाज व इबादत इलाही.
१७	२६३ ता २६४	जीनतुल मसजिद वाके मंजिल दोम ताज महल (तीन मोहरों के ऊपर), भोपाल. हुदूद अरबा—. मशरिक—इमारत माडल हाईस्कूल बकिया हरसेह जानिब इमारत ताज महल.	एक किता मसजिद जिसका गेलरीनुमा रास्ता सड़क सरकारी से जीना मसजिद तक पहुंचने के लिये कायम है इसमें पाखाना एक जानिब शुमाल व पेशाबखाना सकावा-गुसलखाने ३ जीना हरसेह गुसलखाने और सकावे की छत पर जाने का वजूखाना चादरपोश सेहन मसजिद जो तीनों मेहराबों के ऊपर छत तक चला गया है दालान पांचदरा जानिब जुनूब जिसके पांच दरवाजे ताजमहल रोड की जानिब खुलते है. कमरा एक दालान के मगरिब में है हुजरा एक जानिब मगरिब जिसका एक दरवाजा ताजमहल रोड की तरफ खुलता है. इमारत मसजिद दोहरी पांच दरी है इसीमें एक किता जनानी	"

१	२	३	४	५
			मसजिद पुख्ता जिसका दरवाजा एक जो सीनतुल मसजिद की शुमाली दीवार में खुलता है दरवाजा सानी जो ताज महल में खुलता है गेलरी इमारत मसजिद दोहरी सेहदरी है. खिड़कियां संगीन जालीदार जो सीनतुल मसजिद की जानिब कायम हैं सेहन संगीन है—गुसलखाना एक, सकावा एक कायम है.	
१८	२६५	.. मसजिद मोहम्मदी वाकें मोहल्ला खुवासपुरा, शाहजहांआबाद, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—सड़क सरकारी. मगरिब—आबचक मसजिद हाजा. शुमाल—आबचक मसजिद हाजा. जुनूब—मुबारिक मंजिल.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसमें दो सदर दरवाजे एक जानिब जुनूब और एक जानिब मशरिक कायम हैं. सेहन पुख्ता है वजूखाना छतदार जानिब जुनूब. सकाव दो एक वजूखाने में, एक गुसलखाने के पास. इमारत मसजिद दोहरी सेहदरी जिसकी जुनूबी दीवार में तीन चोबी आहनी व सलाखदार खिड़कियां नसब हैं. बरआमदा चादरपोश पांचदरा. जंगला आहनी जानिब शुमाल जिसमें एक दरवाजा बराये आमदो रफ्त कायम *. गुसलखाने दो. हुजरा एक दरवाजा एक जानिब मगरिब जो कूचे नाफजा में बारा महल के जानिब है.	हर हाइनेस नवाब शाहजहां बेगम साहेबा मरहूमा साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. मजहबो-अदाये नमाज इबादत इलाही.
१९	२६६	.. तफरीहगाह बगीचा मुतअल्लिका मसजिद मोहम्मदी वाकें मुत्तसिल मसजिद मजकूर खुवासपुरा, शाहजहां बाद, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—सड़क सरकारी. मगरिब—मकान मियां आमिल मोहम्मद खां साहब. शुमाल—आबचक. जुनूब—मसजिद मजकूर.	बरवक्त कायमी वक्फ यह आराजी तफरीहगाह थी जिसमें बगीचा लगा हुआ था लेकिन अब मकान की शक्ल में वाकें है. इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया है-सेहन पुख्ता है. गुसलखाना दो हैं सकावा एक, हुजरा एक, गूलर का एक दरख्त हुजरे के सामने सेहन में नसब है.	हर हाईनेस नवाब सुलतान जहां बेगम साहेबा मरहूमा साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. मजहबो—आराम व आसाईश मुसलमानान.
२०	२६७	.. तफरीहगाह मुतअल्लिका मसजिद रिजमटवाली वाकें लाइन सुलतानिया इनफेन्टरी बेरून रिजमट दरवाजा, शहर भोपाल.	यक किता आराजी मुश्तमिल बर सेह तख्तेजात जिनमें से मशरकी तख्ता सबसे जियादा नशेब में है और दरमियानी तख्ता उसके मुकाबले में कम नशेब में है और मगरबी तख्ता बकीया दो तख्तेजात से जियादा बुलन्द है और जोना मसजिद से मुत्तसिल वाकें है—तख्ता अव्वल तूल शुमालन जुनूबन हर दो जानिब १९० फिट अरज शरकन गरबन हरदो जानिब ८१॥ फीट इस तख्ते की मगरबी सरहद से मुलहिक दो दरख्त पाखर के नसब ह जिनके इरद गिरद संगीन गोल चबूतरा सतेह जमीन से १॥ फीट बुलन्द मौजूद है इस तख्ते में शुमाल मशरिक गोशे के अन्दर एक मुन्हदिम पाखाना मौजूद है व नीज पाखर के दरख्त एक व अमरूद एक मौजूद हैं तख्ता दोम-तूल शरकन गरबन हरदो जानिब १९०फीट अरज शुमालन व जुनूबन ४८ फीट है इस तख्ते में आम के दो दरख्त इस्तादा हैं—तख्ता सोम-तूल शरकन व गरबन १९० फीट अरज शुमालन जुनूबन ९० फीट इस तख्ते में अमरूद के दरख्त ३ व पाखर का एक दरख्त मौजूद है.	
२१	२६८	.. कब्रस्तान रिजमटवाला वाकें लाइन सुलतानिया इनफेन्टरी बेरून रिजमट दरवाजा, शाहजहां बाद, भोपाल. हुदूद अरबा.—मशरिक व मगरिब व जुनूब आराजी उफतादा शुमाल में नाला.	यक किता आराजी जिसके चारों तरफ अलंगों की संगीन पुख्ता दीवार सतेह जमीन से ५ फिट बलन्द बतौर दीवार अहाता तामीर है. इस दीवार में जुनूबी जानिब एक आहनी फाटक मये आहनी किवाड़ों के मुकफ्फल लगा हुआ है जिसके दोनों पाये संगीन हैं जिनके ऊपर सीमेंट की बुरजियां बनी हुई हैं पायों से एन मुलहिक सीमेंट की जाली बनी हुई है दरवाजे के सामने सड़क सरकारी तक एक रास्ता बना हुआ है जिसके दोनों जानिब अलंगों की हदबंदी कायम है जो अन्दरून कब्रस्तान भी मौजूद है. अहाते के अन्दर मुतफर्रिक दरख्तान अमरूद, जामन, मदोकामनी, मेंहदी.	हर हाइनेस नवाब सुलतानजहां बेगम सोहबा मरहूमा साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. खैराती—दफीन अमवात मुसलमानान.

१	२	३	४	५	६
			शरीफे वगैरा के नसब हैं. शुमाल की जानिब. बरगद का एक दरख्त इस्तादा है. दीवार अहाते के चारो कोनों पर मिनारे बुरजीनुमा बने हुए हैं.		
२२	२६९ व १४८७ ता १४८९	मसजिद मुनव्वरी उर्फ चिड़ियाखानेवाली वाकै अमीरगंज, शाहजहांबाद, भोपाल. हुदूद अरबा--- मशरिक---पुलिस हेड क्वार्टर्स. मगरिब---मोटरखाना व मकान ड्रायवर. शुमाल--पुलिस हेड क्वार्टर्स जुनूब---बागीचा.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसके सदर दरवाजे दो, एक मशरिक रूया व एक जुनूब-रूया है. मशरिकी दरवाजे का निस्तार पुलिस हेडक्वार्टर्स के अहाते में से है. जुनूबी दरवाजे का निस्तार बागीचे में से है. हर एक दरवाजे के आगे पांच-पांच कदमचों का संगीन जीना संगीन चबूतरे के साथ मौजूद है. दालान संगीन सेहदरा. मशरकी दरवाजे के बाद सेहन पुख्ता इमारत मसजिद पांचदरी जिसकी शुमाली दीवार में दो खिड़कियां और एक अलमारी नसब है और जुनूबी दीवार मे तीन खिड़कियां नसब हैं. दालान चादरपोश आहनी खंबोंवाला वजूखाना सीमेंट का छतदार, गुसलखाने दो, सकावा एक, हुजरे दो मशरकी दरवाजे के दोनों जानिब एक-एक हैं. जीना पुख्ता सकावा व गुसलखाने की छत पर जाने का नीज तफरीहगाह मुतअल्लिका मसजिद हाजा इसकी पैमाइश हर चार जानिब से ८१ फोट है और अहातो-तार से महदूद है. इसमें एक पुख्ता होज है व इसमें समरदार और फुलवार के दरख्त नसब हैं.	हर हाईनेस नवाब शाह जहां बेगम साहेबा मरहूमा, रियासत साबिक, फरमारवाये भोपाल. मजहबी अदाये नमा व इबादत इलाही.	२४
२३	२७० ता २७५..	रियाजुल मसजिद वाकै मुतसिल बाब आली शाहजहां आबाद, शहर भोपाल. हुदूद अरबा--- मशरिक व शुमाल व जुनूब---आराजी इमारत बाब आली. मगरिब--सड़क कसरे बेनजीर.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसके सदर दरवाजे दो, एक जानिब मगरिब एक जानिब जुनूब है. मगरबी दरवाजे के बाद डेयढ़ी छतदार है जीना संगीन नौ कदमचों का. जुनूबी दरवाजे के आगे जीने के ऊपर चबूतरा पुख्ता और नीचे एक भंडारिया कायम है. इमारत मसजिद दोहरी सेहदरी है. हुजरे तीन--दो इमारत मसजिद के जुनूबी जानिब व एक शुमाली जानिब. सेहन मसजिद पुख्ता है. सकावा व गुसलखाना भी है. अकबी दीवार से ऐन मुलहिक एक संगीन चबूतरा सवा-दो फीट बलन्द बतौर पुश्ती-दान तामीर है. सेहन खाम जिसके अन्दर गुसलखाना व सकावा बना हुवा है और बागीचा लगा हुवा है, जिसका तूल शरकन व गरबन ६१ फीट, अरज शुमालन व जुनूबन ५७ फीट है. जिसमें दरख्तान नीम एक, दरख्त मदोकामनी १, केले १३ दरख्त, शरीफे २ दरख्त, अमरूद दस दरख्त, अनार दो दरख्त नसब हैं. बागीचा मजकूर सेहन मसजिद के ऐन मावाद जानिब मशरिक वाके है. २. यक किता आराजी ऐन मुलहिक दीवार जुनूबी मसजिद मजकूर जिसका तूल शरकन गरबन हरदो जानिब ९१ फीट व अरज शुमालन व जुनूबन ७ फीट है इसमें विधा नासन का एक दरख्त नसब है. नीज चबूतरा पुख्ता मुतअल्लिका रियाजुल मसजिद की गरबी दीवार से मुलहिक है और सतेह जमीन से एक फीट बलन्द है जिसका तूल शुमालन व जुनूबन ४६ फीट अरज शरकन व गरबन जानिब शुमाल ११२॥ फीट व जानिब जुनूब १६॥ फीट. रियाजुल मसजिद का गरबी दरवाजा इस चबूतरे पर खुलता है और दरवाजे मजकूर के आगे चबूतरे हाजा पर तीन कदमचों का पुख्ता जीना तामीर है इसी से मुतअल्लिक एक किता दुकान पुख्ता	"	

	३	४	५
		यक मंजिला, दरवाजे दो–एक जानिब शुमाल व एक जानिब जुनूब है. यह दुकान एक कमरे पर मुशतमिल है. आमदनी सालाना ६० रुपये.	
२८१..	मसजिद सुल्तानी वाके मोहल्ला दासा महल, शाहजहांबाद, भोपाल. हुदूद अरबा– मशरिक–सड़क पुख्ता साबिक पुलिस लाइन से खुवासपुरे को. मगरिब–तफरीहगाह मसजिद हाजा शुमाल–मैदान. जुनूब–इमारत स्कूल (साबिक इमारत पायेगाह).	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला सदर दरवाजे दो–यक मशरिकरूया, जिसके आगे संगीन जीना है, दूसरा शुमालरूया जिसके आगे भी संगीन जीना है. सेहन संगीन है. इमारत मसजिद दोहरी पांचदरी खिड़कियां चोबी किवाड़दार तीन मगरबी दीवार में नसब हैं और दो जोड़ शुमाली व जुनूबी दीवार में हैं. बरआमदा आहनी चादरपोश सासदरा दरवाजे दो बरआमदे मजकूर के जानिब शुमाल व जुनूब हैं. गुसलखाने दो जानिब जुनूब. हुजरे दो जानिब जुनूब. बरआमदा सानी सेहदरा शुमालरूया. सेहन जेरीन जिसमें नीम का एक दरख्त, शरीफे के दो दरख्त और आम का एक दरख्त नसब है. दरवाजे दो एक सेहन जेरीन के जानिब मशरिक दूसरा जानिब मगरिब है, नीज यक किता आराजी तफरीहगाह जिसका रकबा ६६५-६६ मुरब्बा गज जिसके हुदूद लोहे के खम्बों में तारकशीदा करके कायम किये गये हैं इसमें एक चक्करदार फाटक नसब है इसमें पीपल का एक दरख्त, मदोकामनी का एक दरख्त, दरख्त शरीफे ६ रूईदा हैं व यक किता आराजी तफरीहगाह जो मुतअल्लिका मसजिद सुल्तानी है और जुज्व असगर है. इसका रकबा ३७३-३३ मुरब्बा गज है. इसके जानिब शुमाल तारकशीदा आहनी खम्बों पर अहाता कायम है. इसमें अमरूद के ३ दरख्त, मदोकामनी का १ दरख्त, २ दरख्त शरीफों के हैं, फुलवार भी है, इसके अलावा आराजी निस्तारी जिसके जानिब शुमाल व मगरिब अलंगों की संगीन बुनियाद व हुदूद कायम हैं तूल शुमालन व जुनूबन ५१॥ फीट और अरज शरकन गरबन २१ फीट है इसी तरह दूसरी आराजी निस्तारी जिसका तूल शरकन व गरबन ८० फीट और अरज शुमालन जुनूबन ५१ फीट है इस आराजी पर पुख्ता सड़क गिट्टी की दरवाजे मसजिद के सामने ता सड़क खुवासपुरा मसजिद में आमदोरफत के लिये बनी हुई है.	हर हाईनेस नवाब शाहजहां बेगम साहेबा मरहूमा साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. मजहबी अदाये नमाज व इबादत इलाही.
..	मसजिद अन्दरून अहाता कदीम पुलिस लाइन वाके शाहजहांबाद शहर भोपाल. हुदूद अरबा— हर चार जानिब आराजी अहाता पुलिस लाइन.	यक किता मसजिद पुख्ता बिला छत, इसका सदर दरवाजा शुमालरूया जिसके आगे तीन कदमचों का एक जीना बना हुवा है. संगीन खम दरवाजे के हरदो जानिब जिनमें आहनी किवाड़ नसब हैं. पुख्ता दीवार सतेह जमीन से सवा-चार फीट बलन्द जानिब मशरिक व शुमाल व जुनूब कायम है नीज महराबदार दीवार सतेह जमीन से ६ फीट बलन्द जानिब मगरिब जिसके शुमाल व जुनूबी किनारों पर एक-एक बुरजी कायम है सेहन मसजिद में एक बरगद का दरख्त भी है.	
..	मसजिद फुरकानी (मसजिद मुर्गी बाजार) वाके चोराहा बाजार शाहजहांबाद, शहर भोपाल. हुदूद अरबा— हर चार जानिब आराजी.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसका सदर दरवाजा मशरिकरूया और आगे जीना-सहन संगीन खुर्द. दूसरा एक सेहन के जानिब शुमाल. सकावा व गुसलखाना सेहन के जानिब जुनूब जिनमें से हर एक के आगे जीना संगीन बना हुआ है. जीना संगीन सेहन कलां में जाने के लिये. सेहन कलां संगीन है. बरआमदा आहनी सासदरा चादरपोश-इमारत मसजिद पुख्ता पांचदरी है. खिड़की शुमाली व जुनूबी दीवार में नसब है.	

		३	४	५
[illegible]	... ता ८७..	मसजिद याकूबखां, वाके शाहजहांबाद, शहर भोपाल. हुदूद अरबा— मशरिक—बाला खाना मुतल्लिक मसजिद हाजा मगरिब—मकान मुन्शी जफर अहमद साहब. शुमालन—काल ठेकेदार मुजम्मिल हुसैन साहब. जुनूब—सड़क सरकारी.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला, जिसका सदर दरवाजा जुनूबरूया, जिसमें आहनी सलाखदार फाटक लगा हुवा है और जिसके आगे आठ कदमचों का एक संगीन जीना बना हुवा है. इसका सहेन संगीन है. दालान पुख्ता मगरिबरूया व सेहदरा जानिब मशरिक. हुजरा एक दालान मजकूर के शुमाल जुनूब में. गुसलखाना व सकावा व वजूखाना टीनपोश जानिब शुमाल. बरआमदा सातदरा चादरपोश. बरआमदा सानी जानिब जुनूब. चबूतरा संगीन जानिब जुनूब. इमारत मसजिद दोहरी पांचदरी. दरवाजे दो बरआमदा जुनूबी में जाने के लिये. नीज दुकानात मुतअल्लिका मसजिद जेरीन बाला खाने में पांच किता दुकानात पुख्ता मशरिकरूया मौजूद हैं. अलावा इसके दो कमरे पुख्ता संगीन जुनूबरूया हैं व यक किता बालाखाना पुख्ता मशरिकरूया जिसका जीना जानिब मशरिक सेहन पुख्ता. कमरे ३, बावरचीखाना व गुसलखाना व पाखाना भी हैं. आमदनी सालाना २४३ रुपये.	मुन्शी मोहम्मद याकूब खां साहब मरहूम, साबिक दारोगा, बागात रियासत भोपाल, साकिन शाहजहां बाद, शहर भोपाल. मजहबी अदाये नमाज व इबादत इलाही.
२८	२८८ ..	मसजिद उमराव जहां बेगम साहेबा मरहूमा उर्फ मसजिद थाना शाहजहां बाद वाके मुत्तसिल शाहजहां बाद मेडिकल डिस्पेन्सरी भोपाल हुदूद. अरबा.— मशरिक—सड़क सरकारी. मगरिब व शुमाल—इमारत मौकूफा मुतअल्लिका मसजिद हाजा. जुनब—तालाब.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसका सदर दरवाजा मशरिकरूया, जिसके आगे तीन कदमचों का एक जीना है, चबूतरा पुख्ता बेरून मसजिद मशरकी व जुनूबी गोशे में है. सेहन खाम जिसमें आम का एक दरख्त व नीम के पांच दरख्त रोइदा हैं इसमें पाखाना मंडासी गोशे जुनूब व मशरिक में है. दरवाजा सानी जानिब जुनूब. सेहन पुख्ता. वजूखाना चादरपोश-गुसलखाना व सकावा मौजूद है. इमारत मसजिद सेहदरी है. हुजरा एक जानिब जुनूब. दो दरवाजे-सेहन मसजिद से मकान मौकूफा में जाने के लिये. खिड़की एक इमारत मसजिद की शुमाली व जुनूबी दीवार में नसब है.	उमराव जहां बेगम साहेबा मरहूमा बिन्त हाजी मोहम्मद अब्दुल करीम साहब नवासी मुन्शी मोहम्मद जमालुद्दीन साहब बहादुर मरहूम, साबिक मदारुल मोहाम, रियासत भोपाल. मजहबी-अदाये नमाज व इबादत इलाही.
२९	२८९ ता २९१..	मसजिद मुशर्रफ उर्फ बकरी वाली वाके मुत्तसिल इसलामी दरवाजा, शाहजहांबाद, भोपाल. हुदूद अरबा— मशरिक—मकान अमीरखां सा. ठेकेदार. मगरिब व शुमाल—कूचा नाफजा. जुनूब—आराजी मुतअल्लिक मसजिद हाजा.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसका सदर दरवाजा जुनूबरूया. सेहन पुख्ता-पेशाबखाना, गुसलखाना-सकावा-दालान सेहदरा-दालान में हुजरा जानिब शुमाल-बरआमदा चादरपोश-इमारत मसजिद सेहदरी जिसकी शुमाली व जुनूबी दीवारों में एक-एक खिड़की नसब है-इसमें एक किता आराजी जो मसजिद मजकूर के जुनूबी जानिब सड़क सरकारी की नाली तक मुसलसली वाके है व यक किता कोठरी खाम चादरपोश मुतल्लिका मसजिद मुशर्रफ उर्फ बकरी वाली मसजिद. आमदनी सालाना २४ रुपये.	हर हाइनेस नवाब शाहजहां बेगम साहेबा मरहूमा साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल मजहबी-अदाये नमाज व इबादत इलाही.
३०	२९२ ता २९३..	मसजिद कल्लन खां उर्फ आम वाली वाके बरलबे रिजमट रोड, शाहजहांबाद, भोपाल. हुदूद अरब.— मशरिक—रिजमट रोड .. .. मगरिब—मकान मौकूफा मुतल्लिका मसजिद शुमाल—कूचा नाफजा. .. .. जुनूब—मकान रमजानअली साहब. ..	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसका सदर दरवाजा मशरिकरूया, जिसमें फाटकनुमा चोबी दरवाजा नसब है. सेहन संगीन है. हुजरा सेहन के गोशे शुमाली में है. गुसलखाना एक सेहन मजकूर के गोशे जुनूब में वाके है. सकावा-वजूखाना चादरपोश-इमारत मसजिद सेहदरी जिसकी शुमाली व जुनूबी व मगरबी दरवाजे में एक-एक खिड़की नसब है. बरआमदा आहनी चादरपोश पांचदरा इसमें दरख्त अम्बा एक और दरख्त मदोकामनी दो, सेहन में इस्तादा हैं व नीज एक किता आराजी ऐन मुलहिक दीवार शुमाली मसजिद मजकूर—तूल शरकन व गरबन ४८ फीट अर्ज शुमालन व जुनूबन जानिब मशरिक १० फीट जानिब मगरिब ११ है. आराजी मजकूर की हदबन्दीखाम चबूतरे	कल्लन खां साहब मरहूम दास्तानगो हिज हाइनेस नवाब शाहजहां बेगम साहेबा मरहूमा-साबिक फरमारवाये, रियासत भोपाल. मजहबी अदाये नमाज व इबादत इलाही.

२	३	४	५
		के जर्ये जिसकी अलंगे की रड मौके पर मौजूद है की गई है.	
२९४ ..	मकान मुतल्लिका मसजिद कल्लन उर्फ आमवाली मसजिद वाके अकब मसजिद मजकूर शाहजहांबाद, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—मसजिद मजकूर. शुमाल व मगरिब—कूचा साफजा. जुनूब—खंडर मकान डॉक्टर मुबारिक अली साहब.	यक किता मकान यक मंजिला कवेलूपोश खाम सेहन खाम, जो टट्टियों से घिरा हुवा है. पाखाना एक. कोठरियां. दालान एक दोनों कोठरियों के बीच में है. आमदनी सालाना ४८ रुपये है.	हस्सूखां साहब मरहूम, दुकानदार, रिजमट बाजार, शाहजहांबाद, भोपाल. मजहबी, अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद व मरम्मत मकान हाजा.
२९५ ..	तफरीहगाह मुतल्लिक मसजिद कल्लन खां उर्फ आमवाली वाके मुत्तसिल मसजिद मजकूर. रिजमट रोड, शाहजहां आबाद, भोपाल.	बरवक्त कायमी वक्फ यह एक किता मकान काबिल मरम्मत था, जिसको हस्ब ख्वाहिश वाकिफ साहब हमवार करके मसजिद को तफरीहगाह बना लिया गया जिसका तूल शरकन व गरबन ३३ फीट व अर्ज शुमालन व जुनूबन ३२॥ फीट है लेकिन बहाल्ते मौजूदा यह किता मसजिद के सेहन में शामिल करके हस्ब पैमाइश संगीन सेहन तामीर किया गया है.	पन्नालाल जी वल्द बुधाजी साहब मरहूम, कोम मोड़, साकिन मुत्तसिल मसजिद मजकूर, शहर भोपाल. खैराती आराम आसाइश मुसलमानान.
२९६ ता २९८.	मसजिद अब्दुल रेहमान उर्फ कच्ची मसजिद वाके मेहल्ला कबीरपुरा, शाहजहांबाद, भोपाल. हुदूद अरबा— मशरिक—रास्ता आम व नाला सरकारी. मगरिब—आबचक. शुमाल व जुनूब—कूचा नाफजा.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला. इसका सदर दरवाजा फाटकनुमा मशरिकरुया है. सेहन अव्वल खाम है. हुजरा यक सेहन खाम के जुनूब में है. गुसलखाना एक सेहन खाम के शुमाल में सेहन संगीन जिसके वस्त में होज है. मदोकामनी का एक दरख्त भी है. मसजिद पुख्ता सेहदरी, जिसकी शुमाली व जुनूबी दीवारों में एक-एक खिड़की नसब है. बरआमदा चादरपोश है. बरआमदा सानी व सालिस दो-दो दरा जानिब शुमाल व जुनूब इमारत मसजिद व यक किता आराजी मुतल्लिका मसजिद, जिसका तूल ४४॥ फीट शरकन व गरबन गोलाइनुमा और अर्ज शुमालन व जुनूबन ४८ फीट है. इस आराजी में जानिब मगरिब एक दरख्त भाखर का रूइदा है नीज मसजिद में जाने के लिये चार कदमचों का एक संगीन जीना बना हुवा है. अलावा इसके तफरीहगाह मुतल्लिका मसजिद है जो बवक्त कायेमी वक्फ यह आराजी का एक किता था जिसका तूल शुमालन व जुनूबन ४६ फीट और अर्ज शरकन व गरबन १८ फीट था; मगर अब बहालते मौजूदा यह आराजी तफरीहगाह सेहन मसजिद में शामिल है और इसमें एक होज तामीर है. नीज संगीन फर्श लगा हुआ है.	अब्दुल रेहमान खां साहब मरहूम, साकिन मेहल्ला कबीरपुरा, शाहजहांबाद, भोपाल. मजहबी, अदाये नमाज व इबादत इलाही.
२९९ ता ३०१.	मसजिद बाग बिलकिस जहां बेगम साहेबा उर्फ बाग नजहत अफजा वाके अन्दरून बाग मजकूर मत्तसिल काली परेड, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—आराजी मुतल्लिका मसजिद हाजा व होज साबिकन. मगरिब—सड़क सरकारी. शुमाल—मकान मसजिद हाजा. जुनूब—आराजी मुतल्लिका मसजिद हाजा.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसका सदर दरवाजा जुनूब रूया है. सेहन पुख्ता गुसलखाना मुन्हदिम-इमारत मसजिद चादरपोश सेहदरी है. हुजरा एक जानिब शुमाल है. नीज एक किता आराजी मुतल्लिका मसजिद, जिसका जानिब मशरिक तूल शुमालन व जुनूबन ६५ फीट व अरज शरकन गरबन ३४ फीट. इसी मशरकी जानिब की आराजी में एक मुन्हदिम होज मौजूद है पुख्ता मगर शिकिस्ता है व जानिब मगरिब तूल शुमालन व जुनूबन ९५ फीट और अर्ज शरकन गरबन १३ फीट है और जानिब शुमाल तूल शरकन व गरबन ७६ फीट, अर्ज शुमालन व व जुनूबन २० फीट है. इसीसे मुतल्लिक यक किता मकान पुख्ता जो बहालते मौजूदा शिकिस्ता है, लेकिन उसकी चार दीवारी पुख्ता बदस्तूर कायम है. दरवाजे दो शिकिस्ता हैं. खिड़की एक जुनूबी दीवार में मसजिद की आमदोरफ्त के लिये है इसका सेहन खाम है.	हर हाइनेस नवाब शाहजहां बेगम साहेबा मरहूमा, साबिका फरमारवाये, रियासत भोपाल. मजहबी अदाये नमाज व इबादत इलाही.

१	२	३	४	५
	३०२ ता ३०३.	मसजिद नबी बाग वाके अन्दरून अहाता बाग मजकूर बैरसिया रोड, भोपाल.–हुदूद अरबा–हर चार जानिब आराजी नबी बाग.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला दरवाजा फटकीनुमा मशरिकरूया जीना संगीन चार कदमचों का दरवाजे तक पहुंचने के लिये. हुजरा पुख्ता एक जीने के आगे जिसके अन्दर एक कबर बनी हुई है दरख्त अम्बा एक, दरख्त मौलसरी एक इस्तादा है सेहन संगीन है. गुसलखाना एक–जामुन का एक दरख्त जुनूबी दीवार में कायम है बरआमदा ५ दरा चादरपोश–इमारत मसजिद सेहदरी है. इसीसे मुतल्लिक एक मकान पुख्ता यक मंजिला कवेलूपोश इसमें एक कमरा, सहन, चबूतरा व पाखाना है.	हर हाईनेस नवाब गोहर कुदसिया बेगम साहेबा मरहूमा, साबिक फ़रमारवाये, रियासत भोपाल. मजहबी-अदाये नमाज व इबादत इलाही.
१६.	३०४ ता ३०५.	मसजिद मुफ्ती साहेबान वाके अन्दरून अहाता बाग मुफ्तीयान मुत्तसिल नाला मौजे जमालपुरा, शाहजहांबाद, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.—— हर चार जानिब आराजी बाग मजकूर.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसका सदर दरवाजा मशरिकरूया है–सेहन पुख्ता इमारत मसजिद सेहदरी बरआमदा चोबी टीनपोश जीना जानिब जुनूब–छत पर जाने के लिये है. एक-एक खिड़की मसजिद की शुमाली व जुनूबी दीवारों में है. नीज एक किता हुजरा पुख्ता यक मंजिला मशरिकरूया जिसकी छत बहालत मौजूदा मुन्हदिम है जिसका एक दरवाजा जानिब मशरिक कायम है और एक खिड़की जानिब जुनूब कायम है.	मजहबी–अदाये नमाज व इबादत इलाही.
१७.	३०६ ..	मसजिद बाग कुन्जी लाल वाके बैरसिया रोड, शहर भोपाल. हुदूद अरबा— हर चार जानिब आराजी बाग मजकूर.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला चादर पोश. इसका सदर दरवाजा जुनूबरूया–जीना सदर दरवाजे के आगे गुसलखाना बेरून मसजिद–सकावा बेरून मसजिद–हुजरा पुख्ता जो बेरून दीवार मसजिद तामीर है लेकिन उसका दरवाजा सेहन मसजिद में खुलता है सेहन पुख्ता है इमारत मसजिद सेहदरी.. खिड़कियां पांच जिसमें से तीन मगरबी दीवार और एक-एक शुमाली व जुनूबी दीवार में नसब हैं. चबूतरा पुख्ता जानिब मगरिब है.	
१८.	३०७ ..	मसजिद ड्योढ़ी ईदगाह वाके मुत्तसिल कोठी कुरआनुस सादैन बरकोह ईदगाह, शहर भोपाल. हुदूद अरबा––हर चार जानिब आराजी ड्योढ़ी ईदगाह.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसका सदर दरवाजा मशरिकरूया है, जिसके आगे संगीन जीना दो कदमचों का तामीर है. इमारत मसजिद पुख्ता सेहदरी जिसकी मगरबी दीवार में दो खिड़कियां मय बेरूनी सायेबानों के कायम हैं और शुमाली व जुनूबी दीवार में एक-एक अलमारी नसब है. बरआमदा चादरपोश आहनी खम्बों पर है.	नवाब सर मोहम्मद नसरुल्ला खां साहब मरहूम, साबिक वली-ऐहद रियासत भोपाल मजहबी अदाये नमाज व इबादत इलाही.
१९.	३०८ ता ३१२	ईदगाह मरदाना वाके बरकोह ईदगाह निजद टी. बी. अस्पताल, शहर भोपाल. हुदूद अरबा-मशरिक–सड़क मुतल्लिका ईदगाह.	यक किता ईदगाह जिसके चार महराबदार दरवाजे मगरबी दीवार में आमदोरफत के लिये कायम हैं–अहाता ईदगाह का बेरूनी तूल शरकन गरबन ६०३ फीट है. बेरूनी अरज शुमालन व जुनूबन ५२५ फीट है सेहन खाम है. चबूतरा पुख्ता आठ किता मुकब्बीरों के लिये सहन खाम में बने हुवे हैं. शुमाली जानिब की दीवार परदा कोह बलन्द तामीर है. मगरबी दीवार मरकजी कब्बे तक जनाने ईदगाह से लेकर बलन्द तामीर है लेकिन बहद्दे जुनूबी गोशे सतेह जमीन से पांच फीट बलन्द है. जुनूबी दीवार सतेह जमीन से चार फीट बलन्द तामीर है. होज एक पुख्ता खुला हुवा जुनूबी दीवार से मुत्तसिल तामीर है. ईदगाह हाजा और ईदगाह जनानी की दरमियानी दीवार में तीन दरवाजे मय चोबी चौखट व किवाड़ के नसब हैं–मगरबी दीवार के पस्त में पख्ता मेम्बर बकुब्बा इमाम साहब तामीर है. इसीसे मुतल्लिक ४ किता पाखानेजात ईदगाह मरदाना वाके	हर हाइनेस नवाब शाहजहां बेगम साहेबा मरहूमा, साबिक फरमारवाये, रियासत भोपाल. मजहबी अदाये नमाज व इबादत इलाही.

	२	३	४	५
			अन्दरून सहन ईदगाह मजकूर जुनूब मशरकी गोशे में तामीर हैं. नीज एक किता दरवाजा संगीन मेहराबदार छतदार दोहरा जिसका निस्फ मगरबी फर्श संगीन है—बकिया निस्फ मशरकी हिस्से में मिट्टी की पुख्ता सड़क बनी हुई है. दरवाजे मजकूर में तीन संगीन महराबें कायम हैं व एक किता मकान संगीन यक मंजिला सदर दरवाजा मशरिकरुया दालान संगीन जिसका एक दरवाजा सदर मरकजी दरवाजे ईदगाह में कायम है व कोठरी जानिब मगरिब दालान के बाद जीना संगीन चान्दनी पर जाने के लिये बेरूनी जानिब से दूसरे मकान संगीन सानी मुतल्लिका ईदगाह वाके जानिब जुनूब कायम है.	
२१३ ता ३२२.	ईदगाह जनाना वाके जानिब शुमाल व मुत्तसिल ईदगाह मरदाना. हुदूद अरबा— मशरिक—सड़क ईदगाह. मगरिब—आराजी—ईदगाह डेवढी. शुमाल—सड़क सानी ईदगाह— जुनूब—इमारत ईदगाह मरदाना.		यक किता ईदगाह जनाना जो दो हिस्सों पर मुनकसिम है. इसके हर चार जानिब बलन्द दीवार हाये परदा तामीर है.—हिस्सा अव्वल इसका तूल शरकन गरबन हरदो जानिब ४०७ फिट अर्ज शुमालन जुनूबन १०६ फिट सदर दरवाजा मेहराबदार जिसमें चोबी चोखट व किवाड़ नसब हैं-मशरिक रूया है—हौज पुख्ता शुमाली दीवार के मुत्तसिल जिस पर चढ़ने के लिये ६–६ कदमचों का एक एक जीना है. दरवाजा दो जुनूबी दीवार में नसब है जो ईदगाह मरदाना की तरफ खुलते हैं जिसमें चोबी किवाड़ नसब है. हिस्सादोम तूल शरकन गरबन ११२फिट अर्ज शुमालन जुनूबन १०६ फिट है. दीवार हाये पुख्ता परदा हर चार जानिब बलन्द तामीर हैं मुकब्बीर के लिये एक चबूतरा दरमियानमें बना हुवा है. दरवाजा एक शुमाली दीवार में कायम है जो सड़क शुमाली मुतल्लिका ईदगाह हाजा की जानिब खुलता है दरवाजा एक जुनूबी दीवार में कायम है जो मरदाना ईदगाह में खुलता है दरवाजा एक मशरकी दीवार में नसब है जिसमें चोबी किवाड़ लगे हुवे हैं इस दरवाजे से हिस्सा अव्वल में आमदोरफ्त होती है. सड़क शुमाली ईदगाह जनाना जो पुख्ता की गई है जिसका तूल शरकन गरबन ५७२ फिट अरज शुमालन जुनूबन १७ फिट है जो इसी से मुतल्लिक है. नीज आराजी कम्पाउन्ड अन्दरूनी खाम जिसमें से शुमाली सड़क गुजरती है तूल शुमालन जुनूबन १८४ फिट अरज शरकन गरबन ७२ फिट है. इस कम्पाउन्ड में शीशम का एक दरख्त, खजूर का एक दरख्त नसब है और इसके चारों जानिब बलन्द दीवार हाये परदा तामीर है. इसका सदर दरवाजा पुख्ता मेहराबदार बुरजीवाला जानिब मशरिक कायम है और इस कम्पाउन्ड में जनाना ईदगाह का सदर दरवाजा खुलता है. ४ पाखानेजात मुतल्लिका जनाना ईदगाह वाके अन्दरून कम्पाउन्ड कायम हैं इसके अलावा बेरूनी कम्पाउन्ड मुतल्लिका जनाना ईदगाह वाके ऐन जानिब मशरिक अन्दरूनी कम्पाउन्ड हाजा इसका तूल शुमालन व जुनूबन ९३ फिट और अर्ज शरकन गरबन ८२ फिट है. चारों तरफ बलन्द दीवार पुख्ता परदे की अरसों से तामीर है. बुर्ज पुख्ता संगीन मुतल्लिका इमारत जनाना ईदगाह वाके दर गोशा शुमाल मशरकी है नीज दमदमा दो मंजिला संगीन वाके दीवार मशरकी ईदगाह मजकूर है. मजबह व मसेल्ख मुत-	हर हाइनेस नवाब शाहजहां बेगम साहेबा मरहूमा साबिक फरमारवाये, रियासत भोपाल—. मजहबी—अदाये नमाज व इबादत इलाही.

१	२	३	४	५
			लिका ईदगाह वाके बेरुन गोशा शुमाल मशरिक ईदगाह मजकूर एक अहाता की शक्ल में तामीर है. हर चार जानिब इसका तूल १२५ फिट है–इसकी चार दीवारी पुख्ता संगीन सतेह जमीन से ३ फिट बलन्द है. आमदो रफ्त के लिये एक दरवाजा मगरबी दीवार में दूसरा जुनूबी दीवार में नसब है. सड़क मशरकी मुतल्लिका ईदगाह जिसका तूल शुमालन जनूबन ६८४ फीट अरज शरकन गरबन जानिब शुमाल अहाता ईदगाह १२७ फीट है.	
४१	३२३ ता ३२५ व ३२९.	मसजिद तज्जा बावरची उर्फ मसजिदे मक्के-वाली बेगम वाके महल्ला छावनी विला-इतयान, भोपाल. हुदूद अरबा— मशरिक—मकान शेख चुन्नू साहब. मगरिब—मकान तज्जा साहब. शुमाल—मंगलवारा रोड. जुनूब—मकान मौकूफा मुतल्लिका मसजिद हाजा.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसका सदर दरवाजा शुमाल रूया बरलबे मंगल-वारा रोड है. सेहन संगीन इमारत मस-जिद पांच दरी आहनी सलाखदार दर-वाजा–इमारत मसजिद के शुमाली व जुनूबी दीवार में एक-एक कायम है. बर-आमदा चोबी चादरपोश पांचदरा, गुसल-खाना दो, पेशाबखाना एक, सकावा २. जीना बालाखाने का यक किता, बालाखाना पुख्ता चादरपोश मुतअल्लिका मसजिद इसमें कमरा १ शुमाल रूया है तीन छै किता दुकानात पुख्ता मुसलसल शुमाल रूया अैरान बालाखाना कायम है व यक किता आराजी वाके अकब मसजिद मज-कूर जिसका रकबा तादादी ७९१० मुरब्बा फिट है.	तज्जा साहब मरहूम बावरची, भोपाल. मजहबी-अदाये नमाज व इबादत इलाही.
४२.	३२६	.. दुकानात मुतल्लिका मसजिद तज्जा बावरची वाके बिल मुकाबिल मसजिद मजकूर बर-लबे मंगलवारा रोड, भोपाल. हुदूद अरबा— मशरिक—मकान अब्दुल सत्तार साहब. मगरिब व शुमाल—कब्रस्तान. जुनूब—मंगलवारा रोड.	चार किता दुकानात जुनूब रूया मुसलसल एक मंजिला पुख्ता–इकेहरी–आमदनी सालाना ३८४ रुपये.	अम्मू शाह साहब वल्द जुम्मा शाह साहब मरहूम,साकिन मंगल-वारा, शहर भोपाल. खेराती अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद तज्जा बावरची.
४३.	३२७	.. मकान मुतल्लिका मसजिद तज्जा बावरची व मक्केवाली बेगम साहिबा मरहूमा वाके महेल्ला छावनी विलाइतयान, भोपाल. हुदूद अरबा— मशरिक—मकान शेख चुन्नू. मगरिब—मकान तज्जा साहब. शुमाल—इमारत मसजिद. जुनूब—मकान इब्राहीम साहब.	यक किता मकान चादरपोश यक मंजिला पुख्ता इसमें चार हुजरे मुसलसल शुमाल रूया–सेहन खाम इसमें मदीकामनी का एक दरख्त व अमरूद का एक दरख्त नसब है. आमदनी सालाना १६८ रुपये.	तज्जा साहब मरहूम बावरची, मंगलवारा, भोपाल. खेराती–मसारिफ मर-म्मत मसजिद.
४४.	३२८	.. मकान सानी मुतल्लिका मसजिद तज्जा सा. बावरची वाके महेल्ला छावनी विलाइत-यान, भोपाल. हुदूद अरबा— मशरिक—कूचा नाफजा. मगरिब—मकान छोटेखां. शुमाल—आराजी. जुनूब—गली.	यक किता मकान खाम यक मंजिला खिफाला पोश इसका सदर दरवाजा शुमाल रूया है. सेहन खाम है. दालान एक, कोठा एक, डेवढी व पाखाना भी है. आमदनी सालाना १२० रुपये है.	बेबा साहेबा छोटेखां साहब मरहूम,साकिन मेहल्ला छावनी विला-इतयान, भोपाल. खेराती मसारिफ मर-म्मत मसजिद.
४५.	३३०	.. मसजिद मोमनान वाके मोहल्ला छावनी विलाइतयान, भोपाल. हुदूद अरबा— मशरिक—कूचा नाफचा. मगरिब—मकान मोहम्मद उमर साहब. शुमाल—मकान हाफिज अब्दुल मतीन सा. जुनूब—आबचक मसजिद हाजा.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया है. जिसके आगे चार कदमचों का पुख्ता जीना तामीर है. डेवढ़ी है. दूसरा एक शुमाल रूया डेवढ़ी में जानिब जुनूब–सकावा डेवढ़ी में एक जानिब शुमाल–गुसलखाना, सेहन संगीन इमारत मसजिद सेहदरी है. बर-आमदा चोबी चादरपोश पांचदरा है.	नवाब सुल्तान जहां बेगम साहेबा मरहूम, साबिक फरमारवाय, भोपाल. मजहबी, अदाये नमाज व इबादत इलाही.
४६.	३३१	.. आराजी मुतल्लिका मसजिद मोमनान वाके छावनी विलाइतयान, भोपाल. हुदूद अरबा— मशरिक—मकान हाफिज मोहम्मद इब्राहीम साहब.	यक किता मकान खाम खिफालपोश यक मंजिला इसका सदर दरवाजा जुनूब रूया है. एक दालान, एक कमरा, एक पाखाना और सेहन भी है. आमदनी सालाना	मुसलमानान एहले मोहल्ला ने चन्दा बाहमी से मकान तामीर करके बगर्ज.

२	३	४	५
	मगरिब—मकान मोहम्मद उमर साहब. शुमाल—आबचक मसजिद हाजा. जुनूब—रास्ता आम.	७२ रुपये है.	किया है. मजहबी व खैराती. निस्तार व इस्तेमाल जुरूरीयात मसजिद.
३३२ ता ३३५.	मसजिद जुडीशल कोर्ट वाके वरलबे सुल्तानिया रोड बिल मुकाबिल साबिक इमारत जुडीशल कोर्ट शहर भोपाल. हुदूद अरबा—मशरिक—चबूतरा पुख्ता मुतल्लिक मसजिद हाजा. मगरिब—आराजी सरफ खास. शुमाल—आराजी मुतल्लिका मसजिद. जुनूब—मकान अब्दुलशकूर खां, चपरासी.	यक किता मसजिद यक मंजिला पुख्ता. इसका सदर दरवाजा शुमाल रूया आगे संगीन जीना तीन कदमचों का बेरून सदर दरवाजा पुश्ती दीवार पुख्ता हर दो जानिब/ दरवाजे सदर के. होज पुख्ता. सेहन मसजिद पुख्ता. इमारत मसजिद सेहदरी जिसकी शुमाली व जुनूबी दीवारों में एक-एक खिड़की चोबी और मगरबी दीवार में दो खिड़कियां चोबी नसब हैं. बरआमदा चोबी चादरपोश, जिसकी शुमाली व जुनूबी दीवारों में एक-एक अलमारी म्ये चोबी किवाड़ों के नसब हैं. गुसलखाना एक जुनूबी व मशरकी गोशे में मौजूद है बेरून मसजिद व बादहू आराजी मुतल्लिका मसजिद हाजा सकावा १, गुसलखाने से मुलहिक जानिब मगरिब. कबर बानीये मसजिद सेहन में मशरिक दीवार से मुलहिक है. सेहन मसजिद में एक दरख्त नीम का और एक मदीनाामनी का दरख्त रोईदा है. नीज यक किता चबूतरा पुख्ता मुतल्लिका मसजिद जानिब मशरिक मसजिद की दीवार से मिला हुआ जिसका तूल शुमालन व जुनूबन ३१॥ फीट, अरज शरकन गरबन १९ फीट है, जो सतेह जमीन से औसतन १ फीट बलन्द है. इसी से मुतल्लिक एक किता आराजी बागीचा है जिसका तूल शरकन गरबन ८६ फीट और अरज शुमालन-जुनूबन ४० फीट है, वह जानिब मशरिक है. आराजी बागीचा सानी जो मसजिद के जानिब शुमाल, जिसका तूल शरकन गरबन १५० फीट और अरज शुमालन-जुनूबन ८४ फीट है. यह पहले बागीचा लगा हुआ था मगर अब चंद दरख्त गुल तुरी वगैरा नसब हैं.	सैयद अकबर अली साहब वाके मरहूम साबिक किलेदार, भोपाल. मजहबी अदाये नमाज व इबादत इलाही.
३३६	कब्रस्तान वाके मुत्तसिल मसजिद जुडीशल कोर्ट, शहर भोपाल. हुदूद अरबा—मशरिक—बंगला राये बहादुर राजा अवधनरायन साहब. मगरिब—मकान आराजी अब्दुल शकूर, चपरासी, जुडीशल. शुमाल—आराजी बागीचा. जुनूब—दीवार पुख्ता मुतलीका बागीचा बंगला राजा अवधनरायन साहब.	यक किता आराजी कब्रस्तान जिसका तूल शुमालन-जुनूबन ६५ फीट और अरज शरकन गरबन ५० फीट है. जिसमें खाम कबरें मौजूद हैं और गैर समरदार दरख्तान भी मौजूद हैं.	हर हाईनेस नवाब गोहर कुदसिया बेगम साहेबा साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. खैराती बराये तदफीन. अमवात मुसलमानान.
३३७	मसजिद लाल घाटी वाके बर कोह ऐहमदाबाद बिल मुकाबिल आहनी बंगला, शहर भोपाल. हुदूद अरबा—हर चार जानिब आराजी सर्फ खास.	यक किता मसजिद पुख्ता चादरपोश यक मंजिला जिसका सदर दरवाजा मशरिक रूया जिसके आगे जीना संगीन है. चोबी फाटक जो दरवाजे में नसब है, सेहन पुख्ता है. सकावा एक. नीज बेरून मसजिद दो चबूतरे पुख्ता एक शुमाली दीवार से मुलहिक दुसरा मशरकी दीवार से मुलहिक १॥ दो फीट सतेह जमीन से बलन्द मौजूद हैं.	हर हाइनेस नवाब सुलतान जहां बेगम साहेबा साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. मजहबी अदाये नमाज व इबादत इलाही.
३३८ ता ३४२.	मसजिद मुस्तुजाब वाके लाल घाटी बरलबे सीहोर रोड शहर भोपाल. हुदूद अरबा—मशरिक व मगरिब व शुमाल—आराजी मुतल्लिका मसजिद हाजा. जुनूब—मकान मुतल्लिका मसजिद हाजा.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला चादरपोश इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया जिसमें चोबी किवाड़ नसब हैं. सेहन पुख्ता है. इमारत मसजिद सेहदरी है. गुसलखाना एक व पाखाना एक वाके बेरून मसजिद दीवार शुमाली से मुलहिक—इसी से मुलहिक एक किता मकान पुख्ता यक मंजिला चादरपोश, कमरा एक चादरपोश, दालान [illegible] टाइल	हर हाईनेस नवाब सुलतान जहां बेगम साहेबा साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. मजहबी अदाये नमाज व इबादत इलाही.

१	२	३	४	५
			पोश. सेहन खाम इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया, कमरे दो मुन्हदेमा-बरलबे सीहोर रोड. एक पाखाना शिकिस्ता अकब कमरेजात जानिब मगरिब. इसी मसजिद के मुतल्लिका आराजी बाकै पेश मसजिद जिसका तूल शुमालन-जुनूबन १०० फीट और अरज शरकन-गरबन १६ फीट. यह आराजी सीहोर रोड की जानिब से बतौर रास्ता आमदोरफ्त मसजिद इस्तेमाल होती है. आराजी सानी मुतल्लीका मसजिद जानिब शुमाल जिसका तूल शरकन व गरबन ५० फीट और अरज शुमालन व जुनूबन २७ फीट है. इसमें एक दरख्त बेरी और एक दरख्त अनजीर रोईदा है. आराजी सालिस मुतल्लीका मसजिद मुत्तूसाव जिसका तूल शुमालन-जुनूबन ७७ फीट और अरज शरकन-गरबन ३७ फीट जानिब जुनूब है और १८ फीट जानिब शुमाल है. इसमें बेरी का एक दरख्त नसब है.	
५१.	३४३ ता ३४५.	कबरस्तान मोसूमे खानू गांव बाकै जेर लाल घाटी बरलबे सीहोर रोड, भोपाल.	यक किता आराजी कबरस्तान जिसकी शुमाली व मशरकी व मगरबी दीवार आहता सतेह जमीन से ६ फीट बलन्द पुख्ता है. शुमाली दीवार के वस्त में मेहराबदार दरवाजा नसब है. दरवाजा मजकूर में आहनी चोखट व किवाड़ लगे हुए हैं. इस कबरस्तान में खाम व पुख्ता कबरें मौजूद हैं. नीज दरख्त अम्बा ४ व दरख्त इमली ३ व दरख्त महुवा १ व दीगर मुतफरीके दरख्तान मौजूद हैं. नीज मसजिद कलन्दरी बाकै अन्दरून कबरस्तान जिसकी मगरबी दीवार सतेह जमीन से १० फीट बलन्द है. दीवार मजकूर में तीन मेहराबें बनी हुई हैं. नीज मसजिद हाजा का चबूतरा खाम है.	हर हाइनेस नवाब सुलतान जहां बेगम साहेबा साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल खेराती तदफीन अमवात मुसलमानान.
५२.	३४६ ता ३४७.	मसजिद बैरागढ़ बाकै केम्प नं. १२ आखरी बारक का आखरी कमरा जानिब मशरिक बैरागढ़. हुदूद अरबा— मशरिक व शुमालव जुनूब में रास्ता खाम. मगरिब—मकान मुतल्लिका मसजिद हाजा.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला टाइलपोश इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया है. बरआमदा मसजिद मशरिक व जुनूब रूया टाइलपोश. इमारत मसजिद टाइलपोश बशकल एक कमरा के जिसका सदर दरवाजा जुनूब रूया है. जिसके बराबर जुनूबी दीवार में एक खिड़की नसब है नीज शुमाली दीवार में दो खिड़कियां नसब हैं. जीना संगीन सदर दरवाजा के आगे तीन कदमचों का व यक किता मकान मुतल्लिका मसजिद पुख्ता यक मंजिला टायलपोश इसमें कमरा १ जुनूब रूया टायलपोश जिसकी शुमाली दीवार में दो खिड़कियां और जुनूबी दीवार में एक दरवाजा व एक खिड़की नसब है. बरआमदा टायलपोश दो दरा जुनूब कमरे मजकूर के आगे जिसका १ दरवाजा मशरिक रूया मसजिद के बरआमदे में खुलता है.	हिज हाइनेस नवाब मोहम्मद हमीदुल्लाखां साहब बहादुर साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. मजहबी अदाये नमाज व इबादत इलाही.
५३.	३४८	कबरस्तान बैरागढ़ नं. १ बाकै जेरीन घाटी जानिब जुनूब बैरागढ़. हुदूद अरबा— मशरिक व जुनूब—नाला. मगरिब—आराजी काश्त. शुमाल—सीहोर रोड.	यक किता आराजी कबरस्तान रकबा २-०० इसमें खाम कबरें मौजूद हैं. इसमें किसी किस्म का कोई दरख्त नसब नहीं है.	हिज हाइनेस नवाब मोहम्मद हमीदुल्ला खां साहब बहादुर साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. खेराती तदफीन अमवात मुसलमानान.

१	२	३	४	५
[illegible]	[illegible] ..	कबरस्तान बैरागढ़ नं. २ वाके मुत्तसिल आराजी मौजे बोरबन. हुदूद अरबा—हर चार जानिब आराजी उफतादा.	आराजी कबरस्तान रकबा १—००. इसमें जुमला खाम कबरें मौजूद हैं और कोई दरख्त रोइदा नहीं है.	हिज हाईनेस नवाब मोहम्मद हमीदुल्लाखां साहब बहादुर साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. खेराती तदफीन अमवात मुसलमानान.
५५.	३५० ..	मसजिद इबरत वाके अन्दरून कसरे सुलतानी एहमदआबाद, शहर भोपाल. हुदूद अरबा— मशरिक व जुनूब—इमारत कसरे सुलतानी. मगरिब—सड़क. शुमाल—पारक कसरे सुलतानी.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसका सदर दरवाजा जुनूब रूया संगीन जिसके आगे तीन कदमचों का संगीन जीना बना हुआ है. इमारत मसजिद पुख्ता सेहदरी है. सेहन पुख्ता. जंगला आहनी शुमाली दीवार में बतौर हद्द नसब है. बरआमदा पुख्ता पांच दरा जानिब मशरिक, वजूखाना पुख्ता बरआमदे के जानिब जुनूब—हुजरा एक बरआमदे के जानिब जुनूब सदर दरवाजा सानी जानिब शुमाल इसमें चोबी फाटक नसब है. एक फाटक जानिब जुनूब नसब है. गुसलखाना व पेशाबखाना बेरून मसजिद हैं. खिड़की जालीदार पुख्ता मसजिद की शुमाली व जुनूबी दीवार में व तीन जालीदार सीमेंट की मगरबी दीवार में नसब हैं.	हर हाइनेस नवाब सुलतान जहां बेगम साहेबा साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. मजहबी अदाये नमाज व इबादत इलाही.
५६.	३५१ ..	मसजिद मोसूमे घन्टाघर वाके मुत्तसल जनाना हिस्सा कसरे सुलतानी, शहर-भोपाल. हुदूद अरबा— मशरिक—बाग जनाना. मगरिब—दीवार कसरे सुलतानी. शुमाल—आराजी केसर सुलतानी. जुनूब—घन्टाघर.	यक किता मसजिद बगैर छत के जिसके चबूतरे की पैमाइश हर चार जानिब १२ फीट है और चबूतरे की मुन्डेर की लपेट २॥ फीट बलन्द जानिब शुमाल व जुनूब व मशरिक तामीर है. मशरकी जानिब की मुन्डेर में आमदोरफ्त का दरवाजा है.	हर हाईनेस नवाब सुलतान जहां बेगम साहेबा मरहूमा साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. मजहबी अदाये नमाज व इबादत इलाही.
५७.	३५२ ता ३५३.	मसजिद सूफीया मरदाना वाके अन्दरून बेरूनी कम्पाउन्ड कसरे सुलतानी एहमदआबाद, भोपाल. हुदूद अरबा— मशरिक—बाग मुतल्लिका मसजिद हाजा. मगरिब—आराजी कम्पाउन्ड कसरे सुलतानी. शुमाल—इमारत जनाना मसजिद. जुनूब—सड़क आम.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला. इसका सदर दरवाजा जुनूब रूया जिसमें आहनी फाटक नसब है सेहन मसजिद पुख्ता सीमेंट का. इमारत मसजिद पांच दरी पुख्ता जिसकी मगरबी दीवार में पांच जालीदार खिड़कियां और शुमाली व जूनूबी दीवार में एक-एक नसब है. बरआमदा पुख्ता ६ दरा सेहन खाम जिसमें गुल तुरेर के दरख्त ३ और मदो कामनी का दरख्त रोइदा है. वजूखाना गुसलखाना एक, पाखाना एक, सकाबा मुलहीका अकबरी दीवार वजूखाना. कमरा एक बराये सुकूनत इमाम साहब. मसजिद की छत के शुमाली व जुनूबी गोशे में एक-एक गुम्बद तामीर है. मिनारा मसजिद जानिब शुमाल इसी में मसजिद सूफीया जनाना वाके जेरीन शुमाली गुम्बद इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया है सदर दरवाजा सानी शुमाल रूया कसरे सुलतानी की जानिब से आमदोरफ्त के लिये कमरा मसजिद एक.	हिज हाइनेस नवाब मोहम्मद हमीदुल्लाखां साहब बहादुर साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. मजहबी अदाये नमाज व इबादत इलाही.
५८.	३५४ ..	मकबरा आलिया हुजरत हर हाइनेस नवाब सुलतानजहां बेगम साहेबा मरहूमा वाके मुतसिल इमारत सूफीया मसजिद.	इमारत मकबरा पुख्ता यक मंजिला फर्श संगीन सफेद कबर संग सियाह वस्त फर्श में सफेद संग ३-३ कदमचों के ३ जीने मकबरे में दाखिल होने के लिये जो जानिब मगरिब व मशरिक व जुनूब मौजूद हैं. छत मकबरा पुख्ता. दो दरवाजे आमदोरफ्त के लिये. एक जानिब मगरिब दूसरा जानिब जुनूब वाके है. इमली का एक दरख्त निज्द इमारत मकबरा रोइदा है.	हिज हाइनेस नवाब मोहम्मद हमीदुल्ला खां साहब बहादुर साबिक फरमारवाये, रियासत भोपाल. मुकद्दस—दराये तहफ्फुज मय्यत सरकार आलिया.

	२	३	४	५
५९.	३५५ ..	मजार हजरत कुदसी मोलाना मोलवी जिया-उद्दीन साहब फारूकी नक्श बन्दी रेहमतुल्ला अलेह वाके जानिब मशरिक मकबरा अलवाहजरत एहमदआबाद, भोपाल.	एक मजार पुख्ता जिसका चबूतरा बरंग सुरख सिमेंट का हैं, और तावीज संग-मरमर का है.	हिज हाइनेस नवाब मोहम्मद हमीदुल्ला खां साहब बहादुर, साबिक फरमारवाये, रियासत भोपाल मुक-द्दस बराये तहफ्फुज मैयत मोलवी साहब.
६०.	३५६ ..	कुबूर दो वाके जानिब जुनूब मजार कुदसी साहब रेहमतुल्ला अलेह.	कुबूर दो जो एक दूसरे मुत्तसिल एक ही चबूतरे पर बनी हुई हैं.	हिज हाइनेस नवाब मोहम्मद हमीदुल्ला खां साहब बहादुर, साबिक फरमारवाये, रियासत भोपाल मुकद्दस तहफ्फुज मैयत.
६१.	३५७ ..	बाग मुतल्लिका मसजिद सूफिया वाके जानिब मशरिक मसजिद मजकूर. हुदूद अरबा.— मशरिक व जुनूब– सड़क आम. मगरिब–इमारत सूफिया मसजिद व मकबरा सरकार आलिया. शुमाल—कम्पाउन्ड कसरे सुलतानी व कबरस्तान.	यक किता बाग मुशतमिल बर सेह तख्तेजात, तख्ता नं. १ वाके जानिब जुनूब जिसमें एक बिल्लोरी फव्वारा मय होज वस्त में बना हुआ है ओर मुतफरिक दरख्त नस्ब हैं, नीज पुख्ता व खाम और पुख्ता हदबन्दी अलंगों की जिस पर आहनी जंगला नस्ब है जानिब मशरिक व जुनूब कायम हैं. तख्ता नं. २ में तीन पुख्ता होज बने हुए हैं आमदोरफ्त के लिये तीन दरवाजे कायम हैं जो जानिब मशरिक और मगरिब और जुनूब वाके हैं. तख्ता नं. ३ वस्त में एक होज मय बिल्लोरी फव्वारे के कायम हैं इसमें भी मुतफरिक दरख्तान नस्ब हैं और मशरकी व शुमाली दीवार हआता पुख्ता अलंगा की कायम हैं जिसपर आहनी जंगला लगा हुवा है.	हिज हाईनेस नवाब मोहम्मद हमीदुल्ला खां साहब बहादुर, साबिक फरमारवाये, रियासत भोपाल खैराती, बराये आराम व आसाइश मुसलमानान.
६२.	३५८ ..	कबरस्तान वाके अन्दरून अहाता कसरे सुलतानी जानिब शुमाल मकबरा सरकार आलिया. हुदूद अरबा.– मशरिक—आराजी बाग मुतल्लिका मसजिद सूफिया. मगरिब—कम्पाउन्ड बाग व मकबरा सरकार आलिया. शुमाल—कम्पाउन्ड कसरे सुलतानी. जुनूब—बाग मुतल्लिका मसजिद सूफिया.	यक किता कबरस्तान जिसमें जाबजा पुख्ता कबरें मोजूद हैं और जिसकी मशरकी व मगरबी व जुनूबी पुख्ता दीवार हाये अहाता कायम हैं लेकिन शुमाल की जानिब चबूतरे की शकल में हदबन्दी मौजूद है इसमें इमली के दो दरख्त व जामन का एक दरख्त, नीम का एक दरख्त व गुल चांदनी का एक दरख्त मौजूद है इसके अलावा और दीगर दरख्तान भी रोईदा हैं.	हिज हाइनेस नवाब मोहम्मद हमीदुल्ला खां साहब बहादुर, साबिक फरमारवाये, रियासत भोपाल, खैराती तदफीन अमवात मुसलमानान.
६३.	३५९ ता ३६०	कबरस्तान मौसूमे करबला वाला जुज्व जुनूबी वाके बरलबे तालाब कलां शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक व जुनूब—तालाब कलां. मगरिब—करबला वाटर पंप स्टेशन. शुमाल—सड़क पुख्ता.	इस कबरस्तान की सूरत हाल यह है कि एक सड़क पुख्ता गिट्टी की करबला वाटर पंप स्टेशन से शुरू होकर मशरिक की जानिब दीवार किला फतेहगढ़ तक चली गई है. इस सड़क ने इस कबरस्तान के दो हिस्से कर दिये हैं–एक शुमाली हिस्सा दूसरा जुनूबी. जुनूबी हिस्से में जाबजा खाम व पुख्ता कबरें मोजूद हैं और मुतफरिक अनवा व अकसाम के दरख्त रोइदा हैं बाज कबरें तालाब के पानी में छुप गई हैं इसी में एक किता मसजिद कलन्दरी मुतल्लिका जुज्व जुनूबी कबरस्तान जिसकी मगरबी दीवार १० फीट बलन्द पुख्ता तामीर है, दीवार मजकूर के वस्त में एक कुब्बा मय बुर्ज नुमा बना हुआ है इस मसजिद का सेहन पुख्ता है और सेहन के वस्त में एक पुख्ता कबर बनी हुई है.	हिज हाइनेस नवाब मोहम्मद हमीदुल्ला खां साहब बहादुर, साबिक फरमारवाये, रियासत भोपाल. खैराती तदफीन अमवात मुसलमानान.
६४.	३६१ ता ३६३..	कबरस्तान मोसूमे करबला वाला जुज्व शुमाली शहर भोपाल. हुदूद अरबा— मशरिकी–किला फतेहगढ़ व इमारत मेडीकल होस्टल. मगरिब व शुमाल-करबला रोड़ जुनूब–सड़क पुख्ता मुतल्लिका कबरस्तान.	यक किता आराजी कबरस्तान जिसमें बेशुमार खाम व पुख्ता कबरें मोजूद हैं और मुतफरिक अनवा व अकसाम के दरख्तान रोईदा हैं इसी में मसजिद कलन्दरी वाके अन्दरून जुज्व शुमाली कबरस्तान पुख्ता जो सड़क कबरस्तान के जानिब मगरिब वाके हैं. इस मसजिद की मगरबी दीवार पुख्ता	हिज हाईनेस नवाब मोहम्मद हमीदुल्ला खां साहब बहादुर, साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. खैराती तदफीन–अमवात मुसलमानान.

१	२	३	४	५
			८ फीट बलन्द तामीर है. दीवार के वस्त में एक बुरजी बनी हुई है व नीज कुवा कायम है. इस मसजिद का सेहन पुख्ता व संगीन है जिसमें एक बबेल का दरख्त रोईदा है. मसजिद कलन्दरी सानी वाके अन्दरुन जुब्ब शुमाली कबरस्तान के जुनूबी व मशरकी गोशे में कबरस्तान मजकूर के बलन्द हिस्से पर जानिब किला फतेहगढ़ वाके है इस मसजिद की मगरिबी दीवार बढ़े आदम बलन्द है दीवार मजकूर के ऊपर तीन मिनारों के निशानात बाकी हैं. इस मसजिद का सेहन संगीन है जिसमें पुख्ता एक कबर बनी हुई है.	
६५.	३६४ ..	आराजी सानी मुतस्लिका मसजिद तज्जा बावरची वाके जानिब मशरिक मसजिद मजकूर. हुदूद अरबा.— मशरिक व शुमाल व जुनूब—मकान चूनूखां साहब. मगरिब—इमारत मसजिद.	यक किता आराजी जिसका तूल शुमालन व जुनूबन १३ फीट और अर्ज शरकन गरबन ९ फीट है. मालियती मुबलिग ४०).	मुसम्मात रहीमनबी साहेबा मरहूमा बेवा अब्दुलरहीम साहब मरहूम साकिन मेहल्ला छावनी बिलाइतयान. खेराती—अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद
६६.	३६५ ..	कबरस्तान वाके जानिब शुमाल दुकानात मुतल्लिका मसजिद तज्जा बावरची अकब दुकानात मजकूर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकानात नबी दाद खां सा. व शेरअली सा. मगरिब—मकानात पीरा कस्साब व रेहमत शाह सा. शुमाल—फूटी बावड़ी. जुनूब—मंगलवारा रोड.	एक किता कबरस्तान मोसूमे अम्मूशाह वल्द जुम्मा शाह मुन्दरजे सिटी सरवे खसरा नं. १५६०७ हलका नं. ११ जिसका तूल शरकन व गरबन इस सूरत में के कबरों की एक लम्बी पट्टी चली गई है दरमियान में एक मकान एहमद खां और दूसरा मकान हद्दूखां और तीसरा मकान कल्लूशाह साहेबान का मौजूद है इसमें पुख्ता व खाम कबरें मौजूद हैं.	हिज हाइनेस नवाब मोहम्मद हमीदुल्लाखां साहब बहादुर, साबिक फरमारवाये, रियासत भोपाल. खेराती—बराये तदफीन अमवात मुसलमानान.
६७.	३६६	कबरस्तान कदीम मोसूमे टीलीवाला उर्फ कबरस्तान नत्थाशाह वाके मुत्तसिल नाला पटेलनगर छावनी बिलाइतयान, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—नाला पटेलनगर व मकान सज्जादअली साहब. मगरिब—मकान मीराशाह. शुमाल—नाला व तलय्या गुरबक्ष साहब. जुनूब—फूटी बावड़ी व बादहू कबरस्तान.	यक किता आराजी कबरस्तान जिसमें खाम व पुख्ता कबरें मौजूद हैं और हजरत शाह रहीमुल्ला साहब रेहमतुल्ला इलेह का मजार मौजूद है. शाह साहब ममदूह का उर्स सालाना आराजी मजकूर में होता है इसमें इमली के दो दरख्त, कनजी के आठ दरख्त व नीम के चार दरख्त व खजूर का एक दरख्त, शरीफे के चार दरख्त नसब हैं.	हिज हाइनेस नवाब मोहम्मद हमीदुल्ला खां साहब बहादुर, फरमारवाये, रियास्त भोपाल. खेराती—तदफीन अमवात मुसलमानान.
	३६७ ..	कबरस्तान मोसूमे अरबन साहबवाला वाके मन्दरून आबादी मुत्तसिल नाला पटेल नगर छावनी बिलाइतयान, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान जकू खां साहब मरहूम. मगरिब—दीवार मकान मौलवी मोहम्मद इब्राहीम साहब खलील. शुमाल—नाला पुख्ता. जुनूब—मकान बाबूलाल साहब व मकान वहीदुल्ला खां साहब मरहूम.	यक किता आराजी कबरस्तान बशकल्ल मुसल्लस जिसमें खाम व पुख्ता कबरें मौजूद हैं एक कबर पुख्ता अरबुन साहब की कबर के नाम से मशहूर है.	हिज हाइनेस नवाब मोहम्मद हमीदुल्ला खां साहब बहादुर, फरमारवाये, रियासत भोपाल. खेराती—तदफीन अमवात मुसलमानान
	३६८	कबरस्तान मोसूमे तलय्या गुरबक्ष वाके मोहल्ला छावनी बिलाइतयान, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान अजीम सा कव्वाल. मगरिब—मकान पीर मुज्जु मियां साहब व मकान मुनीरखां साहब. शुमाल—होज पुख्ता रेनी व पाखानेजात. जुनूब—नाला पुख्ता.	यक किता आराजी कबरस्तान जो टीले पर वाके है मुत्तसिल रेनी म्युनिसिपल बोर्ड. कबरस्तान मजकूर में खाम व पुख्ता कबरें मौजूद हैं. एक पुख्ता कबर मुत्तसिल दरवाजा मकान मुनीर खां साहब व एक पुख्ता कबर मुत्तसिल मकान पीर मुज्जु मियां साहब मौजूद है.	हिज हाइनेस नवाब मोहम्मद हमीदुल्लाखां साहब बहादुर फरमारवाये रियासत भोपाल. खेराती—तदफीनअमवात मुसलमानान.
	३६९ ..	कबरस्तान वाके अकब इमारत हिन्दू अनाथालय, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—आराजी अब्दुल रहीम साहब व बिल्डिंग सरदार वसन्तसिंग साहब. मगरिब व शुमाल—इमारत हिन्दू अनाथालय. जुनूब—रास्ता खाम मन्दर कमाली.	यक किता आराजी कबरस्तान जो मुस्तमिल शकल में मौके पर मौजूद है जिसका तूल शुमालन व जुनूबन २६० फीट और अरज शरकन व गरबन ११४ फीट है इसमें इस वक्त ७ पुख्ता कबरें मौजूद हैं सब कदीम खाम हैं.	हिज हाइनेस नवाब मोहम्मद हमीदुल्ला खां साहब बहादुर, साबिक फरमारवाये, रियासत भोपाल. खेराती—तदफीन अमवात मुसलमानान.

१	२	३	४	५
७१.	३७०	मसजिद बाजोडियान वाके महल्ला छावनी विलाइतयान, भोपाल. हुदूद अरबा— हर चार जानिब कबरस्तान बाजोडियान.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसका सदर दरवाजा जुनूब रूया सेहन खाम. चबूतरा सेहन में जिस पर तीन खाम कबरें बनी हुई हैं. गुसलखाने दो, हुजरा १, दालान-हुजरे के आगे सेहन मसजिद संगीन, बरआमदा चादरपोश इमारत मसजिद सेहदरी जिसकी शुमाली व जुनूबी दीवारों में एक-एक खिड़की कायम है.	हिज हाइनेस नवाब मोहम्मद हमीदुल्ला खां साहब बहादुर साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. मजहबी अदाये नमाज व इबादत इलाही.
७२.	३७१	कबरस्तान मोसूमे बाजोडियान महल्ला छावनी विलाइतयान, भोपाल. हुदूद अरबा— हर चार जानिब आबादी महल्ला छावनी.	यक किता आराजी कबरस्तान जिसके अन्दर एक मसजिद बाजोडियान वाके है. कबरस्तान हाजा में खाम व पुख्ता कदीम कबरें मोजूद हैं.	हिज हाइनेस नवाब मोहम्मद हमीदुल्ला खां साहब बहादुर साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. खैराती—तदफीन अमवात मुसलमानान.
७३.	३७२	मसजिद नजर मोहम्मद वाके महल्ला छावनी विलाइतयान, भोपाल. हुदूद अरबा— मशरिक—कबरस्तान. मगरिब—मकान इनायतुल्ला खां साहब. शुमाल व जुनूब—कबरस्तान.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसका सदर दरवाजा जुनूब रूया सेहन खाम, हुजरे दो, दालान पुख्ता बतोर वजूखाना, गुसलखाना पुख्ता दो, चांदनी बालाई गुसलखाने पर—सेहन संगीन बरआमदा चादरपोश, इमारत मसजिद पांचदरी जिसकी शुमाली व जुनूबी दीवारों में एक-एक खिड़की नसब है.	नजर मोहम्मद साहब मरहूम साबिक महल्ला छावनी विलाइतयान शहर भोपाल. मजहबी अदाये नमाज व इबादत इलाही.
७४.	३७३	कबरस्तान वाके मुत्तसिल मसजिद नजर मोहम्मद, भोपाल. हुदूद अरबा— मशरिक व शुमाल व जुनूब—सड़क सरकारी. मगरिब—इमारत मसजिद.	यक किता आराजी कबरस्तान जिसकी दीवारहाये अहाता बलन्द व पुख्ता जानिब मशरिक व शुमाल व जुनूब कायम है. इसमें खाम व पुख्ता कबरें मोजूद हैं नीज चुडेल व रतनजोत के मुतअद्दिद दरख्तान नसब हैं.	हिज हाइनेस नवाब मोहम्मद हमीदुल्ला खां साहब बहादुर साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. खैराती—तदफीन अमवात मुसलमानान.
७५.	३७४ ता ३७८.	मसजिद पुल खाम वाके महल्ला छावनी विलाइतयान, भोपाल. हुदूद अरबा— मशरिक व जुनूब—आराजी मोकूफा मुतल्लिका मसजिद हाजा. मगरिब—कूचा नाफजा. शुमाल—सड़क सरकारी.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसका सदर दरवाजा मगरिब रूया बरवक्त तामीर मसजिद कायम था जो बाद में बन्द करके शुमाली दीवार में सदर दरवाजा कायम किया गया है. सेहन खाम. सेहन संगीन, पेशाबखाना एक, गुसलखाना एक. इमारत मसजिद सेहदरी, हुजरे दो मौजूद हैं. इसके अलावा आराजी मुतअल्लिका मसजिद पुल खाम जिसके हर चार जानिब चोबी आहाता सतेह जमीन से तकरीबन ८ फीट बलन्द कायम है. इस आराजी का तूल शुमालन जुनूबन जानिब मशरिक ६८ फीट जानिब मगरिब ५६ फीट है और अरज शरकन गरबन जानिब जुनूब ५० फीट और जानिब शुमाल ३९ फीट है. दूसरे आराजी सानी मुतअल्लिका मसजिद जिसपर चोबी फर्श का एक चादरपोश कोठा बना हुआ है. तीसरे आराजी सालिस मुतल्लिका मसजिद जिसका तूल शरकन व गरबन जानिब शुमाल १५॥ फीट जानिब जुनूब १५ फीट है और अरज शुमालन व जुनूबन जानिब मशरिक १० फीट और जानिब मगरिब ६ फीट है. नीज आठ कोठेजात जुनूब रूया टाबलपोश जिसके आगे कदरे सेहन है कायम हैं. आमदनी सालाना ५७० रुपये है.	नवाब आलमगीर मोहम्मद खां साहब मरहूम साबिक जागीरदार रियासत, भोपाल. मजहबी अदाये नमाज व इबादत इलाही व मसारिफ मरम्मत मसजिद हाजा.
७६.	३७९ ता ३८१.	मसजिद काजी मुकर्रम उर्फ मसजिद काजी अब्दुल हक साहब मरहूम वाके अन्दरून अहाता सेन्ट्रल लायब्रेरी, भोपाल. हुदूद अरबा— मशरिक—आराजी मोकूफा. मगरिब व शुमाल—आराजी कम्पाउन्ड सेन्ट्रल लायब्रेरी.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया है जिसमें आहनी फाटक नसब है और आगे दो कदमचों का संगीन जीना कायम है. सेहन संगीन है. दालान शुमाल रूया जानिब जुनूब चादरपोश पांचदरा कायम है. वजूखाना दालान मजकूर में है. गुसल-	काजी मोहम्मद मुकर्रम साहब मरहूम साकिन महल्ला छावनी विलाइतयान, भोपाल. मजहबी अदाये नमाज व इबादत इलाही.

	२	३	४	५
		जुनूब—...र कम्पाउन्ड लेडी अस्पताल.	खाना एक जिसका दरवाजा आराजी मोकूफा में खुलता है. बरआमदा चोबी चादरपोश ६ दरा. इमारत मसजिद सेहदरी. दीवार मगरबी में तीन खिड़कियां कायम हैं. हुजरा एक जानिब शुमाल जिसका दरवाजा सेहन बरआमदा मसजिद में खुलता है. जंगला आहनी मशरकी व शुमाली दीवारों पर नसब है इसी से मुतल्लिका एक किता आराजी इसके हर चार जानिब दीवारें पुख्ता मोजूद हैं. दूसरी आराजी जिसके भी चारों जानिब पुख्ता दीवार है, मशरिक की दीवार में से मसजिद में जाने का रास्ता है. इसी आराजी में से मसजिद मजकूर के गुसलखाने का दरवाजा और दालान का दरवाजा खुलता है. मसजिद मजकूर का सदर फाटक भी इसी आराजी में से है. इसका तूल शुमालन व जुनूबन ८४ फीट और अरज शरकन गरबन ७८ फीट है. आमदनी सालाना ३६० रुपये	
३८२		कबरस्तान महदूद वाके जानिब शुमाल मसजिद काजी मकरेम, भोपाल. हुदूद अरबा.—हर चार जानिब आराजी कम्पाउन्ड सेंट्रल लायब्रेरी.	यक किता अहाता कबरस्तान महदूद बदीवार हाये पुख्ता जो सतेह जमीन से दो फीट बलन्द हैं इस अहाते में दो खाम कबरें मोजूद हैं एक कबर काजी अब्दुलहक साहब मरहूम की दूसरी कब्र उनकी एहलिया की है.	हिज हाइनेस नवाब मोहम्मद हमीदुल्लाखां खां साहब बहादुर साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. खेराती तदफीन अमवात मुसलमानान.
३८३	..	कबरस्तान वाके मुत्तसिल गवर्नमेंन्ट माही फार्म बिल मुकाबिल आराजी मुन्दरजा सिलसिला नं. ३८१, इस्टेशन रोड, भोपाल. हुदूद अरबा— मशरिक—आराजी बाग जमाल मोहम्मद खां साहब. मगरिब—इस्टेशन रोड. शुमाल—आराजी कुवां कायमखां साहब. जुनूब—नाला पुख्ता.	यक किता आराजी कबरस्तान जिसको साबिक में पिंडारों का कबरस्तान कहते थे. खाम व पुख्ता कबरें मोजूद हैं और लेडी अस्पताल में मरनेवाले बच्चे व जवान दफन होते हैं.	हिज हाइनेस नवाब मोहम्मद हमीदुल्लाखां साहब बहादुर साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. खेराती तदफीन अमवात मुसलमानान
३८४	..	कबरस्तान वाके अकब बिल्डिंग मुल्ला सेठ सज्जाद हुसेन साहब, भोपाल. हुदूद अरबा— मशरिक—नाला जो रेलवे इस्टेशन तक चला गया है. मगरिब व शुमाल—आराजी मुला सेठ सज्जाद हुसेन साहब. जुनूब—नाला पुख्ता.	यक किता आराजी कबरस्तान जिसके अन्दर पुख्ता व खाम कबरें मोजूद हैं. मशरकी व शुमाली गोशे में एक कुवां है और शुमाल मगरबी हद फासिल पर एक किता मकान खाम है. चार संगीन कबरें जानिब मगरिब मुसलसल बनी हुई हैं नीज एक संगीन मजार जिसका चबूतरा १८ फीट मुरब्बा सतह जमीन से ३ फीट बलन्द मोजूद है.	हिज हाइनेस नवाब मोहम्मद हमीदुल्ला खां साहब बहादुरये साबिक फरमारवा रियासत भोपाल. खेराती तदफीन अमवात मुसलमानान.
३८५	..	मकान मुतल्लिका वक्फ मुसम्मात हबीबा बी साहेबा वाके मुत्तसिल मसजिद अरीठेवाली, भोपाल. हुदूद अरबा— मशरिक व जुनूब—मकान मोलवी एहमद हसन साहब. मगरिब—कूचा नाफजा. शुमाल—सड़क सरकारी.	यक किता मकान खाम यक मंजिला तिकालापोश इसका सदर दरवाजा शुमाल रूया, डेवढी मुशतरका दरवाजा मकान हाजा जुनूब रूया. कमरा एक. बावरचीखाना एक, पाखाना एक, सेहन. आमदनी सालाना ६० रुपय है.	मुसम्मात हबीबा बी साहेबा मरहूमा जौजे रशीद खां साहब मरहूम साकिन महल्ला तलय्या, भोपाल. खेराती, मरम्मत मसजिद.
३८६	..	मकान सानी मुतल्लिका वक्फ मुसम्मात हबीबा बी साहेबा वाके मुत्तसिल मसजिद अरीठेवाली. हुदूद अरबा— मशरिक—मकान मोलवी एहमद हसन साहब व मकान सगीर मोहम्मद खां साहब. मगरिब—कूचा नाफजा. शुमाल—सड़क सरकारी. जुनूब—मकान मोलवी एहमद हसन साहब.	यक किता मकान खाम यक मंजिला सिकालापोश इसका सदर दरवाजा शुमाल रूया, डेवढी मुशतरका में से कमरा एक, सेहन व पाखाना मोजूद है. आमदनी सालाना १२० रुपये.	मुसम्मात हबीबा बी साहेबा मरहूमा जौजे रशीद खां साहब मरहूम साकिन महल्ला तलय्या, भोपाल. खेराती व मसारिफ मरम्मत मसजिद.
३८७	..	मकान सालिस मुतल्लिका वक्फ हबीबा बी साहेबा वाके मुत्तसिल मसजिद अरीठेवाली. हुदूद अरबा— मशरिक—मकान मोलवी एहमद हसन साहब व मकान सगीर मोहम्मद खां साहब.	यक किता मकान खाम यक मंजिला सिकालापोश सदर दरवाजा मशरिक रूया, डेवढी मुशतरका में से कोठा एक. पाखाना एक और सेहन. आमदनी सालाना ७२ रुपये.	मुसम्मात हबीबा बी साहेबा मरहूमा जौजे रशीद खां साहब मरहूम, साकिन महल्ला तलय्या, भोपाल.

	२	३	४	५
		मगरिब—कूचा नाफजा. शुमाल—सड़क सरकारी जुनूब—मकान मोलवी एहमद हसन साहब.		खैराती मसारिफ मरम्मत मसजिद.
८३.	३८८ ..	मकान मुतल्लिका वक्फ मुसम्मात हबीबा बी साहेबा वाके मुत्तसिल मसजिद अरीठेवाली. हुदूद अरबा— मशरिक—मकान मोसूफा मुन्दरजे सिलसिला नं. ३८५. मगरिब—कूचा नाफजा. शुमाल—सड़क सरकारी. जुनूब—मकान मोलवी एहमद हसन साहब.	यक किता मकान खाम यक मंजिला सिफाला-पोश. सदर दरवाजा मगरिब रूया. डेवढी. कोठरियां तीन, सायेबान कवेलूपोश. सेहन पाखाना. आमदनी सालाना १८० रुपये.	मु. हबीबा बी साहेबा, मरहूमा जौजे रशीद खां साहब, मरहूम साकिन महल्ला तलय्या, भोपाल. खैराती मसारिफ मरम्मद मसजिद.
८४.	३८९ ..	मकान मुतल्लिका वक्फ मु. हबीबा बी साहेबा वाके मुत्तसिल मसजिद अरीठेवाली, भोपाल. हुदूद अरबा— मशरिक—मकान मोकूफा सिलसिला नं. ३८५. मगरिब व जुनूब—कूचा नाफजा. शुमाल—सड़क सरकारी.	यक किता मकान यक मंजिला पुख्ता. इसका सदर दरवाजा जुनूब रूया कोठरी एक. सेहन एक. पाखाना एक. आमदनी सालाना ६० रुपये.	मु. हबीबा बी साहेबा मरहूमा जौजे रशीद खां साहब मरहूम, साकिन महल्ला तलय्या, शहर भोपाल. खैराती मरम्मत मसजिद वगैरा,
८५.	३९० ता ३९२.	मकान मोसूमे सूफी मंजिल वाके अकब चोकी पुल पुख्ता, भोपाल. हुदूद अरबा— मशरिक—सड़क सरकारी. मगरिब व शुमाल व जुनूब—आराजी कबरस्तान.	यक किता मकान पुख्ता यक मंजिला. जोना. डेवढी सदर दरवाजा मशरिक रूया इसमें कमरे ३, बावरचीखाना, दालान दो, पाखाना एक. इसी से मुतल्लिक आराजी बहालते मोजूदा बागीचे की शकल में मोजूद है और पुख्ता चार दीवारी से मेहदूद है इसमें दरख्तान अम्बा कलमी ४ हैं और तीन कबरें भी मोजूद हैं. आमदनी सालाना ४२० रुपये.	सूफी सिराजुल हई सा. मरहूम वल्द मौलवी अब्दुल कय्यूम साहब, मरहूम साकिन मोहल्ला तलय्या, भोपाल. खैराती मसारिफ मरम्मत मसजिद वफाजिल आमदनी उमूर खेर इमदाद बेवगान.
८६.	३९३ ..	खाता आराजी काश्त वाके मोजे बाड़ी खुर्द, तहसील बरेली, जिला रायसेन, रियासत भोपाल.	यक किता खाता आराजी काश्त मुश्तमिल बर नम्बरान खसरा व खतोनी मुन्दरजा जैल, नं. ५७-१, २५४, २५५, ३३५, ११५, १६३, १६४, १८२, १८३, १८४-३, १८७, १८८-१-२, २४६-१८९-२, ४३३-१८२, २५६, २६२, २७०, २७४-१, २७६, ३००, २७२, २९२, २९६, ३०२-२, २९८-२, ३०२-१, ३०५-२, ३९५-३०१, ३११-१, ३१२-२, ३१३-१, ३१४-१-२, ४२७-३०९-३, ३१०-४, ३११, ३१२-१, ३१३-२, ३१४-१-२, ३१६, ३१७, ३३५-३, ३८१. यह जुमला खाता रकबा २५३-५३ है. इसकी मालगुजारी ७१६।।।=) है.	अजीजुल मुल्क सरदार करनल हाफिज मियां इकबाल मोहम्मदखां साहब वल्द मियां मजीद मोहम्मद खां साहब मरहूम, साकिन बारा महेल शाहजहांआबाद, भोपाल. खैराती तालीम दीनियात इसलामिया दारूल उलूम ताजुल मसाजिद.
८७.	३९४ ..	खाता आराजी काश्त वाके मौजे उमरावगंज, तहसील गोहरगंज, जिला रायसेन, रियासत भोपाल.	यक खाता आराजी काश्त मुशतमील बर नम्बरात खसरा व खतौनी मुन्दरज जैल नं. ३६ व ३७ व ३८, ३९ व ४० व ४३ व ४४. यह खाता जुमला दो कितआत पर मुशतमील है इसका मजमूई रकबा ११०-३९ है. इसकी सरकारी मालगुजारी ३०६।।=) है.	अजीजुल मुल्क सरदार करनल हाफिज मियां इकबाल मोहम्मद खां साहब वल्द मियां मजीद मोहम्मद खां साहब मरहूम साकिन बारा महल शाहजहांबाद, भोपाल. मजहबी खैराती हस्ब सिलसिला नं. ८७.
८८.	३९५ ..	फीस ट्रैक्टर बावत सन् १३५८ फसली लगायत, सन् १३६० फसली बावत खाता आराजी काश्त मुन्दरजे सिलसिला नं. ३९३.	फीस ट्रैक्टर सन् १३५८ फसली व १३५९ फसली व १३६० फसली बावत खाता काश्त मुन्दरजा सिलसिला नं. ३९३ आराजी.	अजीजुल मुल्क सरदार करनल हाफिज मियां इकबाल मोहम्मद खां सा. बारा महल, भोपाल. हस्ब सिलसिला नं. ८७.

	२	३	४	५
८९.	३९६	.. जस्ती चादरें	जस्ती चादरें बरंग सफेद व स्याह कीमती ६१२॥) मुतल्लिका खाता आराजी काश्त सिलसिला नं. ३९३.	अजीजुल मुल्क सरदार करनल हाफिज मियां इकबाल मोहम्मद खां साहब, बारा महल, भोपाल. हस्ब सिलसिला ८७.
९०.	३९७	.. मसारिफ ट्रेक्टर	मसारिफ ट्रेक्टर बाबत खाता आराजी काश्त मुन्दरजा सिलसिला नं. ३९३ जोकि वाकिफ साहब ने अपने जाती ट्रेक्टर के जर्य आराजी मजकूर तोड़ी थी तादादी ७०० रुपये.	
९१.	३९८	.. चोब इमारती महफूजा कूप मौजे जेतपुरा ..	चोब इमारती महफूजा कूप मौजे जेतपुरा मुतल्लिका साबिक जागीर सरफ खास कीमती मुबलिग ५०० रुपये जो खाता आराजी काश्त मुन्दरजा सिलसिला नं. ३९३ म इस्तेमाल हुई ह.	
९२.	३९९	.. खाता आराजियात काश्त वाके मौजे मांजरपुरी, तहसील बुधनी, जिला सिहोर.	यक खाता आराजी काश्त मुशतमिल बर नम्बरात खसरा व खतोनी मुन्दरजा जेल नं. २८९ व २९० व २९१ व ३४६-३२९. यह खाता जुमला ३ किताआत पर मुशतमिल है. इसका मजमूई रकबा २२-९६ है. इसकी सालाना सरकारी मालगुजारी ५२=) है.	
९३.	४००	.. खाता आराजी काश्त मौसूमे बाग सुलतान दूलहन साहेबा मरहूमा वाके मुत्तसिल बाग मौसूमे उमराव दूलाह साहब सवाद, शहर भोपाल, तहसील हुजूर.	खाता आराजी काश्त मुशतमिल बर नम्बरात खसरा व खतोनी मुन्दरजा जेल नम्बर-१११८ १११९, ११२०, ११२१, ११२२, ११२३, ११२४, ११२५, ११२६, ११२७, ११२८, ११२९, ११३०, ११३१, ११३२, ११३३, ११३४, ११३५, ११३६, ११३७, ११३८, ११३९, ११४०, ११४१, ११४२, ११४३, ११४४, ११४५, ११४६, ११४७, ११४८ यह खाता जुमला ३१ किताआत पर मुशतमील हैं जिनका मजमूई रकबा १२-९३ हैं और सालाना मालगुजारी ४५०) ह.	
	४०१	.. खाता आराजी काश्त वाके मौजे उमरावगंज, तहसील गौहरगंज, जिला रायसेन, रियासत भोपाल.	यक खाता आराजी काश्त मुशतमील बर नम्बरात खसरा व खतोनी मुन्दरजा जेल नं. ८५-१, ८६, ८५।८६-३, २७९-८७, ८५।८६-५, १८, २०, २५९-२०, ८७-३. यह खाता जुम्ला ९ किताआत पर मुशतमील है जिनका मजमूई रकबा ९१-११ हैं. इसकी कुल मालगुजारी १९७।=) हैं.	अजीजुल मुल्क सरदार करनल हाफिज मियां इकबाल मोहम्मद खां साहब, स. बारा महल, शाहजहांबाद, भोपाल. खेराती इमदाद मदरसा दिनियात व तबलीग दीनी इस्लाम.
	४०२	.. खाता आराजी काश्त वाके मौजे हमीदखेड़ी, तहसील गौहरगंज, जिला रायसेन, रियासत भोपाल.	यक किता खाता आराजी काश्त मुशतमील बर नम्बरात खसरा खतोनी मुन्दरजा जल नं. ७, ९, १०, ११, १२, २२, २६, २७, २९, ३०, ३१, ३२, ३४, ३५, ३६, ३७, ४७, ६३, ७०, ७१, ७२, ७३, ७४, ७५, ७६, ८१, ८२, ८३, ८४, ९२, ९४, ९५, ९६, ९७, १०४, १०५, १०७, १३५-७१, १३८-२१. यह खाता जुमला ३९ किताआत पर मुशतमील हैं जिनका मजमूई रकबा १७०-९० है. इसकी कुल मालगुजारी ४२६) सालाना है.	
६.	४०३	.. खाता आराजी काश्त वाके मौजे राजमऊ, तहसील गौहरगंज, जिला रायसेन, रियासत भोपाल.	यक किता खाता आराजी काश्त मुशतमील बर नम्बरात खसरा व खतोनी मुन्दरजा जेल नं. ४-१, ६, ७, ८, १०. यह खाता जुमला ५ किताआत पर मुशतमील है. रकबा ५६-२५ है. इसकी कुल मालगुजारी ५३॥-) है.	अजीजुल मुल्क सरदार करनल हाफिज [illegible] इकबाल मोहम्मद खां साहब, साकिन बारा महल, शाहजहांबाद, भोपाल. [illegible] खेराती तालीम दीनीयात.

१	२	३	४	५
९७.	४०४	यक मंजिल ट्रेक्टर एलेस चेम्बर ३६ हार्स पावर.	यक ट्रेक्टर एलेस चेम्बर ३६ हार्स पावर थ्री डेक्स पिलू एक अदद मय कल्टीवेटर एक अदद व हीरो २४ तवे का एक अदद, मुतल्लिका खाताजात मुन्दरजा सिलसिला नम्बर ४०१, ४०२, ४०३.	अजीजुल मुल्क सरदार कर्नल मियां इकबाल मोहम्मद खां साहब, साकिन बारा महल, भोपाल. मजहबी, खैराती, तालीम दीनियात.
९८.	४०५ ता. ४०६	खाता आराजी काश्त वाकै मौजे मोगरा, तहसील बुधनी, जिला सीहोर, रियासत भोपाल.	यक किता खाता आराजियात काश्त मुश्तमिल बर नम्बरात खसरा व खतोनी मुन्दरजा जैल नं. ९९, १००, १०१, १०२, १०४, १०५, १०६, ११५, १२१, १२३, १२४, १२६, १२७, १९३, २४५, २४६, २४७, २४८-१, २४८-२, २५१, २५२, २५४, २५५, २५७, २५८, २५९, २६०, २६१, २६२, २६६, २६७, २६९, २७०, २७१, ४२८-२६४ यह खाता जुमला ३५ कतात पर मुश्तमिल है और इसका मजमूई रकबा १६३–५५, इसकी सालाना मालगुजारी ४४५।।।=) है.	अजीजुल मुल्क सरदार कर्नल मियां इकबाल मोहम्मद खां साहब, साकिन बारा महल, भोपाल. मजहबी खेराती, कायमी मदरसा मोहम्मदिया व बराये इमदाद मदरसा दीनियात.
		मकान मुतल्लिका खाता आराजी काश्त मौजे मोगरा, तहसील बुधनी हुदूद अरबा.— मशरिक व जुनूब—रास्ता आम. मगरिब—बाड़ा मौकूफा. शुमाल—मकान गनपतजी, लोहार.	नीज मकान मुतल्लिका खाता आराजी काश्त वाकै मौजे मोगरा, तहसील बुधनी, सिफाला पोश, खाम कीमती ५००), सदर दरवाजा मशरिक रूया. दालान एक, कोठे दो, सेहन खाम.	
९९.	४०७	खाता आराजी काश्त शिकमी वाकै मौजे उमरावगंज, तहसील गोहरगंज, जिला रायसेन, रियासत भोपाल.	यक किता खाता आराजियात काश्त शिकमी मुश्तमिल बर खसरा व खतोनी नम्बरात मुन्दरजा जैल नम्बर १३६, १३७, १४०, १४१, २१७, २२१ जुमला ६ किता इसका मजमूई रकबा १०७–८, इसकी कुल मालगुजारी ३३७।।।=) सालाना अदा होती है.	अजीजुल मुल्क सरदार कर्नल हाफिज मियां इकबाल मोहम्मदखां साहब, साकिन बारा-महल, शाहजहांबाद, भोपाल. खेराती, कायमी मदरसा मोहम्मदिया व इमदाद मदरसा दीनियात.
१००.	४०८	खाता आराजी काश्त वाकै मौजे भेराखेड़ी, तहसील बुधनी, जिला सीहोर, रियासत भोपाल.	यक खाता आराजी काश्त मुश्तमिल बर खसरा व खतोनी नम्बर ७५, रकबा ४७ एकड़ ४० डी. जिसकी कुल मालगुजारी ६१) है जो सालाना अदा होती है.	"
१०१.	४०९	खाता आराजी काश्त वाकै मौजे गांजीत, तहसील बुधनी, जिला सीहोर, रियासत भोपाल.	यक किता खाता आराजियात काश्त जिनके नम्बरान खसरा व खतोनी हस्ब जैल है:— नं. १-२ इस खाते का मजमूई रकबा ५८–७७. इसकी कुल मालगुजारी १४८।।=) सालाना है.	"
१०२.	४१०	खाता आराजी काश्त वाकै मोजे मोगरा, तेहसील बुधनी, जिला सीहोर, रियासत भोपाल.	यक किता खाता आराजियात काश्त जिनके नम्बरात खसरा व खतोनी हस्ब जैल है:— नं. ६४३, ३४४, ४३७/३८८ इस जुमला खाते का रकबा २९–१३ है. इसकी कुल मालगुजारी सालाना ६७।।।=) है.	"
१०३.	४११	खाता आराजी काश्त वाकै मौजे सलकनपुर, तहसील बुधनी, जिला सीहोर, रियासत भोपाल.	यक किता खाता आराजियात काश्त जो नम्बरात खसरा व खतोनी मुन्दरजा जैल पर मुश्तमिल है—नं. ४९, ५२, ५६, ५८, ५९, ६३, ८८, १०२, ११३, ११८, १२३, १३३-१, १३४-३, १३५, १४७, १७६-४८, इसका कुल रकबा ए. ७८-७९ डी. है और इसकी सालाना मालगुजारी २०३=) है. फेहरिस्त किता आराजी पर मुश्तमिल है.	"

प्रकरण क्रमांक 16, 17, 18, 19
विरुद्ध
प्रदर्श क्रमांक Ex- D-1
दिनांक 24-3-06
पीठासीन अधिकारी राज्य वक्फ न्यायाधिकरण मध्यप्रदेश भोपाल

१	२	३	४	५
[illegible]	४१२	.. खाता आराजी काश्त शिकमी वार्के मौजे उमरावगंज, तहसील गोहरगंज, जिला रायसेन, रियासत भोपाल.	यक किता खाता आराजियात काश्त शिकमी जो नम्बरात खसरा व खतोनी मुन्दरजा जैल पर मुश्तमिल है—नं. ८३, १६४, १९२, २६३-१०३, २६४-१२७, इनका मजमूई रकबा १५–८९ है. इसकी सालाना मालगुजारी ६३॥।) है.	अजीजुल मुल्क सरदार कर्नल हाफिज मियां इकबाल मोहम्मद खां साहब, साकिन बारा महल, भोपाल. मजहबी खेराती कायमी मदरसा मोहम्मदिया.
१०५.	४१३	.. खाता आराजी काश्त वार्के मौजे उमरावगंज, तहसील गोहरगंज, जिला रायसेन, रियासत भोपाल.	यक किता खाता आराजियात काश्त जो नम्बरात खसरा व खतोनी मुन्दरजा जैल पर मुश्तमिल है—नं. ३५, ७६, ७७, ८०, ८१, ८२, १८१-१, १९२, २०४-१, २०४-३, २२५-१, २२६, २४०, २६७-१४९, २१३-२१४-२१५-२-२, २४०-३, २७८-२४०, इसके कुल १७ किता मजमूई रकबा ५४–७४. इसकी कुल मालगुजारी सालाना ५४॥≡) है.	"
१०६.	४१४	.. खाता आराजी काश्त वार्के मौजे मुनीरगढ़, तहसील गोहरगंज, जिला रायसेन, रियासत भोपाल.	यक खाता आराजियात काश्त मुश्तमिल बर दो नम्बरात खसरा व खतोनी हस्ब जैल है:— नं. ११९, १२०-१, रकबा ६–२२ है. इसकी सालाना मालगुजारी १६॥।=) है.	"
१०७.	४१५	.. खाता आराजी काश्त वार्के मौजे पान गुड़ाड़िया, तहसील बुधनी, जिला सीहोर, रियासत भोपाल.	यक किता खाता आराजियात काश्त जिनके नम्बरात खसरा व खतोनी हस्ब जैल हैं— नं. १०६, १३६, १३७, १३८, १८२-३, १८३-२, १८६, १९२, २३२, २८५-१, २८५-२, २९१, २९२, २९३, २९७, २९९, कुल रकबा ३४०–४१. इसकी कुल मालगुजारी सालाना मुबलिग ७७०।=) है.	अजीजुल मुल्क सरदार कर्नल हाफिज मियां इकबाल मोहम्मद खां साहब, बारामहल, भोपाल. खेराती मजहबी मरम्मत मसारिफ मकानात.
१०८.	४१६	.. अहाता वार्के मुत्तसिल महेल्ला नामतपुरा, शाहजहांबाद, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—आराजी उफतादा आली कदर मेहमूद हसनखां साहब मरहूम. मगरिब—आराजी ईदगाह डेवढ़ी. शुमाल—आराजी उफतादा. जुनूब—मकानात मेहल्ला नामतपुरा.	यक किता आराजी उफतादा जो बशक्ल अहाता कायम है और जिसके हर चार जानिब कद्दे आदम बलन्द दीवार कम्पाउन्ड तामीर है. बसर्रे मौका इस अहाते के तीन अलहेदा-अलहेदा कतआत मौजूद हैं. किता अव्वल अहाते के जानिब मशरिक वार्के हैं जिसमें सात मुख्तलिफ किस्म के दरख्त नसब हैं और जिसके वस्त में एक पानी का होज पुख्ता बना हुआ है इसमें आहनी फव्वारा नसब है. किता दोम—यह किता अहाता मजकूर में जानिब मगरिब वार्के है इसमें कुछ मुनहदेमा मेहराबदार मकानात मौजूद हैं और एक मोटरखाना मुकम्मल वस्त में कायम है इसके मगरबी दीवार में एक फाटकनुमा दरवाजा मौजूद है. इसमें ४ खजूरों के दरख्त भी हैं. किता सोम—यह किता अव्वल के जानिब शुमाल वार्के है और इसमें चूड़ेल का एक दरख्त रोइदा है.	अजीजुल मुल्क सरदार कर्नल हाफिज मियां इकबाल मोहम्मद खां साहब, बारामहल, भोपाल. मजहबी खेराती कुल आमदनी से मरम्मत मकानात नं. ४१७ व ४१८, १० फी सदी के बाद दो मुसलमान साहेबान हज बेतुला शरीफ के मसारिफ आमदोरफत दिये जायेंगे.
१०९.	४१७	.. मकान वार्के अन्दरून किता अव्वल अहाता मोकूफा. हुदूद अरबा.— मशरिक—आराजी आली कदर मेहमूद हसन खां साहब मरहूम बकीया हरसेह जानिब आराजी अहाता.	यक किता मकान यक मंजिला पुख्ता व टायलपोश मुश्तमिल. पाखाना पुख्ता. दालान टायलपोश पांच दरा. जुनूब रूया जिसके दो दर ईंटों से बन्द हैं और तीन दरों में जाफरीदार किवाड़ लगे हुए हैं. कमरा पुख्ता एक, जिसका एक दरवाजा मशरकी दीवार में और दूसरा जुनूबी दीवार में नसब है और जिसमें एक खिड़की मगरबी दीवार में और दूसरी शुमाली दीवार में लगी हुई है. जीना पुख्ता छत पर जाने के लिये कायम है.	अजीजुल मुल्क सरदार कर्नल हाफिज मियां इकबाल मोहम्मद खां साहब, बारामहल, शहर भोपाल. मजहबी खेराती, हस्ब सर्वे नं. ४१५.

१	२	३	४	५
११०.	[illegible]	मकान सानी वाके अन्दरून किता दोम अहाता मौकूफा. हुदूद अरबा— मशरिक–खंडर मुन्हदमा सिलसिला नं. ४१९. मगरिब–मकान शेर मोहम्मद साहब. शुमाल—आराजी कता दोम अहाता. जुनूब—रास्ता मेहल्ला नामतपुरा.	यक किता मकान पुख्ता, सिफालपोश यक मंजिला, इसके सदर दरवाजे २, एक शुमाल रूया और एक जुनूब रूया. बरआमदा कवेलूपोश सेहदरा. कोठरियां बगली २, बरआमदे के जानिब मशरिक व मगरिब कमरा एक कवेलूपोश. पाखाना एक. सेहन खाम.	अजीजुल मुल्क सरदार कर्नल हाफ़िज मियां इकबाल मोहम्मद खां साहब, बारामहल, शहर भोपाल. मजहबी खेराती, हस्ब सर्वे नं. ४१५.
१११.	४१९	खंडर वाके अन्दरून किता दोम अहाता मौकूफा. हुदूद अरबा.— मशरिक–आराजी कता दोम अहाता. मगरिब–मकान सानी मुन्दरजा सिलसिला नं. ४१८. शुमाल—आराजी कता दोम अहाता. जुनूब–रास्ता मेहल्ला नामतपुरा.	यक किता खंडहर जिसके चारों जानिब की दीवारें अलंगो की कद्दे आदम बलन्द मौजूद हैं. लेकिन इसकी अन्दरूनी इमारत मुन्हदीम हो चुकी हैं.	"
११२.	४२०	मसजिद कोहना माजी साहेबा वाके मेहल्ला रेतघाट मुत्तसिल पी. डब्ल्यू. डी. वर्कशाप व स्टोर, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.– हर चार जानिब कूचा नाफ़जा.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया जिसके आगे आठ कदमचों का जीना तामीर है. दोह दरवाजे के अन्दरूनी जानिब. सेहन संगीन है. अहाता जानिब शुमाल जिसमें कब्रें बनी हुई हैं. गुसलखाने दो जिसमें से एक चादरपोश हैं. हुजरा खाम. दरवाजा सानी जानिब शुमाल. दरवाजा सालिस जानिब जुनूब सकावा. वजूखाना चादरपोश. इमारत मसजिद पुख्ता संगीन दोहरी नो दरी. ताकचा संगीन जालीदार मसजिद की शुमाली व जुनूबी दीवारों में मौजूद हैं.	मजहबी, अदाये नमाज व इबादत इलाही.
११३.	४२१	मकान मुतल्लिका मसजिद कोहना माजी साहेबा वाके जानिब जुनूब मसजिद मजकूर. हुदूद अरबा.— मशरिक–कूचा नाफ़जा. मगरिब व शुमाल व जुनूब–इमारत मसजिद.	यक किता मकान यक मंजिला पुख्ता सिफालापोश इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया जिसके आगे ५ कदमचों का जीना तामीर है. दालान, कमरा, सेहन, बावरचीखाना खाम, कोठरी, गुसलखाना, पाखाना, आमदनी सालाना १४४ रुपये.	मसजिद कमेटी भोपाल ने यह मकान तामीर कराया है. मजहबी खेराती, अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद कोहना माजी साहेबा व मरम्मत मसजिद.
११४.	४२२	दुकानात मसजिद कोहना मांजी साहेबा वाके अकब हुजरा मसजिद मजकूर. हुदूद अरबा.— मशरिक–चबूतरा मुतल्लिका दुकानात व बादहू आराजी उफ़तादा. मगरिब–हुजरा मसजिद. शुमाल–कूचा. जुनूब–जीना मसजिद.	दो किता दुकानात खाम चादरपोश जिनकी शुमाली व जुनूबी दीवारों में एक-एक खिड़की कायम है और इसके आगे चबूतरा मौजूद है. आमदनी सालाना ९६ रुपये.	कमेटी मसजिद, भोपाल और अहले मोहल्ला ने तामीर कराई है. मजहबी, खेराती अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद कोहना मांजी साहेबा व मरम्मत मसजिद व दुकानात हाजा.
११५.	४२३ ता ४२४	मसजिद मोसूमे लाल इमलीवाली वाके बरलबे तालाब कलां अकब इमारत पी. डब्ल्यू. डी. वर्कशाप स्टोर रेतघाट, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—आराजी उफ़तादा. मगरिब–तालाब. शुमाल–कूचा. जुनूब—चबूतरा मसजिद व बादहू तालाब कलां.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसका चबूतरा जानिब जुनूब सदर दरवाजा जुनूब रूया. सेहन खाम कुब्बा मजार. कब्रें पुख्ता, कुब्बे मजकूर के बाहर. सेहन संगीन. इमारत मसजिद पुख्ता पांच दरी जिसकी शुमाली व जुनूबी दीवार में एक-एक खिड़की कायम हैं मसजिद हाजा के सेहन में दरख्त नीम व मदो कामनी व दरख्त इमली २, व दरख्त अम्बा ८, दरख्त अमरूद एक, दरख्त केला ४ अदद इस्तादा हैं.	मजहबी, अदाये नमाज व इबादत इलाही.
११६.	[illegible] ४२६	मसजिद मौसूमे आब फरोशां वाके बरलबे तालाब कलां, जेरीन पुल, रेतघाट, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—कबरस्तान. मगरिब व शुमाल—तालाब कलां. जुनूब—आराजी उफ़तादा.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसका सदर दरवाजा जुनूब रूया जिसके आगे पांच कदमचों का जीना कायम है. सहन खाम है. दुसरा सेहन संगीन है. पेशाबखाना पुख्ता है. गुसलखाना पुख्ता शुमाली दीवार पर आहनी नलों का जंगला नसब है. इमारत मसजिद पुख्ता सेहदरी है. नीज एक किता	मजहबी, अदाये नमाज व इबादत इलाही.

	२	३	४	५
			हुजरा मुतल्लिका मसजिद पुख्ता यक मंजिला जो मसजिद के जानिब मशरिक वाके है. हुजरा कमरा दर कमरा पर मुशतमिल है और इसका सदर दरवाजा मगरिब रूया सेहन मसजिद मजकूर में खुलता है व नीज एक खिड़की जानिब मशरिक है.	
१७	४२७ ता ४२८	कबरस्तान वाके मुतसिल मसजिद आब फरोशां. हुदूद अरबा— मशरिक—फसील पुल रेत घाट. मगरिब—हुजरा मसजिद. शुमाल—तालाब कलां. जुनूब—आराजी उफतादा.	यक किता कबरस्तान कदीम जिसके हर-चार जानिब की दीवार हाये अहाता पुख्ता बनी हुई हैं और जिसमें ज्यादातर पुख्ता कब्रें मौजूद हैं इसी कबरस्तान के अहाते में एक कलन्दरी मसजिद जिसकी हरसेह दीवारें पुख्ता बलन्द कायम हैं. सहन में एक चबूतरे पर मशरिक की जानिब पुख्ता कब्र मौजूद है.	हिज हाइनेस नवाब मोहम्मद हमीदुल्लाखां साहब बहादुर, साबिक फरमारवाये, रियासत भोपाल. खेराती, बराये तदफीन अमवात मुसलमानान व अदाये नमाज.
१८	४२९ ता ४३०	मसजिद पायेगाह किला कोहना वाके मुत-सिल मशरकी दरवाजा किला मजकूर, भोपाल. हुदूद अरबा:— मशरिक—आराजी चबूतरा मुतल्लिका मस-जिद हाजा बादहू कमला पार्क रोड. मगरिब—बुरज किला कोहना. शुमाल—रास्ता. जुनूब—कमला पार्क रोड.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला. इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया सेहन संगीन, इमारत मसजिद सेहदरी चादर-पोश नीज एक किता आराजी बशक्ल चबूतरा जिसके कदीम बुनियाद मौके पर मौजूद है. इसी आराजी में जानिब जुनूब मसजिद मजकूर का पुख्ता पेशाबखाना बना हुआ है और नल नसब है. आराजी हाजा में चन्द कोहना कबरें भी मौजूद हैं इसका तूल शुमालन व जुनूबन जानिब मशरिक ४२ फीट और जानिब मगरिब मसजिद की मगरबी दीवार के साथ-साथ शुमालन व जुनूबन ३७॥ फीट है इसका अर्ज शरकन व गरबन जानिब शुमाल २७ फीट और जानिब जुनूब १० फीट है.	मजहबी, अदाये नमाज व इबादत इलाही व निस्तार जरूरियात मसजिद.
११९	४३१ ..	मसजिद मौसूमे अब्दुल रेहमान वाके मेहल्ला ढीमरपुरा, जेर किला कोहना, शहर भोपाल. हुदूद अरबा:— मशरिक—कूचा. मगरिब मकान अब्दुल हफीज साहब. शुमाल—मकान अख्तरअली साहब. जुनूब—आराजी उफतादा.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला, सदर दरवाजा मशरिक रूया. सेहन खाम. गुसलखाना, सकावा, पेशाबखाना, हुजरा चादरपोश मशरिक रूया. बरआमदा टायलपोश. इमारत मसजिद सेहदरी.	अब्दुल रेहमान साहब मरहूम नोमुसलिन, साकिन मोहल्ला पातरा, शहर भोपाल. मजहबी. अदाये नमाज व इबादत इलाही.
१२०	४३२ ता ४३५	मसजिद मौसूमे कल्लूबुवा वाके अकब पाये-गाह किला कोहना, भोपाल. हुदूद अरबा:— मशरिक व मगरिब—आराजी मुतल्लिका मस-जिद हाजा. शुमाल—मकान अब्दुल रशीद साहब. जुनूब—आराजी मुतल्लिका मसजिद बादहू सड़क सरकारी.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला, जीना पुख्ता तीन कदमचों का. चबूतरा संगीन. इसका सदर दरवाजा जुनूब रूया. सेहन अव्वल संगीन. गुसलखाना चादरपोश दो, सकावा, वजूखाना, हुजरा, दरख्त अमरूद एक. जीना पांच कदमचों का सेहन संगीन सानी में जाने के लिये. सेहन संगीन सानी जिसमें एक दरख्त जामन का रोइदा है. इमारत मसजिद सेहदरी पुख्ता है. नीज एक किता आराजी नं. १ खाम जो बहालते मौजूदा उफतादा है उसका तूल शुमालन व जुनूबन जानिब मशरिक ४२ फीट तूल शुमालन व जुनूबन जानिब मगरिब मस-जिद की मशरकी दीवार के साथ-साथ ३३॥ फीट, अर्ज शरकन गरबन जानिब शुमाल १४ फीट, अरज शरकन गरबन जानिब जुनूब १३ फीट. आराजी नं. २ खाम जिसका तूल जानिब शुमाल व जुनूब शर-कन गरबन १८ फीट है और अर्ज जानिब मशरिक व मगरिब शुमालन व जुनूबन १२ फीट है यह आराजी जानिब जुनूब मसजिद मजकूर है. आराजी नम्बर ३ मुतअल्लिका मसजिद वाके अकब मसजिद कुव्वा मिम्बर से मिली हुई वाके है. इसका तूल शुमालन व जुनूबन ३९ फीट है और अरज शरकन गरबन ७ फीट है. आमदनी सालाना ४८ रुपये.	मुसम्मात कल्लू बुवा साहेबा, भिश्तन मर-हूम, साकिन मेहल्ला परी घाट, शहर भोपाल. मजहबी अदाये नमाज व इबादत इलाही.

१	२	३	४	५
	..	मसजिद मौसूमे नाके वाली वाके किला कोहना बरलबे चार बंगला रोड, शहर भोपाल. हुदूद अरबा:—मशरिक व शुमाल—पाक. मगरिब—सड़क सरकारी. जुनूब—रास्ता मसजिद हाजा.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसका सदर दरवाजा जुनूब रूया, जिसके आगे तीन कदमचों का जीना है. सेहन गुसलखाना, दालान, जिसके ऊपर पुख्ता छत है. दालान की शुमाली व जुनूबी दीवारों में एक-एक खिड़की है.	मजहबी-अदाये नमाज व इबादत इलाही.
१२२	४३७ ता ४३९	मसजिद शिमला वाके पेश इमारत सईद मंजिल बरकोह शिमला. भोपाल. हुदूद अरबा:— हर चार जानिब आराजी उफतादा मुतल्लिका मसजिद हाजा.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला. इसका सदर दरवाजा बतौर फाटक-सेहन संगीन-जाली सीमेंट की सेहन के तीनों जानिब नसब है. वजूखाना पुख्ता जिसपर सीमेंट का शेड बना हुवा है. बर आमदा चादरपोश इमारत मसजिद सेहदरी है जिसकी मगरबी व शुमाली व जुनूबी दीवारों में खिड़कियां नसब हैं. नीज आराजी मुतल्लिका मसजिद शिमला जो मसजिद के चारों जानिब वाक है और सीमेंट की दीवार से मेहदूद है. शुमाल व जुनूब की जानिब वाली आराजी में से मसजिद मजकूर में आने-जाने के लिये रास्ता है. शुमाल जानिब की आराजी में मसजिद मजकूर का गुसलखाना व सकावा व हुजरा और दो पेशाबखाने पुख्ता तामील हैं. मशरकी जानिब की आराजी में पानी गरम करने का पुख्ता चबूतरा व चूला बना हुवा है. इसमें आम के पांच दरख्त और अमरूद के पांच दरख्त और शरीफा २ और सरस का दरख्त एक रोईदा हैं—	नवाब मोहसनुल मुल्क जनरल उबेदुल्ला साहब बहादुर मरहूम, शिमला कोठी, भोपाल. मजहबी-अदाये नमाज व इबादत इलाही व अदाये मसारिफ मरम्मत मसजिद.
१२३	४४० ..	मसजिद परीघांट वाके बरलबे घांट मजकूर मोहल्ला परीघांट तालाब खुर्द, भोपाल. हुदूद अरबा:—मशरिक व मगरिब—रास्ता. शुमाल व जुनूब—आराजी उफतादा.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला. पेशाबखाना बेरून मसजिद गोशे जुनूब व मशरिक में इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया है. सेहन पुख्ता संगीन गुसलखाना पुख्ता. सकावा पुख्ता. हुजरा पुख्ता चादरपोश मशरिक रूया. इमारत मसजिद सेहदरी है.	नवाब मोहसनुलमुल्क जनरल उबेदुल्ला खां साहब बहादुर मरहूम, शिमला कोठी, भोपाल. महजबी—अदाये नमाज व इबादत इलाही.
१२४	४४१ ..	मसजिद मौसूमे धोबियान वाके बरलबे तालाब खुर्द मोहल्ला पातरा मुत्तसिल इमारत, बॉईज इन्टरमीजिएट कालेज, शहर भोपाल. हुदूद अरबा:—मशरिक, मगरिब व शुमाल-आराजी उफतादा. जुनूब—तालाब खुर्द.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला चादरपोश-रपटा सदर दरवाजे तक पहुंचने के लिये शुमाल रूया है. सदर दरवाजा शुमाल रूया है. सेहन पुख्ता. खिड़की जानिब जुनूब लबे तालाब. इमारत मसजिद सेहदरी है. खिड़की जानिब मगरिब भी है.	पंचायत धोबियान, शहर भोपाल. मजहबी—अदाये नमाज व इबादत इलाही.
१२५	४४२ ता ४४३.	मसजिद पीर अब्बास साहब वाके मोहल्ला रेत घांट, भोपाल. हुदूद अरबा:—मशरिक व शुमाल—कूचा. मगरिब—मकान मुन्शी मसूद एहमद साहब. जुनूब—सड़क सरकारी.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला. इसका सदर दरवाजा जुनूब रूया, जिसके आगे तीन कदमचों का जीना तामीर है. सेहन पुख्ता है. सकावा. गुसलखाना. बरामदा चादरपोश. इमारत मसजिद सेहदरी पुख्ता. नीज आराजी यक किता मुतल्लिका मसजिद दर गोशा जुनूब व मगरबी मसजिद मजकूर जो मौके पर बशक्ल मुसल्लस मौजूद है. और पत्थरों की रीड से मेहदूद है. आराजी हाजा के अन्दर कुछ मुतफर्रिक पौदे रोईदा है.	मजहबी—अदाये नमाज व इबादत इलाही.
१२६	४४४ ता ४४५.	मसजिद अरीठेवाली वाके मोहल्ला तलय्या, भोपाल. हुदूद अरबा:—मशरिक शुमाल व जुनूब—सड़क सरकारी. मगरिब—साबिका मकान नसरुल्ला खां साहब.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला. इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया है, जिसके आगे चार कदमचों का पुख्ता जीना तामीर है. सेहन संगीन, जिसमें एक दरख्त अरीठे का रोईदा है. गुसलखाना, वजूखाना चादरपोश सकावा. गुसलखाना सानी. हुजरा पुख्ता भंडारिया, जिसकी खिड़की सड़क के रुख पर है बरआमदा चादरपोश. इमारत मसजिद पुख्ता, सेहदरी नीज एक पाखाना मुतल्लिका मसजिद अरीठेवाली वाक मुत्तसिल आराजी मोहम्मद अली खां साहब बिल मुकाबिल मसजिद. अब यह पाखाना बहालते मौजूदा खंडहर है जिसका तूल शुमालन जुनूबन १३ फीट और अरज शरकन गरबन ८ ८ फ़ीट है.	मजहबी-अदाये नमाज व इबादत इलाही.

२	३	४	५
४४६ ..	मसजिद मीर जहूरुल्ला वाकै घांटी भड़भूंजा, शहर भोपाल, हुदुद अरबा :— मशरिक—मकान काजी अनवरुल्ला सा. मगरिब व जुनूब—कूचा. शुमाल—मकान बाबू मुबारिकअली साहब.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला. इसका सदर दरवाजा जुनूब रूया. वजूखाना जिसके ऊपर सीमेंट का शड डला है. गुसलखाना. सेहन संगीन. इमारत मसजिद सेहदरी है.	मीर जहूरुल्ला साहब मरहूम, साकिन मेहल्ला घांटी भड़भूंजा, शहर भोपाल. मजहबी-अदाये नमाज व इबादत इलाही.
४४७ ..	हुजरा मुतल्लिका मसजिद मीर जहूरुल्ला साहब वाकै मुत्तसिल व मुलहिक मकान बाबू मुबारक अली साहब बिलमुकाबिल मसजिद. हुदूद अरबा: — मशरिक व जुनूब—मकान बाबू मुबारिक अली साहब मगरिब व शुमाल—कूचा.	यक किता हुजरा पुख्ता शुमाल रूया यक मंजिला जो इमारत मसजिद से अलहेदा वाकै है. दोनों के दरमियान रास्ता. यह हुजरा मसजिद के सामान रखने के लिये है.	मीर जहूरुल्ला साहब मरहूम,साकिन मेहल्ला घांटी भड़भूंजा, भोपाल. मजहबी-खैराती-बराये दाश्त व हिफाजत सामान मसजिद.
४४८ ता ४४९.	मसजिद मौसूमे मुन्नी मिरासन वाकै मेहल्ला घांटी भड़भूंजा, भोपाल. हुदूद अरबा :— मशरिक व जुनूब—सड़क. मगरिब—कूचा. शुमाल—मकान बद्दू मियां साहब.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला. इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया. जिसके आगे पुख्ता जीना ६ कदमचों का बना हुआ है. जिसके दोनों जानिब पुख्ता दीवार तामीर है. शेड दरवाजे के अन्दर दाखिल होने के बाद. अलमारी, वजूखाना, सेहन. इमारत मसजिद पुख्ता दोहरी सेहदरी. गुसलखाना बेरूनी जिसका दरवाजा सड़क पर खुलता है. नीज यक किता मकान मुतल्लिका मसजिद पुख्ता यक मंजिला चादरपोश मगरिब रूया एक कमरा और कमरे के आगे सेहन खाम है. आमदनी सालाना ६० रुपये.	मुसम्मात मुन्नी बी साहेबा मरहूमा, साकिन मेहल्ला घांटी भड़भूंजा, भोपाल. मजहबी-अदाये नमाज व इबादत इलाही.
४५० ..	मसजिद सालेह मोहम्मद वाकै मेहल्ला घांटी भड़भूंजा, भोपाल. हुदूद अरबा :— मशरिक व जुनूब—सड़क सरकारी. मगरिब—मकान अब्दुल रकीब साहब. शुमाल—खंडर फारूक मियां साहब.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला. इसका सदर दरवाजा फाटकनुमा मशरिक-रूया है. सेहन खाम. पेशाबखाना, सेहन संगीन. सकावा, गुसलखाना. बरआमदा चादरपोश. इमारत मसजिद सेहदरी. हुजरा इमारत मजकूर के अन्दर चबूतरा पुख्ता जानिब जुनूब जिसपर एक दरख्त चम्बेली रूइदा है.	सालेह मोहम्मद साहब मरहूम, साकिन मेहल्ला घांटी भड़भूंजा, भोपाल. मजहबी अदाये-नमाज व इबादत इलाही.
४५१ ..	मसजिद टोलवाली वाकै मेहल्ला टोलवाली मसजिद, शहर भोपाल. हुदूद अरबा :— मशरिक—कूचा. मगरिब—मकान अमानत जी. शुमाल—सड़क सरकारी. जुनूब—मकान हाफिज अब्दुल मजीदखां साहब.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला सदर दरवाजा शुमालरूया जिसके आगे जीना पुख्ता तीन कदमचों का मौजूद है. सेहन पुख्ता जिसमें एक दरख्त आम का और एक दरख्त जामन का इस्तादा है. गुसलखाना दो. भन्डारिया एक. बरआमदा चादरपोश. इमारत मसजिद पुख्ता सेहदरी जिसकी शुमाली दीवार में एक और मगरबी दीवार में तीन खिड़कियां कायम हैं. दो हुजरे हैं.	मजहबी-अदाये नमाज व इबादत इलाही.
४५२ ता ४५६.	मसजिद रथखानेवाली अन्दरून बुधवारा, भोपाल. हुदूद अरबा— मशरिक व मगरिब व जुनब—कूचा. शुमाल—सड़क सरकारी.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला सदर दरवाजा शुमालरूया जिसके आगे तीन कदमचों का जीना कायम है. सेहन पुख्ता है, गुसलखाना, सकावा, चबूतरा पुख्ता अन्दरून मसजिद जानिब शुमाल. इमारत मसजिद पांचदरी है. दरवाजा सानी मशरिकरूया जिसके आगे ४ कदमचों का जीना मौजूद है. कमरे दो जानिब जुनूब और कमरा एक जानिब मगरिब कायम हैं. आमदनी सालाना १६८ रुपये.	हर हाइनेस नवाब गोहर कुदसिया बेगम साहेबा मरहूमा, साबिक फरमारवाये रियासत, भोपाल. मजहबी-अदाये नमाज व इबादत इलाही व बराये इस्तेमाल मसजिद.
४५७ ता ४५८ व १०११.	मसजिद मौसूमे मदार डोमनी वाकै बरलबे सुलतानिया रोड, शहर भोपाल. हुदूद अरबा— मशरिक—तफरीहगाह मसजिद हाजा. मगरिब—मकान अब्बूखां साहब. शुमाल—सुलतानिया रोड. जुनूब—मकान कारी यूनुसखां साहब.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला. इसका सदर दरवाजा शुमालरूया जिसमें आहनी सलाखों का फाटक नसब है और इसके आगे सात कदमचों का जीना सुलतानिया रोड पर कायम है और आहनी जंगला शुमाली दीवार पर नसब है. सेहन संगीन है. एक दरवाजा जुनूबरूया भी है. इमा-	मुसम्मात मदार डोमनी साहेबा मरहूमा,साकिन बेरून दरवाजा बुधवारा, भोपाल. मजहबी अदाये नमाज व इबादत इलाही.

१	२	३	४	५
			रत मसजिद संगीन दोहरी पांचदरी जिसकी शुमाली व जुनूबी दीवारों में दो-दो खिड़कियां नसब हैं. इससे मुतल्लिक एक तफरीहगाह है जो जानिब मशरिक मसजिद है. इसके चारों जानिब पुख्ता दीवार कायम है. व यक किता आराजी जो मसजिद की शुमाली दीवार के साथ-साथ वाके है उसका तूल शरकन गरबन ३५ फीट और अर्ज शुमालन जुनूबन २½ फीट है और जानिब मगरिब ३ फीट ९ इंच है. आमदनी सालाना ३०० रुपये.	
१३४	४५९	मसजिद केलेवाली वाके जानिब जुनूब मोतिया पार्क, भोपाल. हुदूद अरबा— मशरिक व शुमाल–मोतिया पार्क. मगरिब–आराजी उफ्तादा. जुनूब–सड़क सरकारी.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला. इसका सदर दरवाजा जुनूबरूया है. सेहन पुख्ता है. इसमें एक डेवढी. इमारत मसजिद पुख्ता सेहदरी है. एक हुजरा जानिब शुमाल मशरिकरूया है.	मजहबी–अदाये नमाज व इबादत इलाही.
१३५	४६० ता ४६१.	मसजिद हकीकतखां वाके बरलबे सुलतानिया रोड, शहर भोपाल. हुदूद अरबा— मशरिक—सड़क सरकारी. मगरिब व जुनब—मोतिया पार्क. शुमाल—सुलतानिया रोड.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला. इसका सदर दरवाजा मशरिकरूया है जिसके आगे ४ कदमचों का एक जीना मौजूद है. वजूखाना पुख्ता जिस पर पुख्ता सीमेंट का शेड बना हुआ है. सेहन पुख्ता है. मशरिक व शुमाली दीवारों में संगीन जालीदार जंगला बना हुआ है. सकावा व गुसलखाना भी है. हुजरा, बरआमदा चादरपोश है. नीज एक किता दुकान पुख्ता यक मंजिला मशरिकरूया कायम है. आमदनी सालाना १३२ रुपये.	मुसम्मात माहबानो साहेबा मरहूमा जोजे आकिल मोहम्मद खां साहब, सबिक जागीरदार, मेहल्ला मोतिया पार्क, भोपाल. मजहबी–अदाये नमाज व इबादत इलाही व मसारिफ मरम्मत मसजिद.
१३६	४६२	मसजिद गिन्नोरी बाग वाके अन्दरून बाग, शहर भोपाल. हुदूद अरबा— हर चार जानिब आराजी बाग.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला. दरवाजे दो जो बतौर फटकी पुख्ता दीवारों में नसब हैं. इनमें एक जानिब मशरिक है दूसरा जानिब शुमाल है. सेहन पुख्ता है बरआमदा चादरपोश. इमारत मसजिद पुख्ता सेहदरी है.	मजहबी–अदाये नमाज व इबादत इलाही.
१३७	४६३ ता ४६६.	मसजिद हसन बाग वाके मुत्तसिल गिन्नोरी बाग, भोपाल. हुदूद अरबा— मशरिक–आराजी मुतल्लिका मसजिद हाजा. मगरिब–इमारत क्लब घर. शुमाल–आराजी मुतल्लिका मसजिद हाजा. जुनूब–आराजी उफ्तादा.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला. इसका सदर दरवाजा जुनूबरूया है. सेहन पुख्ता सकावा गुसलखाना हुजरा जिसके आगे चादरपोश सायेबान. इमारत मसजिद पुख्ता पांचदरी. जीना एक छत पर जाने के लिये. नीज आराजी मुतल्लिका मसजिद जो तखमीनन १० फीट बलन्द पुख्ता दीवार अहाते से महदूद है जिसमें समरदार और गैर-समरदार दरख्तान नसब हैं.	मजहबी–अदाये नमाज व इबादत इलाही व अदाये मसारिफ मरम्मत मसजिद.
१३८	४६७ ता ४७०.	मसजिद नो तामीर उर्फ मसजिद फौजदारान वाके मेहल्ला गिन्नोरी, भोपाल. हुदूद अरबा— मशरिक व जुनूब—सड़क सरकारी. मगरिब–मकान हाफिज मोहम्मद अब्दुल हक साहब. शुमाल–कूचा.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला. इसका सदर दरवाजा मशरिकरूया जिसके आगे ३ कदमचों का जीना कायम है. सेहन पुख्ता, गुसलखाना, बरआमदा चादरपोश. इमारत मसजिद सेहदरी. दालान कवेलूपोश. हुजरा कवेलूपोश. नीज बेरून मसजिद मशरकी दीवार के साथ-साथ एक चबूतरा है और आराजी मुतल्लिका मसजिद नो तामीर भी है जिसमें समरदार व गैर समरदार दरख्तान नसब हैं. इसमें मसजिद मजकूर का पेशाबखाना भी बना हुआ है और इसमें से हाफिज मोहम्मद अब्दुल हक साहब को हक गुजर भी हासिल है.	मजहबी–अदाये नमाज व इबादत इलाही व निस्तार मसजिद.
१३९	४७१ ता ४७३.	मसजिद मौसूमे हुरमत खां वाके मोहल्ला गिन्नोरी मुत्तसिल मदरसा गिन्नोरी. हुदूद अरबा— मशरिक—सड़क सरकारी. मगरिब—मकान मुंशी बदरूलहसन साहब. शुमाल—कूचा. जुनूब—आराजी मौकूफा मुतल्लिका मसजिद.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला. इसका सदर दरवाजा मशरिकरूया जिसके आगे पांच कदमचों का जीना तामीर है. हुजरा एक, सेहन पुख्ता, बरआमदा चादरपोश इमारत मसजिद सेहदरी है जिसकी शुमाली दीवार में खिड़कियां और जुनूबी दीवार में भन्डारिया है. नीज यक किता	हुरमत खां साहब मरहूम, साकिन मोहल्ला गिन्नोरी, शहर भोपाल. मजहबी–अदाये नमाज व इबादत इलाही व मसारिफ मरम्मत मसजिद.

२	३	४	५
		आराजी जो चोबी फर्दों से महदूद है और जिसमें हाफिज मोहम्मद अब्दुल हक साहब का लकड़ी का पीठा है. आमदनी सालाना २४ रुपये.	
४७४ ता ४७८	मसजिद मौसूमे खाकशोयान वाकै मोहल्ला गिन्नोरी, भोपाल. हुदूद अरबा— मशरिक व मगरिब व जुनूब—कूचा. शुमाल—मकान छुट्टूखां साहब.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला सदर दरवाजा जुनूबरूया. सेहन खाम. सेहन संगीन. वजूखाना चादरपोश. इमारत मसजिद सेहदरी जिसमें दरवाजे लगे हुए हैं. एक दरख्त मोरसली का भी है. नीज हुजरा एक अन्दरून मसजिद मजकूर पुख्ता जुनूबरूया इसके अलावा एक चबूतरा खाम वाकै गोशे जुनूब व मगरबी मसजिद मजकूर इसमें एक दरख्त रामफल भी इस्तादा है.	पंचायत बिरादरी खाकशोयान ने चन्दा करके तामीर कराई और वक्फ की. मजहबी-अदाये नमाज व इबादत इलाही व अदाये मसारिफ मरम्मत मसजिद.
४७९ ता ४८१.	मसजिद मदारुल मोहाम साहब वाकै मोहल्ला गिन्नोरी, शहर भोपाल. हुदूद अरबा— मशरिक—आराजी मौकूफा मुतल्लिक मसजिद हाजा. मगरिब—कूचा. शुमाल—आराजी मौकूफा मुतल्लिक मसजिद हाजा. जुनूब—आराजी उफ्तादा.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला. इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया दो मंजिला जिसके आगे आठ कदमचों का एक संगीन जीना और संगीन चबूतरा बना हुआ है. डेवढ़ी—दालान डेवढ़ी के जानिब शुमाल दरवाजा जानिब शुमाल दालान में. कोठरियां दो मगरिबरूया. सेहन पुख्ता और संगीन जिसमें होज बना हुवा है. दरवाजा एक शुमालरूया. एक दरवाजा मगरिबरूया है. इमारत मसजिद पुख्ता गुम्बद वाली सेहदरी जिसकी शुमाली व जूनूबी दीवारों में एक-एक खिड़की और मगरबी दीवार में तीन खिड़कियां नसब हैं. नीज एक किता खंडर जिसकी शुमाली दीवार तखमीनन १५ फीट बलन्द अब भी पुख्ता मौजूद है. इसका तूल शरकन गरबन ६९ फीट है, अरज शुमालन जुनूबन ३५ फीट ६ इन्च है. इसके अलावा आराजी यक किता जिसका तूल शरकन व गरबन ३९ फीट और अरज शुमालन व जुनूबन २९ फीट. इस आराजी में मसजिद के सदर दरवाजे का जीना बना हुआ है.	मौलवी सैयद जमालुद्दीन साहब, साबिक मदारुल मोहाम, रियासत भोपाल. मजहबी—अदाये नमाज व इबादत इलाही.
४८२ ता ४८५.	मकान मौकूफा नं. १, आमवाला. मुतल्लिका मसजिद मदारूल मोहाम साहब वाकै मुत्तसिल मसजिद जानिब शुमाल. हुदूद अरबा— मशरिक व शुमाल—कूचा. मगरिब—मकान मौकूफा नं. २. जुनूब—आराजी मौकूफा मुतल्लिक मसजिद.	नं. १ यक किता मकान पुख्ता यक मंजिला इसका सदर दरवाजा जुनूबरूया. सेहन खाम. गुसलखाना व पाखाना पुख्ता व बावर्चीखाना पुख्ता. दालान पुख्ता. तीन कोठरियां, दो कमरे हैं. २. मकान यक किता पुख्ता यक मंजिला इसका सदर दरवाजा जुनूब रूया है. इसमें सेहन, गुसलखाना व पाखाना, बावर्चीखाना. कोठरी एक, कमरे दो. कमरा बेरूनी एक. दालान मौजूद है. ३. मकान यक किता मुत्तसिल मजसिद मदारुल मोहाम साहब. इसकी मकानियत हस्ब मकान नं. २ है. नीज यक किता आराजी इन हरसेह मकानात के सामने मौजूद है जिसका तूल शरकन व गरबन १०६ फीट है और अर्ज शुमालन जुनूबन ११ फीट है. आराजी हाजा में जानिब मगरिब एक पुख्ता दरवाजा कायम है जिसके आगे पांच कदमचों का जीना मौजूद है. दरमियान में डेवढ़ी है जिसमें मकान नं. ३ के बेरूनी कमरे का दरवाजा कायम है. आमदनी सालाना ७२० रुपये.	मोलवी सैयद जमालुद्दीन साहब, साबिक मदारुल मोहाम, रियासत भोपाल. मजहबी-खेराती, अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद मदारुल मोहाम साहब व मरम्मत मसजिद.
४८६ ..	कबरस्तान मौसूमे सफदरअलीशाह साहब दुरवेश तकियेदार वाकै मुत्तसिल बाग मकबरा शरीफ, शहर भोपाल, हुदूद अरबा.— मशरिक-बाग मकबरा शरीफ. मगरिब—मकानात मोहल्ला थाना शाहजहांबाद. शुमाल—मकानात अकब इसलामी दरवाजा. जुनूब—साबिक नाला.	यक किता आराजी कबरस्तान. रकबा ३ बीघा ६ बिस्वा. इसमें पुख्ता व खाम कब्र मौजूद हैं और मुख्तलिफ किस्म के दरख्त रोईदा हैं.	हिज हाईनेस नवाब फेजमोहम्मद खां साहब मरहूम, साबिक फरमारवाये, रियासत भोपाल. खेराती, बराय बरफीन अमवात मुसलमानान.

	२	३	४	५
१४४	४८७ ता ४८९	कबरस्तान मौसूमे तकया अम्मन शाह साहब वाकै बरलब हमिदिया रोड मुत्तसिल बिल्डिंग मौलवी सदरूद्दीन साहब वकील, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—रास्ता खसरा नं. २४२-२४३. मगरिब—बाग मोहम्मद अजीमुल्ला खां साहब मरहूम. शुमाल—सड़क खसरा नं. २९. जुनूब—कबरस्तान खसरा नं. २३८.	यक किता आराजी कबरस्तान. १० बीघा ५ बिस्वा. इसमें पुख्ता व खाम कब्रें मौजूद हैं. इसमें मुख्तलिफ किस्म के दरख्त रोईदा हैं. इस कबरस्तान में तीन कलन्दरी मसजिद भी बनी हुई थीं जिसमें से दो शहीद हो चुकी हैं, एक बदस्तूर बाकी है. यह पुख्ता है जिसकी मगरबी दीवार संगीन सालीम मौजूद है चबूतरा खाम मौजूद है. जिसके चारों तरफ पुख्ता दीवार कायम है.	हर हाईनेस नवाब सु तान जहां बेगम सा मरहूमा, साबिक फ रमाये रियासत भोप खेराती, बराये तद अमवात मुसलमा व अदाये नमाज.
१४५	४९० ता ४९२.	कबरस्तान तकया कलन्दर शाह साहब वाकै बरलबे अलीगंज रोड, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—अलीगंज रोड. मगरिब—आराजी कबरस्तान अम्मन शाह. शुमाल—हमीदिया रोड. जुनूब—गन्दा नाला.	यक किता आराजी कबरस्तान रकबा १९.१४ डे., जिसमें पुख्ता व खाम कबरें मौजूद हैं और इसमें दरख्तान आम व इमली व दीगर मुख्तलिफ दरख्तान रोईदा हैं. इसमें एक कुवां पुख्ता मौजूद है और इसका एक बरा भी बना हुवा है.	साबिका हुकूमत, रिया भोपाल. खेराती-बराये तद अमवात मुसलमान
१४६	४९३ ता ४९५..	कबरस्तान मौसूमे तकिया कोली शाह साहब वाकै मुत्तसिल कबरस्तान कलन्दर शाह बरलबे अलीगंज रोड, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—अलीगंज रोड. मगरिब—आराजी तकिया अम्मन शाह. शुमाल—हमीदिया रोड. जनूब—आराजी कबरस्तान कलन्दर शाह.	एक किता आराजी कबरस्तान. इसका रकबा २-२४. इसमें कदीम व जदीद खाम व पुख्ता कबरें मौजूद हैं इसमें दुकानात मौजूद हैं जिनमें एक सालिम और दूसरी बशक्ल खंडहर मौजूद हैं. इसमें समरदार और गैर समरदार दरख्तान इस्तादा हैं. नीज इसमें एक कुवा पुख्ता मौजूद है जिसके अन्दर पुख्ता जीना बना हुवा है. इसमें हमेशा पानी रहता है.	साबिका हुकूमत, रिया भोपाल. खेराती-बराये तद अमवात मुसलमान
१४७	४९६ ..	कबरस्तान मौसूमे काजी एहमद अलीशाह साहब. वाके जानिब मगरिब, बड़ा बाग, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—प्ले ग्राउण्ड मिडिल हाईस्कूल. मगरिब—मकानात अकब थाना शाहजहांबाद. शुमाल— आराजी तकिया जां निसार. जुनूब—पीठा संग हाये मकबूला साहब.	एक किता आराजी कबरस्तान जिसमें पुख्ता और खाम कब्रें मौजूद हैं. बहालते मौजूदा यह कबरस्तान महफूज है.	साबिका हुकूमत, रिया भोपाल. खेराती-बराये तद अमवात मुसलमान
१४८	४९७ ता ५००	कबरस्तान मौसूमे छुट्टन बाई वाला वाकै जानिब मशरिक तालाब मुन्शी हुसेन खां साहब मरहूम, भोपाल. हुदूद अरबा— मशरिक—तकया कलन्दर शाह खसरा नं. २३९ मगरिब—आराजी मुंशी हुसेनखां सा. खसरा नं. २३८. शुमाल—कबरस्तान बोहरा. जुनूब—सेफीया हाइस्कूल खसरा नं. २३६	यक किता आराजी कबरस्तान रकबा २ बीघा १९ बिसवा, खसरात २३७, इसमें खाम व पुख्ता कबरें मौजूद हैं और ६ दरख्त इमली के भी रोईदा हैं. इसमें एक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला, सिफाला पोश, सेहदरी, जिसके आगे खाम सेहन. इसमें मुख्तलिफ दरख्तान समरदार और गैर समरदार भी हैं. यह मसजिद अन्दरून आराजी कबरस्तान है.	साबिका हुकूमत, रि सत भोपाल. खेराती-बराये तद अमवात मुसलमानान
१४९	५०१ ता ५०३	कबरस्तान मौसूमे नसीर शाह उर्फ काले पीर वाकै अकब बाग कुन्जी लाल साहब, भोपाल. हुदूद अरबा— मशरिक—बाग मीर सामीसाहब. मगरिब व शुमाल—बाग कुन्जीलाल साहब. जुनूब—आराजी कबरस्तान मोहब्बत अली शाह.	यक किता आराजी कबरस्तान रकबा २ बीगघा ५ बिसवा. इसमें बेशुमार खाम व पुख्ता कब्रें मौजूद हैं. इसमें समरदार और गैर समरदार दरख्तान भी रोईदा हैं और इसमें एक पुख्ता चोपड़ा भी बना हुवा है जो बहालते मौजूदा पुर हो गया है. यह चोपड़ा बाग कुन्जीलाल साहब के मुत्तसिल कबरस्तान के शुमाली जानिब वाके.	हर हाइनेस नवाब सु तान जहां बेगम साह मरहूमा, साबिका फ मारवाये रिया भोपाल. खेराती-बराये तद अमवात.
१५०	५०४ ता ५०५	कबरस्तान मौसूमे मोहब्बत अली शाह साहब वाकै अकब बिल्डिंग सेठ मुल्ला सज्जाद हुसेन ऐहसान हुसेन साहब, हमीदिया रोड, भोपाल. हुदूद अरबा— मशरिक—आराजी तकिया रमजानअलीशाह. मगरिब—आराजी कबरस्तान नसारा मौसूमे फरानसोसी. शुमाल—आराजी कबरस्तान नसीरशाह. जुनूब—बिल्डिंग सेठ सज्जाद हुसेन अहसान हुसेन साहब.	यक किता आराजी कबरस्तान रकबा ४ बीगघा ७ बिस्वा है. इसमें कसरत से कदीम व जदीद व पुख्ता व खाम कबरें मौजूद हैं और मुतबल्ली का सुकूनती मकान बना हुवा है और इसमें तकरीबन शरीफों के ३०० दरख्तान रोईदा हैं.	हर हाइनेस नवाब सु तान जहां बेगम साहे मरहूमा, साबिका फ मारवाये, रिया भोपाल. खेराती-बराये तद अमवात मुसलमान
१५१	५०६ ..	कबरस्तान मौसूमे रमजान शाह वाकै मुत्तसिल कबरस्तान मोहब्बत अली शाह. हुदूद अरबा— मशरिक—नाला. मगरिब व जुनूब—आराजी कबरस्तान मोहब्बत अली शाह. शुमाल—आराजी कबरस्तान नसीरशाह उर्फ काले पीर साहब.	यक किता आराजी कबरस्तान जिसमें जदीद व कदीम व पुख्ता खाम कबरें मौजूद हैं. बलेहाज वसअत यह कबरस्तान बिल्कुल छोटा है.	हर हाइनेस नवाब सु तान जहां बेगम सा मरहूमा, साबिका फ मारवाये, रिया भोपाल. खेराती-बराये अमवात मुसल

	३	४	५
५०८.	कबरस्तान मौसूमे अब्दुल समद वाला वाके बरलबे हमीदिया रोड बिल मुकाबिल बाल-बिहार, भोपाल. हुदूद अरबा— मशरिक—आराजी तकिया रमजान शाह. मगरिब—आराजी तकिया मोहब्बतअली शाह. शुमाल—आराजी तकिया मोहब्बत अली शाह साहब. जुनूब—हमीदिया रोड.	यक किता आराजी कबरस्तान जिसमें कदीम व जदीद खाम व पुख्ता कब्रें मौजूद हैं. इसका रकबा ०-६ है. इसमें शरीफे के ४ दरख्त और इमली का एक दरख्त मौजूद है.	साबिका साहब चीफ कमिश्नर बहादुर सूबा भोपाल. खेराती-बराये तदफीन अमवात मुसलमानान.
५०९ ता ५११.	मसजिद आलमगीरी वाके मुत्तसिल स्टार प्रोडक्टस लिमिटेड पुट्ठा मिल बरलबे छोला रोड, शहर भोपाल. हुदूद अरबा— हरचार जानिब आराजी माफी.	यक किता मसजिद आलमगीरी पुख्ता. इसका सदर दरवाजा मशरिकरूया है जिसके आगे एक छोटा सा चबूतरा और ६ कदमचों का जीना तामीर है. इमारत मसजिद दोहरी सेह-दरी है. हुजरे दो—एक जानिब शुमाल, दूसरा जानिब जुनूब है. नीज कबरस्तान वाके मुत्तसिल मसजिद बलन्द चबूतरावाली. पुख्ता कबरें बनी हुई हैं. इसमें इमली के ६ दरख्त नस्ब हैं अलावा अजी यक किता आराजी जो मसजिद के सामने वाके है. इसका तूल शुमालन व जुनूबन ४४ फीट और अर्ज शरकन गरबन १६ फीट है. आमदनी सालाना ९०० रुपये.	जलालत मआब मोही-उद्दीन ओरंगजेब अलमगीर शहेनशाहे हिन्द. मजहबी अदाये नमाज व इबादत इलाही.
५१२	कबरस्तान मौसूमे मोलवी जुलफिकार अहमद साहब वाला वाके बरलबे हमीदिया रोड .. अकब लेबर क्वार्टर्स पुट्ठा मिल, भोपाल हुदूद अरबा— हरचार जानिब आराजी उफ्तादा.	यक किता आराजी कबरस्तान जो मौके पर बशक्ल अहाता मौजूद है और पुख्ता चार दीवारी से महदूद है इसके शुमाली जानिब एक फाटक नसब है और पुख्ता खाम कबरें मौजूद हैं.	साबिका हुकूमत, रियासत भोपाल. खेराती बराये तदफीन अमवात मुसलमानान.
५१३ ता ५१५.	कबरस्तान कदीम कमनीगरान वाके अन्दरून बाल बिहार गोशे शुमाल मशरकी अकब इमारत, भोपाल टाकीज. हुदूद अरबा—हरचार जानिब आराजी बाल बिहार.	यक किता आराजी कबरस्तान जिसमें कदीम कबरें मौजूद हैं और बहालते मौजूदा यह कबरस्तान मेहफूज है उसका तूल शुमालन व जनूबन १५० फिट अर्ज शरकन गरबन जानिब शुमाल १२२ फिट और जानिब जुनूब ४० फिट है इसमें इमली के ६ दरख्तात नसब हैं.	साबिक हुकूमत, रियासत भोपाल. खेराती बराये तदफीन अमवात मुसलमानान.
५१४	.. कबरस्तान जदीद कमनीगरान वाके बरलबे गन्दा नाला, भोपाल. हुदूद अरबा:— मशरिक—क्वार्टर्स पुट्ठा मिल. मगरिब—नाला. शुमाल—इमारत पुट्ठा मिल. जुनूब—कारखानेजात मिल. ..	यक किता आराजी कबरस्तान जिसमें कसरत से कदीम व जदीद कबरें मौजूद हैं इसका रकबा एं. ३ डे. १३ हैं.	हिज हाइनेस नवाब मोहम्मद हमीदुल्ला खां साहब बहादुर, साबिक फरमारवाये, रियासत भोपाल. खेराती बराये तदफीन, अमावात मुसलमानान.
५१६ ता ५१७.	मसजिद मौसूमे टेक्सटाइल मिल वाके मौजे चांदबड़, भोपाल. हुदूद अरबा—हरचार जानिब आराजी मुत्तल्लिका मसजिद हाजा.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला रास्ता मसजिद में आने जाने के लिये जो टेक्सटाइल मिल के कम्पाउन्ड की आराजी में से कायम है और सदर दरवाजा जिसमें आहनी फाटक नसब है जिसके आगे पांच कदमचों का जीना पुख्ता मय चबूतरे के मौजूद है. सेहन पुख्ता है. गुसलखाना, सकावा, हुजरा, बरआमदा मौजूद हैं. इमारत मसजिद पुख्ता पांच दरी जिसकी मगरीबी दीवार में पांच और शुमाली व जुनूबी दीवार में एक-एक खिड़की नसब है. जालीदार दीवार सिमेन्ट की सेहन मसजिद को जानिब मशरिक व जुनूब बनी हुई है इसका कुल रकबा—२४ डे. है मसजिद—७ डे. में तामीर है बकिया—१७ डे. मसजिद के हरचार जानिब आराजी जो तार कशीदा अहाते से मेहदूद है.	हिज हाइनेस नवाब मोहम्मद हमीदुल्लाखां साहब बहादुर, साबिक फरमारवाये, रियासत भोपाल. मजहबी अदाये नमाज व इबादत इलाही.
५१८	.. मसजिद छोला वाके बरलबे छोला रोड अन्दरून आबादी भोपाल. हुदूद अरबा— मशरिक—छोला रोड. मगरिब—आराजी अब्दुल बासित साहब. शुमाल—मकान अब्दुल बासित साहब. जुनूब—आराजी अब्दुल हकीम साहब.	यक किता मसजिद पुख्ता चादरपोश है. इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया है. सेहन पुख्ता. गुसलखाना हुजरा मौजूद है. इमारत मसजिद सेहदरी जिसकी जुनूबी दीवार में एक खिड़की और शुमाली दीवार में एक अलमारी मौजूद है.	साबिक हुकूमत, रियासत भोपाल. [illegible] मजहबी अदाये नमाज व इबादत इलाही.

१	२	३	४	५
[illegible]	५१[illegible] ..	कबरस्तान छोला मौसूमे फूटा मकबरा वाके बरलबे छोला रोड, भोपाल. हुदूद अरबा— मशरिक—छोला रोड. मगरिब—आराजी काछी. शुमाल—गन्दा नाला. जुनूब—मकानात फरीद मियां साहब.	यक किता आराजी कबरस्तान जिसके अन्दर कदीम व जदीद पुख्ता व खाम कबरें बनी हुई हैं.	साबिक हुकूमत, रियासत भोपाल. खेराती बराये तदफीन अमवात मुसलमानान.
१६०.	५२० ता ५२२.	मसजिद कलन्दरी आलमगीरी वाके मौजे छोला, भोपाल. हुदूद अरबा— हर चार जानिब आराजी मुतल्लिका मसजिद हाजा.	यक किता मसजिद पुख्ता बिला छत उसके आगे पुख्ता चबूतरा कायम है. नीज इसके हर चार जानिब आराजी है जो इसी से मुतल्लिक है जिसका तूल शरकन गरबन ८० फीट और अरज शुमालन जुनूबन ५५ फीट है. इस आराजी में एक बावली पुख्ता है जो मसजिद से मुलहिक है.	साबिका हुकूमत, रियासत, भोपाल. मजहबी अदाये नमाज व इबादत इलाही.
१६१.	५२३ ता ५२५.	कबरस्तान मौसूमे मकबरा हजरत सैयद सुलतान साहब वाके मौजे छोला, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—खेत हरलाल काछी. मगरिब व शुमाल—खेत दुलीचंद काछी. जुनूब—खेत हरलाल काछी.	यक किता आराजी कबरस्तान जिसमें चंद पुख्ता कबरें और पुख्ता व खाम कबरें भी मौजूद हैं. इसी में एक किता मसजिद पुख्ता. इसका जीना तीन कदमचों का. सेहन पुख्ता जिसमें जानिब शुमाल व जुनूब कबरें बनी हुई हैं. इमारत मसजिद संगीन सेहदरी, जिसकी छत भी संगीन महराबदार है. एक होज पुख्ता बरून मसजिद है और मसजिद के जानिब जुनूब—एक किता आराजी जो मोके पर बशक्ल चबूतरा मौजूद है इसमें मुतफरिक चंद दरख्तान भी हैं इसका तूल शरकन गरबन ७४ फीट और अर्ज शुमालन जुनूबन १४ फीट है.	साबिका हुकूमत, रियासत भोपाल. खेराती बराये तदफीन अमवात मुसलमानान.
१६२.	५२६ ..	मसजिद मौसूमे गुलाम महबूब खां साहब वाके बरलबे छोला रोड, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—छोला रोड. मगरिब व जुनूब में आराजी व मकानात बुरसाये गुलाम महबूब खां साहब. शुमाल—मकान मुनीरखां साहब.	यक किता मसजिद पुख्ता चादरपोश. इसका सदर दरवाजा मशरिकरूया है. सेहन संगीन है. मसजिद सेहदरी है.	गुलाम महबूब खां साहब मरहूम, साबिक मोहतमिम, पायेगाह, रियासत भोपाल. मजहबी अदाय नमाज व इबादत इलाही.
१६३.	५२७ ..	मसजिद मौसूमे अकब मसलख वाके मुत्तसिल मकान "नीमवाली" मोहल्ला विलायतियान, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान जौजे मोहम्मद शेरखां साहब. मगरिब व जुनूब—कूचा. शुमाल—मकान मोहम्मद हनीफखां उर्फ जुम्मूखां.	यक किता मसजिद जिसके मगरबी हिस्से की दीवार पुख्ता बनी हुई है. कुछ चबूतरा है बाकी जमीन पड़ी हुई है. इसका तूल शरकन गरबन ४५ फीट और अरज शुमालन व जूनुबन २३ फीट है.	मजहबी, अदाये नमाज व इबादत इलाही.
१६४.	५२८ ..	मसजिद वाके अन्दरून खाना कमरुल्ला खां वल्द वहीदुल्ला खां साहब, साकिन छावनी विलाइतियान मुत्तसिल मसलख, भोपाल. हुदूद अरबा.—हर चार जानिब मकान कमरुल्ला खां साहब.	यक किता मसजिद कलन्दरी जिस पर छत नहीं है सिर्फ पुख्ता मगरबी दीवार और चबूतरा मौजूद है.	कमरुल्ला खां साहब, साकिन मोहल्ला छावनी विलाइतयान, भोपाल. मजहबी अदाये नमाज व इबादत इलाही.
१६५.	५२९ ता ५३०.	मसजिद कलन्दरी आलमगीरी वाके अन्दरून आराजी ममलूका पीर मोहम्मद याकूब साहब मुत्तसिल मसलख मोहल्ला विलाइतियान, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक व शुमाल व जुनूब—आराजी पीर साहब. मगरिब—इमारत मसलख.	यक किता मसजिद जिसकी मगरबी दीवार सालिम है और बकिया तीन दीवारें मुन्हदिम हो चुकी हैं. सेहन मसजिद में एक दरख्त इमली मौजूद है. कुल मसजिद का तूल शुमालन व जुनूबन ४३ फीट और अरज शरकन गरबन २६ फीट है.	जमाल मोहम्मद खां साहब मरहूम, साबिक जागीरदार, रियासत भोपाल. मजहबी अदाये नमाज व इबादत इलाही.
१६६.	५३१ ..	मसजिद उमराव दूला साहब वाके अन्दरून बाग उमराव दूला जानिब मगरिब शहर, भोपाल. हुदूद अरबा.—हर चार जानिब आराजी बाग.	यक किता मसजिद पुख्ता जिसकी छत मुन्हदिम हो चुकी है लेकिन मगरबी व शुमाली व जुनूबी दीवारें तकरीबन १५ फीट बलन्द मौजूद हैं.	नवाब बाकी मोहम्मद खां साहब मरहूम उर्फ उमराव दूला साहब शोहर हर हाइनेस नवाब शाहजहां बेगम साहिबा मरहूमा, साबिक फरमारवाये, रियासत भोपाल. मजहबी अदाये नमाज व इबादत इलाही.

१		२	४	५
१६७.	५३२ ता ५३४.	मसजिद वाके अन्दरून बाग महामाइ साहेबा सवाद नोवहार, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.—हरचार जानिब आराजी बाग महामाई साहेबा.	यक किता मसजिद पुख्ता बिला छत जिसकी मगरबी दीवार में नो महराबें बनी हुई हैं और सहन मसजिद की तखमीनन ४ फीट बलन्द बुनयाद कायम है. सेहन के मशरकी सिरे पर पुख्ता व खाम कबरें मोजूद हैं मसजिद में आमदोरफ्त का रास्ता शुमालरूया कायम है जिसके लिये ५ कदमचों का एक पुख्ता जीना बना हुवा है. सेहन मसजिद में एक दरख्त इमली और २० दरख्त शरीफा, एक दरख्त खजूर मोजूद हैं. दूसरी मसजिद पुख्ता सिफालापोश है. सदर दरवाजा फाटकनुमा जिसके आगे ३ कदमचों का जीना बना हुआ है. इमारत मसजिद सेहदरी जिसकी मगरबी दीवार में रोशनदान और शुमाली व जुनूबी दीवारों में खिड़कियां मौजूद हैं. सेहन की पुख्ता ५ फीट बलन्द दीवारें हर सेह जानिब मोजूद हैं.	साबिक हुकूमत रियासत भोपाल. मजहबी अदाये नमाज व इबादत इलाही.
१६८.	५३५ ..	मसजिद मोसूमे मोअज्जम नायकवाली वाके अन्दरून बाग मोअज्जम नायक साहब मुत्तसिल पुल नाला पीलिया, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—आराजी कबरस्तान. मगरिब व शुमाल व जुनूब—आराजी बाग मोअज्जम नायक साहब.	यक किता मसजिद जो करीब-करीब मुन्हदिम हो चुकी है इसकी मगरबी व जुनूबी दीवारें बाकी हैं. मशरकी व शुमाली दीवारों की बुनियादें मौजूद हैं. तूल शरकन गरबन ३५ फीट अर्ज शुमालन जुनूबन ३२ फीट है.	मोअज्जम नायक साहब मरहूम माफीदार साकिन बरखेड़ी,जहांगीराबाद, भोपाल. मजहबी अदाये नमाज व इबादत इलाही.
१६९.	५३६ ..	कबरस्तान वाके अन्दरून बाग मोअज्जम नायक साहब मरहूम जानिब मुशरिक मसजिद.	यक किता आराजी कबरस्तान जिसमें खाम कबरें मौजूद हैं. इसका तूल शरकन गरबन ५५ फीट अरज शुमालन जुनूबन ३५ फीट है बहालते मौजूदा यह कबरस्तान महफूज है.	साबिका हुकूमत, रियासत, भोपाल. खेराती बराये तदफीन अमवात मुसलमानान-
१७०.	५३७ ता ५३९.	कबरस्तान मोसूमे सिकन्दर कुली साहब वाला वाके मुत्तसिल बाग फरहत अफजा भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—रायसेन रोड. मगरिब व जुनूब—रेलवे लाइन. शुमाल—सड़क बाग फरहत अफजा.	यक किता आराजी कबरस्तान जो बाग फरहत अफजा के शरकन व गरबन वाके है. इसमें खाम व पुख्ता कबरें कसरत से मौजूद हैं. नीज इसमें मुख्तलिफ किस्म के दरख्तान भी मोजूद हैं. इसी कबरस्तान में एक मसजिद पुख्ता जिसकी छत व सदर दरवाजा व मशरकी दीवार मुन्हदिम हो चुकी है. बकिया हरसेह जानिब की दीवार मौजूद हैं. इससे आगे १६ फीट मुरब्बा सेहन मौजूद है.	साबिक हुकूमत, रियासत, भोपाल. खेराती बराये तदफीन. अमवात मुसलमाना
१७१.	५४० ता ५४४.	मसजिद वाके अन्दरून बाग फरहत अफजा जानिब मगरिब रायसेन रोड, भोपाल. हुदूद अरबा.—हरचार जानिब आराजी बाग.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसका सदर दरवाजा फाटकनुमा मशरिकरूया है. दूसरा दो शुमाल व जुनूब मौजूद हैं. सेहन पुख्ता जिसके दरमियान में एक मुसल्ला संगमरमर का नसब है. दरवाजा सानी फाटकनुमा शुमालरूया जिसके दोनों जानिब एक-एक सेहदरा दालान तामीर हैं. चबूतरा पुख्ता मय संगीन कदमचों के हरसेह जानिब शुमाली दरवाजे के आगे. इमारत मसजिद दोहरी छैदरी जिसके दरमियान में महराबी डांटदार एक पुख्ता दर है. एक दरवाजा जानिब जुनूब है. नीज एक किता आराजी जो सदर दरवाजे के आगे वाके है. इसका तूल शुमालन जुनूबन ८४ फीट और अर्ज शरकन गरबन ५० फीट है. आराजी सानी जो मसजिद के जानिब जुनूब वाके हैं इसका तूल शरकन गरबन १३३ फीट अर्ज शुमालन जुनूबन ५२ फीट है. आराजी हाता में मसजिद के मुत्तसिल गुसलखाना व पाखाना व हम्माम जानिब जुनूब बने हुवे हैं और मुख्तलिफ किस्म के दरख्तान भी नस्ब हैं.	हर हाइनेस नवाब सिकन्दर जहां बेगम साहेबा मरहूमा साबिक फरमारवाये, रियासत भोपाल. मजहबी अदाये नमाज व इबादत इलाही.

	२	३	४	५
१७२	५४५ ता [illegible]	आराजी मकबरा मिसकीन शाह साहब रह-मतुल्ला इलेह् वाके दरमियान फसील ऐश बाग मुत्तसिल रेलवे फाटक, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.—जानिब जुनूब रेलवे लाइन व हरसेह जानिब आराजी उफतादा.	यक किता आराजी जिसमें मजारत हजरत मिसकीन शाह साहब व हजरत गरीब शाह साहब रहेमतुल्ला इलेह. इसका तूल शुमालन जुनूबन ७८ फीट ६ इन्च है अर्ज शरकन गरबन ५० फीट है. इसमें मुत-फर्रिक किस्म के दरख्तान नसब हैं.	साबिक हुकूमत, रियासत, भोपाल. खैराती बराये तदफीन अमवात मुसलमानान.
१७३	५४८ ता ५५४.	मसजिद ऐश बाग वाके अन्दरून बाग मजकूर जानिब मगरिब, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—आराजी अहाता प्ले ग्राउन्ड. मगरिब—हुजरा मसजिद व आराजी उफतादा. शुमाल—आराजी मुतल्लिका मसजिद व कुंवा. जुनूब—आराजी उफतादा.	यक किता मसजिद पुख्ता चादरपोश. इसका सदर दरवाजा मशरिकरूया है. दरवाजा सानी शुमालरूया सेहन खाम है. इसमें जामन, नीम, मोरसली के दरख्तान नसब हैं. सेहन संगीन है. गुसलखाना एक. इमारत मसजिद सेहदरी है. नीज एक कता आराजी उफतादा जो मसजिद के मशरकी दरवाजे के आगे है इसका तूल मसजिद की मशरकी दीवार से मुत्तसिल चला गया है अर्ज शरकन व गरबन १३ फीट है. अलावा अजी आराजी सानी मुतल्लिका मसजिद वाके पेश दरवाजा शुमाल है इसका तूल शरकन गरबन ८१ फीट अर्ज शुमालन जुनूबन २८ फीट है. इस आराजी में मसजिद की आमदोरफ्त के लिये जीना बना हुआ है. जानिब मश-रिक एक कुंवा पुख्ता मौजूद है और एक किता हुजरा पुख्ता जिसकी छत मुन्हदिम हो चुकी है इसका दरवाजा जुनूबरूया है और एक खिड़की मगरिबरूया है.	हर हाइनेस नवाब शाह-जहां बेगम साहेबा, मरहूमा साबिक फर-मारवाये, रियासत भोपाल. मजहबी अदाये नमाज व इबादत इलाही.
१७४	५५५ ता ५५७.	कबरस्तान मोमनान वाके मौजे चांदबड़ जदीद तहसील हुजूर मुत्तसिल कारखाना बिजली घर. हुदूद अरबा.— मशरिक व जुनूब—पातरा नदी. मगरिब—क्वार्टर्स बिजली घर. शुमाल—इमारत बिजली घर.	यक किता आराजी कबरस्तान रकबा ४-२९ गैर मुमकिन व नाकाबिल काश्त है इसमें पुख्ता व खाम कबरें मौजूद हैं और इसमें मुख्तलिफ किस्म के समरदार व गैर समरदार दरख्तान सैकड़ों इस्तादा हैं नीज एक कदीम पुख्ता चाह तामीर है इसी आराजी में एक किता मकान पुख्ता यक मंजिला कवेलूपोश है. इसमें ३ कमरे एक दालान सेहन खाम है.	हर हाइनेस नवाब सिक-न्दर जहां बेगम साहेबा मरहूमा, साबिक फर-मार वाये, रियासत भोपाल. खेराती—बराये तदफीन अमवात मुसल-मानान.
१७५	५५८ ता ५६१.	मकान मौसूमे नसीर मंजिल मुतल्लिका वक्फ हाफिज मोहम्मद नसीरूद्दीन साहब वाके बर-लबे नूर महल रोड, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—नूर महल रोड. मगरिब—मकान शेख हबीबुल्ला साहब ठेकेदार. शुमाल—गली नूर महल. जुनूब—कूचा व मकान नब्बू खां साहब.	नसीर मंजिल एक पुख्ता दो मंजिला कीमती १९,५०० रुपये इसके कई एक हिस्से हैं.— हिस्सा नं. १—इसमें मरदाना कमरा मशरिक रूया जिसके आगे बरआमदा मंजिल अव्वल में वाके हैं नीज मंजिल दोम के तीन कमरे एक पाखाना एक गुसलखाना व एक बावरचीखाना. जीना व चांदनी भी है. हिस्सा नं. २—यह हिस्सा सिर्फ मंजिल अव्वल की हस्बजेल मकानियत है. कमरे ८, दालान ३, सहन २, बावरचीखाने ३, पाखाने ३, गुसल खाने ४ हैं. हिस्सा नं. ३—यह हिस्सा हस्ब जेल मका-नियत पर मुशतमील मंजिल अव्वल कमरा मरदाना एक जीना मंजिल दोम पर जाने के लिये, मंजिल दोम कमरा दो, गुसलखाना एक, पाखाना एक, बावरचीखाना १, चांदनी. आमदनी सालाना ८४० रुपये.	हाफिज मोहम्मद नसीरू-द्दीन साहब बहादुर कुरैशी साबिक एम. एल. सी. व आनरेरी मजिस्ट्रेट बल्दा भोपाल खलफ मोलवी रफीउद्दीन साहब मर-हूम वाके बरलबे नूर महल रोड, भोपाल. मजहबी खेराती उमू-रात मजहबी इस्लाम व उमूरात खेराती.
१७६	५६२ ता ६६७.	इमारत मौसूमे पायेगाह मुतल्लिका वक्फ हाफिज मोहम्मद नसीरूद्दीन साहब वाके पेश नूर-महल, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—सराये मुंशी हुसेन खां साहब मरहूम व मकानात पबलिक. मगरिब—नूर महल रोड. शुमाल—सड़क सरकारी. जुनूब—सड़क सरकारी.	इमारत पायेगाह इसका सदर दरवाजा मग-रिब रूया बरलबे नूर महल रोड वाके है यह दरवाजा दो मंजिला कवेलू पोश महराबदार और फाटकनुमा है. बकीया तमाम इमारत जो चारों तरफ बनी हुई है यक मंजिला है. दरमीयान में पायेगाह का सेहन है जिसके वस्त में एक पुख्ता हौज बना हुआ है. अलावा रिहायशी मकानात के इस पायेगाह में मोटर गैरेज और मोटर के वर्कशॉप और दुकानात तामीर हैं. नीज दो किता मोटर गैरेज एक जानिब जुनूब दूसरा जानिब शुमाल है और दो किता दुकानात वाके जानिब शुमाल मोटर गैरेज नं. २ मुतल्लिका इमारत पायेगाह पुख्ता	हाफिज मोहम्मद नसी-रूद्दीन साहब बहादुर कुरैशी इमारत साबिक एम. एल. सी. व आन-रेरी मजिस्ट्रेट बल्दा भोपाल साकिन बरलबे नूर महल रोड. मजहबी खेराती उमू-रात मजहबी इस्ला-मिया व उमूरात खेराती वगैराह.

१	२	३	४	५
			यक मंजिला जिसके आगे एक दालान जाफरी-दार मगरबी रूया है. इसके साथ एक स्टोर हाउस मुशतमिल बर एक कमरा व सेहन व पाखाना भी है और आठ किता दुकानात भी हैं जिसके आगे दालान जाफरीदार है व कोठरी यक किता शुमाल रूया जिसके आगे दालान है जो अन्दरून सदर दरवाजा पायेगाह है व ६३ मकानात अन्दरूनी हैं और २७ मकानात बेरूनी हैं जो जुनूब रूया हैं. जिनकी आमदनी सालाना ५,६७० रुपये है.	
१७७	६६८ ..	मकान मुतल्लिका वक्फ हाफिज मोहम्मद नसीरूद्दीन साहब वाके अन्दरून कूचा नूर महल शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—कूचा आम. मगरिब—आमबक मकान अमीरूल्ला खां सा. शुमाल—गली नूर महल. जुनूब—मकान हाफिज मोहम्मद सिद्दीक साहब.	यक किता मकान खाम यक मंजिला सिफाला पोश जिसकी तखमीनी कीमत ५००). इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया है. डेवढ़ी-सेहन खाम इसमें पाखाना एक, कमरा एक, दालान एक, गुसलखाना कमरा, मरदानी मशरिक रूया है. आमदनी सालाना ४८ रुपये है.	हाफिज मोहम्मद नसीरूद्दीन साहब बहादुर कुरेशी साबिक एम. एल. सी. व आनरेरी मजिस्ट्रेट बल्दा भोपाल. साकिन बरलबे नूर महल रोड. मजहबी खेराती उमूरात मजहबी इस्लामिया व उमूरात खेराती.
१७८	६६९ ता ६९५	इमारत मुशतमिल बर मकानात व दुकानात मुतल्लिका वक्फ हाफिज मोहम्मद नसीरूद्दीन साहब वाके मुत्तसिल रेलवे स्टेशन, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान अब्दुल मजीदखां साहब. मगरिब—सड़क सरकारी व मकान मुल्ला जब्बार हुसेन. शुमाल—मकानात मुल्ला अब्दुल हुसेन साहब. जुनूब—रास्ता आम.	इमारत मुशतमिल बर मकानात व दुकानात मुतल्लिका वक्फ हाफिज मोहम्मद नसीरूद्दीन साहब मरहूम. वक्फनामे में इस इमारत की तखमीनन कीमत ३३,००० रुपये दर्ज है. इसके चार हिस्से हैं. पहले सिलसिला ८ मकानात का है जो जानिब-मशरिक व मगरिबरूया वाके हैं. दूसरा सिलसिला १० किता मकानात का है जो जानिब-मगरिब व मशरिक रूया है. यह बिल मुकाबिल सिलसिला नं. १ इस तौर पर वाके हुए हैं कि दोनों सिलसिलों के दरमियान रास्ता है. तीसरा सिलसिला ३ किता दुकानात का है जो बरलब सड़क रेलवे स्टेशन जानिब शुमाल व जुनूब रूया वाके हुई हैं. चौथा सिलसिला आठ किता दुकानात का है जो जानिब मशरिक व मगरिब रूया वाके हैं. आमदनी सालाना ४,३५२) है.	हाफिज मोहम्मद नसीरूद्दीन साहब बहादुर कुरेशी साबिक एम. एल. सी. व आनरेरी मजिस्ट्रेट बल्दा भोपाल. साकिन बरलबे नूर महल रोड, भोपाल. मजहबी खेराती उमूरात मजहबी इसलामिया व उमूरात खेराती वगैराह.
१७९	६९६ ..	मसजिद मौसूमे नवाब यार मोहम्मद खां साहब वाके गली नूरजी बोहरा महल्ला लखेरापुरा, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—गली नूरजी बोहरा. मगरिब—मकान मुल्ला एहसान हुसेन साहब शुमाल—मकान मुल्ला इकबाल हुसेन साहब. जुनूब—मकान मौकूफा मुन्दरजा सिलसिला नं. ६९७.	यक किता मसजिद पुख्ता चांदनीदार. इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया है, जीना दो कदमचों का सदर दरवाजे के आगे, डेवढ़ी, गुसलखाना, हुजरा दो, सेहन मसजिद संगीन, सकावा, सायेबान चादरपोश, इमारत मसजिद सेहदरी है.	नवाब यार मोहम्मद खां साहब मरहूम, साबिक जागीरदार, साकिन महल्ला लखेरापुरा, शहर भोपाल. मजहबी अदाये नमाज व इबादत इलाही.
१८०	६९७ ..	मकान मौकूफा मुतल्लिका मसजिद नवाब यार मोहम्मद खां साहब वाके गली नूरजी बोहरा, महल्ला लखेरापुरा, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—गली नूरजी बोहरा. मगरिब—मकान मुल्ला एहसान हुसेन. शुमाल—इमारत मसजिद. जुनूब—सड़क सरकारी.	यक किता मकान कवेलूपोश. इसका सदर दरवाजा मशरिकरूया जिसके आगे संगीन जीना पांच कदमचों का बना हुआ है. इसका सेहन खाम है. दालान दो, कमरे दो जिनके दो दरवाजे जुनूबरूया लबे सड़क कायम हैं. एक पाखाना भी है. आमदनी सालाना ९६ रुपये.	नवाब यार मोहम्मद खां साहब मरहूम, साबिक जागीरदार, साकिन महल्ला लखेरापुरा. शहर भोपाल. मजहबी खेराती अदाये मसारिफ मसजिद नवाब यार मोहम्मद खां साहब.
१८१	६९८ ..	आराजी मुतल्लिका मसजिद नवाब यार मोहम्मद खां साहब वाके गली नूरजी बोहरा, लखेरापुरा, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान मोतीलाल सुनार. मगरिब—कूचा नाफजा. शुमाल—कूचा गैर नाफजा. जुनूब—मकान जौहरी सेठ भागमल साहब.	यक किता आराजी मौके पर प्लाट की शकल में मौजूद है. इसका तूल शरकन-गरबन २४ फीट और अरज शुमालन व जुनूबन नौ फीट है. इसकी कीमत वक्फनामे में २००) दरज है.	मुसम्मात हर्फाजुनीसा महिला [illegible] मौलवी [illegible] मोहम्मद साहब मरहूम वकील, साकिन गली नूरजी बोहरा, लखेरापुरा. भोपाल. मजहबी खेराती इसकी आमदनी से मरम्मत मसजिद वगैराह की जायगी. [illegible] मसजिद वक्फ है.

१	२	३	४	५
	..	मकान मुतल्लिका मसजिद मुनव्वरी मुन्दरजा सिलसिला नं. २६९ वाके चिड़ियाखाना, शाहजहांबाद, भोपाल हुदूद अरबा.— मशरिक—हौज मसजिद मजकूर. मगरिब—कूचा गैर नाफजा. शुमाल—क्वार्टर्स पब्लिसिटी ऑफिस. जुनूब—इमारत मसजिद मजकूर.	यक किता मकान पुख्ता यक मंजिला चांदनीदार इसमें एक कमरा है जिसमें ७ दरवाजे मशरिक रुया मय चोखट व किवाड़ चोबी नसब हैं.	हर हाइनेस नवाब शाहजहां बेगम साहेबा मरहूमा साबिका फरमारवाये रियासत भोपाल. खेराती मजहबी अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद व तामीर मरम्मत मसजिद.
१८३	७०० ..	हौज दो किता मुतल्लिका मसजिद मुनव्वरी मुन्दरजा सिलसिला नं. २६९ वाके अन्दरून अहाता चिड़ियाखाना, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—आराजी कम्पाउन्ड चिड़ियाखाना. मगरिब—मकान मुतल्लिक मसजिद. शुमाल—क्वार्टर्स पब्लीसिटी ऑफिसर. जुनूब—मसजिद व आराजी पेश मसजिद.	दो किता हौज पुख्ता जो सतह जमीन से तखमीनन १० फीट गहरे हैं. मौके पर यह दोनों हौज एक दुसरे से मुलहिक वाके हैं और दोनों के दरमियान एक पुख्ता दीवार बतौर हद फासिल बनी हुई है.	हर हाइनेस नवाब शाहजहां बेगम साहेबा मरहूमा, साबिका फरमारवाये रियासत भोपाल. मजहबी बराये इस्तैमाल मुसलमानान मसजिद मुनव्वरी
१८४	७०१ व ७०२ ..	आराजी मुतल्लिका मसजिद मुनव्वरी मुन्दरजा सिलसिला नं. २६९ वाके पेश सदर मशरकी दरवाजा मसजिद मजकूर. हुदूद अरबा.— मशरिक—कम्पाउन्ड चिड़ियाखाना. मगरिब—मसजिद. शुमाल—हौज मसजिद हाजा. जुनूब—इमारत ऑफिस म्युनिसिपल सर्वे.	यक किता आराजी जो मसजिद मजकूर की मशरकी दीवार से मुलहिक वाके है. और जिसमें मसजिद का सदर मशरकी दरवाजा है जिसके आगे ६ कदमचों का पुख्ता जीना तीनों तरफ बना हुआ है और चबूतरा है. इस जीने के जानिब शुमाल व जुनूब मसजिद की उफतादा आराजी में आमों के दो दरख्त नस्ब हैं जो बिल्कुल मसजिद की दीवार की जड़ में हैं.	हर हाइनेस नवाब शाहजहां बेगम साहेबा मरहूमा साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. मजहबी खेराती बराये इस्तेमाल मुसलमानान व निस्तार मसजिद व आबादानी मसारिफ मसजिद.
१८५	७०३ ता. ७०४.	मकानात वाके अन्दरून बाग नजहत अफजा, भोपाल. हुदूद अरबा.— हरचार जानिब आराजी बाग मजकूर.	यक मकान खाम यक मंजिला चादरपोश जिसकी शुमाली व जुनूबी दीवारों में एक-एक दरवाजा लगा हुआ है जो कोठे की शकल में मौजूद है. दूसरा मकान खाम यक मंजिला छप्परपोश मशरकी रुया जिसमें दो दरवाजे लगे हुए हैं. यह मकान कोठे की शकल में मौजूद है.	नवाब गोहर कुदसिया बेगम साहेबा साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. खेराती अदाये मसारिफ बाग व कार हाई खेर.
१८६	७०५ ता ७०८.	चाह पुख्ता चार अदद वाके हरचार गोशे बाग नजहत अफजा, शहर भोपाल.	यह चार पुख्ता और संगीन कुएं बाग नजहत अफजा के चारों कोनों में वाके है और इनसे बाग मजकूर की आबपाशी होती है. बाग का रकबा ४८–० है. खसरा नम्बरान १८२/१२७व१८३/१२७, १२८, १२९. इस बाग में २०० दरख्त अम्बा, ८ दरख्त अमरूद, ३ दरख्त जामन, सेमल का एक दरख्त, कवीट के दो दरख्त, मोरसली के दो दरख्त, इमली के दो दरख्त, गुल्तुरें का एक दरख्त व गंदे का एक दरख्त नस्ब हैं. आमदनी सालाना ८१० रुपये.	नवाब गोहर कुदसिया बेगम साहेबा साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. खेराती बराये आबपाशी बाग नजहत अफजा व अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद.
१८७	७०९ ..	मकान नं. १ वाके अन्दरून आराजी कोन्डा मुन्दरजे सिलसिला नं. ५, बरलबे अलीगंज रोड, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—कारखाना टुन्कसाजी रशीदखां साहब. मगरिब—मकान नं. ५, अज किराया अबरार हुसेन साहब. शुमाल—मकान नं. ३ अज किराया मुल्ला फिदा हुसेन. जुनूब—इमारत दफ्तर सदाव्रत.	यक किता मकान यक मंजिला जिसपर ऐसबेस्टी शीट की छत डली है. कमरा शुमाल रुया जिनके दरमियान में चोबी पार्टीशन कायम है. इसका तूल शुमालन-जुनूबन ७७ फीट, अरज शरकन-गरबन ४५ फीट है. इस मकान का रास्ता मकान नं. २ में से है.	नवाब गोहर कुदसिया बेगम साहेबा साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. मुकद्दस अदाये मसारिफ मकाबिर शाही.
१८८	७१० ..	मकान नं. २, वाके अन्दरून आराजी कोन्डा मुन्दरजे सिलसिला नं. ५ बरलबे अलीगंज रोड, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—आराजी ओकाफ. मगरिब—मकान नं. ३. शुमाल—आराजी आहाता. जुनूब—मकान नं. १.	यककिता मकान यक मंजिला पुख्ता चादरपोश जिसका सदर दरवाजा मशरिक रुया है और जिसका रास्ता मकान नं. ३ में से है. एक कमरा है. इस मकान का तूल शुमालन-जुनूबन ७२ फीट है, अरज शरकन-गरबन ४१ फीट है. इसकी जनूबी दीवार के बाद करीबन ६ फीट आराजी उफतादा है जो तूल में शामिल है.	नवाब गोहर कुदसिया बेगम साहेबा साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. मुकद्दस अदाये मसारिफ मकाबिर शाही.

१	२	३	४	५
	७११ ..	मकान नं. ३ वाके अन्दरून आराजी कोन्डा मुन्दरजे सिलसिला नं. ५ बरलबे अलीगंज रोड, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान नं. २. मगरिब—अलीगंज रोड. शुमाल—आराजी उफतादा. जुनूब—मकान नं. ५.	यक किता मकान खाम यक मंजिला इसका सदर दरवाजा फाटकनुमा मगरिब रूया है एक कमरे की शक्ल में है जिसके आगे सायेबान है. तूल शरकन गरबन ८१ फीट अरज शुमालन-जुनूबन ३७ फीट है.	नवाब गोहर कुदसिया बेगम साहेबा साबिक फरमारवाये, रियासत भोपाल. मुकद्दस अदाये मसारिफ मकाबिर शाही.
९०	७१२ ..	आराजी उफतादा नं. १ वाके अन्दरून मकानात नं. २ व ३ मुन्दरजा सिलसिला नं. ७१०-७११. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान नं. २. मगरिब—अलीगंज रोड. शुमाल—मकानात मोकूफा. जुनूब—मकान नं. ३.	यक किता आराजी जिसका तूल शरकन-गरबन ८१ फीट अरज शुमालन व जुनूबन ४० फीट है. इसमें एक दरख्त महानीम और एक दरख्त सरस का नसब है. नीज एक चोबी पाखाना और एक चादरपोश शेड बना हुआ है और एक सायबान चादरपोश च.वी दीवारों वाला भी बना हुआ है.	नवाब गोहर कुदसिया बेगम साहेबा साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. मुकद्दस अदाये मसारिफ मकाबिर शाही.
९१	७१३ ता ७१४.	मकान नं. ४ वाके अन्दरून आराजी कोन्डा मुन्दरजा सिलसिला नं. ५ बरलबे अलीगंज रोड, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान नं. १. मगरिब—आराजी मुत्तस्लिका मकान नं. १. शुमाल—मकान नं. ६. जुनूब—मकान नम्रेखां व इमारत सवाबरत.	यक किता मकान खाम यक मंजिला सिफालपोश जिसका सदर सरवाजा आराजी नं. २ मुन्दरजा सिलसिला नं. ७१७ में से है. इस मकान में कमरा नं. २ मगरबी रूया और एक पाखाना एक सेहन है. सेहन में ४ दरख्त अमरूद, दो दरख्त शरीफों के, एक दरख्त अनार का, अरन्ड ककड़ी का एक दरख्त, महानीम का एक दरख्त, नसब है.	नवाब गोहर कुदसिया बेगम साहिबा साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. मुकद्दस अदाये मसारिफ मकाबिर शाही.
९२	७१५ ता ७१६.	मकान नं. ५ वाके अन्दरून आराजी कोन्डा मुन्दरजा सिलसिला नं. ५ बरलबे अलीगंज रोड, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान नं. १ अज किराया मुल्ला फिदा हुसेन साहब. मगरिब—आराजी मुन्दरजा सिलसिला नं. ७१६. शुमाल—मकान नं. ४. जुनूब—मकान नं. ३ अज किराया मुल्ला फिदा हुसेन साहब.	यक किता मकान खाम सिफालपोश व चादरपोश इसका सदर दरवाजा जुनूब रूया जिसका रास्ता मकान नं. ४ में से है. सेहन जिसमें अमरूद के ३ दरख्त और जामन का एक दरख्त नसब है. कमरा १ मगरिब रूया जिसके दरवाजे के दोनों जानिब एक-एक जालीदार खिड़की है. सायेबान चादरपोश जो दालान और कमरे के आगे है. एक गुसलखाना, एक पाखाना भी है.	नवाब गोहर कुदसिया बेगम सा बा साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. मुकद्दस अदाये मसारिफ मकाबिर शाही.
९३	७१७ ..	आराजी नं. २ वाके पेश मकान नं. ४ व ५ मुन्दरजा सिलसिला नं. ७१३ व नं. ७१५ वाके अन्दरून आराजी कोन्डा बरलबे अलीगंज रोड. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान नं. ४ व ५. मगरिब—अलीगंज रोड. शुमाल—मकान नं. ३ व ४. जुनूब—आबचक.	यक किता आराजी जिसमें एक चादरपोश शेड बना हुआ है जिसमें मरम्मत मोटर का कारखाना कायम है इसका तूल शुमालन-जुनूबन १०२ फीट अरज शरकन व गरबन ३३ फीट है.	नवाब गोहर कुदसिया बेगम साहेबा साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. मुकद्दस अदाये मसारिफ मकाबिर शाही.
९४	७१८ ..	गुमटी दुकान नं. १ मय आराजी वाके अन्दरून आराजी कोंडा, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक व जुनूब—मकान नं. ४. मगरिब—अलीगंज रोड. शुमाल—रास्ता.	यक किता गुमटी जो यातीन खाँ सिकमी किरायेदार ने अपनी जाती बनवाई है पहले यह सिरफ आराजी का एक कता था. इस गुमटी में चाये व खाने की दुकानात लगा रखी हैं. आराजी पर खाना वगैरा पकाते है. आमदनी सालाना ६०) है.	नवाब गोहर कुदसिया बेगम साहेबा साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. मुकद्दस अदाये मसारिफ मकाबिर शाही.
९५	७१९ ..	आराजी नं. ३ मुत्तस्लिका आराजी कोन्डा वाके बरलबे अलीगंज रोड, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—आराजी मोकूफा अज किराये अब्दुल शकर साहब. मगरिब—अलीगंज रोड. शुमाल—मकान शेख अब्बू साहब. जुनूब—मकान नं. ४ मोकूफा.	आराजी यककिता जिसका तूल शरकन-गरबन ८३ फीट अरज शुमालन-जुनूबन ४६ फीट है. इस आराजी में अलावा गुमटी मुन्दरजा सिलसिला नं. ७१८ के चार खाम कोठरियां सिफालपोश जानिब जुनूब बनी हुई है और एक केवेलू व टीनपोश कमरा जानिब शुमाल बना है.	नवाब गोहर कुदसिया बेगम साहेबा साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. मुकद्दस अदाये मसारिफ मकाबिर शाही.
९६	७२० ..	गुमटियां नं. २ व ३ वाके आराजी कोन्डा बिलमुकाबिल भोपाल टॉकीज, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—सड़क सरकारी. मगरिब—आराजी मोकूफा. शुमाल—सड़क सरकारी. जुनूब—गुमटी नं. ४.	पहले यह जगह एक किता आराजी थी जिसका तूल शुमालन व जुनूबन १८ फीट अरज शरकन-गरबन १७ फीट है बहालते मौजूदा इस आराजी पर दो गुमटियां एक दूसरे के मुत्तसिल बनी हुई हैं एक में पान की दुकान है, दूसरी में चाये की दुकान कायम है. सालाना आमदनी ७२) है.	नवाब गोहर कुदसिया बेगम साहेबा साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. मुकद्दस अदाये मसारिफ मकाबिर शाही.

१	२		३	४	५
१९७ [illegible]		..	गुमटी नं. ४ वाके अन्दरून आराजी कोन्डा बिल मुकाबिल भोपाल टॉकीज, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—सड़क सरकारी. मगरिब—आराजी कोन्डा. शुमाल—गुमटी नं. २. जुनूब—गुमटी नं ५ व रास्ता.	पहले यह जगह आराजी. थी इसका तूल शुमालन व जुनूबन ११ फीट अरज शरकन-गरबन ८ फीट है. अब एक गुमटी टीनपोश जिसमें अब्दुल बासित साहब ने मरम्मत सायकल की दुकान बतौर शिकमी किरायेदार के लगा रखी है. आमदनी सालाना १२ रुपये.	नवाब गोहर कुदसिया बेगम साहेबा साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. मुकद्दस अदाये मसारिफ मकाबिर शाही.
१९८	७२२	..	गुमटी नं. ५ वाके अन्दरून आराजी कोन्डा बिलमुकाबिल इमारत भोपाल टॉकीज. हुदूद अरबा.— मशरिक—सड़क सरकारी. मगरिब—आराजी कोन्डा. शुमाल—गुमटी नं. ४. जुनूब—गुमटी नं. ६	पहले यह आराजी का एक टुकड़ा था. अब एक गुमटी टीनपोश कायम है. जो आशिकअली के पास किराये पर है जिसका तूल शुमालन-जुनूबन ६' फीट अर्ज शरकन गरबन ६ फीट है. आमदनी सालाना १२ रुपये.	नवाब गोहर कुदसिया बेगम साहेबा साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. मुकद्दस अदाये मसारिफ मकाबिर शाही.
१९९	७२३	..	गुमटी नं. ६ वाके अन्दरून आराजी कोन्डा बिलमुकाबिल इमारत भोपाल टाकीज. हुदूद अरबा.— मशरिक—सड़क सरकारी. मगरिब—आराजी कोन्डा. शुमाल—गुमटी नं. ५. जुनूब—गुमटी नं. ७.	यक किता गुमटी टीनपोश जिसमें श्रीमती मेहतरा बाई किरायेदार हैं. पहले यह आराजी का एक टुकडा था जिसका तूल शुमालन-जुनूबन ८ फीट अरज शरकन-गरबन ६ फीट है. आमदनी सालाना २४ रुपये.	नवाब गोहर कुदसिया बेगम साहेबा साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. मुकद्दस अदाये मसारिफ मकाबिर शा ी.
२००	७२४	..	गुमटी नं. ७ वाके अन्दरून आराजी कोन्डा बिलमुकाबिल इमारत भोपाल टाकीज. हुदूद अरबा.— मशरिक—सड़क सरकारी. मगरिब—आराजी कोन्डा. शुमाल—गुमटी नं. ६ जुनूब—गुमटी नं. ८.	यक किता गुमटी टीनपोश जो मकसूदअली साहब के पास किराये पर है पहले यह आराजी का एक टुकडा था जो हरचार जानिब ७-७ फिट लम्बा है. आमदनी सालाना २४ रुपये.	नवाब गोहर कुदसिया बेगम साहेबा साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. मुकद्दस अदाये मसारिफ मकाबिर शाही.
२०१	७२५	..	गुमटी नं. ८ वाके अन्दरून आराजी कोन्डा बिलमुकाबिल इमारत भोपाल टाकीज, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—सड़क सरकारी. मगरिब—आराजी कोन्डा. शुमाल—गुमटी नं. ७. जुनूब—गुमटी नं. ९.	पहले सिरफ यह आराजी का एक टुकड़ा था जिसका तूल हरजानिब ६ फीट है. अब एक किता गुमटी टीनपोश है जिसमें फेजुल्ला खां ने पान की दुकान लगा रखा है. आमदनी सालाना २४ रुपये.	नवाब गोहर कुदसिया बेगम साहेबा साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. मुकद्दस अदाये मसारिफ मकाबिर शाही.
२०[illegible]		..	गुमटी नं. ९ वाके अन्दरून आराजी कोन्डा बिलमुकाबिल इमारत भोपाल टाकीज. हुदूद अरबा.— मशरिक—सड़क सरकारी. मगरिब—आराजी कोन्डा. शुमाल—गुमटी नं. ८. जुनूब—गुमटी नं. १०.	पहले सिरफ यह आराजी का एक किता था जिसकी हरसिम्त ७ फीट लम्बी है. अब एक गुमटी टीन पोश है जिसमें मेहफूज खां साहब किरायेदार ने मरम्मत सायकल की दुकान लगा रखी है. आमदनी सालाना १२ रुपये.	नवाब गोहर कुदसिया बेगम साहेबा साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. मुकद्दस अदाये मसारिफ मकाबिर शाही.
२०३	७२७	..	गुमटी नं. १० वाके अन्दरून आराजी कोन्डा बिलमुकाबिल इमारत भोपाल टाकीज. हुदूद अरबा.— मशरिक—सड़क सरकारी. मगरिब—आराजी कोन्डा शुमाल—गुमटी नं. ९. जुनूब—गुमटी नं. ११.	पहले यह आराजी का एक किता था जिसका तूलशुमालन-जुनूबन १० फीट, अर्ज शरकन-गरबन ७ फीट है. अब एक गुमटी टीनपोश है जिसमें मेहफूज खां साहब ने मरम्मत सायकल की दुकान लगा रखी है. आमदनी सालाना १२ रुपये.	नवाब गोहर कुदसिया बेगम साहेबा साबिक फरमारवाये रियासत, भोपाल. मुकद्दस अदाये मसारिफ मकाबिर शाही.
२०४	७२८	..	गुमटी नं. ११ वाके अन्दरून आराजी कोन्डा बिलमुकाबिल इमारत भोपाल टाकीज. हुदूद अरबा.— मशरिक—सड़क सरकारी. मगरिब—आराजी कोन्डा. शुमाल—गुमटी नं. १०. जुनूब—गुमटी नं. १२.	पहले यह एक किता आराजी का था जो हरचार जानिब ७ फीट है. अब एक गुमटी टीनपोश कायम है जिसमें मेहफूज खां साहब किरायेदार ने मरम्मत सायकल की दुकान कायम कर रखी है. आमदनी सालाना १२ रुपये.	नवाब गोहर कुदसिया बेगम साहेबा साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. मुकद्दस अदाये मसारिफ मकाबिर शाही.
२०५	७२९	..	गुमटी नं. १२ वाके अन्दरून आराजी कोन्डा बिलमुकाबिल इमारत भोपाल टाकीज. हुदूद अरबा.— मशरिक—सड़क सरकारी. मगरिब—आराजी कोन्डा. शुमाल—गुमटी नं. ११. जुनूब—गुमटी नं. १३.	यह आराजी किता हर जानिब ७ फीट है. इस जगह अब एक गुमटी टीनपोश कायम है. जिसमें भय्या मियां साहब ने पान-बीड़ी की दुकान लगा रखी है. सालाना आमदनी २४ रु. है.	नवाब गोहर कुदसिया बेगम साहेबा साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. मुकद्दस अदाये मसारिफ मकाबिर शाही.

१	२	३	४	५
[illegible]६.		.. गुमटी नं. १३ वाके अन्दरून आराजी कोन्डा बिलमुकाबिल इमारत भोपाल टाकीज. हुदूद अरबा.— मशरिक—सड़क सरकारी. मगरिब—आराजी कोन्डा. शुमाल—गुमटी नं. १२. जुनूब—गुमटी नं. १४.	यह आराजी हर जानिब ८ फीट है. अब एक गुमटी टीनपोश कायम है. आमदनी सालाना २४ रुपये है.	नवाब गोहर कुदसिया बेगम साहेबा साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. मुकद्दस अदाये मसारिफ मकाबिर शाही.
२०७.	७३१	.. गुमटी नं. १४ वाके अन्दरून आराजी कोन्डा बिलमुकाबिल इमारत भोपाल टाकीज, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—सड़क सरकारी. मगरिब—आराजी कोन्डा. शुमाल—गुमटी नं. १३. जुनूब—गुमटी नं. १५.	पहले यह सिर्फ आराजी का एक किता था जो हर जानिब ६ फीट लम्बा है. अब इस जगह एक गुमटी टीनपोश कायम है. आमदनी सालाना ७२ रुपये है.	नवाब गोहर कुदसिया बेगम साहेबा साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. मुकद्दस अदाये मसारिफ मकाबिर शाही.
२०८.	७३२	.. गुमटी नं. १५ अन्दरून आराजी कोन्डा बिल मुकाबिल इमारत भोपाल टाकीज. हुदूद अरबा.— मशरिक—सड़क सरकारी. मगरिब—आराजी कोन्डा. शुमाल—गुमटी नं. १४. जुनूब—गुमटी नं. १६.	पहले यह सिर्फ आराजी का एक किता था जो हर जानिब ७ फीट लम्बा है. अब इस जगह एक गुमटी टीनपोश कायम है. आमदनी सालाना २४ रुपये है.	नवाब गोहर कुदसिया बेगम साहेबा साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. मुकद्दस अदाये मसारिफ मकाबिर शाही.
२०९.	७३३	.. गुमटी नं. १६ अन्दरून आराजी कोन्डा बिल-मुकाबिल इमारत भोपाल टाकीज. हुदूद अरबा.— मशरिक—सड़क सरकारी. मगरिब—आराजी कोन्डा. शुमाल—गुमटी नं. १५. जुनूब—आराजी उफतादा नं. ४.	पहले सिर्फ यह आराजी का एक किता था जो हर जानिब ७ फीट लम्बा है. अब इस जगह एक गुमटी कायम है. आमदनी सालाना [illegible] रुपये है.	नवाब गोहर कुदसिया बेगम साहेबा साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. मुकद्दस अदाये मसारिफ मकाबिर शाही.
२१०.	७३४	.. आराजी उफतादा नं. ४ वाके अन्दरून आराजी कोन्डा बिल मुकाबिल इमारत भोपाल टाकीज. हुदूद अरबा.— मशरिक—सड़क सरकारी. मगरिब—गुमटी नं. १ मकबूजा शेख अब्दुल्ला किरायेदार. शुमाल—गुमटी नं. १६. जुनूब—मकान निजाम पहलवान.	एक किता आराजी उफतादा जिसका तूल शुमालन-जुनूबन ५० फीट और अर्ज शरकन गरबन ४० फीट है. आमदनी सालाना ६० रुपये है.	नवाब गोहर कुदसिया बेगम साहेबा साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. मुकद्दस अदाये मसारिफ मकाबिर शाही.
२११.	७३५	.. गुमटी नं. १७ वाके अन्दरून आराजी कोन्डा बरलबे भोपाल टाकीज. हुदूद अरबा.— मशरिक—सड़क सरकारी. मगरिब व शुमाल—मकान अब्दुलरशीद साहब. जुनूब—दुकान अब्दुल रशीद साहब.	एक किता गुमटी जिसपर एस बिस्टो शीट की छत डली है. इसमें होटल कायम है. आमदनी सालाना १२ रुपये है.	नवाब गोहर कुदसिया बेगम साहेबा साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. मुकद्दस अदाये मसारिफ मकाबिर शाही.
२१२.	७३६	.. गुमटियां नं. १८ लगायत २७ व टापरे १ लगायत ११ वाके अन्दरून आराजी कोन्डा, भोपाल टाकीज रोड, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—सड़क सरकारी. मगरिब—इमारत सदावरत. शुमाल—आराजी व मकान निजाम पहलवान. जुनूब—नाला.	पहले यह आराजी उफतादा थी जिसका तूल शुमालन व जुनूबन ८० फीट और अर्ज शरकन-गरबन ६८ फीट है. चूंकि यह कुल आराजी अब्दुल शकूर के पास १२ रु. माहवार किराये पर है. अब इस आराजी में १० अदद टीनपोश गुमटियां १८ लगायत २७ बरलबे सड़क बनी हुई हैं और गुमटियों के पीछे ११ अदद टीन-पोश टापरे बने हुए हैं. आमदनी सालाना १४४ रुपये है.	नवाब गोहर कुदसिया बेगम साहेबा साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. मुकद्दस अदाये मसारिफ मकाबिर शाही.
२१३.	७३७	.. आराजी उफतादा नं. ५ वाके बरलबे मलीगंज रोड, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—गुमटियां नं. १ लगायत ७ मगरिब—सड़क सरकारी. शुमाल—गुमटियां व सड़क सरकारी. जुनूब—मकान शेख अब्बू साहब.	आराजी एक किता जिसके शुमाली सिरे पर दो गुमटियां बनी हुई हैं. बकाया आराजी उफतादा है. आराजी का तूल शुमालन-जुनूबन जानिब मशरिक ४३ फीट व जानिब मगरिब ६५ फीट है अरज शरकन गरबन जानिब शुमाल १० फीट व जानिब जुनूब ५० फीट है. आमदनी सालाना ४८ रुपये है.	नवाब गोहर कुदसिया बेगम साहेबा साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. मुकद्दस अदाये मसारिफ मकाबिर शाही.
२१४.	७३८	.. आराजी उफतादा नं. ६ वाके अन्दरून आराजी कोन्डा अकब गुमटियां ८ लगायत १६ मुन्दरजा सिलसिला नं. ७२५ लगायत ७३३. हुदूद अरबा.—	एक किता आराजी उफतादा जिसका तूल शुमालन व जुनूबन ६८ फीट और अरज शरकन-गरबन २८ फीट है.	नवाब [illegible]हर कुदसिया बेगम साहेबा साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल.

१	२	३	४	५
		मशरिक—गुमटियां ८ ता १६. मगरिब—मकान मकबूजा शेख अब्बू साहब. शुमाल—आराजी उफतादा नं. ५ मुन्दरजा सिलसिला न. ७२७. जुनूब—आराजी उफतादा नं. ४ मुन्दरजा सिलसिला नं. ७२४.		मुकद्दस अदाये मसारिफ मकाबिर शाही.
२१५	७२९ ता ७४८.	मकान वाके अन्दरून बड़ा बाग मुन्दरजा सिलसिला नं. ४, मुत्तसिल सदर मशरकी दरवाजा जानिब मशरिक, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— हरचार जानिब आराजी बाग.	यक किता मकान पुख्ता इसका सदर दरवाजा शुमाल रूया सेहन, कमरा पांच दरवाजे वाला, इसके आगे दालान, दो कोठरियां, पाखाना पुख्ता, दोइ बेरूनी टायलपोश, मकान मवेशीखाना वाके अकब मकान मुन्दरजा सिलसिला नं. ७२९ पुख्ता व खाम चादरपोश. इसमें दालान यक ६ दरा दीवार अहाते से मुलहिक व कोठरी एक जानिब जुनूब रास्ता जानिब जुनूब है. इस अहाते में दो बावली पुख्ता और दो कुएं पुख्ता मौजूद हैं. तीसरा मकान पुख्ता दो मंजिला. इसमें ४ कमरे, एक गुसलखाना, एक पाखाना, एक बावरचीखाना, मंजिल दोम में एक कमरा है. मकान मुत्तसिल शुमाली दरवाजा अन्दरून बड़ा बाग यक मंजिला खाम कवेलूपोश जुनूब रूया, जिसमें ४ कमरे हैं इसी से मिला हुआ एक मवेशीखाना है व यक किता मकान वाके गोशे शुमाल मगरबी अन्दरून बड़ा बाग यक मंजिला पुख्ता जिसमें दो कमरे बने हुए हैं. आमदनी सालाना १८० रुपये है.	नवाब गोहर कुदसिया बेगम साहेबा साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. मुकद्दस अदाये मसारिफ मकाबिर शाही व आबादी बाग हाजा.
२१६	७४९ ता ७५०.	मसजिद मोसूमे मसजिद ईदा सेठ वाके मेहल्ला इसलामपुरा, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक व मगरिब—कूचा नाफजा. शुमाल—सड़क सरकारी. जुनूब—मकान मोकूफा मोसूमे (हुजरा) मुत्तस्लिका मसजिद हाजा.	यक किता मसजिद पुख्ता दो मंजिला सदर दरवाजा मशरिक रूया, जिसके दो कदमचों का संगीन जीना है. सेहन संगीन जिसके जानिब मशरिक व मगरिब व शुमाल सिमेंट की जालीदार दीवार है. इमारत मसजिद पांच दरी जिसकी मगरबी दीवार में तीन खिड़कियां और शुमाली दीवार में एक खिड़की नसब है. बरआमदा चादरपोश पांच दरा, जिसकी शुमाली दीवार में एक खिड़की मौजूद है. सेहन में दो दरख्त सदा कामनी और दो दरख्त चम्बेली के नसब हैं. गुसलखाना व पेशाबखाना व कोठरी एक मौजूद है.	सेठ ईद मोहम्मद साहब मरहूम साकिन मेहल्ला इसलामपुरा, शहर भोपाल. मजहबी अदाये नमाज व इबादत इलाही व मरम्मत मसजिद.
२१७	७५१ ता ७६३.	मकान नं. १, मोसूमे हुजरा मुत्तस्लिका मसजिद वाके जानिब जूनूब मसजिद. हुदूद अरबा.— मशरिक व मगरिब—कूचा नाफजा. शुमाल—इमारत मसजिद. जुनूब—मकान मजहरुल इसलाम साहब व मकान सैयद हसन साहब साबिक तहसीलदार.	यक किता मकान खाम खिफालापोश यक मंजिला, इसका सदर दरवाजा मगरिब रूया है और इसकी डेवढ़ी दोहरी है. इस मकान में ९ किता कोठरियां इकहेरी खिफालापोश यक मंजिला मुसलसल बनी हुई हैं. पांच जानिब मशरिक मगरिब रूया और ४ जानिब जुनूब-शुमाल रूया हैं. हर कोठरी इकहरी है और उसके आगे दालान है व यक किता पाखाना, सेहन खाम है और इसमें ४ किता कबरें खाम मौजूद हैं. आमदनी सालाना २४६ रुपये है.	सेठ ईद मोहम्मद साहब मरहूम, साकिन मेहल्ला इसलामपुरा, शहर भोपाल. मजहबी अदाये मसारिफ आमदनी मरम्मत मसजिद व तामीर मकान.
२१८	७६४	मकान न. २ मुत्तस्लिका मसजिद ईदा सेठ. हुदूद अरबा.— मशरिक—कूचा नाफजा. मगरिब व शुमाल—मकानात मोकूफा मुतस्लिका मसजिद. जुनूब—मकान मौलवी अब्दुल सभद साहब.	यक किता मकान यक मंजिला खिफालापोश इसका दरवाजा मशरिक रूया डेवढ़ी, सेहन, दालान मगरिब रूया कोठा एक दो दरा, दालान दो दरा, पाखाना एक. आमदनी सालाना १२० रुपये है.	सेठ ईद मोहम्मद साहब मरहूम, साकिन मेहल्ला इसलामपुरा, शहर भोपाल. मजहबी अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद व मरम्मत मसजिद व मकान.
२१९	७६५ ता ७६९.	मकान नं. ३ मोसूमे अाखल मुतअल्लिका मसजिद ईदा सेठ. हुदूद अरबा.— मशरिक, मगरिब व शुमाल—रास्ता.	यक किता मकान यक मंजिला खिफालापोश है, इसमें दो कोठरियां और दो दुकानात मौजूद हैं. आमदनी सालाना ३०० रुपये है.	सेठ ईद मोहम्मद साहब मरहूम, साकिन मेहल्ला इसलामपुरा, शहर

१	२	३	४	५
		जुनूब–मकान मोलवी अब्दुलसमद साहब.		भोपाल. मजहबी अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद व मरम्मत मसजिद व मकान.
२२०	७७० ता ७७७.	मकान नं. ४ मुतल्लिका मसजिद ईदा सेठ मुन्दरजा सिलसिला नं. ७४९.	यक किता मकान पुख्ता सिफालपोश यक मंजिला, जिसका सदर दरवाजा मगरिब रुया है. उसके बाद डेवढ़ी है. इस मकान में ७ किता कोठरियां अलहदा अलहदा जानिब मगरिब व मशरिक रुया और जानिब शुमाल व जुनूब रुया बनी हुई हैं. हर कोठरी के आगे दालान बना हुआ है. आमदनी सालाना १९२ रुपये है.	सेठ ईद मोहम्मद साहब मरहूम, साकिन मेहल्ला इसलामपुरा, शहर भोपाल. मजहबी अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद व मरम्मत मकान वगैरा.
२२१	७७८	मकान नं. ५ मुतल्लिका मसजिद ईदा सेठ मुन्दरजा सिलसिला नं. ७४९. हुदूद अरबा.– मशरिक–मकान अब्दुल समद साहब. मगरिब–कूचा गैर नाफजा. शुमाल–मकान मोकूफा नं. ४. जुनूब–मकान कप्तान सैयद मोहम्मद अली साहब.	यक किता मकान खाम यक मंजिला सिफालपोश. इसका सदर दरवाजा मगरिब रुया. सेहन, कोठरियां दो. दालान एक, पाखाना एक जानिब मशरिक.	सेठ ईद मोहम्मद साहब मरहूम साकिन मेहल्ला इसलामपुरा, शहर भोपाल. मजहबी अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद व मरम्मत मसजिद व मकान.
२२२	७७९ ता ७८०.	मसजिद मोसूमे मसजिद पंचायती कस्साबान वाके मेहल्ला इसलामपुरा, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.– मशरिक–आराजी मुतल्लिका मसजिद हाजा. मगरिब–मकानात मोकूफा मुतल्लिका मसजिद हाजा. शुमाल–रास्ता. जुनूब–इसलामपुरा रोड.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला सदर दरवाजा बतौर डेवढ़ी दरमियान में मकानात मोकूफा जुनूब रुया. इसके आराजी उफतादा है. उसमें जामन का एक दरख्त और गूलर का एक दरख्त नसब है. पेशाबखाना और दो पाखाने बगीचा मेहदूद व दीवार, जिसका दरवाजा मशरिक रुया है जिसमें समरदार दरख्तान नसब हैं. एक दरवाजा शुमाल रुया है जिसके आगे दस कदमचों का जीना बना हुआ है. सेहन संगीन है. सायेबान चादरपोश इमारत मसजिद दोहरी पांचदरी जिसकी शुमाली व जुनूबी दीवारों में दो-दो खिड़कियां नसब हैं. तीन खिड़कियां मगरबी दीवार में हैं मसजिद की शुमाली दीवार से मिला हुआ एक चबूतरा है.	पंचायत कस्साबान शहर भोपाल ने बाहमी चन्दा करके मसजिद तामीर कराई और वक्फ की. मजहबी अदाये नमाज व इबादत इलाही.
२२३	७८१. ता ७८३.	मकान नं. १ मुतल्लिका मसजिद पंचायती कस्साबान मुन्दरजे सिलसिला नं. ७७९, वाके मेहल्ला इसलामपुरा, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.– मशरिक–मकान हामिद हुसेन साहब कामदार. मगरिब–कूचा नाफजा. शुमाल–मकान हामिद हुसेन साहब. जुनूब–सुल्तानिया रोड.	यक किता मकान खाम यक मंजिला चादरपोश इसका सदर दरवाजा मगरिब रुया सेहन, पाखाना मौजूद है. इसमें दो दुकानें खाम चादरपोश दोहरी जिसके दो चश्मे जुनूब रुया हैं आगे संगीन दासा है जिस पर चादरपोश बरआमदा मौजूद है. आमदनी सालाना २०४ रुपये है.	पंचायत कस्साबान शहर भोपाल ने वक्फ किया है. मजहबी खैराती अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद पंचायती कस्साबान.
२२४	७८४ ता ७८७.	मकान नं. २ मुतल्लिका मसजिद पंचायती कस्साबान मुन्दरजे सिलसिला नं. ७७९ हुदूद अरबा.– मशरिक–आबचक मुशतरका. मगरिब–कूचा नाफजा. शुमाल–मकान पंचायती. जुनूब–इसलामपुरा रोड.	यक किता मकान पुख्ता कवेलूपोश यक मंजिला जिसके अन्दर चार कोठरियां अन्दरूनी और दो दुकानात बेरूनी बरलबे सड़क और एक सायेबान दुकाननुमा बरलबे सड़क वाके है. हर हिस्सा अलहदा-अलहदा किराये पर है. आमदनी सालाना ३६० रुपये है.	पंचायत कस्साबान शहर भोपाल ने वक्फ किया है. मजहबी खैराती अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद.
२२५	७८८ ता ७९९.	मकान नं. ३ मुतल्लिका मसजिद पंचायती कस्साबान. हुदूद अरबा.— मशरिक–मकान जहूर अहमद साहब. मगरिब–रास्ता सरकारी. शुमाल–आराजी मुतल्लिका मसजिद. जुनूब–इसलामपुरा रोड.	यक किता मकान खाम सिफालपोश यक मंजिला जिसमें दो किता दुकानात और तेरह किता कोठरियां शामिल हैं. दोनों दुकानें खाम सिफालपोश दो-दो चश्मेवाली हैं. आमदनी सालाना ३१५ रुपये है.	पंचायत कस्साबान शहर भोपाल ने वक्फ किया है. मजहबी खैराती अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद.
२२६	८००	मकान नं. ४ मुतल्लिका मसजिद पंचायती कस्साबान. हुदूद अरबा.– मशरिक–मकान बिसमिल्ला बी साहेबा. मगरिब व शुमाल व जुनूब–रास्ता.	यक किता मकान खाम सिफालपोश यक मंजिला इसमें एक दालान व एक दुकान मगरिब रुया है. आमदनी सालाना ३६ रुपये है.	पंचायत कस्साबान शहर भोपाल ने वक्फ किया है. मजहबी खैराती अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद.

१	२	३	४	५
२२७	८०१ ..	आराजी नं. १ मुतल्लिका मसजिद पंचायती कस्साबान वाके जानिब मशरिक मसजिद. हुदूद अरबा.— मशरिक व मगरिब—आराजी उफतादा. शुमाल—कूचा. जुनूब—मकान जहूर अहमद साहब.	यक किता आराजी उफतादा जो मसजिद की मशरकी दीवार से मुलहिक वाके है इसमें नीम का एक दरख्त इस्तादा है इस आराजी का निस्फ हिस्सा खास दीवार से मेहदूद है इसमें कसाइयों की दुकानें लगी हुई हैं. आमदनी सालाना ६० रुपये है.	पंचायत कस्साबान शहर भोपाल ने वक्फ किया है. मजहबी खैराती अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद.
२२८	८०२ ता ८०५.	मकान नं. ५ मुतल्लिका मसजिद पंचायती कस्साबान, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक व शुमाल—रास्ता. मगरिब—मकान अब्दुल समद साहब. जुनूब—मैदान.	यक किता मकान खाम यक मंजिला सिफालापोश जिसमें तीन अलग-अलग कोठरियां शामिल हैं. आमदनी सालाना १०८ रु. हैं.	पंचायत कस्साबान शहर भोपाल ने वक्फ किया है. मजहबी खैराती अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद.
२२९	८०६ ता ८०८.	मकान नं. ६ मुतल्लिका मसजिद पंचायती कस्साबान, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान जहूर अहमद साहब. मगरिब व शुमाल—रास्ता. जुनूब—मकान पंचायती.	यक किता मकान खाम यक मंजिला सिफालापोश जिसमें दो अलग-अलग कोठरियां शामिल हैं कोठरियों के आगे दालान उसके सामने सेहन है. आमदनी सालाना ७२ रुपये है.	पंचायत कस्साबान शहर भोपाल ने वक्फ किया है. मजहबी खैराती अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद.
२३०	८०९ ..	आराजी नं. २ वाके मुत्तसिल मसलख कदीम मोहल्ला इसलामपुरा, शहर भोपाल मुतल्लिका मसजिद पंचायती कस्साबान. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान हकीम अब्दुल हफीज साहब. मगरिब व शुमाल व जुनूब—कूचा.	यक किता आराजी जो बशक्ल चबूतरा मौके पर मौजूद है और जिसकी बुनियादें भरी हुई हैं बुनियादों पर संगीन पैमानियां नसब हैं.	पंचायत कस्साबान शहर भोपाल ने वक्फ किया है. मजहबी खैराती अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद.
२३१	८१० ..	मसजिद कलन्दरी वाके अकब इमारत मतीमखाना शाहजहानी बरलबे बेनजीर रोड, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—चबूतरा पुख्ता. मगरिब—बेनजीर रोड. शुमाल व जुनूब—आराजी उफतादा.	यक किता मसजिद पुख्ता कदीम बिला छत जो साढ़े-चार फीट बलन्द चबूतरे पर है हर चार जानिब की पैमाइश २६ फीट है मगरबी जानिब की दीवार पाय मेहराबोंवाली सतह चबूतरे से ८ फीट बलन्द कायम है. इस मसजिद का रास्ता आमदोरफ्त बेनजीर रोड पर से है.	साबिक हुकूमत रियासत भोपाल. मजहबी अदाये नमाज व इबादत इलाही.
२३२	८११ ता ८१५.	मसजिद किला फतेहगढ़ वाके अन्दरून किला शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकबरा नवाब दोस्त मोहम्मद खां साहब. मगरिब व जुनूब—आराजी उफतादा. शुमाल—अहाता मुतल्लिका मसजिद हाजा व मकबरा.	यक किता मसजिद पुख्ता संगीन इसका सदर दरवाजा शुमाल रुया है. सेहन संगीन है. वजूखाना चादरपोश मशरिक की जानिब है. इमारत मसजिद पांच दरी जिसकी मगरबी दीवार में दो और शुमाली व जुनूबी दीवारों में एक-एक खिड़की कायम है पांचों दरों में आहनी सलाखें और चोबी चौखट व किवाड़ लगे हुए हैं. मशरकी दीवार में आमदोरफ्त मकबरे के लिये संगीन दरवाजा नसब है. सेहन मसजिद में शेहतूत का एक दरख्त खड़ा है नीज एक चबूतरा पुख्ता जो मसजिद की शुमाली दीवार के मुत्तसिल वाके है इसका तूल शरकन गरबन ८६ फीट-अर्ज शुमालन, जुनूबन ६½ फीट है. इस आराजी के वस्त में मसजिद का दरवाजा कायम है जिसके आगे तीन कदमचों का जीना है चबूतरे के मशरकी किनारे पर मसजिद का गुसलखाना बना हुआ है व आराजी अहाता मुतल्लिका मसजिद जिसका तूल शरकन-गरबन १५२ फीट, अर्ज शुमालन-जुनूबन जानिब मशरिक ७० फीट और जानिब मगरिब ३० फीट है. यह आराजी मशरिक व मगरिब व शुमाल की जानिब अलंगों की दीवार से मुलहिक है.	साबिक हुकूमत रियासत भोपाल. मजहबी अदाये नमाज व इबादत इलाही व मसारिफ आबादानी मसजिद.
२३३	८१६ ..	कबरस्तान वाके अन्दरून किला फतेहगढ़ जानिब मशरिक मकबरा शाही. हुदूद अरबा.— मशरिक व शुमाल व जुनूब—आराजी किला. मगरिब—दीवार मकबरा शाही व दीवार अहाता.	यक किता आराजी कबरस्तान जिसका तूल शरकन-गरबन ५३ फीट, अर्ज शुमालन-जुनूबन ४८ फीट है. इसमें ४ पुख्ता कबरें मौजूद हैं और बाज खाम कबरें हैं. एक चबूतरे पर तीन पुख्ता कबरें मुसलसल हैं, दूसरे चबूतरे पर एक कबर है.	साबिक हुकूमत रियासत भोपाल, खैराती बराये तदफीन अमवात मुसलमानान.

१	२	३	४	५
२३४	८१७ ..	मसजिद ढाई सीढ़ी वाके बरफसील गरबी किला फतेहगढ़. हुदूद अरबा.—	यक किता मसजिद पुख्ता बिला छत को जिसके सिरफ कुबे पर छत है इसका रास्ता मगरबी फसील के दरमियानी दमदमे के जीने से है–फसील से बारा कदमचों का जीना उपर पहुंचने के लिये कायम है, जिसके बाद एक छोटासा चबूतरा है फिर ढाई सीढ़ी चढ़ने के बाद यह मसजिद है.	साबिक हुकूमत रियासत भोपाल. मजहबी-अदाये नमाज व इबादत इलाही.
२३५	८१८ ..	मसजिद घाट पच्चीसा वाके मेहल्ला फतेहगढ़, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक–कबरस्तान. मगरिब–आराजी. शुमाल–रास्ता. जुनूब–बड़ा तालाब.	यक किता मसजिद पुख्ता इसका सदर दरवाजा शुमाल रूया है जीना २१ कदमचों का दरवाजे मस्जिद तक पहुंचने के लिये, सेहन संगीन है. इमारत मसजिद सेहदरी है. हुजरा मशरिक रूया है. गुसलखाना, वजूखाना भी है.	साबिक हुकूमत रियासत भोपाल. मजहबी नमाज व इबादत इलाही.
२३६	८१९ ता ८२०.	कबरस्तान वाके मेहल्ला घाट पच्चीसा जानिब मशरिक मसजिद भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक–इमारत खजाना कदीम मगरिब–मसजिद. शुमाल–मकानात जुनूब–तालाब.	यक किता आराजी कबरस्तान, जो दामने तालाब पहाड़ी की ढालों पर वाके है, जिसमें खाम व पुख्ता कबरें मौजूद हैं. इसमें इमली के ४ दरख्त और चुड़ैल के ५ दरख्त इस्तादा हैं.	साबिक हुकूमत रियासत भोपाल. खैराती-बराये तदफीन अमवात [illegible]
२३७	८२१ ता ८२४.	मसजिद मनका शाह वाके बरलबे सुलतानिया रोड, मेहल्ला फतेहगढ़, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक–सड़क सरकारी. मगरिब–मकान अब्दुल वहीद साहब. शुमाल–मकान मुतल्लका मसजिद. जुनूब–कूचा नाफजा.	यक किता मसजिद पुख्ता आराजी मोकूफा पेश दरवाजा मसजिद इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया जो आराजी मजकूर में कायम है सेहन मसजिद पुख्ता है इमारत मसजिद दोहरी पुख्ता सेहदरी जिसकी छत डाटदार और दरवाजा मलाखदार है. एक हुजरा जानिब शुमाल वाके है. नीज एक किता आराजी, जो मौके पर बशक्ल मुसल्लस मौजूद है इसका तूल शुमालन जुनूबन बजानिब मशरिक २०॥ फीट, अरज शरकन गरबन बजानिब शुमाल १३॥ फीट और जानिब जुनूब गोशे की शक्ल सिरफ एक फीट है. इस आराजी में मसजिद का पेशाब खाना जानिब जुनूब और गुसलखाना जानिब शुमाल है और एक आराजी तफरीह-गाह के तोर पर है इसमें फुलवार और मुत-तलीक किस्म के दरख्त नसब हैं इसका तूल शरकन गरबन जानिब शुमाल ४९ फीट और जानिब जुनूब गोशेदार है इसका अर्ज शुमालन जुनूबन जानिब मशरिक ४ फीट है और जानिब मगरिब २२ फीट है इसमें सीमेन्ट का एक पुख्ता होज भी बना हुआ है इसमें एक किता दुकान पुख्ता यक मंजिला जिसमें एक खिड़की जानिब जुनूब कायम है. आमदनी सालाना ६० रुपये है.	सूफी मनका शाह साहब रेहमतुल्ला इलेह सा. मेहल्ला फतेहगढ़, भोपाल. मजहबी-अदाये नमाज व इबादत इलाही व मसारिफ मरम्मत मसजिद व दुकानात हाजा.
२३८	८२५ ..	मकान मुतल्लिका मसजिद मनका शाह वाके जानिब शुमाल मसजिद मजकूर हुदूद अरबा.— मशरिक व शुमाल–दुकानात सरकारी. मगरिब–आराजी मुतल्लका मसजिद मजकूर. जुनूब–इमारत मसजिद मजकूर.	यक किता मकान पुख्ता यक मंजिला टाइल-पोश इसका सदर दरवाजा मगरिब रूया है. डेवढ़ी, सेहन पुख्ता है एक कमरा दालान बावरची खाना, पाखाना मौजूद है. आमदनी सालाना १२० रुपये है.	सूफी मनका शाह साहब रेहमतुल्ला अलेह, सा. मेहल्ला फतेहगढ़, भोपाल. मजहबी खेराती अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद व मरम्मत मसजिद व दुकानात.
२३९	८२६ ..	मसजिद खजाना कदीम मोसूमा मसजिद अम्मू खलीफा वाके अकब इमारत फायर ब्रिगेड बरलबे खजाना रोड, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक व शुमाल व जुनूब–सड़क. मगरिब–खंडहर म्युनिसिपल बोर्ड, भोपाल.	यक किता मसजिद पुख्ता इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया जिसके आगे चार कदमचों का जीना बना हुआ है. सायबान चादरपोश गुसलखाना बरआमदा पुख्ता सीमेन्ट का दोदरा, सेहन, इमारत मसजिद सेहदरी, जिसके तीनों दरवाजों में किवाड़ लगे हुए हैं. हुजरे दो गोशे शुमाल व जुनूब वाके हैं.	अम्मू साहब खलीफा मरहूम, साकिन शहर भोपाल. मजहबी अदाये नमाज व इबादत इलाही.
२४०	८२७ ..	तफरीहगाह मुतल्लिका मसजिद अम्मू खलीफा वाके अकब इमारत म्युनिसिपल बोर्ड, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक–महल राजा चंदूलालजी साहब. मगरिब–सड़क बराय तालाब. शुमाल–सड़क खाम. जुनूब–आराजी उफतादा.	यक किता आराजी तफरीहगाह पुख्ता दीवार से हर चार जानिब महदूद है, जिसपर खार-दार आहनी तार नसब है, इसमें फाटकनुमा सदर दरवाजा मगरिब रूया कायम है, इसमें फुलवार और मुतअल्लिक किस्म के दरख्त समरदार नसब हैं. आमदनी १०० रुपये अरे ठेका सालाना है.	हर हाइनेस नवाब सुल-तानजहां बेगम साहेबा मरहूमा साबिक फर-मारवाये भोपाल. खैराती-आराम आसा-इश मुतअल्लकान व रौनक जीनत मसजिद.

१	२	३	४	५
२४१	८२८ ..	मसजिद मोसूमे मसजिद हकीम नूरुल हसन साहब वाके मेहल्ला लखेरापुरा, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक–सड़क सरकारी. मगरिब–साबिक मकान हकीम औलाद हुसैन साहब. शुमाल–मकान मंजूर हुसैन साहब. जुनूब–आबचक.	यक किता मसजिद पुख्ता इसके सदर दरवाजे के शुमाली व जुनूबी जानिब ३-३ सीढ़ियां जिनके बाद चबूतरा है. सदर दरवाजा मशरिक रूया है. सेहन पुख्ता इमारत मसजिद सेहदरी है, जिसकी शुमाली व जुनूबी दीवारों में अलमारियां हैं, हुजरा मशरिक रूया एक गुसलखाना बसकावा है.	हकीम सैयद नूरुल हसन सा. मरहूम साबिक अफसरान अतिब्बा रियासत भोपाल, मेहल्ला लखेरापुरा, भोपाल. मजहबी अदायें नमाज व इबादत इलाही.
२४२	८२९ ता ८३४.	मसजिद सरकार कुदसिया वाके जानिब जुनूब खिरनी वाला मैदान भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक–इमारत पी. डब्लू. डी. मगरिब–मकान सादकअली साहब. शुमाल–मोटर गैरेज मुतल्लिका मसजिद हाजा. जुनूब–इमारत दफ्तर कुल व इमारत पी. डब्लू. डी.	यक किता मसजिद पुख्ता, जिसकी आमदो-रफ्त का रास्ता शुमाल में खिरनीवाले मैदान से है सदर दरवाजा शुमाल रूया सेहन पुख्ता हौज पुख्ता गुसलखाना बर-आमदा पुख्ता-हुजरा मशरिक रूया बरआमदे में सेहन खाम जानिब शुमाल. इमारत मसजिद सेहदरी है हुजरा सानी मशरिक रूया एक हुजरा जुनूब रूया है, इसीके मुत्तल्लिक चार मोटर गैरेज तामीर हैं, जो मसजिद के जानिब शुमाल हैं इन्हीं चारों मोटर गैरेज के ऊपर बाला खाना है इसमें एक कमरा है और सेहन है. आमदनी १,१८२ रुपये सालाना है.	हर हाइनेस नवाब गोहर कुदसिया बेगम साहेबा मरहूमा साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. मजहबी अदायें नमाज व इबादत इलाही व अदायें मसारिफ आबादानी मसजिद सरकार कुदसिया व मसारिफ मरम्मत मसजिद.
२४३	८३५ ता ८३७.	शमसुल मसजिद उर्फ हीरा मसजिद वाके माबैन शोकत मेहल व शीश मेहल बरलबे सुल्तानिया रोड, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक–इमारत शीश मेहल. मगरिब–रास्ता मकान ईदगाह कोठी मसकूना समीखां साहब. शुमाल–मकान मुतल्लिका ईदगाह कोठी मसकूना समीखां साहब. जुनूब–चबूतरा मुतल्लिका मसजिद हाजा बादहू सुल्तानिया रोड.	यक किता मसजिद पुख्ता संगीन इसका सदर दरवाजा जुनूब लबे इसके आगे आठ कदमचों का जीना कायम है, डेवढ़ी, हुजरा डेवढ़ी की गरबी जानिब सेहन पुख्ता, दालान पुख्ता मगरिब रूया, गुसलखाना, सकावा, सायबान चादरपोश, हुजरा सानी जुनूब रूया है. इसीमें यक जनानी मसजिद पुख्ता सदर दरवाजा जानिब जुनूब दरवाजा सानी मकान मुतल्लिका कोठी ईदगाह मसकूना समीखां साहब इमारत मसजिद सेहदरी है. यक अलमारी जुनूबी दीवार में, सकावा भी है, इसमें एक आराजी जिसपर संगीन चबूतरा बना है इसका तूल शरकन-गरबन ६५ फीट, अर्ज शुमालन-जुनूबन ६ फीट है. इस चबूतरे के दरमियान में सदर दरवाजा मसजिद तक पहुंचने के लिये जीना कायम है और जीने के मशरकी जानिब एक १६ फीट तवील सायेबान चादरपोश है इसमें एक हुजरा बना हुआ है.	हर हाइनेस नवाब गोहर कुदसिया बेगम साहेबा मरहूमा साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल, मजहबी नमाज व अदायें इबादत इलाही.
२४४	८३८ ..	मसजिद मतवा कदीम वाके बिल मुकाबिल इमारत मतवा मेहल्ला रेतघाट, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक–मकान वेंटर साहब. मगरिब–कूचा नाफजा. शुमाल–कूचा गैर नाफजा. जुनूब–खंडहर कासम मियां साहब.	यक किता मसजिद पुख्ता सदर दरवाजा मगरिब रूया डेवढ़ी-हुजरा-डेवढ़ी में गुसलखाना-सकावा-सेहन पुख्ता जिसमें पहुंचने के लिये तीन कदमचों का जीना कायम है. इमारत मसजिद सेहदरी, जिसकी शुमाली व जुनूबी दीवार में एक-एक खिड़की नसब है. दरवाजा सानी शुमाली दीवार में है.	मजहबी-अदायें नमाज व इबादत इलाही.
२४५	८३९ ..	मसजिद जाफरी वाके बिल मुकाबिल तेहसील हुजूर अकब शीश महल, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक–सड़क सरकारी. मगरिब व शुमाल व जुनूब–इमारत शीश महल.	यक किता मसजिद पुख्ता इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया है जिसके आगे चार कदमचों का जीना कायम है. वजूखाना, सकावा, गुसलखाना, हुजरा, सेहन पुख्ता, इमारत मसजिद सेहदरी है.	मजहबी अदायें नमाज व इबादत इलाही.
२४६	८४० ..	मसजिद मुफ्ती फजलुल्लाह साहब मरहूम वाके मुत्तसिल इमारत तेहसील हुजूर वर दजिल दोन, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक–मकान मुफ्ती नूर गनी साहब. मगरिब–पीर दरवाजा रोड. शुमाल–इमामबाड़ा रोड. जुनूब–कमरा.	यक किता मसजिद पुख्ता वाके बालाई मंजिल अव्वल व जेरीन मंजिल संग जीनेदार रास्ता अव्वल सेहन मसजिद में आने के लिये जानिब मशरिक हवेली मुफ्ती साहेबान में से कायम है जीनेदार रास्ता दोम, जो इमामबाड़ा रोड से जानिब शुमाल कायम है. सेहन पुख्ता इमारत मसजिद दोहरी सेहदरी बरआमदा पुख्ता आरदरा खिड़की एक मसजिद की शुमाली दीवार में नसब है. पाखाना गुसलखाना व सकावा भी है.	मजहबी-अदायें नमाज व इबादत इलाही.

		३	४	५
२४७	८४१ ता ८४२.	मसजिद फातमा पुरा वाके बिल मुकाबिल इमारत नक्कारखाना, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान मोहम्मद याकूबखां, एडवोकेट. मगरिब—मकान मुन्शी जियाउद्दीन सा. शुमाल—मकान मुन्शी कमरुद्दीन साहब मरहूम. जुनूब—सड़क सरकारी.	एक किता मसजिद पुख्ता सदर दरवाजा दो एक जानिब शुमाल और दूसरा जानिब जुनूब है. सेहन संगीन है. हुजरा चादरपोश मशरकी रूया एक हुजरा चादरपोश शुमाल रूया है. एक हुजरा पुख्ता चादलोदार शुमाल रूया जिसके आगे जस्ती चादर का सायेबान है. इमारत मसजिद दोहरी सेहदरी, जिसकी शुमाली दीवार में एक अलमारी और जुनूबी दीवार में एक अलमारी नसब है. सेहन मसजिद में एक आम का दरख्त भी है.	मजहबी-अदाये नमाज व इबादत इलाही.
२४८	८४३ ता ८४४.	मसजिद वदालत वाली वाके मुत्तसिल महल उमराव जहां बेगम साहेबा मरहूमा, मोहल्ला मालीपुरा, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—तफरीहगाह मसजिद हाजा. मगरिब—महल उमराव जहां बेगम साहबा मरहूमा. शुमाल—सड़क सरकारी. जुनूबा—मकान अब्दुल रहीम साहब.	एक किता मसजिद पुख्ता. इसका सदर दरवाजा फटकानुमा. गली बतौर सेहन. सेहन मसजिद गुसलखाना बिला छत सकावा दरवाजा जानिब जुनूब कमरा एक मशरिक रूया जिसकी दो खिड़कियां सड़क की जानब कायम हैं. इमारत मसजिद दोहरी सेहदरी है. इसी में एक आराजी बतौर तफरीहगाह जो पुख्ता दीवार से मेहदूद है और जिसका सदर दरवाजा फटकानुमा है. इसके अन्दर एक चादरपोश कमरा मशरिक में बना हुआ है.	उमराव जहां बेगम साहेबा मरहूमा बिन्त हाजी मोहम्मद अब्दुलगफार म साहब मरहूम व नवासी मुंशी मोहम्मद जमालुद्दीन सा. मरहूम, साबिक मदारुल मोहाम, भोपाल. मजहबी इबादत इलाही.
२४९	८४५ ता ८४८.	मसजिद आसफिया वाके अन्दरून हुमायूं मंजिल, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—हिस्सा इमारत सदर मंजिल, मसकूना कर्नल अब्दुल जब्बार साहब. मगरिब—बिलक सिया नरसिंग होम. शुमाल—रास्ता मसजिद हाजा. जुनूब—जनाना मसजिद आसफिया.	एक किता मसजिद पुख्ता. इसका सदर दरवाजा शुमालरूया. गुसलखाना-सकावा-सेहन संगीन. हुजरे तीन मगरिबरूया दालान एक. इमारत मसजिद सेहदरा जिसके आगे चादर पोश सायेबान है और जिसका जुनूब दीवार में जनाना मसजिद आसफिया की जानिब संगीन जालीदार खिड़की नस्ब है. दरवाजा जानिब जुनूब बराये जनाना मसजिद मिम्बर संगमरमर का है. इसीसे मुतल्लिक एक जनाना मसजिद है जिसका सदर दरवाजा जानिबम शरिक मकान मसकूना कर्नल अब्दुल जब्बारखां साहब.एक दरवाजा आसफिया मरदाना मसजिद के सेहन में है. सेहन मसजिद में दरख्तान अमरूद एक, शरीफा एक, मदीकामनी चार, मौलसरी एक, इस्तादा हैं.—हम्माम एक है. सकावा-गुसलखाना-वजूखाना. इमारत मसजिद सेहदरी है जिसके आगे सायेबान चादरपोश है.	हर हाइनेस नवाब सुल्तान जहां बेगम साहेबा मरहूमा, साबिक फरमारवाये, रियासत भोपाल. मजहबी इबादत इलाही.
२५०	८४९ ता ८५०.	मसजिद बेल वाली उर्फ जामन वाली वाके मोहल्ला फतेहगढ़, अकब हुमायूं मंजिल, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान हादीसहन साहब. मगरिब व शुमाल—कूचा. जुनूब—सड़क सरकारी.	एक किता मसजिद पुख्ता. इसके सदर दरवाजे दो जिनमें एक जुनूबरूया दूसरा शुमाल-रूया है. पेशाबखाना बेरूना मुत्तसिल दरवाजा मसजिद. चबूतरा सीमेंट का वजू के लिये जिसमें जामन का एक दरख्त रोइदा है. सेहन संगीन. सकावा गुसलखाना सायेबान चादर पोश. इमारत मसजिद सेहदरा दोहरा जिसके हर एक दरवाजे में चोबी किवाड़ नस्ब हैं और शुमाली दीवार में दो और जुनूबी दीवार में दो खिड़कियां नस्ब हैं.	हजरत सूफी बलीशा साहब रेहमतुल्ला इलेह, साकिन मोहल्ला फतेहगढ़, भोपाल. मजहबी इबादत इलाही.
२५१	८५१ ता ८५५. व १४५२.	मसजिद मेहमूद मोहम्मद खां वाके मुत्तसिल इमामी दरवाजा, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—कूचा नाफआ. मगरिब—आराजी मुतल्लिका मसजिद हाजा, बादहू सड़क. शुमाल व जुनूब—सड़क सरकारी.	एक किता मसजिद पुख्ता दो मंजिला. जीना ११ कदमचों का जुनूबरूया सदर दरवाजे तक पहुंचने के लिये और इखतताम जाने पर चबूतरा मौजूद है, जिसपर सिमेंट का सायेबान है. हुजरा जीने के मुत्तसिल जेरीन मसजिद सदर दरवाजा मशरिकरूया जिसके ऊपर सिमेंट का छत है. हुजरा सानी मशरिकरूया मंजिल दोम पर सेहन. संगीन जिससे १॥ फीट बलन्दी पर दूसरा सेहन वाके है. सायेबान चादर पोश इमारत मसजिद के आगे इमारत मसजिद सेहदरा जिसकी मगरबी दीवार में एक खिड़की अस्ती चादर के सायेबानवाली कायम है. बन्बेला का एक दरख्त मुत्तसिल सकावा वाके है. नीम तीन किता दुकानात मुतल्लिका मसजिद वाके जेरीन	मियां मेहमूद मोहम्मद खां साहब, साबिक जागीरदार, रियासत भोपाल. मजहबी-इबादत इलाही.

१	२	३	४	
			मसजिद मौजूद है व आराजी हुजरा मुत्तसिल का मसजिद वाके अकब मसजिद मजकूर है यहां एक हुजरा तामीर है. आमदनी ९६ रुपये सालाना है.	
२५२	८५६ ..	मसजिद महल उमराव दूलाह साहब, निजद इमाम बाड़ा, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान नौदूद जहां बेगम साहेबा. मगरिब—मकान फय्याज मोहम्मद साहब. शुमाल—मकान नौहद जहां बेगम साहेबा. जुनूब—सड़क सरकारी.	यक किता मसजिद पुख्ता. जीना दस कदमचों का सदर दरवाजे से मसजिद तक पहुंचने के लिये सदर दरवाजा आहनी सलाखों का फाटक का. हुजरा एक मुत्तसिल सदर दरवाजा. इसका सेहन संगीन है. गुसलखाना-सकावा. वजूखाना छत वाली इमारत मसजिद सेहदरी जिसके आगे चादरपोश सायेबान है जिसकी शुमाली दीवार में एक अलमारी और जुनूबी दीवार में एक खिड़की नसब है.	नवाब वाकी मोहम्मद खां साहब उर्फ नवाब उमराव दूलाह साहब मरहूम शोहर हर हाइनेस नवाब शाहजहां बेगम साहेबा मरहूमा, साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. मजहबी इबादत इलाही
२५३	८५७ ..	मसजिद खेरन बी साहेबा वाके मुत्तसिल महल दुलहन साहेबा, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—आराजी उफतादा. मगरिब व जुनूब—मकान मिर्जा आलमगीर मोहम्मद खां साहब मरहूम. शुमाल—सड़क सरकारी.	यक किता मसजिद पुख्ता. इसका सदर दरवाजा मशरिकरूया जिसके आगे संगीन चबूतरा और उसके मुत्तसिल पेशाबखाना बना हुवा है. गुसलखाना-सकावा सेहन मसजिद हुजरा मगरिबरूया दो दालान चादरपोश जिसके शुमाली दीवार में खुली हुई सात महराबें कायम हैं. इमारत मसजिद सेहदरी है.	मुसम्मात खेरन बी साहेबा मरहूमा खादमा, शाही-महल, भोपाल. मजहबी इबादत इलाही
२५४	८५८	मसजिद सिकन्दर खां वाके लखेरापुरा, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान रामसिंह साहब. मगरिब—सड़क सरकारी. शुमाल—मकान जगन्नाथ. जुनूब—कूचा नाफजा.	यक किता मसजिद पुख्ता. इसका सदर दरवाजा जुनूबरूया. कूचा नाफजा से तीन कदमचों का जीना बरूये चादरपोश जानिब मगरिब. हुजरा दालान के जानिब मगरिब. इसका दरवाजा दालान में है. इमारत मसजिद सेहदरी जिसकी एक खिड़की दालान में खुलती है.	मियां सिकन्दर मोहम्मद खां साहब साबिक जागीरदार व बख्शी अफवाज, रियासत भोपाल. मजहबी इबादत इलाही.
२५५	८५९ ..	मसजिद बड़वाली वाके मेहल्ला चोराहा शास्त्रीजी, चोक बाजार, भोपाल. हुदूद अरबा:— मशरिक—कूचा गैर नाफजा. मगरिब—मकान जगन्नाथ साहब शुमाल—आबचक बादहू मकान रामकिशन साहब. जुनूब—सड़क सरकारी.	यक किता मसजिद पुख्ता इसका सदर दरवाजा जुनूब रूया जिसके आगे दो कदमचों का जीना कायम है सेहन संगीन है दरवाजा सानी मशरिक रूया कूचा गैर नाफजा में, गुसलखाना सकावा कबर एक सेहन मसजिद में है. हुजरा एक मशरिक रूया इमारत मसजिद सेहदरी जिसकी शुमाली दीवार में एक खिड़की कायम है.	साबिका हुकूमत, रियासत भोपाल. मजहबी इबादत इलाही
२५६	८६० ता ८६१.	मसजिद उबेदिया वाके मेहल्ला काजीपुरा, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान. मगरिब—कूचा नाफजा. शुमाल—बगीचा मसजिद हाजा. जुनूब—सड़क सरकारी.	यक किता मसजिद पुख्ता जिसका सदर दरवाजा आहनी सलाखों का संगीन मेहराबदार है आराजी आबचक मुतल्लीका मसजिद हाजा जानिब मशरिक—सेहन संगीन बरआमदा चादरपोश. इमारत मसजिद पांच दरी जिसकी शुमाली व जुनूबी दीवार में खिड़कियां नसब हैं नीज दो खिड़कियां मगरबी दीवार में कायम हैं. फाटक आहनी एक बगीचा मसजिद हाजा की जानिब है इसी से मुतल्लीक एक बगीचा भी है जिसमें मुख्तलिफ किस्म के दरख्त नसब हैं इसमें मसजिद का गुसलखाना व सकावा भी है.	मुसलमानान एहले मेहल्ला ने जदीद तामीर करके वक्फ की है. मजहबी इबादत इलाही
२५७	८६२ ता ८६३.	मसजिद कमनेगरान वाके बरलबे इतवारा रोड, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—कूचा नाफजा. मगरिब—मकान पन्नालाल साहब. शुमाल—दुकानात मसजिद हाजा. जुनूब—मकान पन्नालाल साहब.	यक किता मसजिद पुख्ता इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया जिसके आगे दो कदमचों का जीना बना है. सेहन पुख्ता सकावा गुसलखाना. हुजरा सायेबान चादर पोश दीवार पुख्ता जानिब मशरिक जिसपर आहनी जंगला नसब है. इमारत मसजिद सेहदरी है दीवार शुमाली में सड़क की जानिब दो चने की जालियां हवा और रोशनी के लिये नसब हैं दरवाजा सानी जानिब जुनूब है. नीज तीन किता दुकानात मुसलसल शुमाल रूया जिसपर ऐसबस्टस शीट की छत डली है कायम है. आमदनी सालाना ३८४) है	वजीर अली साहब मरहूम वल्द गुलाम अली साहब मरहूम, साकिन मेहल्ला कमनेगरान शहर भोपाल. मजहबी इबादत इलाही

		३	४	५
	८६४ ता ८६७.	मसजिद बिरजीसिया वाके अन्दरून इतवारा दरवाजा, शहर भोपाल. हुदूद अरबा:— मशरिक व शुमाल—सड़क सरकारी. मगरिब—तफरीहगाह मसजिद हाजा. जुनूब—साबिका मकान मुंशी सैयद मजहर अलीसाहब, वकील.	यक किता मसजिद पुख्ता जीना चार कदमचों का सदर दरवाजे के जानिब शुमाल व जुनूब सड़क सरकारी से दरवाजे मजकूर तक पहुंचने के लिये कायम है चबूतरा संगीन लबे सड़क इसकी मशरकी संगीन दीवार चबूतरे की सतेह से १॥ फिट बिलन्द है सदर दरवाजा आहनी मशरिक रूया है. डेवढ़ी दालान दो पुख्ता डेवेढ़ी के जानिब शुमाल व जुनूब कायम है गुसलखाना आबदार खाना, दालान सेहदरा हुजरा दालान के जानिब मगरिब है. दालान एक शुमाल रूया आराजी इस दरवाजे के बाद जिसका सेहन पुख्ता है उसमें दो मदोकामनी के और एक आम का दरख्त नसब है. दालान पांचदरा जिसका फर्श चीनी टाइल का है और जिसकी दीवार पर संगीन जंगला नसब है. इमारत मसजिद सेहदरी है मसजिद की शुमाली दीवार में एक खिड़की और दो जालीदार ताकचे मौजूद हैं और मगरबी दीवार में तीन जालीदार ताकचे मौजूद हैं नीज तफरीहगाह मुतल्लिका मसजिद इसमें दो दरख्त खजूर और एक दरख्त आम का नसब है. आमदनी २६४) सालाना है.	नवाब मोहतमुल मुल्क जनरल उबेदुल्ला खां साहब मरहूम, मालिक जिमला डेवढ़ी, भोपाल. मजहबी इबादत इलाही.
२५९	८६८	.. मसजिद शाह मोहम्मद साहब उर्फ नालेवाली वाके अकब मसजिद बिरजीसिया अन्दरून इतवारा दरवाजा, शहर भोपाल. हुदूद अरबा:— मशरिक—रास्ता. मगरिब व शुमाल—मकान हफीजुल्लाखां साहब. जुनूब—मकान मुंशी मोहम्मद यहया साहब	यक किता मसजिद पुख्ता इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया दालान मगरिब रूया जिस्में एक हुजरा शुमाल रूया है. गुसलखाना, सकावा सेहन पुख्ता-बरआमदा चादरपोश इमारत मसजिद सेहदरी है हुजरासानी मशरिक रूया है.	मुंशी शाह मोहम्मद साहब मरहूम, कामदार डेवढ़ी हर हाईनेस नवाब गोहर कुदसिया बेगम साहिबा [illegible]ारवाये, रियासत भोपाल. मजहबी-इबादत इलाही.
२६०	८६९ ता ८७.	मसजिद तकया अनवर शाह वाके अकब जामे मसजिद, चोक बाजार भोपाल. हुदूद अरबा:— मशरिक—सड़क चोक. मगरिब—मकान रज्जूलाल. शुमाल—आराजी मुतल्लिका मसजिद हाजा. जुनूब—मकान.	यक किता मसजिद पुख्ता जीना दो कदमचों का सड़क चोक से डेवढ़ी सदर दरवाजा मशरिक रूया सेहन संगीन हुजरा जुनूबी आबचक में इमारत मसजिद दोहरी सेहदरी है. नीज एक किता आराजी जिसमें मसजिद मजकूर का पेशाबखाना जानिब मशरिक तामीर है और एक पुख्ता कब्र है—बकिया आराजी उपतादा है.	अनवर शाह साहब सूफी मरहूम, साकिन तकिया मजकूर, शहर भोपाल. मजहबी—इबादत इलाही.
२६१	८७१ ता ८८३.	मसजिद सब्जी फरोशान वाके बरलबे पीर दरवाजा रोड, भोपाल. हुदूद अरबा:— मशरिक—पीर दरवाजा रोड. मगरिब—कूचा नाफजा. शुमाल—क्वार्टर्स मौकूफा नं. १–२. जुनूब—आराजी तफरीहगाह खुर्द.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया है सेहन पुख्ता जिस तक पहुंचने के लिये दो कदमचों का जीना सदर दरवाजे से मौजूद है. सकावा गुसल खाना होज, हुजरा इमारत मसजिद दोहरी पांच दरी जिसके आगे बरआमदा चादर पोश पांचदरा मौजूद है जिसकी शुमाली व जुनूबी दीवार में दो-दो खिड़कियां नसब हैं सायेबान चादर पोश जानिब जुनूब नीज तफरीहगाह मुतल्लिका मसजिद जिसकी जानिब मशरिक व मगरिब व जुनूब अलगों की संगीन दीवार कायम है और जो जानिब शुमाल मसजिद की जुनूबी दीवार से मेहदूद है सदर दरवाजा फटकीदार मशरकी दीवार में कायम है उसके आगे तीन कदमचों का संगीन जीना है. दूसरी तफरीहगाह जो, जो उसम सात दुकानें और तीन मकानात. आमदनी सालाना १,६२०) है.	अकराद पंचायत सब्जी फरोशान, भोपाल ने बाहमी चन्दे से तामीर कराई और वक्फ की. मजहबी-इबादत इलाही
२६२	८८४ ता. ८८८.	मसजिद सफीया बेगम साहेबा वाके बरलबे जुमेराती पोस्ट ऑफिस रोड, भोपाल. हुदूद अरबा:— मशरिक—कूचा नाफजा. मगरिब—मकान मोहमदहुसेन साहब मरहूम शुमाल—जुमेराती पोस्ट ऑफिस रोड. जुनूब—मकान शिनार्थी साहब.	यक किता मसजिद पुख्ता संगीन यक मंजिला सदर दरवाजा शुमाल रूया जिसके आगे सात संगीन कदमचों का जीना है. दालान संगीन जिसकी तीन मेहराबें कायम हैं सेहन पुख्ता है. इमारत मसजिद सेहदरी इकहरी. गुसलखाना दो. सकावा जानिब जुनूब. दालान सेहदरा हुजरा मशरिक रूया. नीज इसीसे	सफीया बेगम साहेबा मरहूमा बिन्त बाला जाह अमीरूल मुल्क नवाब सैयद सिद्दीक हसन खां साहब मरहूम, साकिन नूरमहल, भोपाल.

		३	४	५
			मुतल्लिका चार दुकानात जिसमें दो सदर दरवाजे मसजिद के जानिब मशरिक और दो जानिब मगरिब हैं. आमदनी सालाना ५९६) रुपये है.	मजहबी-इबादत इलाही व अदाये मसारिफ मसजिद.
२६३	८८९ ता ८९५.	मसजिद नूरमेहल वाके अन्दरून अहाता नूर-मेहल, शहर भोपाल. हुदूद अरबा:— मशरिक—आराजी ममलूका मियां सैयद जहूरुल हसन खां. मगरिब—गुजरगाह माबेन मसजिद हाजा व आराजियात ममलूका मिरजा फहीम बेग साहब व मिस्टर जाबी साहब. शुमाल—आराजी ममलूका मिस्टर भातो. जुनूब—खानकाह मासूम मियां.	यक किता मसजिद पुख्ता, इसका सदर दरवाजा मगरिब रूया जिसमें चोबी किवाड़ नसब हैं. होज संगीन है. सेहन संगीन. इमारत मसजिद दोहरी जिसमें अलावा सदर मेहराब के हर हिस्से में तीन-तीन दरवाजे हैं. सात जालीदार खिड़कियां मगरबी दीवार में, शुमाली दीवार में सात जालीदार खिड़कियां हैं. मशरिक की जानिब जो दीवार है उसके वस्त में आमदोरफ्त का दरवाजा कायम है व एक चबूतरा संगीन मुतल्लिका मसजिद हाजा जानिब मशरिक सेहन मसजिद कायम इस चबूतरे के जानिब शुमाल चौदह कदमचों का एक जीना और जानिब जुनूब पांच कदमचों का दूसरा जीना मौजूद है इसमें एक दरवाजा दोनों जानिब कायम है व बगीचा मुतल्लिका मसजिद हाजा यह हर चार जानिब से बलन्द व पुख्ता दीवार से महदूद है जिसके शुमाल मगरिब गोशे में एक गुसलखाना और दो पाखाने पुख्ता बने हुए हैं. नीज आराजियात मुतल्लिका मसजिद वाके अकब मसजिद व जानिब जुनूब मसजिद है. व दो किता मकानात एक जानिब जुनूब दूसरा जानिब मशरिक वाके है. यह पुख्ता यक मंजिला है इसमें एक कमरा, दालान व सेहन मौजूद है. आमदनी सालाना १८०) रुपये है.	वालाजाह अमीरुल मुल्क नवाब सैयद सिद्दीक हसन खां साहब मरहूम, शोहर हर हाईनेस नवाब शाहजहां बेगम साहेबा मरहूमा, साबिका फरमारवाये, रियासत भोपाल. मजहबी—इबादत इलाही व अदाये मसारिफ मरम्मत मसजिद.
२६४	८९६	.. मसजिद अमीर बावरची वाके अन्दरून कूचा गैर नाफजा अलीगंज रोड, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान. मगरिब—आबचक. शुमाल—मकान. जुनूब—कूचा गैर नाफजा.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला चादर पोश रास्ता कूचा गैर नाफजा से जो अलीगंज रोड पर जानिब मशरिक वाके है सदर दरवाजे दो एक जानिब जुनूब दूसरा जानिब मगरिब, डेवढ़ी, गुसलखाना, दालान, हुजरा सायेबान चादरपोश इमारत मसजिद सेहदरी जिसकी मगरबी दीवार में तीन जालीदार खिड़कियां और शुमाली व जुनूबी दीवारों में एक-एक अलमारी नस्ब है. इसका सेहन पुख्ता है.	शेख अमीर बावरची मरहूम, साकिन जुमेराती, भोपाल. मजहबी—इबादत इलाही.
२६५	८९७	.. खंडहर मौकूफा अब्दुल रेहमान साहब वाके मुत्तसिल मसजिद मलंगशाह बरलबे पीर दरवाजा रोड, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान पूरन तेली. मगरिब—पीर दरवाजा रोड. शुमाल—मकान मास्टर शोभराव साहब. जुनूब—मकान पूरन तेली.	यक किता खंडर इसका तूल शरकन गरबन २३ फीट अर्ज शुमालन जुनूबन ६ फीट है. यह आराजी मगरिबरूया है. इसमें पहुंचने के लिये एक संगीन जीना सरकारी नाली पर बना हुआ है और मगरिबी दीवार पर संगीन पेशानी नस्ब है. आमदनी सालाना २६ रुपये है.	अब्दुल रेहमान साहब मरहूम सायकल मेकर मोहल्ला बेरून पीर दरवाजा, भोपाल. खेराती—आमदनी अरे किराया उमूर खेर में सर्फ होगी.
२६६	८९८ ता ९१२.	मसजिद मोचियान वाके मोहल्ला मोचियान बेरून जुमेराती दरवाजा, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान रामचरन राव साहब, एडवोकेट. मगरिब—कूचा नाफजा. शुमाल—रास्ता मकानात मुत्तल्लिका मसजिद. जुनूब—मकान मुल्ला अख्तर हुसेन साहब व मकान मुर्शी एहमदअली साहब.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसका सदर दरवाजा मशरिकरूया सेहन पुख्ता इमारत मसजिद दोहरी पांचदरी जिसकी शुमाली दीवार में दो खिड़कियां और जुनूबी दीवार में एक अलमारी नस्ब है. और मगरबी दीवार में पांच मेहराबें बनी हुई हैं बरआमदा चोबी चादरपोश पांचदरा, गुसलखाना, सकावा, नीज एक कमरा पुख्ता मशरिक रूया जिसमें चोबी किवाड़ नस्ब हैं इसकी मशरकी व मगरबी दीवार में एक-एक रोशनदान भी हैं. दूसरे एक किता आराजी जिसमें मिट्टी का फर्श है और उसका तूल शरकन गरबन ४२ फीट है अर्ज शुमालन जुनूबन ९॥ फीट है इसमें आम का एक दरख्त. दूसरी आराजी जिसका तूल शरकन गरबन ४४॥ फीट अर्ज शुमालन जुनूबन ३६। फीट है. इसमें आम के ३ दरख्त. इस आराजी में	अफराद पंचायत मोचियान ने बाहमी चन्दे से तामीर कराकर वक्फ की. मजहबी—इबादत इलाही व मसारिफ मरम्मत मसजिद व कमरा हाजा.

	२	३	४	५
			मसजिद का गुसलखाना, सकावा है. एक रास्ता जिसमें अलगों का फर्श है और जो मसजिद मोचियान और इसके मुतल्लिका मकानात की आमदोरफ्त के लिये है. इसका तूल शरकन गरबन ७१ फीट अर्ज शुमालन जुनूबन जानिब मशरिक ४ फीट९इंच जानिब मगरिब २० फुट है और एक तफरीहगाह मुतल्लिका मसजिद वाकै जानिब शुमाल मसजिद है इसमें ६ कता मकानात सीमेंट के जदीद तरज के अलहदा-अलहदा बने हुए हैं. एक आम का दरख्त भी है. आमदनी सालाना १,१५२ रुपये है.	
२६७.	९१३ ता ९२७.	मसजिद पिंडारान वाकै बरलबे घोड़ा नक्खास रोड, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक व मगरिब—आराजी तफरीहगाह मुतल्लिका मसजिद. शुमाल—मकान नवाब बेग साहब. जुनूब—घोड़ा नक्खास रोड	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला डेवढ़ी बतौर रास्ता दरमियान दुकानात मुतल्लिका मसजिद हाजा सदर दरवाजा मशरिकरूया गोया जुनूब मशरिक में सेहन संगीन, हुजरा मशरिकरूया, दरवाजा सानी मशरिकरूया बस्ते मसजिद में, गुसलखाना, हौज पुख्ता, दालान चादरपोश यक चश्मा सायेबान चादरपोश, इमारत मसजिद पांचदरी, जिसकी मगरिबी दीवार में पांच खिड़कियां है नीज इसमें तफरीहगाह की आराजी भी है इसमें ६ किता दुकानात और दो किता कमरेजात मौजूद हैं. एक दरख्त आम का भी है इसकी मशरिकी व शुमाली दीवार अलगों की बनी हुई है. शुमाली दीवार में एक दरवाजा बगैर फाटक का कायम है और एक हिस्सा तफरीगाह जानिब मगरिब मसजिद हाजा कायम है और बशक्ल मुसल्लस है और मुख्तलिफ किस्म के दरख्तान समरदार और गैर-समरदार नस्ब हैं और फलदार दरख्तान भी मौजूद हैं. आमदनी सालाना ६८५ रुपये है.	नत्थे खां साहब पिंडारान, साकिन मोहल्ला घोड़ा नक्खास, भोपाल. मजहबी-इबादत इलाही व अदाये मसारिफ तामीर मरम्मत मसजिद.
२६८.	९२८ ..	मसजिद कल्लन खां वाकै बेरून पीर दरवाजा, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकानात हफीज मियां व फूलचंद तेली साहेबान. मगरिब—मैदान. शुमाल व जुनूब—कूचा नाफजा.	यक किता मसजिद पुख्ता एक मंजिला सदर दरवाजे दो एक शुमालरूया दूसरा जुनूबरूया हैं. सेहन पुख्ता है हुजरा मगरिबरूया, गुसलखाना, दो हुजरा सानी मशरिक रूया हैं. इमारत मसजिद इकेहरी सेहदरी जिसकी मशरकी व शुमाली व जुनूबी दीवार में एक-एक खिड़की है.	मजहबी इबादत इलाही.
२६९.	९२९ ता ९३०	मकान नं. १ मुतल्लिका वक्फ वाकै मुत्तसिल मसजिद कल्लनखां, बेरून पीर दरवाजा, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक व जुनूब में रास्ता आम. मगरिब व शुमाल—मकानात मौकूफा मुतल्लिका वक्फ हाजा.	यक किता मकान पुख्ता दो मंजिला. मंजिल अव्वल में डेवढ़ी मेहराबदार जुनूबरूया, दालान मेहराबदार दो चश्मा मशरिकरूया दालान सानी सेह चश्मा मशरिक रूया जीना मंजिल दोम के लिये. दोनों दालान के दरमियान कमरा चादरपोश मशरिकरूया, बावरचीखाना, कोठरियां बेरूनी ३, पाखाना बेरूनी एक, मंजिल दोम में कमरा टीनपोश, चांदनी, कमरा सानी टीनपोश. पाखाना मकान की पैमाइश तूल शरकन-गरबन ६४ फीट, अर्ज शुमालन-जुनूबन ४८ फीट है. मकान नं. २ यह भी पुख्ता दो मंजिला है. दरवाजा मशरिक रूया. डेवढ़ी दालान सेह चश्मा शुमाल रूया, कमरा सेहदरा शुमाल रूया. कमरा एक मगरिब रूया ३ दालान हैं, बगली कोठरियां. जीना ऊपर जाने का. सेहन पाखाना, मंजिल दोम में कोठरियां. दालान पांच चश्मा जुनूब रूया कमरा सेहदरा, पैमाइश मकान हाजा की तूल शरकन-गरबन ७२ फीट, अर्ज शुमालन-जुनूबन ३२ फीट.	मुंशी मुस्तुफा खां साहब मरहूम वल्द मोतबर खां साहब मरहूम, साबिक मुस्ताजिर व नायब तहसीलदार रियासत भोपाल मुत्तसिल मसजिद कल्लन खां. खैराती उमूर खेर व मरम्मत मकानात.

	२	३	४	५
२७०	९३१ ..	मकान नं. ३ मुतल्लिका वक्फ वाकै मसजिद कल्लनखां, बेरून पीर दरवाजा., भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक–कूचा नाफजा. मगरिब व जुनूब—मकानात तकिया. ✦ शुमाल–मकान मुनीरखां साहब.	यक किता मकान यक मंजिला जिसका तूल शुमालन व जुनूबन २८ फीट, अर्ज शरकन-गरबन २० फीट है. इसका सदर दरवाजा मगरिब रूया है. दालान सेहदरा मशरिक रूया सेहन व पाखाना भी है. आमदनी सालाना ३६ रुपये है.	मुंशी मुस्तुफा खां साहब मरहूम वल्द मोतबर खां साहब मरहूम, साबिक मुस्ताजिर मुतसिल मसजिद कल्लनखां, भोपाल. खैराती, ईसाल सवाब.
२७१	९३२ ..	मकान नं. ४ मुतल्लिका वक्फ वाकै मुत्तसिल मसजिद कल्लनखां, बेरून पीर दरवाजा, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक–मकान मुनीरखां साहब. मगरिब–मकान सैयद हमीदुल हसन साहब, वकील. शुमाल–कूचा. जुनूब–मकान मुज्जुमियां साहब.	यक किता मकान यक मंजिला जो हरचार जानिब ४० फीट है. इसका सदर दरवाजा शुमाल रूया है. डेवढ़ी, कमरा सेहदरा जुनूब रूया. सायेबान चार चश्मा मगरिब रूया. सेहन. दालान पांच चश्मा शुमाल रूया. कमरा सेहदरा शुमाल रूया दालान सानी पांच चश्मा मगरिब रूया. पाखाना. आमदनी सालाना ४८ रुपये है.	मुंशी मुस्तुफा खां साहब मरहूम वल्द मोतबर खां साहब मरहूम, साबिक मुस्ताजिर मुतसिल मसजिद कल्लनखां, भोपाल. खैराती ईसाल सवाब.
२७२	९३३ ..	मकान नं. ५ मुतल्लिका वक्फ वाकै मुत्तसिल मसजिद कल्लनखां, बेरून पीर दरवाजा. हुदूद अरबा.— मशरिक–मकान हबीबुर्रहमान साहब. मगरिब–मकान हफीजखां साहब. शुमाल–मकान जगन्नाथ, तेली. जुनूब–कूचा नाफजा.	यक किता मकान यक मंजिला जिसका तूल शरकन-गरबन ३० फीट, अर्ज शुमालन-जुनूबन १५ फीट है. इसका सदर दरवाजा लबे सड़क मगरिब रूया है. सेहन, कोठा दो दरा, शुमाल रूया, दालान एक-दरा, बावरचीखाना, कोठरी, पाखाना भी है. आमदनी सालाना १२ रुपये है.	मुंशी मुस्तुफाखां साहब मरहूम वल्द मोतबर खां साहब मरहूम, साबिक मुस्ताजिर मुत्तसिल मसजिद कल्लनखां साहब, भोपाल. खैराती ईसाल सवाब.
२७३	९३४ ता ९३८.	मसजिद नवाब यासीन मोहम्मद खां साहब वाकै अन्दरून पीर दरवाजा, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— हरचार जानिब आराजी मुतल्लिका मसजिद हाजा.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला. जीना संगीन सदर दरवाजे के जानिब शुमाल व जुनूब चबूतरा संगीन. हरदो जीने के बाद सदर दरवाजा मशरिक रूया है. फर्श पुख्ता सकावा हुजरा मगरिब रूया. सायेबान चादरपोश इमारत मसजिद सेहदरी जिसके हर दर में चोबी किवाड़ नसब हैं और शुमाल की जानिब दरीचा है. इसीसे मुतल्लिका आराजी हरचार जानिब है. जानिब शुमाल जो आराजी है उसका तूल शरकन-गरबन ४५ फीट, अर्ज शुमालन जुनूबन जानिब मशरिक ३२ फीट जानिब मगरिब ३० फीट है. आराजी नं. २ जो जानिब जुनूब मसजिद है उसका तूल शुमालन-जुनूबन ४८ फीट, अर्ज शरकन-गरबन २५ फीट है. आराजी नं. ३ जो जानिब मशरिक है उसका तूल शरकन-गरबन ७३ फीट, अर्ज शुमालन-जुनूबन जानिब मशरिक ३० फीट ३ इन्च और जानिब मगरिब २२ फीट ६ इंच है. आराजी नं. ४ जो जानिब मगरिब मसजिद है वह जानिब मशरिक ७७ फीट, जानिब मगरिब ६४ फीट, जानिब शुमाल २१ फीट और जानिब जुनूब ३० फीट है.	नवाब यासीन मोहम्मद खां साहब मरहूम, साबिक जागीरदार, रियासत भोपाल साकिन अन्दरून पीर दरवाजा, भोपाल. मजहबी इबादत इलाही.
२७४	९३९ ..	हुजरा मुतल्लिका मसजिद तकिया अम्मनशाह वाकै मुत्तसिल पेट्रोल पम्प, सेठ सज्जाद हुसेन एहसान हुसेन, हमीदिया रोड, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक व मगरिब व जुनूब–आराजी मौकूफा. शुमाल–इमारत मसजिद तकिया अम्मनशाह.	यक किता हुजरा खाम यक मंजिला सिफाला-पोश मशरकी रूया मुत्तसिल व मुलहिक मसजिद तकिया अम्मनशाह.	अब्दुल वहाब खां साहब, साकिन तकिया अम्मन-शाह, शहर भोपाल. मजहबी अदाये मसारिफ मरम्मत मसजिद व आबादानी मसजिद.
२७५	९४० ता ९४५.	मसजिद कल्ला हम्माल वाकै मोहल्ला आबदाबाद बरलबे पातरा, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक–रास्ता व आराजी मसजिद हाजा. मगरिब व शुमाल–आराजी मसजिद हाजा. जुनूब–सड़क सरकारी.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसका सदर दरवाजा मगरिब रूया है जिसके आगे पांच कदमचों का जीना है सेहन खाम जो सेहन संगीन के हरसेह तरफ है और जिसके अन्दर दरख्तान समरदार व गैर-समरदार नसब हैं. हुजरा मशरिक रूया, सायेबान चादरपोश, इमारत मसजिद सेहदरी जिसके मगरिबी दीवार में तीन खिड़कियां नसब हैं. नीज आराजी नं. १ मुतल्लिका मसजिद जो जानिब मशरिक मसजिद है जिसका तूल शुमालन व जुनूबन	शेख कल्ला साहब मरहूम हम्माल, साकिन मोहल्ला मंगलवारा, शहर भोपाल. मजहबी इबादत इलाही.

			४	५
			मसजिद के जीने के जुनबी सिरे से लेकर मसजिद के शुमाली कोने तक ३३ फीट, अर्ज शरकन-गरबन जानिब शुमाल ८॥ फीट जानिब जुनूब १४॥ फीट है. आराजी नं. २ मुतल्लिका मसजिद जो जानिब शुमाल मसजिद है इसका तूल शरकन-गरबन ६८ फीट, अर्ज शुमालन-जुनूबन १० फीट है. आराजी नं. ३ जो जानिब मगरिब मसजिद है उसका अर्ज शरकन-गरबन २२ फीट और तूल शुमालन-जुनूबन ४८ फीट है.	
७६	९४६ ता ९५१.	मसजिद नो तामीर बन्जारान वाकै मोहल्ला आबदाबाद बरलबे ऐशबाग रोड, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक व मगरिब—आराजी. शुमाल—दुकानात मुतल्लिका मसजिद हाजा. जुनूब—मकान कल्लूखां.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया जिसके आगे पांच कदमचों का एक जीना है. सेहन पुख्ता है, गुसलखाना सायेबान चादरपोश इमारत मसजिद जिसकी मगरबी दीवार में तीन खिड़कियां हैं. नीज आराजी मुतल्लिका मसजिद वाकै पेश सदर दरवाजा इसका तूल शुमालन जुनूबन १६ फीट अर्ज शरकन गरबन २० फीट है व दुकान मुतल्लिका मसजिद जानिब शुमाल मसजिद मजकूर बरलबे ऐश बाग रोड वाकै है. इसके आगे ७ फीट अरीज एक चबूतरा कायम है. इसीसे मुतल्लिक दो कोठरियां जानिब मगरिब मसजिद वाकै हैं व एक हुजरा पुख्ता शुमाल रूया भी है.	इलाहीबक्श साहब मरहूम मुल्तानी बन्जारा, साकिन मोहल्ला बरखेड़ी, शहर भोपाल. मजहबी इबादत इलाही मशारिक मरम्मत मसजिद व दुकानात.
७७	९५२	.. मसजिद गोरियान वाकै मोहल्ला आबदाबाद, अकब नाका चुंगी, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान नस्तर खां साहब मरहूम. मगरिब—मकान मम्मूखां साहब. शुमाल—मकान हमीदखां साहब. जुनूब—बरखेड़ी रोड.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसका सदर दरवाजा जुनूब रूया जिसके आगे चार कदमचों का जीना है, डेवढ़ी, गुसलखाना, सकावा, सेहन संगीन, दालान, जानिब मशरिक व मगरिब रूया पांचदरा दालान सानी जानिब शुमाल व जुनूब रूया सेहदरा, सेहन मसजिद, सायेबान चादरपोश पांचदरा, इमारत मसजिद दोहरी सेहदरी. जिसकी मगरबी दीवार में एक खिड़की है. दूसरा एक जानिब शुमाल है.	बलन्द खां मकन खां साहबान मरहूम गोरियान, साकिनान मोहल्ला बरखेड़ी, शहर भोपाल. मजहबी इबादत इलाही.
७८	९५३ ता ९५४.	मसजिद सरफराज अली वाकै मोहल्ला आबदाबाद, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक व जुनूब—आराजी उफतादा. मगरिब व शुमाल—कूचा नाफजा.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसका सदर दरवाजा शुमाल रूया सेहन खाम जो पुख्ता खिश्त की दीवारों से महदूद है इसमें समरदार दरख्तात नस्ब हैं फुलवार के दरख्त भी हैं. गुसलखाना, सेहन पुख्ता इमारत मसजिद सेहदरी है.	सैयद सरफराज अली साहब मरहूम साकिन मोहल्ला बरखेड़ी, शहर भोपाल. मजहबी इबादत इलाही मरम्मत मसजिद.
७९	९५५ ता ९५६.	मसजिद कलन्दरी वाकै अन्दरून कब्रस्तान मुत्तसिल ट्रेनिंग स्कूल, जहांगीराबाद, भोपाल. हुदूद अरबा.— चहारजानिब आराजी कब्रस्तान.	यक किता मसजिद पुख्ता बिला छत की जिसकी मगरबी पुख्ता दीवार सालिम मौजूद है. इस मसजिद के सेहन में दो पुख्ता कबरें जानिब जुनूब मौजूद हैं. नीज बेरून मसजिद जुनूब मशरकी गोशे में एक दो मंजिला कमरा बना हुवा है जिसकी छत मुन्हदिम हो चुकी है. इसका सदर दरवाजा कमरा हाजा मशरिक रूया है जिसकी चौखटें संगीन मौजूद हैं सेहन मसजिद में आम के दो दरख्त और शरीफों के दरख्त तकरीबन २० होंगे नसब हैं.	मजहबी इबादत इलाही.
८०	९५७ ता ९६४.	मसजिद उमरखां वाकै मुत्तसिल पुलिस क्वार्टर बरलबे तालाब जहांगीराबाद, भोपाल. हुदूद अरबा.— चहारजानिब आराजी मुतल्लिका मसजिद.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया है, जिसके आगे ३ कदमचों का जीना है. जीना सेहन मसजिद के लिये सेहन पुख्ता, इमारत मसजिद सेहदरी जिसकी शुमाली दीवार में एक खिड़की और जुनूबी दीवार में एक अलमारी नसब है. नीज आराजी मुतल्लिका मसजिद वाकै जानिब मशरिक सदर दरवाजा मसजिद के सामने है यह आराजी आहनी खारदार तार से महदूद है, इसमें इमली का एक दरख्त भी है, इसका तूल शुमालन-जुनूबन ७५ फीट अर्ज शरकन-गरबन ५१ फीट है.	मोहम्मद उमर खां साहब मरहूम साकिन मोहल्ला खटलापुरा, शहर भोपाल. मजहबी इबादत इलाही.

१	२	३	४	५
			आराजी नं. २ मुतल्लिका मसजिद वाकै जानिब जुनूब यह आराजी भी आहनी खारदार तारों से मेहदूद है और उसके मगरिब और जुनूब के जानिब कनेर के दरख्त हैं. इसका तूल शरकन-गरबन ५९ फीट और अर्ज शुमालन-जुनूबन ४२ फीट है. आराजी नं. ३ मुतल्लिका मसजिद पैकै जानिब मगरिब इसमें एक दरख्त बरगद का इसका तूल शरकान-गरबन २६ फीट, अर्ज शुमालन-जुनूबन १७ फीट है. आराजी नं. ४ मुतल्लिका मसजिद जानिब शुमाल इसका तूल शरकन गरबन ९५ फीट अर्ज शुमालन जुनूबन १४ फीट है. इस आराजी में ४७ फीट की लम्बाई तक तालाब के अन्दर पुख्ता जीने बने हुए हैं और ४८ फीट तक पुख्ता दीवार बनी हुई है.	
२८१	९६५ ता ९६७.	मसजिद काजी मोहम्मद मनाफ साहब वाकै अन्दरून अहाता काजियान बाजार, जहांगीराबाद, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक व मगरिब व जुनूब—मैदान व रास्ता. शुमाल—आराजी मुतल्लिका मसजिद हाजा.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया है. सेहन सगीन दालान जानिब जुनूब दो-दरा, हुजरा मशरिक रूया, दालान में सकाबा, गुसलखाना मशरिक रूया जिसका दरवाजा बेरून मसजिद है. वजूखाना भी है. नीज एक किता आराजी मुतल्लिका मसजिद जिसका तूल शरकन-गरबन २१ फीट, अर्ज शुमालन-जुनूबन २० फीट है. इस आराजी में एक चबूतरा बतौर जाये वजूह बना हुआ है और जानिब मगरिब पुख्ता दीवार कायम है. एक अमरूद का दरख्त है.	काजी मोहम्मद मनाफ साहब मरहूम, साकिन मोहल्ला जहांगीराबाद, भोपाल. मजहबी इबादत इलाही व अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद मरम्मत मसजिद.
२८२	९६८ ता ९७१.	मसजिद नॉसूमे लाल सैयद खां उर्फ बड़वाली मसजिद वाकै जहांगीराबाद जिन्सी, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—आराजी मुतल्लिका मसजिद. मगरिब—रास्ता. शुमाल—आबचक व मैदान. जुनूब—आराजी मुतल्लिका मसजिद.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला चांदनीदार इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया है. सदर दरवाजा सानी शुमाल रूया है. बरआमदा चादरपोश सदर की दरवाजे के करीब बतौर वजूखाना, गुसलखाना, चौहरा, सकाबा पुख्ता दो सेहन पुख्ता, एक दरख्त बरगद और एक दरख्त नीम का इस्तादा है. बरआमदा पांच-दरा चादरपोश, इमारत मसजिद सेहदरी जिसकी शुमाली व जुनूबी दीवार में एक-एक खिड़की नसब है. निज आराजी मुतल्लिका मसजिद ब जानिब मशरिक मसजिद तूल शुमालन-जुनूबन ३६ फीट, अर्ज शरकन-गरबन ११ फीट ३ इंच है व एक किता हुजरा पुख्ता यक मंजिला चादरपोश जुनूब रूया जिसके आगे एक दालान दो चश्मा बना हुवा है व यक किता आराजी जानिब जुनूब तूल शरकन गरबन ५८ फीट, अर्ज जानिब मशरिक ११ फीट जानिब मगरिब ५ फीट है.	लाल सैयद खां साहब मरहूम, साकिन जहांगीराबाद, भोपाल, मजहबी इबादत इलाही.
२८३	९७२.	मसजिद पेवन्दीपुरा वाकै मेहल्ला पेवन्दीपुरा, आबदाबाद, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—कूचा नाफजा. मगरिब—मकान मतीन साहब. शुमाल—मकान अब्दुलकदीर साहब. जुनूब—मकान गोश मोहम्मद खां साहब.	यक किता मसजिद खाम यक मंजिला सिफालापोश इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया है. वजूखाना सिफालापोश, हुजरा, सेहन, मसजिद पुख्ता.	मुसलमानान एहले मेहल्लाने बाहमी चन्दे से तामीर करके वक्फ की है. मजहबी इबादत इलाही.
२८४	९७३ ता ९७६.	मसजिद मर्दाना जहांगीरी उर्फ मसजिद जिन्सी वाकै जहांगीराबाद, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—कूचा गैरनाफजा. मगरिब—मकान मुतल्लिका मसजिद. शुमाल—आराजी मुतल्लिका मसजिद. जुनूब—मकान अफजल खां साहब.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला चांदनीदार सदर दरवाजा चोबी शुमाल रूया जिसमें एक फाटक आहनी लगा हुवा है. इसके आगे जीना चार कदमचों का है. सेहन खाम व सेहन पुख्ता, दालान एक दरा, हुजरा जिसका एक दरवाजा दालान में दूसरा मसजिद में खुलता है. इमारत मसजिद दोहरी सेहदरी है. हुजरा सानी जिसका दरवाजा जनाना मसजिद में खुलता है. हौज पुख्ता टाइलपोश, गुसलखाना दो व मसजिद जनाना जहांगीरी पुख्ता यक मंजिला चांदनीदार दोहरी सेहदरी है जो मसजिद मरदाना के	हर हाइनेस नवाब शाहजहां बेगम साहेबा मरहूमा, साबिक फरमारवाये, रियासत भोपाल मजहबी इबादत इलाही

		३	४	५
			जुनूब में है व एक दुकान खाम यक मंजिला चादरपोश शुमाल रूया जिसके आगे एक खुला हुवा चबूतरा बना हुवा है और जानिब शुमाल एक चबूतरा खाम है बकिया तीन तरफ अलगों की दीवार से महदूद है. इसका तूल शरकन-गरबन ४८ फीट, अर्ज शमालन-जुनूबन १९ फीट है. सालाना आमदनी ८४ रुपये है.	
	९७७	मकान मुतल्लिका मसजिद जिन्सी वाकै अकब मसजिद मजकूर. हुदूद अरबा.— मशरिक—मसजिद जिन्सी. मगरिब—मकान मिस्टर जोन साहब. शुमाल—हिस्सा सानी मकान खुद वाकिफ था. जुनूब—मकान काजी इसरारउद्दीन साहब.	यक किता मकान खाम यक मंजिला सिफालापोश कोठरी दो पाखाना, सेहन, कुल हिस्सा मकान का तूल शुमालन-जुनूबन ४१ फीट अर्ज शरकन-गरबन २३ फीट है.	अब्दुल रेहमान साहब वल्द मुंशी अब्दुल हकीबख्श साहब मरहूम, बीड़ीसाज वाकै जिन्सी मेहल्ला भोपाल. मजहबी अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद व मरम्मत मसजिद.
८७	९७८	कबरस्तान वाकै पेश मसजिद जिन्सी जहांगीराबाद, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—रास्ता. मगरिब—अहाता साबिक कोठी मुंशी मोहम्मद उमर साहब, मजिस्ट्रेट मरहूम. शुमाल—मकान अब्दुल वहीद खां साहब व आराजी उफतादा. जुनूब—सड़क सरकारी.	यक किता आराजी कबरस्तान जिसकी चार दीवारी मुन्हदिम हो चुकी है जिसमें कदीम, जदीद, पुख्ता व खाम कबरें मौजूद हैं.	हर हाइनेस नवाब शाहजहां बेगम साहेबा मरहूमा, साबिक फरमारवाये, रियासत भोपाल. खैराती तदफीन अमवात.
८८	९७९	मसजिद जामे जहांगीरी मौसूमे मसजिद तोपखाने वाली वाकै मुत्तसिल इमारत थाना जहांगीराबाद, भोपाल, हुदूद अरबा.— मशरिक—मैदान बराये विस्तार मसजिद. मगरिब व शुमाल—आराजी उफतादा. जुनूब—आराजी बतौर आमरस्ता.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला. जीना चार कदमचों का सदर दरवाजे के आगे. इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया. सेहन अव्वल संगीन, गुसलखाना, दो-सेहन, सानी संगीन, हुजरा, इमारत, मसजिद दोहरी चारदरी जिसकी मगरबी दीवार में तीन खिड़कियां व नीज शुमाली व जुनूबी दीवारों में भी खिड़कियां नसब हैं.	नवाब जहांगीर मोहम्मद खां साहब मरहूम शौहर हर हाइनेस नवाब सिकन्दरजहां बेगम साहेबा मरहूमा, साबिक फरमारवाये, रियासत भोपाल. मजहबी इबादत इलाही.
८८	९८०	मसजिद वाकै अन्दरून अहाता लाल कोठी (राजभवन), शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—आराजी उफतादा. मगरिब—मैदान आराजी उफतादा. शुमाल—दीवार अहाता. जुनूब—मैदान.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला चादरपोश फटकी चोबी मशरिक रूया, सेहन पुख्ता, इमारत मसजिद सेहदरी, इस मसजिद में आमदोरफ्त का रास्ता रोशनपुरा रोड से जानिब मगरिब अहाता लाल कोठी की फाटक से है.	हर हाइनेस नवाब शाहजहां बेगम साहेबा मरहूमा, साबिक फरमारवाये, रियासत भोपाल. मजहबी इबादत इलाही.
८९	९८१	मकान मुतल्लिका मसजिद फरीदखां वाकै अन्दरून कूचा गैर नाफजा, मेहल्ला मुत्तसिल मसजिद मजकूर, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान अब्दुलवहीद साहब. मगरिब—कूचा गैर नाफजा व मकान मुंशी अब्दुल हफीज साहब. शुमाल—मकान मुरादखां साहब मरहूम. जुनूब—मकान अब्दुल अजीज साहब व मकान शेख हामिद साहब.	यक किता मकान पुख्ता यक मंजिला व दो मंजिला सिफालापोश. मंजिल अव्वल. सदर दरवाजा मगरिब रूया, सेहन पुख्ता, दालान पुख्ता जानिब शुमाल जिसमें बावरचीखाना कायम है. कमरे दो-दरा जानिब मशरिक व मगरिब रूया. पाखाना अकब कमरा मजकूर जीना मंजिल दोम पर जाने के लिये. मंजिल दोम कमरा दो-दरा मगरिब रूया जानिब मशरिक. चांदनी पुख्ता जानिब शुमाल. आमदनी सालाना १२० रु. है.	मुंशी अब्दुल हफीजखां साहब मरहूम, साबिक मुलाजिम, महकमे मसजिद, भोपाल. मजहबी खैराती बराये मुकूल इमाम साहब मसजिद फरीदखां.
९०	९८२	इमारत बालाखाना मौसूमे डाकखाना चौक वाकै बरइमारत दुकानात जुनूबी लंगरखाना वाकै चौक बाजार, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक व शुमाल—सड़क चौक बाजार. मगरिब व जुनूब—कूचा नाफजा.	यक किता इमारत बालाखाना पुख्ता चांदनीदार मौसूमे डाकखाना चौक जिसका जीना जुनूबी कूचा नाफजा से शुरू होता है इसमें गेलरी जानिब मशरिक व शुमाल व जुनूब जिसकी तीनों सिमतों में आहनी जंगला चोबी चोखट में नसब है. मशरिकी दीवार पर ८ पुख्ता खम्बे बने हुए हैं जिनके चार दर खुले हैं उनमें चोबी चोखटों के अन्दर आहनी जंगला नसब है. शुमाली दीवार पर १२ पुख्ता खम्बे बने हुए हैं, जिनके अन्दर ६ चोबी चोखटों में आहनी जंगला नसब है. जुनूबी दीवार में ८ पुख्ता खम्बे बने हैं जिनमें चोखटों के अन्दर ४ आहनी जंगले नसब हैं हॉल जिसकी मगरबी व	हर हाईनेस नवाब गोहर कुदसिया बेगम साहेबा मरहूमा, साबिक फरमारवाये, रियासत भोपाल. मजहबी खैराती इमदाद यतामा मसाकीन

१	२	३	४	५
			शुमाली व जुनूबी दीवारों में एक-एक दरवाजा और दो-दो खिड़कियां नसब हैं. नीज मगरबी दीवार में भी दो खिड़कियां हैं. कमरा एक हॉल के मगरिब में जिसकी एक खिड़की और एक दरवाजा कमरा सानी मगरबी में खुलता है. कमरा सानी शुमाल रूया जिसका एक दरवाजा और दो खिड़कियां शुमाल में और एक खिड़की जुनूब में है. कमरा सालिस शुमाल रूया इसकी भी दो खिड़किया और एक दरवाजा शुमाल रूया है और एक खिड़की जनूब रूया है. कोठरी मगरिब रूया. सेहन पुख्ता एक कमरा मशरिक रूया जिसकी शुमाली दीवार में दो खिड़कियां और जुनूबी दीवार म एक खिड़की है. पाखाना जीना सानी शुमाल रूया बराये इस्तेमाल जनानखाना. सालाना आमदनी ४८० रुपये है.	
२९१	९८३ ता ९९३.	वहीद सलीम मेमोरियल स्कॉलरशिप ट्रस्ट कायमशुदा बमुकाम शहर भोपाल साबिक महकमे औकाफ एहले इसलाम, रियासत भोपाल (मौजूदा दफ्तर मुसलिम वक्फ बोर्ड, भोपाल.)	यह ट्रस्ट इब्तदाअन मुबलिग १०,००० रुपये के सरमाये से मुसम्मात जेबुन्निसा बेगम साहेबा बेवा अब्दुल वहीद साहब मरहूम साबिक चीफ इन्जीनियर रियासत भोपाल, मोहल्ला अमीरगंज, शाहजहांबाद, भोपाल ने अपने मरहूम शौहर व नीज अपने मरहूम फरजन्द अकबर मिस्टर मोहम्मद सलीम की यादगार में ईसाल सवाब के लिये कायम किया व मकान वकफीया मुतल्लीका वहीद सलीम मेमोरियल स्कॉलरशिप ट्रस्ट, भोपाल. यक किता पुख्ता चांदनीदार यक मंजिला व दो मंजिला इस ट्रस्ट के रुपये से यह मकान शेख महमूद हसन साहब वल्द शेख एहमद हसन साहब, साकिन हसन मंजिल, इब्राहीमपुरा, शहर भोपाल से बिल ऐवज मुबलिग १३,५०० रुपये के महकमे औकाफ ने जरये बयनामा खरीद किया इस मकान में बवक्त खरीदारी चार किता दुकानात भी शामिल थी जो मकान मजकूर की मंजिल अव्वल में बरलबे सुलतानिया रोड वाकें हैं. लकिन बाद खरीदारी दो मुलहिका दुकानात की दरमियानी दीवार मुन्हदिम करके उनको एक दुकान बना लिया गया है और बकिया दो किता दुकानात अलहेदा-अलहेदा ही कायम हैं. दुकानात के अकब में सुकूनती मकान की मंजिल अव्वल तामीर है और दुकानात के ऊपर उसकी मंजिल दोम है. मंजिल अव्वल की छत बतौर चांदनी इस्तेमाल होती है. हरसेह दुकानात पुख्ता दोहरी है और आगे चादरपोश सायेबान है. इनके दरवाजे टूटकदार है व यक किता मकान पुख्ता दो मंजिला जो दुकानात नं. १, २ व ३ के अकब में और उनकी बालाई मंजिल वाकें है इसमें जीना तीन कदमचो का सदर दरवाजा के आगे है. सदर दरवाजा शुमाल रूया है. डेवढ़ी, दरवाजा सानी सेहन संगीन. गुसलखाना, पाखाना, बावरचीखाना, कोठरी, कमरा दो-दरा. दालान पुख्ता सेहदरी, जीना मंजिल दोम पर जाने के लिये मंजिल दोम पर सदर दरवाजा, पाखाना, गुसलखाना, सेहन पुख्ता, कमरा दो कोठरियां, बरआमदा शुमाल रूया चादरपोश चांदनी, भन्डारिया. आमदनी सालाना ८२२ रु. है.	मुसम्मात जेबुन्निसा बेगम साहेबा, साकिन मोहल्ला अमीरगंज, शाहजहां आबाद, भोपाल बेवा अब्दुल-वहीद मरहूम साबिक चीफ इन्जीनियर रियासत भोपाल. खेराती, मुकद्दस कायमी यादगार अब्दुल वहीद खां साहब मरहूम व उनके फरजन्द अकबर मोहम्मद सलीम व इमदाद तुलबा मुसलमानान.
२९२	९९४	उबेदुल्लाखां स्कॉलरशिप ट्रस्ट, शहर भोपाल.	यह स्कॉलरशिप ट्रस्ट मेजर जनरल नवाब मोहसनुल मुल्क हाजी हाफिज मोहम्मद उबेदुल्लाखां साहब बहादुर मरहूम,	आली जनाब मेजर जनरल नवाब मोहसनुल मुल्क हाजी

		३	४	५
			जागीरदार, शिमला डेवढी, भोपाल ने ऐहले मुल्क दवामी आला तालीम दीनी व दुनयवी के लिये वजाइफ दिये जाने की खातिर ७ अक्तूबर सन १९२२ ई० को कायम फरमाया था इसका सरमाया टाटा स्टील एन्ड आयरन कम्पनी लिमिटेड के चार हजार सेकिन्ड प्रिफेरन्स हिस्से पर मुशतमिल है जिनकी मजमई कीमत चार लाख रुपया बरवक्त कायमी ट्रस्ट थी हर हिस्से की कीमत मुबलिग यकसद रुपया है. आमदनी सालाना २८,५०० रुपये है.	हाफिज मोहम्मद एबेदुल्लाखां साहब बहादुर मरहूम, सी. एस. आई., जागीरदार साबिक रियासत, भोपाल. मजहबी खेराती बराये दवामी हुसूल आला तालीम दीनी व दुनयवी.
९३	९९५	.. वक्फ सर सैयद लियाकत अली साहब मरहूम शहर भोपाल कायमशुदा दर साबिक महिकमे औकाफ ऐहले इस्लाम रियासत भोपाल (मौजूदा दफ्तर मुसलिम वक्फ बोर्ड, भोपाल).	यह वक्फ बशक्ल जरे नकद तादादी एक लाख उन्तीस हजार चार सौ चवालीस रुपये चौदा आने नो पाई आली मरतबत नसीरूल मुल्क मोतमदुस सुलतान सर सैयद लियाकत अली साहब मरहूम, एम. ए., एल एल. बी., साबिक मशीरूल मोहाम, रूबकारी खास, रियासत भोपाल के वरसा ने साहब मौसूफ की वफात के बाद उनकी यादगार में कायम किया.	मोहम्मद फारुक साहब अनसार हुसेन साहब, मुसतुजाब बेगम साहेबा इकबाल बेगम साहेबा, सैयद अशफाक हुसेन साहब, केसरजहां बेगम साहेबा, सैयद मोहसिन अली साहब, आयेशा बेगम साहेबा मुसम्मात अनजमुननीसा साहेबा, सैयद खालिदअली साहब, सैयद अरशद अली साहब, सैयद असदअली साहब, मु. सत्तार बेगम साहेबा मु. आबेदा सुलतान साहेबा, मु. शोहदा सुलतान साहेबा, वुरसा सर सैयद लियाकतअली साहब मरहूम ईसाल सवाब, इमदाद गुरबा.
९४	९९६ ता १००९.	मसजिद रहेमत बाकै बिल मुकाबिल पुलिस चौकी मन्दर कमाली, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक–मन्दर कमाली रोड. मगरिब व शुमाल व जुनूब—आराजी मौकूफा मुतल्लिका मसजिद हाजा.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया है गुसलखाने दो, सकावा, हुजरा, सेहन पुख्ता, बरआदमा. इमारत मसजिद सेहदरी है कमरा (हुजरा) मुतल्लिका मसजिद रेहमत वाके बेरून मसजिद जानिब जुनूब यक किता पुख्ता मशरिक रूया जिसमें एक दरवाजा एक खिड़की है इसका रास्ता आराजी मौकूफा में से है. आराजी नं. १ यक किता जिसकी पैमाइश जानिब मशरिक सड़क पुख्ता तक ४२ फीट जानिब मगरिब मैदान तक ५८ फीट जानिब शुमाल आराजी कार्डबोर्ड फैक्टरी तक १०० फीट जानिब जुनूब मसजिद रहमत तक ५२ फीट. आराजी नं. २ मुतल्लिका मसजिद यक किता आराजी जिसमें जामुन दरख्त एक, महानीम का दरख्त एक, गोंदी का दरख्त एक, नीज गुलाब और मोगरे भी नसब हैं. इसका तूल शरकन गरबन ४४ फीट अर्ज शुमालन-जुनूबन १० फीट है. दुकान मुतल्लिका मसजिद रहमत वाके गोशे शुमाल मशरिक मसजिद मजकूर कायम है. व दो गुमटियां जो मसजिद रेहमत के मुतल्लिका हैं गोशे जुनूब मशरिक मौजूद है. आराजी नं. ३ मुतल्लिका मसजिद रेहमत वाके जानिब जुनूब मसजिद यक किता आराजी खाम जिसकी पैमाइश जानिब मशरिक—शुमालन जुनूबन ५४ फीट और जानिब मगरिब २२ फीट शरकन-गरबन जानिब	हर हाइनेस नवाब साहेबा मरहूमा, साबिक फरमारवाये, रियासत भोपाल–. मजहबी इबादत इलाही व मरम्मत मसजिद वगैरा.

१	२	३	४	५
			शुमाल ७ फीट जानिब जुनूब ४८ फीट. इस आराजी के मुख्तलिफ टुकड़े करके अलग-अलग अशखास को किराये पर दे दिये गये हैं. आराजी नं. ४ मुतल्लिका मसजिद रेहमत वाके जानिब जुनूब जिसमें फर्शों की दीवारें बनी हुई हैं और इसके अन्दर आटा चक्की कायम है. मटेरियल किरायेदार का है. आराजी नं. ५ मुतल्लिका मसजिद रेहमत जो आराजी नं. ४ के जुनूब में वाके है जिसमें चोबी फर्शों और चादर की इमारत बनी हुई है जिसका मटेरियल किरायेदार का है लेकिन आराजी मसजिद रेहमत की है इस इमारत में होटल कायम है. आराजी नं. ६ मुतल्लिका मसजिद रेहमत आराजी नं. ५ के जानिब मशरिक वाके है. इसका तूल शुमालन-जुनूबन जानिब मशरिक २८ फीट और जानिब मगरिब २० फीट, अरज शरकन-गरबन जानिब शुमाल १४ फीट जानिब जुनूब २५ फीट है इस आराजी में एक गुमटी है. १६८ रुपये सालाना आमदनी है.	
२९५	१०१० व ११५५.	मसजिद जान बी साहेबा वाके बेरून इमामी दरवाजा, शहर भोपाल हुदूद अरबा.—मशरिक—नूरमहल रोड. मगरिब—मकान अब्दुलकरीम साहब. शुमाल—मकान एजाजुद्दीनखां साहब. जुनूब—आराजी म्युनिसिपल बोर्ड.	यक किता मसजिद, जो सन् १२८६ हिजरी में तामीर हुई यह पुख्ता यक मंजिला है इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया जिसके आगे ५ कदमचों का जीना है. ड्योढ़ी चादरपोश, गुसलखाना व वजूखाना. सकावा. सेहन पुख्ता सायबान चादरपोश, इमारत मस्जिद सेहदरी, जिसकी शुमाली व जुनूबी दीवारों में एक-एक अलमारी कायम है व नीज दोचश्मी मगरिब रूया यक मंजिला पुख्ता दुकान है, जिसके आगे संगीन तोड़ी दासा और आहनी चादर का सायबान नसब है. आमदनी सालाना १२० रुपये है.	मुसम्मात जान बीबी साहिबा मरहूमा जौजे कालेखां साहब मरहूम, साकिन बेरून इमामी दरवाजा, शहर भोपाल. मजहबी, इबादत इलाही व मरम्मत मसजिद व दुकान.
२९६	१०१२ ता १०१९.	वक्फ अब्दुल मजीद खां साहब वाके बाजार इब्राहीमपुरा, बिल मुकाबिल मसजिद पीरजी, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.—मशरिक—मकान मुन्शी इनायतुल्ला साहब, कामदार, मरहूम. मगरिब—इब्राहीमपुरा रोड. शुमाल—सड़क सरकारी. जुनूब—मकान, दुकान इब्राहीम अलीखां साहब.	यक किता मकान पुख्ता व संगीन सेह मंजिल चान्दनीदार, जिसको वाकिफ साहब ने जरये बेयनामा मुवर्रखे १७ नवम्बर, सन् १९३६ई० मुसद्दका रजिस्ट्रीशुदा मुबलिग ४,००९) रुपये में खरीदा था. यह मकान ६ किता दुकानात वाके मंजिल अव्वल और एक किता रिहाइशी मकान वाके मंजिल दोम व सोम पर मुशतमिल है. नीज ६ किता दुकानात मुतल्लिका वक्फ वाके मंजिल अव्वल बरलबे इब्राहीमपुरा रोड, भोपाल, मगरिब रूया, जिसमें चोबी किवाड़ नसब हैं और जिसके आगे संगीन तोड़ी व दासा लगे हुए हैं और उसके आगे आहनी चादर का सायबान कायम है व एक किता मकान पुख्ता व संगीन सेह मंजिला. मंजिल अव्वल.—जीना, जो सड़क सरकारी पर जानिब शुमाल कायम है और उसमें चोबी किवाड़ नसब है. मंजिल दोम में चांदनी पुख्ता, कमरा पुख्ता जानिब मगरिब जिसमें दो दरवाजे मशरिक रूया और तीन दरवाजे मगरिब रूया सड़क की जानिब कायम हैं. बरआमदा सड़क की जानिब तोड़ियों पर कायम है. कोठरियां दो, जिनके आगे पुख्ता बरआमदा संगीन तोड़ियों पर मौजूद है. गुसलखाना व पाखाना जीना मंजिल सोम पर जाने के लिये, चांदनी पुख्ता है. आमदनी सालाना १,६०८ रुपये है.	अब्दुल मजीद खां साहब वल्द अब्दुल रहीमखां साहब, साकिन मोहल्ला मुगलपुरा शाहजहांबाद, शहर भोपाल खैराती-जरे किराये से तामीर, मरम्मत व तुलबा मसाकीन की इमदाद.

	३	४	५
	मस्जिद राजा अब्दुलअलीखां साहब वाके अन्दरून गली मोहल्ला राजाजी, भोपाल. हुदूद अरबा–मशरिक–कूचा गैर नाफजा. मगरिब—मकान मुन्शी अब्दुल कवी सा. शुमाल–मकान हाजी तसदिक हुसेन सा. जुनूब–कूचा नाफजा.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसका सदर दरवाजा जुनूब रूया, जिसके आगे ७ कदमचों का जीना है सेहन संगीन, बरआमदा पांचदरा, इमारत मसजिद सेहदरी जिसकी जुनूबी दीवार में एक खिड़की नसब है. वजूखाना चादरपोश, सकावा, गुसलखाना, हुजरा, मशरकी दीवार. सेहन में आहनी जंगला नसब है और आहनी फटकी लगी है, जिसके आगे ७ कदमचों का जीना व नीज एक किता आराजी तफरीहगाह जिसके हर चार जानिब अलंगों की पुख्ता दीवार बनी हुई है उसका एक दरवाजा मशरिक की तरफ दूसरा दरवाजा मगरिब की तरफ है लेकिन इनमें किवाड़ नसब नहीं हैं व एक किता मकान मुतल्लिका तफरीहगाह पुख्ता जो अलंगों का तामीरशुदा है. छत पुख्ता है इसमें एक कमरा शुमाल रूया और एक पाखाना है.	राजा अब्दुलअलीखां साहब, मरहूम साबिक जागीरदार, साकिन मोहल्ला खिड़की बीस हजारा, भोपाल, मजहबी, इबादत इलाही.
१०२३	मसजिद खिड़की बीस हजारा वाके मोहल्ला मजकूर, भोपाल, हुदूद अरबा.— मशरिक–कूचा नाफजा, मगरिब-तफरहगाह. शुमाल—मकान मकसूद मियां सा. जुनूब—कूचा गैर नाफजा.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसका सदर दरवाजा मशरिफ रूया-सेहन–सकावा गुसलखाना इमारत मसजिद सेहदरी–हुजरा दो मशरिक रूया एक जानिब शुमाल दूसरा जानिब जुनूब है.	मजहबी.—इबादत इलाही.
१०२४ ता १०३४	वक्फ आमनाबी साहेबा वाके मोहल्ला इब्राहीमपुरा बरलब तलैया रोड, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक — मकानात कालूराम साहब व सेठ छोटेराम साहब. मगरिब —तलय्यारोड. शुमाल– मकान सुकूनी सेठ छोटेराम साहब जनूब-कूचा गैर नाफजा.	बरवक्त कायमी वक्फ होना यह जायदाद एक किता मकान पुख्ता व खाम दो मंजिला पर मुश्तमिल था यह जायदाद ३ कतआत पर मुश्तमिल थी जिनमें से किता अव्वल में आठ चश्मे दुकानात बरलबे सड़क थे और और किता दोम में आठ कोठे थे व नीज किता सोम में एक बंगला शामिल था. यह आठ किता दुकानात मंजिल अव्वल बरल बतलय्या रोड शहर भोपाल हैं और बालाखाना मुतल्लिका वक्फ वाके बालाय आठ किता दुकानात व मकान मौसूमे बंगला वाके-अकब दुकानात हैं. आमदनी सालाना ५२८ रुपये हैं.	मुसम्मात आमना बी सहेबा दुख्तर अब्दुल रशीद खां साहब मरहूम बेवा मुन्शी रेहमानुल्ला खां साहब मरहूम साबिक कामदा रसरफ खास साकिन मेहल्ला अड्डा शुबाखां, भोपाल, मजहबी खेराती जरे किराये का निस्फ हिस्स तालीम कुरआन पाक. तालीम मजहबी व निस्फ हिस्सा इमदाद गुरबा व मसाकीन,
१०३५ ता १०३८	मकान मुतल्लिका वक्फ कुलसुम जहां बेगम साहेबा वाके बाजार इब्राहीमपुरा, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान रफीक मियां साहब. मगरिब—इब्राहीमपुरा, रोड. शुमाल—मकान पन्नालाल साहब. जुनूब—मकान इसहाक अली खां साहब.	यक किता मकान पुख्ता दो मंजिला जिसकी मंजिल अव्वल में दो दुकानें और मंजिल दोम में एक बालाखाना है जिसका जीना दुकान नं. २ के करीब से है चूंकि हर जुज का किराया और किरायेदार अलग-अलग हैं इसलिये अलहेदा-अलहेदा सरवे हुआ है. आमदनी सालाना ३७२ रुपये है.	मुसम्मात कुलसुम जहां बेगम साहेबा बिन्त हाजी मोहम्मद अब्दुल करीम साहब नवासी मुंशी मोहम्द जमालुद्दीन साहब बहादुर, साबिक मदाहल मोहाम साहब, रियासत भोपाल. मजहबी, अदाये मसारिफ आबादाना मसजिद व मसारिफ मरम्मत मसजिद व मकान.
९ ता १०४१	मसजिद छीता मिरासन वाके मोहल्ला इस्लामपुरा, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान चोखरी कस्साबान. मगरिब—कूचा नाफजा. शुमाल—मकान व दुकान मुतल्लिका मसजिद. जुनूब—मकान बादला खां साहब.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसका सदर दरवाजा शुमाल रूया जिसके आगे दो कदमचों का जीना है गुसलखाना लब सड़क सदर दरवाजे के जानिब मगरिब जीना तीन कदमचों का सेहन. मसजिद में जाने के लिये सेहन पुख्ता है–वजूखाना– हुजरा जुनूब रूया जिसकी शुमाली दीवार में एक खिड़की है बरआमदा चादरपोश इमारत मसजिद दोहरी सेहदरी व नीज एक किता दुकान पुख्ता जिसके आगे संगीन तोड़ी दासा और चादरपोश सायेबान नस्ब है व एक किता मकान यक मंजिला खाम सिफालपोश रास्ता मकान में जाने का शुमाल रूया लबे सड़क है सहन खाम. दालान शुमाल रूया जिसकी सिम्त गरबी में एक कोठरी है. आमदनी सालाना ११४ रुपये है.	मु. छीता मिसरान साहेबा मरहूमा, साकिन मोहल्ला इस्लामपुरा, शहर भोपाल. मजहबी इबादत इलाही व मसारिफ मरम्मत मसजिद व मकान.

	२	३	४	५
	१०४२ ता १०४३.	मसजिद मुंशी शहामत खां वाके मोहल्ला इसलामपुरा, शहर भोपाल. हुदूद अरबा मशरिक—सड़क सरकारी. मगरिब व शुमाल व जुनूब—कूचा नाफजा.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला. इसका सदर दरवाजा मशरीक रूया है जिसके आगे पांच कदमचों का जीना है, डेवढी, गुसलखाने २, सकावा, पाखाना-सेहन गोशेजुनूब मशरिक में जिसमें जामन का एक दरख्त रुइदा है, वजुखाना चादरपोश, हुजरे दो, दालान सेहदरा पुख्ता जिसके आगे चादरपोश सायेबान है. बरआमदा पांचदरा मशरिक रूया चादरपोश. इमारत मसजिद सेहदरी जिसकी मगरबी दीवार में तीन खिड़कीयां और शुमाली दीवार में एक जालीदार ताकचा है.	मुंशी शहामतखां साहब मरहूम साकिन मोहल्ला इसलामपुरा, शहर भोपाल, मजहबी-इबादत इलाही.
३०३	१०४४ ...	मकान नं. १— मुतल्लिका मसजिद मुंशी शहामत खां वाके मेहल्ला इसलामपुरा, भोपाल. हुदूद अरब.— मशरिक—मकान इमामबक्ष साहब. मगरिब व जुनूब—कूचा नाफजा. शुमाल—मकान फजलु रेहमान साहब.	यक किता मकान खाम सिफालापोश. इसका सदर दरवाजा मुशतरका. दालान सेहदरा शुमाल रुया जिसके मशरीकी जानिब एक कोठरी है. आमदनी सालाना ८४ रुपये है.	मुसम्मात उमदाबी साहेबा मरहूमा जौजे बरकत मोहम्मद साहब मरहूम साकिन मुत्तसिल मन्दर छे कोड़ी बेरून इतवारा, शहर भोपाल, मजहबी—जरे किराया मसजिद की जुरूरीयात में सर्फ होगा.
३०४	१०४५ ता १०४८.	मकान नं. २—मुतल्लिका मसजिद मुंशी शहामत खां वाके मोहल्ला इसलामपुरा, शहर भोपाल. हुदूद अरबा— मशरिक—सड़क सरकारी. मगरिब व शुमाल व जुनूब—कूचा नाफजा.	यह मकान मुसलमानान एहले मोहल्ला ने बाहमी चन्दे से खरीद कर और तामीर करके मसजिद में वक्फ किया है. इसमें लबे सड़क दो किता दुकानदात बनी हुई हैं जिनके अकब में रिहायशी मकान है. यह दो किता दुकानात यक चश्मा दोहरी बरलबे सड़क जिसके आगे चबूतरा और चादरपोश सायेबान कायम है व मकान खाम सिफालापोश चादरपोश यक मंजिला है. इसका सदर दरवाजा मगरिब रूया है सहेन बावरचीखाना पाखाना-दालान सहे चश्मा मगरिब रूया, कोठा एक मगरिब रूया है. २८८ रुपये सालाना आमदनी है.	मुसलमानानएहले मोहल्ला ने बाहमीचन्द से मकान हाजा खरीद कर और तामीर करके वक्फ किया. मजहबी—जरे किराया मसजिद की जुरूरीयात में सरफ होगा.
३०५	१०४९ ता १०५१.	मसजिद हुसेन बक्ष बावरची वाके मुत्तसिल ग्राउंड सईदीया स्कूल, इसलामपुरा, भोपाल. हुदूद अरब.— मशरिक—आराजी मोकूफा मुतल्लिक मसजिद. मगरिब—क्वार्टर सरकारी. शुमाल—कम्पाउन्ड खास टी.बी. अस्पताल. जुनूब—सईदीया स्कूल ग्राउंड.	यक किता मसजिद पुख्ता एक मंजिला, फाटक आहनी मशरिक रूया जो बतौर सदर दरवाजे के इस्तेमाल होता है. सेहन खाम है जिसमें शहतूत के दो दरख्त व सुरजना के दो दरख्त, मदोकामनी का एक दरख्त, चुड़ेल का एक दरख्त रुइदा है. हुजरा एक मशरिक रूया. गुसलखाना, सकवा सेहत संगीन जिसकी मशरिकी व शुमाली व जुनुबी दीवारो पर आहनी जंगला नसब है. बरआमदा पांच दरा, चादरपोश, इमारत मसजिद सेहदरी जिसकी शुमाली दीवारों में एक अलमारी व जुनूबी दीवार में एक खिड़की नसब है. नीज आराजी मुतल्लिका मसजिद यक किता खाम जिसमें किरायेदार ने एक दालान बना लिया है. यह आराजी जानिब मशरिक मसजिद है. आमदनी सालाना ६० रुपये है.	हुसेन बक्ष साहब मरहूम बावरची, साकिन मोहल्ला छावनी, खिला बेतियान, शहर भोपाल, मजहबी—इबादत इलाही.
३०६	१०५२ ता १०५३.	मसजिद कालेखां अरदोज वाके मोहल्ला जोगीपुरा, बेरून बुधवारा, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—सड़क सरकारी. मगरिब व जुनब—रास्ता आम. शुमाल—मकान हेदरबेग साहब.	यक किता मसजिद पुख्ता एक मंजिला इसका सदर दरवाजा मगरिब रूया है. रास्ता निस्तारी, गुसलखाना, पैशाबखाना, सकावा, हुजरे दो, दालान दोदरा जिसकी जुनूबी दीवार में दो खिड़कियां नसब हैं. इमारत मसजिद सेहदरी है. बरआमदा चादरपोश सेहदरा दरवाजा सानी मशरिक रूया जिसके आगे छं कदमचों का जीना है. सेहन मसजिद जिसमें एक मोरसली का दरख्त, एक चमेली का दरख्त, एक नीम का दरख्त रोइदा है.	कालेखां साहब मरहूम अरदोज, साकिन मोहल्ला जोगीपुरा, बेरून बुधवारा, शहर भोपाल, मजहबी—इबादत इलाही.

१	२	३	४	५
१०७	१०५४ ..	मकान वकफीया दीन मोहम्मद साहब वाके मोहल्ला अहीरपुरा, बेरून बुधवारा, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—कूचा नाफजा. मगरिब—मकान मौलवी वाहिदअली साहब. शुमाल व जुनूब—मकान अख्तर हुसेन साहब.	एक किता मकान खाम एक मंजिला सिफाला-पोश. इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया, सेहन, दालान दो, चश्मा दो एक मशरिक रूया दूसरा शुमाल रूया हैं. कोठरी दालान के अन्दर हैं, पाखाना भी है.	दीन मोहम्मद साहब मरहूम साकिन मोहल्ला अहीरपुरा, बेरून बुधवारा, भोपाल. खैराती,—जेरे किराया फार हाय खैर.
१०८	१०५५ ..	मसजिद आतूजी साहब वाके अन्दरून पारक मोसूमे मनाजिर सुल्तानी, अकब चौकी पुल पुख्ता, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक— भगवानदास मार्ग. मगरिब, शुमाल व जुनूब—कबरस्तान.	यक किता मसजिद पुख्ता एक मंजिला, जोना २८ कदमचों का सदर दरवाजे के आगे. इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया है. डेवढ़ी, सेहन संगीन जिसके जानिब मशरिक व जुनूब दो फीट बलन्द पुख्ता दीवार तामीर हैं. सेहन पुख्ता, हौज पुख्ता, मदोकामनी का एक दरख्त सेहन में रोईदा है. इमारत मसजिद दोहरी संगीन जिसके शुमाली दीवार में एक अलमारी और जुनूबी दीवार में एक खिड़की नसब हैं.	हजरत मोलवी उरबनजी साहब अफगानी उर्फ आतूजी साहब साकिन मुत्तसिल मसजिद मजकूर, मजहबी—इबादत इलाही.
१०९.	१०५६ ता १०५७.	कबरस्तान नं. १ मोसूमे अकब चौकी पुलिस, पुल पुख्ता, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—भगवानदास मार्ग. मगरिब—मकान सैयद नूर साहब, पेन्शनर. शुमाल—मकानात व सुल्तानिया रोड. जुनूब—आहाता बक्षी मोहम्मद हुसेन खां साहब.	यक किता कबरस्तान जिसके अन्दर कदीम पुख्ता खाम कबरें मोजूद हैं व यक किता खंडर जिसकी सिरफ शिकस्ता दीवारें मोजूद हैं. यह मकान तकयेदार का था. जो ला-वल्द फोत हो चुका है.	साबेका हुकूमत रियासत भोपाल. खैराती, बराये तदफीन अमवात मुसलमानान.
११०.	१०५८ ..	कबरस्तान नं. २ वाके जानिब जुनूब मसजिद आतूजी साहब, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—भगवानदास मार्ग. मगरिब—आराजी उफतादा व रास्ता आम. शुमाल—मसजिद आतूजी साहब. जुनूब—खानका मोलवी जियाउद्दीन साहब मरहूम.	यक किता आराजी कबरस्तान जिसमें बहुत-सी कदीम जदीद और पुख्ता खाम कबरें मोजूद हैं.	साबेका हुकूमत रियासत भोपाल. खैराती, बराये तदफीन अमवात मुसलमानान.
१११.	१०५९ ता १०६०.	कबरस्तान नं. ३ मोसूमे ख्वाजा शीरीं रफन साहब वाला वाके अकब मसजिद आतूजी साहब, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—कबरस्तान नं. १ व मसजिद आतूजी साहब. मगरिब व शुमाल—कबरस्तान नं. १. जुनूब—आराजी उफतादा.	यक किता कबरस्तान जो बुलन्द पुख्ता दीवारों से मेहदूद है. इसका एक दरवाजा जानिब मशरिक कायम है जिसमें आहनी सलाखदार किवाड़ नसब हैं. दूसरा दरवाजा जानिब जुनूब कायम है जिसमें चोबी किवाड़ लगे हैं. इस कबरस्तान में इसमें हजरत ख्वाजा शीरीं व उनके खलीफा वगैरा की कबरें मोजूद हैं. इसमें एक किता मकान पुख्ता सेहदरा मशरिक रूया है जिसका फर्श भी पुख्ता है.	हजरत ख्वाजा शीरीं रकम साहब रहेमतुल्ला इलेह ने अपनी हयात में आराजी खरीद कर वक्फ फरमाई है. खैराती, तदफीन अमवात.
११२.	१०६१ ..	कबरस्तान वाके अन्दरून अहाता नवाब साबित मोहम्मद खां साहब मरहूम, बेरून बुधवारा, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान अब्दुल मजीद खां साहब. मगरिब—मकान कुद्दूस खां साहब वगैरा. शुमाल—मकान टायरवाले साहब. जुनूब—मकान मोहम्मद ऐहसन साहब.	यक किता आराजी कबरस्तान जिसमें खाम व पुख्ता कदीम व जदीद कबरें मोजूद हैं.	साबेका हुकूमत रियासत भोपाल. खैराती तदफीन अमवात मुसलमानान.
११३.	१०६२ ता १०६४.	मसजिद दगेखां वाके बरलबे तालाब खुर्द मोहल्ला नल्या भगवानदास मार्ग, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—घांट पुख्ता. मगरिब—हुजरा. शुमाल—घांट पुख्ता. जुनूब—तालाब.	यक किता मसजिद पुख्ता टायल्पोश जिसका रास्ता संगीन घांट के ऊपर से है उसका सदर दरवाजा शुमाल रूया. सेहन जो पुख्ता जालीदार दीवार से मेहदूद है इमारत मसजिद दोहरी सेहदरी है. नीज आराजी मुतल्लिका मसजिद दगेखां यक किता खाम जिसमें एक हुजरा तामीर है.	दगेखां साहब जागीरदार मरहूम साकिन बेरून, बुधवारा दरवाजा, शहर भोपाल. मजहबी इबादत इलाही
११४.	१०६५ ..	कबरस्तान दगेखां वाके अकब मसजिद दगेखां. हुदूद अरबा.— मशरिक—भगवानदास मार्ग. मगरिब—मकानात भोइपुरा. शुमाल व जुनूब—रास्ता.	यक किता आराजी कबरस्तान जिसमें कदीम, जदीद पुख्ता व खाम कबरें बनी हुई हैं.	साबेका हुकूमत, रियासत भोपाल. खैराती, बराये तदफीन अमवात.

१	२	३	४	५
११५	१०६६ ता १०६७	मसजिद नलयावाली वाके मोहल्ला सलदा मुत्तसिल भगवानदास मार्ग, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक व जुनूब—तालाब. मगरिब व शुमाल—भगवानदास मार्ग.	साबिक में एक खाम मसजिद बनी हुई थी जो मुन्हदिम हो गई. उसकी जगह अब एक जदीद मसजिद पुख्ता तामीर हो रही है जिसको मुसलमानान ऐहले मोहल्ला बाहमी चन्दे से तामीर करा रहे हैं. नीज एक किता आराजी खाम जो इमारत मसजिद मजकूर के शुमाली जानिब है जिसमें मसजिद का हुजरा तामीर होगा.	मसजिद हाजा ऐहले मोहल्ला बाहमी चन्दे से तामीर करा रहे हैं. मजहबी इबादत इलाही.
११६	१०६८ ..	कबरस्तान फीरोज खेलान वाके बेरुन बुधवारा, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक व शुमाल—मकानात. मगरिब—हामीखाना रोड. जुनूब—रास्ता आम.	यक किता आराजी कबरस्तान जिसकी मगरबी व जुनूबी पुख्ता अलगों की दीवार हाये अहाता कद्दे आदम बुलंद मोजूद है. इसमें पुख्ता व खाम कदीम व जदीद कबरें मोजूद हैं.	साबेका हुकूमत रियासत, भोपाल. खेराती, तदफीन अमवात.
११७	१०६९ ता १०७७	मसजिद बादशाह बहू वाके मुत्तसिल आबेदा गार्डन बरलबे तालाब, जहांगीराबाद, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— हरचार जानिब आराजी मुतल्लिका मसजिद.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला, इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया जिसके आगे तीन कदमचों का जीना है. सेहन पुख्ता जिसकी शुमाली व जुनूबी दीवार में एक दरवाजा आराजीयात मुतल्लिका में आने-जाने के लिये कायम है. सकावा, गुसलखाना, हुजरा, इमारत मसजिद दोहरी पांचदरी जिसकी गरबी दीवार में तीन खिड़कियां और दो अलमारियां नसब हैं और शुमाली व जुनूबी दीवार में एक-एक खिड़की है. नीज आराजी यक किता खाम जानिब मशरिक पेश दरवाजा मसजिद जिसके हुदूद मसजिद की मशरकी दीवार के जुनूब मशरिकी गोशे से लेकर शुमाल मशरकी गोशे तक जानिब मशरिक ५८ फीट और जानिब मगरिब ७८ फीट है और शरकन गरबन जानिब जुनूब-मशरकी गोशे दीवार जुनूबी से लेकर मशरकी हद तक २५ फीट और जानिब शुमाल ६६ फीट है. यह आराजी जानिब मशरिक व शुमाल अलंगों की पुख्ता दीवार से मेहदूद है जिस पर आहनी जंगला नसब है. शुमाल की जानिब मसजिद में आने-जाने के लिये एक बड़ा आहनी फाटक लगा हुआ है जिसमें १०० दरख्त कनेर और दो दरख्त मदोकामनी के नसब हैं व आराजी मुतल्लिका मसजिद खाम जिसमें एक खाम और एक पुख्ता कबरें बनी हुई हैं और समरदार दरख्तान भी मोजूद हैं. इस आराजी के जानिब मशरिक आहनी जंगला नसब है और जानिब मगरिब व जुनूब पुख्ता जालीदार दीवार बनी हुई है. इसका तूल शरकन गरबन जानिब शुमाल १०६ फीट, जानिब जुनूब १०० फीट, अर्ज शुमालन जुनूबन जानिब मशरिक ७३ फीट और जानिब मगरिब ५ फीट है. आराजी नं. ३—खाम जिसकी मशरकी दीवार अलंगों की पुख्ता ३ फीट बलन्द बनी हुई है जिसपर संगीन पेशानियां नसब हैं. मगरबी दीवार पुख्ता जालीदार शुमाल की जानिब आहनी जंगला लगा हुआ है. तूल शुमालन जुनूबन १२० फीट लेकिन वस्त में १९ फीट है, अर्ज शरकन गरबन जानिब शुमाल १२ फीट और जानिब जुनूब ५ फीट है. आराजी नं. ४—यक किता खाम जो शुमाल की जानिब आहनी जंगले से मेहदूद है. इसमें कठल का एक दरख्त, आम का एक दरख्त, मदोकामनी का एक दरख्त और कनेर के १०० दरख्त नसब हैं. इसका	मुसम्मात बादशाह बहू साहेबा मरहूमा साबिक जागीरदार, रियासत भोपाल. मजहबी, इबादत इलाही.

	३	४	५
		तूल शरकन गरबन जानिब शुमाल १०० फोट, जानिब जनूब ८६ फोट है और अर्ज शुमालन जूनूबन जानिब मशरिक १२ फोट, जानिब मगरिब ७४ फोट है.	
	मस्जिद रिसाला जुवाबित वाके अन्दरून जुवाबित लाइन, मोहल्ला बरखेड़ी, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— हरचार जानिब मैदान.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला, चादर-पोश. इसका सदर दरवाजा शुमाल रूया है सेहन संगीन, सकावा, बरआमदा चादर-पोश सेहदरा, इमारत मसजिद सेहदरी है व यक किता आराजी चबूतरा जो मस-जिद के मशरक की दीवार से मिला हुवा वाके है. इसका अर्ज ७ फोट है. इसके जनूबी गोशे में मसजिद का पेशाबखाना बना हुवा है.	अफसरान व सिपाहि-यान मुसलमानान मुलाजिम रिसाला जुवाबित ने बाहमी-चन्दे से तामीर कराके वक्फ की है. मजहबी, इबादत इलाही.
०८० ता १०८१	मसजिद कुलसुम जहां वाके अन्दरून बुधवारा, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—बुधवारा रोड. मगरिब—मकान मौकूफा. शुमाल—सुल्तानिया रोड. जुनूब—मकान बाकर हुसेन.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला सदर दरवाजा शुमाल रूया जिसके आगे चार कदमचों का जीना है. डेवढी पुख्ता चांदनी-दार, होज, आबदारखाना, वजूखाना, गुसलखाना २. सकावा—हुजरा मशरिक रूया. इमारत मसजिद दोहरी आठ दरी जिसके अन्दरूनी हिस्से में पुख्ता पार्टीशन है. बरआमदा चादरपोश—सेहदरी पुख्ता सेहचश्मा शुमाल रूया बरआमदा चादर पोश शुमाल रूया. हुजरा दो शुमाल रूया सदर दरवाजा सानी मशरिक रूया, चांदनी-दार जिसके करीब कठल का एक दरख्त रोइदा है.	कुलसुमजहां बेगम साहेबा मरहूमा बिन्त हाजी मोहम्मद अब्दुल करीम साहब मरहूम नवासी मुन्शी मोह-म्मद जमालुद्दीन साहब बहादुर साबिक मदा-रूल मोहाम, रियासत भोपाल. मजहबी, इबादत इलाही.
८२ ..	मसजिद मीर बख्शी साहब वाके मोहल्ला गुलया दाई, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—कोतवाली रोड. मगरिब—आबचक. शुमाल—मकान अब्दुलअलीमखां सा० जुनूब—कूचा नाफजा.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला जिसका सदर दरवाजा मशरिक रूया जिसके आगे चार कदमचों का जीना है. सेहन अव्वल संगीन पाखाना जानिब जुनूब—सेहन दोम संगीन सकावा दो. वजूखाना, सिफाला पोश. हुजरे दो. इमारत मसजिद सेह-दरी जिसकी शुमाली व जुनूबी दीवारों में एक-एक अलमारी नसब है.	मीर बख्शी एहमद हसन खां साहब मरहूम साबिक जागीरदार, साकिन मुत्तसिल मद-रसा सुलेमानिया, शहर भोपाल, मजहबी—इबादत इलाही.
८३ ता १०८५	कबरस्तान मोसूमे कवेलू घर वाके मुत्तसिल मवेशी बाजार, जहांगीराबाद, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—मोतिया तालाब. मगरिब—जेल रोड. शुमाल—मोतिया तालाब व आबादी कोलीपुरा. जुनूब—नाला.	यक किता कबरस्तान जिसमें पुख्ता व खाम—कदीम जदीद कबरें हैं. एक कुआं भी बना हुवा है. इमली जामुन के दरख्त १२ व इमली के दरख्त २, आम के दरख्त ४, नीम का दरख्त १ रोइदा है.	साबिक हुकूमत रिया-सत भोपाल. खेराती, तदफीन अमवात.
८६ ता १०८९	कबरस्तान मोसूमे जेर कोह अरेडा, जहांगीरा-बाद, भोपाल. हुदूद अरबा.—मशरिक—मोतिया तालाब. मगरिब—जेल रोड. शुमाल—नाला व कबरस्तान कवेलू घर जुनूब—कोह अरेडा व आराजी माफी ऐजाज मसीह.	यक किता आराजी कबरस्तान जिसमें पुख्ता व खाम कदीम व जदीद कबरें मोजूद हैं और इसमें समरदार और गेर समरदार दरख्तान इस्तादा हैं. नीज एक आहाता मजार शरीफ पुख्ता जिसमें हजरत शाह अब्दुल अलीम साहब कादरी रेहमतुल्ला अलेह का मजार मुबारिक है.	साबिक हुकूमत रिया-सत भोपाल. खेराती, अदाये मसारिफ तहफ-फुज बका कबरस्तान व दरखतान.
९० ..	आराजी वकफीया मुतअल्लिका मसजिद रानी साहेबा मुन्दरजा सिलसिला नं. ४५ वाके मुत्तसिल मसजिद मजकूर. हुदूद अरबा.—मशरिक—रास्ता आम. मगरिब—मकान रफकूखां साहब. शुमाल—मसजिद. जुनूब—दुकानात वकफीया.	यक किता आराजी जो चोबी फर्श से महदूद है और इसमें लकड़ी का पीठा लगा हुवा है. आमदनी सालाना १५) है.	हर हाईनेस नवाब सुल-तान जहां बेगम साहेबा मरहूमा साबिक फर-मारवाये, रियासत भोपाल. मजहबी—अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद व मसारिफ मरम्मत मसजिद.
९१ ता १०९२	कबरस्तान मोसूमे झदावाला पुलीस स्टेडियम, जहांगीराबाद, भोपाल. हुदूद अरबा.—मशरिक—जेल रोड. मगरिब—झदा व मकान मुन्दरजा सिलसिला नं. १०९४. शुमाल—आराजी उफतादा. जुनूब—नाला.	यक किता आराजी कबरस्तान जिसमें पुख्ता व खाम जदीद व कदीम कबरें बनी हुई हैं. इसमें दो दरख्त आम, एक दरख्त इमली, एक दरख्त कबीट, २५ दरख्त शरीफा, एक दरख्त नीम, एक दरख्त शीशम रोईदा है.	साबिक हुकूमत रिया-सत भोपाल. खेराती—तदफीन अमवात मुसलमान.

१	२	३	४	५
३२५	१०९३ ता १०९८	मसजिद मोसूमे क्षदा वाली वाकै मुत्तसिल पुलिस स्टेडियम, जहांगीराबाद, भोपाल—हुदूद अरबा.—मशरिक—आराजी नं. १ मुन्दरजा सिलसिला नं. १०९५. मगरिब—जुनूब आराजी उफ्तादा. शुमाल—मकान मुन्दरजा सिलसिला नं. १०९४.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला चादर-पोश फटकी चोबी बतौर सदर दरवाजा—सेहन पुख्ता—इमारत मसजिद सेहदरी व नीज एक किता मकान मुतल्लिका मसजिद वाकै जानिब शुमाल खाम यक मंजिला जिसकी छत ऐसबेस्टस शीट की है यह कोठा-नुमा है इसके पाखाने की दीवार टट्टे की बनी हुई है व यक किता आराजी नं १ खाम जिसका तूल शरकन गरबन ६५ फिट और अर्ज शुमालन जुनूबन २८ फिट है. इसी तरह आराजी नं. २ मुतल्लिका मसजिद हाजा खाम उफ्तादा जिसके शुमाल मगरिबी गोशे में मसजिद का पेशाबखाना बना हुवा है इसमें शहतूत का एक दरख्त और कनेर के दस दरख्त रोइदा हैं इसका तूल शरकन गरबन २५ फिट अर्ज शुमालन जनूबन २१ फिट है.	मजहबी—इबादत इलाही
३२६	१०९९ ता ११०३	मसजिद मोसूमे कोह अरेडा उर्फ सेन्ट्रल जेल वाकै बिल मुकाबिल सदर दरवाजा, सेन्ट्रल जेल, भोपाल, हुदूद अरबा.—मशरिक—आराजी. मगरिब व शुमाल—आराजी उफ्तादा. जुनूब—मकान मुन्दरजा सिलसिला नं. ११००.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसका सदर दरवाजा फाटकनुमा शुमाल रूया. सेहन पुख्ता बरआमदा चोबी पांच दरा चादरपोश. इमारत मसजिद सेहदरी जिसकी शुमाली व जुनूबी दीवारों में एक एक खिड़की नसब है व नीज यक किता मकान मुतल्लिका मसजिद पुख्ता यक मंजिला चादरपोश सदर दरवाजा मशरिक रूया है. सेहन खाम जिसमें केले व अरन्ड ककड़ी व मोरसली के दरख्तान नसब हैं. फुलवार के मुतफर्रिक दरख्त भी हैं. इसमें सकावा व गुसलखाना, दालान चादर-पोश, दोदरा कमरा शुमाल रूया जिसकी छत पुख्ता है व आराजी मुतल्लिका मसजिद कोह अरेडा उर्फ सेन्ट्रल जेल पेश मसजिद जो मसजिद की मशरकी दीवार से सड़क सरकारी तक चली गई है और खारदार तार से मेहदूद है.	हर हाइनेस नवाब शाहजहां बेगम साहेबा मरहूमा, साबिक फरमारवाये, रियासत भोपाल मजहबी—इबादत इलाही.
३२७	११०४ ता ११०६	मसजिद समरसतान उबेद बरकोह शिमला, भोपाल. हुदूद अरबा—मशरिक व मगरिब—मैदान. शुमाल व जुनूब—इमारत.	यक किता-मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसका सदर दरवाजा मेहराबी मशरिक रूया जिसमें फटकीनुमा दरवाजा लगा हुवा है और जिसके आगे सात कदमचों का जीना है. दरवाजा मेहराबी सानी शुमाली दीवार में जिसमें फटकी लगी है दरवाजा मेहराबी सालिस जुनूबी दीवार में जिसमें भी फटकी लगी हैं. सेहन पुख्ता है, बरआमदा आहनी टायलपोश पांच दरा. इमारत मसजिद पांच दरी जिसकी शुमाली व जुनूबी दीवार में एक एक खिड़की नसब है व नीज मकान नं. १ मुतल्लिका मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसमें एक दालान जिसका एक दरवाजा मशरिक रूया है और तीन दरवाजे शुमाल रूया हैं. उन दरवाजों के आगे सीमेंट का पुख्ता बरआमदा बना है. मशरकी दरवाजे के आगे सेहन दीवार शुमाली के साथ-साथ यह सेहन मशरकी व शुमाली जानिब दो फिट बलन्द पुख्ता दीवार से मेहदूद है और उस मकान में आने का रास्ता शुमाली फटकी से है. मकान नं. २ मुतल्लिका मसजिद यह भी पुख्ता यक मंजिला जो एक पुख्ता दालान पर मुतमिल है जिसकी छत और फर्श भी पुख्ता है. इसमें तीन दरवाजे मशरिक रूया और आगे संगीन सेहन है और उसके बाद मसजिद की जुनूबी दीवार के बराबरी खाम सेहन है.	नवाब मोहसनुल मुल्क हाफिज हाजी जनरल मोहम्मद उबेदुल्ला खां साहब बहादुर, मरहूम मालिक, शिमला कोठी, शहर भोपाल. मजहबी.—इबादत इलाही.

२	३	४	५
११०७ व ११०८	मसजिद भदभदा वाके शहर भोपाल. हुदूद अरबा—मशरिक—सड़क सरकारी. मगरिब—आराजी असगर मियां साहब. शुमाल—आराजी मुतल्लिका मसजिद. जुनूब—आराजी उफ्तादा.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला. इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया है. सेहन पुख्ता. इमारत मसजिद. सेहदरी जिसकी शुमाली दीवार में एक अलमारी और जुनूबी दीवार में एक पुख्ता जालीनुमा खिड़की नसब है. नीज मगरबी दीवार में दो जालीनुमा हवादार ताकचा बने हैं. नीज आराजी यक किता खाम जिसका तूल शरकन गरबन २७ फिट अर्ज शुमालन जुनूबन २० फिट है. यह आराजी मसजिद के जुनूब में वाके है.	मुसलमानान देहने मौजा भदभदा ने बाहमी चंदे से तामीर कराके वक्फ की है. मजहबी इबादत इलाही.
११०९ ..	आराजी नं. १ मुतल्लिका मसजिद भदभदा वाके जानिब शुमाल मसजिद. हुदूद अरबा—मशरिक—सड़क सरकारी. मगरिब—आराजी असगर मियां. शुमाल—मकान मुतूल बी साहेबा. जुनूब—मसजिद.	यक किता आराजी खाम जिसका तूल शुमालन जुनूबन २६ फिट ६ इंच और अर्ज शरकन गरबन २५ फिट ६ इंच है.	मौलवी मजहर एहमद साहब अदहमी मरहूम. साकिन मोहल्ला फतेहगढ़. भोपाल. खैराती बराये निस्तार मसजिद.
१११० ता १११२	मसजिद थाना जहांगीराबाद वाके मुत्तसिल गर्ल्स स्कूल, जहांगीराबाद, भोपाल. हुदूद अरबा—मशरिक—बाजार रोड. मगरिब गर्ल्स स्कूल. शुमाल—मकान अब्दुल मजीद खां साहब. जुनूब—मैदान.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला. इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया है. हुजरा गुसलखाना. सकावा सेहन. पुख्ता बरआमदा चादर पोश सेहदरा इमारत मसजिद सेहदरी जिसकी शुमाली व जुनूबी दीवारों में एक-एक अलमारी और मगरबी दीवार में तीन खिड़कियां नसब हैं—नीज दो कता दुकानात मुतल्लिका मसजिद दो चश्मी पुख्ता मशरिक रूया जिसकी छत भी पुख्ता है मौजूद हैं. आमदनी सालाना २४०) है.	हिज हाइनेस नवाब जहांगीर मोहम्मद खां साहब मरहूम, साबिक फरमारवाये, रियासत भोपाल. मजहबी—इबादत इलाही.
१११३ ..	कबरस्तान फीलखाने वाला वाके अन्दरून अहाता कल्ला शाह मुत्तसिल ट्रेनिंग हाईस्कूल, शहर भोपाल हुदूद अरबा—मशरिक—अहाता नानी साहेबा. मगरिब आबादी बरखेड़ी. शुमाल—नाला. जुनूब—कम्पाउन्ड ट्रेनिंग हाई स्कूल.	यक किता आराजी कबरस्तान जिसका रकबा १-८ डी. खसरा नं. १०४८ है उसमें पुख्ता व खाम कदीम जदीद कबरें मौजूद हैं. नीज एक मसजिद कलन्दरी भी मौजूद है.	साबिक हुकूमत, रियासत भोपाल. खैराती तदफीन अमवात.
१११४ ..	कबरस्तान अहाता कल्ला शाह वाके मुत्तसिल ट्रेनिंग हाई स्कूल, जहांगीराबाद, भोपाल. हुदूद अरबा—मशरिक—कबरस्तान. मगरिब—कम्पाउन्ड स्कूल. शुमाल—कबरस्तान मुन्दरजा सिलसिला नं. १११३. जुनूब—कबरस्तान मुन्दरजा सिलसिला नं. १११५.	यक किता आराजी कबरस्तान जिसमें पुख्ता व खाम कबरें मौजूद हैं.	साबिक हुकूमत, रियासत भोपाल. खैराती तदफीन अमवात.
१११५ ..	कबरस्तान उमराव वाला वाके जानिब मशरिक जहांगीराबाद, भोपाल. हुदूद अरबा.—मशरिक—कबरस्तान अयाज मोहम्मद खां. मगरिब—आराजी उफ्तादा. शुमाल—कबरस्तान अहाता नानी साहेबा. जुनूब—क्वार्टर्स मुल्ला गुलाम हुसेन साहब.	यक किता आराजी कबरस्तान जिसका रकबा १-९४ खसरा नं. १०४६ है इसमें पुख्ता खाम व कदीम व जदीद कबरें मौजूद हैं.	साबिक हुकूमत, रियासत भोपाल. खैराती तदफीन अमवात.
१११६ ..	कबरस्तान अयाज मोहम्मद खां वाला वाके जानिब मशरिक जहांगीराबाद, भोपाल, हुदूद अरबा.— मशरिक—रास्ता मसजिद व अहाता नानी साहेबा. मगरिब—कबरस्तान. शुमाल—अहाता नानी साहेबा. जुनूब—खंदर व आराजी सैयद इनायत अली साहब.	यक किता आराजी कबरस्तान जिसका खसरा नं. १०४९ रकबा १-३४ है इसमें पुख्ता खाम कबरें मौजूद हैं.	साबिक हुकूमत, रियासत भोपाल. खैराती तदफीन अमवात.
१११७ ..	कबरस्तान अहाता नानी साहेबा वाके अन्दरून अहाता जानिब मगरिब जहांगीराबाद. हुदूद अरबा.— मशरिक—मसजिद व आराजी अहाता. मगरिब—कबरस्तान. शुमाल—आराजी अहाता नानी साहेबा. जुनूब—कबरस्तान मुन्दरजा सिलसिला नं. १११४.	यक किता आराजी कबरस्तान जिसमें पुख्ता व खाम कबरें मौजूद हैं.	साबिक हुकूमत, रियासत भोपाल. खैराती तदफीन अमवात.

मौजूद है.

	२	३	४	५
३३६	११९८	कबरस्तान न. २ अहाता नानी साहेबा वाके अन्दरुन अहाता नानी साहेबा जानिब जुनुब हुदूद अरबा.— मशरिक—बाबू कॉलनी रोड. मगरिब—रास्ता मस्जिद. शुमाल—आराजी अहाता नानी साहेबा. जुनुब—मकान दिलावर खां व मकान पन्नालाल.	एक किता आराजी जिसमें पुख्ता व खाम कबरें मौजूद हैं.	साबिक हुकूमत, रियासत भोपाल. खेराती तदफीन अमवात.
३३७	११९९	चार फीसदी लोन सर्टीफिकेट सन् १९६०, १९७० ई. मालियती मुबलिग ४३१ रुपये, ७०० रुपये.	चार फीसदी लोन सर्टीफिकेट सन् १९६०, १९७० ई. मालियती मुबलिग ४३१ रुपये, ७०० रुपये.	हर हाइनेस नवाब सुलतान जहां बेगम साहेबा मरहूमा, साबिक फरमारवाये, रियासत भोपाल. खेराती तालीम निसवां.
३३८	११२० ..	गवर्नमेन्ट प्रॉमिसरी नोट्स मालियती ५२४, ४०० रुपये.	गवर्नमेण्ट नोट्स प्रॉमिसरी मालियती ५२४, ४०० रुपये.	
३३९	११२१ ..	कनव्हर शन लोन सन् १९४६ ई. मालियती ४ लाख रुपये.	कनव्हरशन लोन सन् १९४६ ई. मालियती ४ लाख रुपये.	हर हाइनेस नवाब सुलतान जहां बेगम साहेबा मरहूमा, साबिक फरमारवाये, रियासत भोपाल. खेराती कायेमी मदरसा.
३४०	११२२ ..	मकान नं. १ मुतल्लिका वक्फ रिसालदार सैयद अब्दुल करीम साहब वाके मुत्तसिल लेन जवाबित मेहल्ला आवदाबाद, भोपाल हुदूद अरबा.— मशरिक—आवदाबाद रोड. मगरिब—आराजी उफ्तादा. शुमाल—मकान जाफर अलीसाहब. जुनुब—आराजी उफ्तादा सरकारी.	वक्फनामें में इस मकान की कीमत १,५०० रुपये दर्ज है और इसको दो मंजिला लिखा है लेकिन इसपर वाकिफ साहब मरहूम के वुरसा का कब्जा है.	सैयद अब्दुल करीम सा. मरहूम, रिसालदार वल्द सैयद उस्मान अली साहब मरहूम, पेन्शनर कमान्डिंग अफसर, रिसाला जवाबित, रियासत भोपाल. खेराती इसाल सवाब.
३४१	११२३ ता ११३३	मकान नं. २ मुतल्लिका वक्फ रिसालदार सैयद अब्दुल करीम साहब वाके अकब सराये सिकन्दरी मुत्तसिल रेलवे स्टेशन, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—क्वार्टर्स मासूम मियां साहब. मगरिब—इमारत पाखाना सराये सिकन्दरी. शुमाल—मैदान उफ्तादा सरकारी. जुनूब—दीवार सराये सिकन्दरी.	यक किता मकान कीमती तखमीनन ६,५००) मुश्तमिल बर १० किता कोठरियां. लेकिन बरवक्त सर्वे मौके पर बजाये मकान व कोठरियों के १० किता पुख्ता यक मंजिला शुमाल रूया क्वार्टर्स हैं जो सराये सिकन्दरी के जानिब शुमाल और मसजिद सराये मज़कूर के मुत्तसिल वाके हैं. आमदनी सालाना १,३७५।।) हैं.	सैयद अब्दुल करीम साहब मरहूम, रिसालदार. खेराती इसाल सवाब.
३४२	११३४ ता ११३८	मकान नं. ३ मुतल्लिका वक्फ रिसालदार सैयद अब्दुल करीम साहब वाके बाजार बरखेड़ी, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान फूलचंद साहब, तेली. मगरिब व जुनूब—सड़क सरकारी. शुमाल—मकान भूरा व रेवाराम तेली.	यक किता मकान पुख्ता दो मंजिला कीमती मुबलिग १,०००) जिसको देवचंद ठेकेदार से खरीद किया जाना वक्फनामे में दर्ज है. यह मकान तीन किता दुकानात और एक किता रिहायेशी मकानपर मुश्तमिल है. जीना बरलबे सड़क मंजिल दोम में जाने के लिये है. मंजिल दोम में तीन कमरे मगरिब, शुमाल व जुनूब रूया हैं और एक पाखाना है. आमदनी सालाना ३२४) है.	सैयद अब्दुल करीम सा. मरहूम, रिसालदार. खेराती कारहाये खेर.
	११३९ ..	मकान नं. ४ मुतल्लिका वक्फ रिसालदार सैयद अब्दुल करीम साहब वाके बरखेड़ी, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक व मगरिब व शुमाल—आराजी उफ्तादा सरकारी. जुनूब—मकान दोस्त अलीखां.	इस मकान की कीमत वक्फनामा मुन्दर्जे नं. ८ में ५०० रुपये दर्ज हैं. यह मकान वाकिफ साहब मरहूम के वुरसा के कब्जे में है.	सैयद अब्दुल करीम साहब, मरहूम रिसालदार. खेराती कारहाये खेर.

१	२	३	४	५
१४४	११४० ता ११४३	सिलसिला दुकानात मुतल्लिका वक्फ रिसालदार सैयद अब्दुल करीम साहब वाके बजार इब्राहीमपुरा, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—इब्राहीमपुरा रोड. मगरिब—मकान मोहम्मद खां सा. सौदागर. शुमाल—मकान शेख अमीर साहब. जुनूब—मकान युसूफअली खां साहब.	यह जुमला तीन किता दुकानात जिनकी कीमत वक्फनामे में तीन हजार है. दुकानात की हैसियत यह है. दुकान नं. १ यक किता पुख्ता मशरिक रुया चादरपोश दो चश्मी. दुकान नं. २ यक किता पुख्ता मशरिक रुया चादरपोश यक चश्मी. दुकान नं. ३ यक किता पुख्ता मशरिक रुया चादरपोश यक चश्मी है. आमदनी सालाना ९०० रुपये है.	सैयद अब्दुल करीम सा. मरहूम रिसालदार. खेराती कारहाये खेर.
१४५	११४४ ता ११४९	मकान नं. ५ मुतल्लिका वक्फ रिसालदार सैयद अब्दुल करीम साहब वाके बेरून बुधवारा, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान उकार खटीक. मगरिब—मकान अशाबक्ष. शुमाल—मकान व जमीन भागमल खटीक. जुनूब—सड़क सरकारी.	यक किता पुख्ता मकान दो मंजिला जिसकी कीमत वक्फनामे में २,००० रुपये दर्ज है. इसकी मंजिल अव्वल में ४ किता दुकानात और रिहायशी मकान का जीना जो मंजिल दोम पर जाने के लिये वाके है यह बरलबे सड़क है. मंजिल दोम कमरा मगरिब रुया दूसरा कमरा जुनूबरुया, तीसरा कमरा मशरिक रुया है. पाखाना भी है, दूसरे तीन दुकानात जो पुख्ता हैं दोहरी एक चश्मा है. यक दुकान पुख्ता दोहरी दो चश्मा है. आमदनी सालाना ९८४ रुपये है.	सैयद अब्दुल करीम सा. मरहूम रिसालदार. खेराती कारहाये खेर.
१४६	११५० ता ११५४	मकान नं. ६ मुतल्लिका वक्फ रिसालदार सैयद अब्दुल करीम साहब वाके बिल मुकाबिल इमारत साबिक मतबा रियासत बाजार इब्राहीम पुरा सुलतानिया रोड, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—कूचा नाफजा. मगरिब—मकान मुबारिक मियां साहब. शुमाल—सुलतानिया रोड. जुनूब—मकान रामकिशन.	यक किता मकान पुख्ता दो मंजिला जिसकी कीमत वक्फनामे में १,५०० रुपये दर्ज है. इस मकान की मंजिल अव्वल बरलबे सुलतानिया रोड तीन किता दुकानात और रिहायशी मकान का जीना है. यह दुकानात पुख्ता दोहरी हैं. इसमें एक-एक चश्मी और दो-दो चश्मी हैं इन हरसेह दुकानात के आगे सायेबान चादरपोश नस्ब हैं. इन दुकानात के उपर रिहायशी मकान है उसमें सेहन है, पाखाना है, कमरा एक शुमाल रुया कोठा मगरिब रुया जिसकी मशरकी व शुमाली दीवारों में खिड़कियां हैं. आमदनी ७४४) सालाना है.	सैयद अब्दुल करीम खां साहब, मरहूम रिसालदार. खेराती कारहाये खेर.
१४७	११५६ ता ११९०	वक्फ, मुंशी हुसेन खां साहब वाके शहर भोपाल. सराये पुख्ता मुतल्लिका वक्फ मुंशी हुसेनखां साहब, शहर भोपाल मुत्तसिल पायेगाह नूर मेहल. हुदूद अरबा— मशरिक—रास्ता आम बादह नाला. मगरिब—पायेगाह नूर मेहल. शुमाल—सराये मुंशी हुसेन खां रोड. जुनूब—आराजी मुतल्लिका वक्फ मुंशी हुसेन खां साहब.	मुंशी हुसेन खां साहब मरहूम वल्द काले खां साहब मरहूम, साबिक जागीरदार, रियासत भोपाल व मीर मुंशी हरहाइनेस नवाब शाहजहां बेगम साहेबा मरहूमा, साबिक फरमारवाये, रियासत भोपाल. अलालेंक खास हरहाइनेस नवाब सुलतानजहां बेगम साहेबा मरहूमा सन् १३०५ हिजरी में एक बहुत बड़ा वक्फ कायम किया जो (वक्फ मुंशी हुसेन खां साहब) के नाम से मोसूम है. इस वक्फ में सालम मौजा बरखेड़ा वाके तहसील हुजूर, जिला सीहोर मुन्दरजा सिलसिला नं. १६ व मकान मोसूमे कोठी मुन्दरजा सिलसिला नं. १७ व नीज सराये पुख्ता व सराये खाम व व मसजिद व तालाब व बाग व धरमशाला व आराजी व अस्तबल व बावर्ची खाना दीगर मकानात शामिल हैं जो शहर भोपाल में मुत्तलिक मुकामात पर वाके हैं जो बतशरीह जैल हैं:— यक किता सराये पुख्ता यक मंजिला व दो मंजिला चांदनीदार जो मशरिक व शुमाल व जुनूब की जानिब पुख्ता कद्दे आदम बलन्द दीवार कम्पाउन्ड से महदूद है और जानिब मगरिब पायेगाह नूर मेहल की मशरिक दीवार कायम है. इस सराये में मुत्तल्लिक पुख्ता इमारत और चार किता. सेहन अव्वल में बरगद का एक दरख्त और फर्बोट का एक दरख्त रोइदा है. आनी एक होज पुख्ता भी मौजूद है. इसी सराये के मशरिक हिस्से में रफीकिया स्कूल कायम है और मगरबी हिस्से में मोहताज खाना कायम है जिसके सामने सेहन दोम कायम है. इस सेहन में शहतूत के ५ दरख्त, अन्जीर के ४ दरख्त और केले के २० दरख्त रोइदा हैं जानिब मौजूद है.	मुंशी हुसेनखां साहब मरहूम वल्द काले खां साहब मरहूम, साबिक जागीरदार, रियासत भोपाल. मजहबी खेराती तामीर मरम्मत व कायमी जायेदाद व कारहाये खेर.

			जुनूब सेहन सोम है. सेहन बाहरून रफीकिया स्कूल की इमारत में शामिल है जो बतौर ग्राउन्ड स्कूल इस्तेमाल होता है. रफीकिया स्कूल की इमारत दो मंजिली है इसका सदर दरवाजा फाटक नुमा शुमाल रूया है. इसमें कमरे ८, हॉल १, कोठरियां ४, दरवाजा जानिब-जुनूब बरआमदा चौकी टाइलपोश पाखाना पुख्ता गोशे जुनूब मशरिक में मंजिल दोम में चांदनी पुख्ता कमरा एक बारदरा, कमरा एक सेहदरा जिसकी मशरकी व मगरबी दीवार में एक-एक खिड़की नस्ब है व नीज आराजी मुत्तसिला सराये पुख्ता वाके लबे सड़क मुत्तसिल फाटक रफीकीया स्कूल जानिब शुमाल जिसका तूल शरकन गरबन ४० फीट अर्ज शुमालन जुनूबन ८ फीट है मौजूद है व सालाखाना व क्वार्टर्स लबे सड़क वाके शुमाल वाके हैं व अन्दरून सराये १५ कमरे पुख्ता व गुसलखाना पुख्ता व पाखाना पुख्ता व बालाखाना मशमूला सराय पुख्ता मंजिल दोम. शुमाल मगरबी गोशे में वाके हैं जिसका जीना शुमाल रूया है. बरलबे सड़क कायम है. व मोहताजखाना मशमूला सराये पुख्ता वाके जानिब मगरिब अन्दरून सराये १६ किता सेहदरा क्वार्टर कमरेजात पर मुश्तमिल है. आराजी कम्पाउन्ड वाके जानिब जुनूब सराये जो हर चार जानिब पुख्ता दीवार से मेहदूद है. आराजी कम्पाउन्ड जो जानिब मशरिक वाके है. तूल में शुमालन जुनूबन ११९ फीट, अर्ज शरकन गरबन ३९ फीट है व एक किता मकान खाम सिफालपोश आराजी कम्पाउन्ड के वस्त में वाके है जिसके हर चार जानिब कम्पाउन्ड मजकूर की आराजी है. व दो किता मकानात खाम सिफालपोश है जो सैयद मुश्ताक हुसैन साहब ने आराजी पर नाजाइज कब्जा करके तामीर किये हैं. व मकान नं. ३ वाके अन्दरून आराजी कम्पाउन्ड मुन्दर्जा सिलसिला नं. ११८३ जेर तामीर सैयद मुश्ताक हुसैन साहब ठेकेदार, व बागीचा वाके अन्दरून आराजी कम्पाउन्ड गोशे जुनूब मगरबी आराजी मजकूर इसमें मुख्तलिफ किस्म के फूलदार दरख्त रोइदा हैं. आमदनी सालाना ५,६४० रुपये है.	
३४८	११९१ ता ११९४	मकान व दुकानात मुत्तसिला वक्फ मुंशी हुसेन खां वाके मेहल्ला लखेरापुरा, भोपाल. हुदूद अरबा— मशरिक व जुनूब—मकान हकीम बन्दे छोड़ खां साहब. मगरिब—मकान मुल्ला गुलाम हुसेन खां. शुमाल—सड़क सरकारी.	यक मकान दो किता दुकानात पुख्ता व एक किता मुकफ्फल मकान पर मुश्तमिल है यह दो किता दुकानात पुख्ता शुमाल रूया बरलबे लखेरापुरा रोड जिसके आगे सायेबान चादरपोश नस्ब है व मकान यक किता पुख्ता दो मंजिला जीना बरलबे लखेरापुरा रोड मंजिल दोम कमरे दो एक मशरिक रूया दूसरा शुमाल रूया है, चांदनी, पाखाना, गुसलखाना व बावर्चीखाना है. आमदनी २५२ रुपये सालाना है.	मुंशी हुसेन खां साहब मरहूम वल्द काले खां साहब मरहूम, साबिक जागीरदार, रियासत भोपाल. मजहबी खेराती तामीर मरम्मत कायमी जायदाद व कारहाये खेर.
३४९	११९५ ता ११९७	बाग मुंशी हुसेन खां साहब वाके जानिब मशरिक तालाब मुंशी हुसेन खां साहब मुत्तसिल शाहजहांबाद, भोपाल. हुदूद अरबा— मशरिक—रास्ता आम. मगरिब—तालाब मुंशी हुसेन खां साहब शुमाल—तकया अम्मन शाह. जुनूब—[illegible] मुंशी हुसेन खां साहिब.	यक किता आराजी बाग जिसमें आम के ३० दरख्त, इमली के ५ दरख्त, बेल के दो दरख्त, सरस के ३ दरख्त, खजूर के तीन दरख्त, नीम के ४ दरख्त, चुड़ेल के ३ दरख्त, शरीफे के २०० दरख्त नस्ब हैं इसमें इमली के दरख्तों के नीचे एक कदीम कबरस्तान मौजूद है इसका ख. नं. १६४ रकबा [illegible] है व मकान जिरया वाला वाके [illegible] जो अब मुन्हदिम होकर इसकी [illegible] में शामिल है. आमदनी साला[illegible] रुपये है.	मुंशी हुसेन खां साहब मरहूम वल्द काले खां साहब मरहूम, साबिक जागीरदार, रियासत भोपाल. खेराती कारहाये खेर.

ALOK VERMA Addl. C.J. II & Judl. Mag. ...

	२	३	४	५
	...२२०	सराये खाम मुतल्लिका वक्फ मुंशी हुसेन खां साहब वाके मुत्तसिल बाग मुंशी हुसेन खां, साहब. हुदुद अरबा.— मशरिक, मगरिब व जुनूब—आराजियात मौकूफा मुंशी हुसेन खां साहब. शुमाल—बाग मुंशी हुसेन खां साहब ..	यक किता सराये खाम जिसमें दस किता क्वार्टर्स और मुख्तलिफ कितआत व आराजी व नीजकोठेजात शामिल हैं. आराजी नं. १ का तूल ३२ फुट और अरज २५ फीट है आराजी नं. २ खाम जिसका तूल ४७ फुट और अरज ४४ फीट है व ५ किता कोठेजात बरलबे सड़क पुख्ता वाके हैं. इन्हीं के जानिब मगरिब आराजी नं. ३ है इसका तूल ३२ फुट और अरज २५ फीट है व आराजी नं. ४ मशमूले सराये खाम वाके जानिब मगरिब आराजी नं. ३ इसका तूल ३० फीट अरज १५ फीट है. आराजी नं. ५ मशमूला सराये खाम वाके जानिब मशरिक व मुत्तसिल बरलबे नाला इसका रकबा १,६०० मुरब्बा फीट है. इसी तरह आराजी नं. ६ व ७ हैं. नं. ६ किरायेदारान के कब्जे में है नं. ७ नाजाईज कब्जे में है. आराजी नं. ८ इसका तूल १०० फीट अरज ५० फीट हैं बहालते मोजूदा इसमें एक गुमटी कायम है. आराजी नं. ९ पर मेसर्स अनवर मेहबूब बीड़ी कम्पनी, भोपाल का कब्जा है, आराजी नं. १० इसका तूल ५० फीट और अरज ४५ फीट है जिसपर मोहम्मद सुलतान साहब किरायेदार ने एक खिफालापोश मकान अपने जाती सरफे से बना रखा है. आराजी नं. ११ खाम उफ्तादा जिसका तूल ६० फीट और अर्ज ४५ फीट है और नूर मोहम्मद साहब के कब्जे में है. आराजी नं. १२ खाम जिसका तूल १८ फीट और अरज ८ फीट है व मकान नो तामीर वाके अन्दरून खाम चादरपोश मय आराजी मुलहिका. यह मकान ४ किता क्वार्टर्स पर मुश्तमिल है. आराजी नं. १३ मशमूला सराये जो आराजी नं. ११ और मकान नोतामीर के दरमियान वाके है. आमदनी ४,२५४ रुपये सालाना है.	मुंशी हुसेन खां साहब मरहूम वल्द काले खां साहब मरहूम, साबिक जागीरदार, रियासत भोपाल. खेराती कारहाये खेर.
१५१	१२२८ ता १२२९	मकान मुतल्लिका वक्फ मुंशी हुसेन खां साहब वाके मुत्तसिल मसजिद फरीदूखां, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—अलीगंज रोड. मगरिब—मगीचा मुल्ला अब्दुल हुसेन साहब. शुमाल—आराजी मुतल्लिका मकान हाजा. जुनूब—मकान मुल्ला अब्दुल हुसेन साहब.	यक किता मकान पुख्ता दो मंजिला कवेलूपोश मंजिल अव्वल, सदर दरवाजा मशरिक रूया बरलबे अलीगंज रोड, सेहन, कमरे ३ जिसमें दो मशरिक रूया एक मगरिब रूया, बावरचीखाना, पाखाना, जीना शुमाल रूया जुनूबी दीवार में मंजिल दोम में जाने के लिये चांदनी, कमरा दो मशरिक रूया कवेलू पोश, पाखाना, बावरचीखाना, गुसलखाना हैं. इसी से मुतल्लिक आराजी वाके जानिब शुमाल मकान मजकूर जिसमें जब्बार हुसेन साहब किरायेदार ने अपने जाती सरफे से तीन चादरपोश मोटर गेरिज बना रखे हैं. आमदनी सालाना २६४ रुपये हैं.	मुंशी हुसेन खां साहब मरहूम वल्द काले खां साहब मरहूम, साबिक जागीरदार, रियासत भोपाल. खेराती कारहाये खेर व मरम्मत कायमी जायदाद.
१५२	१२३० ता १२३१	मकान मुतल्लिका वक्फ मुंशी हुसेन खां साहब वाके बरलबे सुलतानिया रोड मुत्तसिल कोतवाली जदीद अन्दरून बुधवारा, भोपाल, हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान अजीम एहमदखां साहब. मगरिब—मकान अम्मू साहब बावरची. शुमाल—सुलतानिया रोड. जुनूब—सड़क सरकारी.	यक किता मकान पुख्ता दो मंजिला बरलबे सुलतानिया रोड जिसकी मंजिल अव्वल में दो किता दुकानात और मंजिल दोम में सुकूनती मकान शामिल है जिसका जीना सुलतानिया रोड से है. यह दोकिता दुकानात पुख्ता दोहरी जिसमें एक एक चश्मी दुसरी दो चश्मी हैं जिसके आगे संगीन ओटा, दासा और सायेबान चादरपोश मौजूद है, मकान सुकूनती पुख्ता दो मंजिला है मंजिल दोम पर जाने के लिये जीना बरलबे सुलतानिया रोड है इसमें चांदनी पुख्ता, कमरा यक दरा, शुमाल रूया दरवाजा जुनूब रूया, पाखाना, बावरचीखाना, २६४ रुपये सालाना आमदनी है.	मुंशी हुसेन खां साहब मरहूम वल्द काले खां साहब मरहूम, साबिक जागीरदार, रियासत भोपाल. खेराती कारहाये खेर, व मरम्मत कायमी जायदाद.

मौजूद है.

	२	३	४	५
३५३	१२३४ ता १२३८	मकान मुतल्लिका वक्फ मुंशी हुसेन खां साहब वाके बरलबे मुलतानिया रोड मुतसिल मसजिद मदारउोमर्दा, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान पूरन सिकल गर हाल मकान भगवानदास सिन्धी. मगरिब—मकान नत्रू भिश्ती हाल मकान मुन्नू खां हज्जाम. शुमाल—मुलतानिया रोड. जुनूब—मकान चुन्नू खां साहब.	यक किता मकान पुख्ता दो मंजिला जिसकी मंजिल अव्वल में बरलबे मुलतानिया रोड तीन किता दुकानात और सुकूनती मकान का जीना वाके है सुकूनती मकान मंजिल दोम पर है यह हरसेह दुकानात पुख्ता यक चश्मा दोहरी जिसका फर्श खाम है और जिसके आगे संगीन तोड़ी दासा और चादरपोश सायेबान है. सुकून्ती मकान जो मंजिल दोम पर है उसमें चांदनी दालान चादरपोश कमरा दो दरा, पाखाना, गुसलखाना, बावर्चीखाना है. आमदनी सालाना ३३० रुपये है.	मुंशी हुसेन खां साहब मरहूम वल्द काले खां साहब मरहूम, साबिक जागीरदार रियासत भोपाल. खैराती कारहाये खैर.
३५४	१२३९ ता १२४४	तालाब कलां मुतल्लिका वक्फ मुंशी हुसेन खां साहब वाके मेहल्ला बाग मुंशी हुसेन खां सा. शाहजहांबाद, भोपाल. हुदूद अरबा — मशरिक—बाग मुन्दरजा सिलसिला नं. ११९५ मगरिब—नूर मेहल रोड. शुमाल—तालाब खुर्द मुन्दरजा सिलसिला नं. १२४० व आराजी बक्फीया. जुनूब—मसजिद मुंशी हुसेन खां साहब व कोठी मुंशी हुसेन खां साहब.	यक किता तालाब जो हर चार जानिब से पुख्ता दीवार से मेहदूद है जिसमें सिंघाडे की काश्त होती है इसी से मुलहिक तालाब खुर्द है यह बड़े तालाब के जानिब शुमाल है इसमें भी सिंघाडे की काश्त होती है इसी के मुत्तसिल एक किता आराजी है जो हमीदिया रोड और नूर मेहल रोड के चौराहे के जानिब जुनूब वाके है इसपर सैयद मुजम्मील हुसेन साहब ठेकेदार व किरायेदार ने चोबी फर्रों से महदूद कर लिया है. इसमें दो गुमटी भी कायम है. आमदनी सालाना ७५८ रुपये है	मुंशी हुसेन खां साहब मरहूम वल्द काले खां साहब मरहूम साबिक जागीरदार, रियासत भोपाल. खैराती कारहाये खैर.
३५५	१२४५ ता १२५३	मसजिद मुंशी हुसेन खां साहब मुतल्लिका वक्फ वाके बरलबे नूर मेहल रोड, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—आराजी मोकूफा व कोठी. मगरिब—नूर मेहल रोड शुमाल—तालाब कलां जुनूब—सड़क सराये मुंशी हुसेन खां.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला संगीन सदर दरवाजा जुनूब रुया, चबूतरा संगीन, गुसलखाना, वजूखाना, सकावा, हुजरा, जाली संगीन सहेन के जानिब मशरिक शुमाल व जुनूब है इमारत मसजिद दोहरी जिसकी शुमाली व जुनूबी दीवारों में एक खिड़की है व नीज आराजी मुतल्लीका वक्फ वाके पेश मसजिद मुंशी हुसेन खां साहब इसका तूल ४४ फिट और अर्ज ३६ फिट है इसमें रफीउल्ला किरायेदार ने अपने सरफे से एक इमारत बना रखी है. आमदनी सालाना १२० रुपये है.	मुंशी हुसेन खां साहब मरहूम वल्द काले खां साहब मरहूम, साबिक जागीरदार, रियासत भोपाल. मजहबी इबादत इलाही.
३५६	१२४६ ता १२४९	बावरची खाना मुतल्लिका सराये मुंशी हुसेन खां साहब मुन्दरजे सिलसिला नं. ११५७.	कायेमी वक्फ मुंशी हुसेन खां साहब के वक्त यह एक मंजिला इमारत मुतल्लिका सराये मजकूर थी लेकिन अब यह एक किता आराजी है इसी तरह अस्तबल मुतल्लिका सराये मुंशी हुसेन खां साहब मुन्हदिम होकर अब आराजी की शक्ल है इसका तूल ११० फिट और अर्ज ७२ फिट है और एक आराजी मुतल्लिका वक्फ वाके जानिब मशरिक मसजिद है. इसका तूल ४४ फिट अर्ज ३६ फिट है व एक पाखाना मुतल्लिका सराये खाम वाके जानिब मगरिब सराये मजकूर है. आमदनी सालाना ४८० रुपये है.	मुंशी हुसेन खां साहब मरहूम वल्द काले खां साहब मरहूम, साबिक जागीरदार, रियासत भोपाल. खैराती कारखैर.
३५७	१२५१ ..	मकान बावरची वाला वाके मुत्तसिल मकान, पीरखां वाला बेरून पीर दरवाजा बरलबे पीर दरवाजा रोड मोजूदा अलीगंज रोड शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—आबचक बादहू मसजिद अमीर बावरची. मगरिब—पीर दरवाजा रोड. शुमाल—आबचक बादहू मकान मुल्ला मुगल हुसेन साहब. जुनूब—कूचा गैर नाफजा.	यक किता मकान खाम खिपरापोश यक मंजिला जो मरूरे जमाने से बाद में खंडर होगया था जिसपर रमजान खां बावरची साकिन मेहल्ला मजकूर ने नाजाइज कब्जा करके दोबारा मकान तामीर कर लिया.	मुंशी हुसेन खां साहब मरहूम, साबिक जागीरदार, रियासत भोपाल खैराती कारखैर.
३५८	१२५२ ..	आराजी मुतल्लीका वक्फ वाके मुत्तसिल मसजिद याकूब खां बरलबे सड़क जानिब मशरिक शाहजहांबाद, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—अहाता जुम्मन खां. मगरिब—सड़क सरकारी. शुमाल—मकान मुल्ला साहब (कत्थेवाले) जुनूब—रास्ता व मकान बदुलाल साहब.	यक किता आराजी खाम उफतादा जहां पर पहले दुकानात थी जो मुन्हदिम हो चुकी हैं हिदायततुल्ला खां साहब किरायेदार ने अपने सरफे से कवेलूपोश मकान बना रखा है. आमदनी सालाना ४८ रुपये है.	मुंशी हुसेन खां साहब मरहूम, साबिक जागीरदार, रियासत भोपाल. खैराती कारखैर.

२	३	४	५
१२९३	धरमशाला मुतल्लिका वक्फ मुंशी हुसेनखां साहब वाके बरलबे हमीदिया रोड, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—कबरस्तान मौसूमे आजमखां. मगरिब—आराजी मोकूफा. शुमाल—हमीदिया रोड. जुनूब—रास्ता व आराजी मुंशी हुसेन खां व तालाब कलां.	यक किता धरमशाला पुख्ता व संगीन मुश्तमिल बर एक अहाता बेरूनी व दूसरा अहाता अन्दरूनी व दो किता मन्दर व यक कुंवा व यक किता गऊशाला व यक किता बाग व मुत्तसिल क्वार्टर्स हैं व अहाता बेरूनी मशमूला धरमशाला दो जुदागाना किताआत आराजी पर मुश्तमिल हैं जिनके दरमियान में पुख्ता सड़क जो बेरूनी फाटक से अन्दरूनी फाटक तक चली गई है यह अहाता जानिब मशरिक व मगरिब व शुमाल कद्दे आदम दीवार से महदूद है. शुमाली दीवार में डाटदार सदर दरवाजा बरलबे हमीदिया रोड का म है जिसमें आहनी सलाखदार किवाड़ नसब हैं इस दरवाजे के मुत्तसिल जानिब मगरिब यक दोहरी दुकान मौजूद है. व आराजी नं. १ मशमूला अहाता बेरूनी खास जो जानिब मशरिक १२८ फीट और जानिब मगरिब १०२ फीट, जानिब शुमाल ६५ फीट और जानिब जुनूब १२१॥ फीट है. आराजी नं. २ मशमूला अहाता जिसमें दो खम्बे टेलीफून और एक बिजली का नसब है. यह आराजी जानिब मशरिक १२६ फीट, जानिब मगरिब ८८ फीट, जानिब शुमाल १३३ फीट, जानिब जुनूब १२१॥ फीट है. अहाता अन्दरूनी भी महदूद है इसके जानिब शुमाल एक फाटक और जानिब जुनूब एक दरवाजा नसब है. इस दरवाजे में चोबी किवाड़ नसब हैं. इसके शुमाली दीवार के साथ-साथ क्वार्टर्स और मन्दर रामजी तामीर हैं. जुनूबी दीवार के साथ-साथ क्वार्टर्स और गऊशाला बनी हुई हैं व हिस्सा नं. १ मशमूला अहाता अन्दरूनी जो जानिब मशरिक २०० फीट, जानिब मगरिब १३४॥ फीट, जानिब शुमाल १८५ फीट और जानिब जुनूब ३४५ फीट इसमें दो मन्दर और एक कुवा और एक सिलसिला क्वार्टर्स बना हुआ है इसमें आम एक, अमरूद एक, बकान १, पीपल २, बड़ १, कनेर के २ दरख्त नसब हैं. हिस्सा नं. २ मशमूला अहाता अन्दरूनी यह जानिब मशरिक १३४॥ फीट, जानिब मगरिब ९६ फीट, जानिब शुमाल १२१॥ फीट, जानिब जुनूब ९२॥ फीट है, इस हिस्से में एक किता बाग है जो आहनी तार से महदूद है. नीज एक सिलसिला क्वार्टर्स शुमाली दीवार से दूसरा सिलसिला जुनूबी दीवार से मुत्तसिल शामिल है.	मुंशी हुसेन खां सा., साबिक जागीरदार, रियासत भोपाल. खेराती तार खेर.
१२९४	कबरस्तान मौसूमे आजमखां वाला वाके जानिब मशरिक धरमशाला, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—कबरस्तान अम्मन शाह. मगरिब—आराजी मोकूफा. शुमाल—हमीदिया रोड. जुनूब—बाग मुंशी हुसेन खां.	यह आराजी कबरस्तान रकबा १.८६ जिसमें कदीम कबरें खाम व पुख्ता मौजूद हैं.	साबिक हुकूमत, रियासत भोपाल. खेराती तदफीन अमवात.
१२९५ ता १३०७	वक्फ रिसालदार मियां सिकन्दर मोहम्मद खां साहब वाके बरलबे मारवाड़ी रोड बिल मुकाबिल मेहल राजा किशनराम साहब, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—मारवाड़ी रोड, मगरिब जुनूब—मकान सेठ गोवरधन दास साहब, दल्लाल. शुमाल—सड़क सरकारी.	यह वक्फ रिसालदार मियां सिकन्दर मोहम्मदखां साहब मरहूम, साकिन बारा मेहल, शाहजहांबाद, भोपाल का कायमकरदा है. इसमें एक किता मसजिद जो उनके नाम से मोसूम है और दो किता बालाखाना व नीज नौ किता दुकानात शामिल है. किता मसजिद पुख्ता दो मंजिला है, मंजिल अव्वल में सदर दरवाजा मशरिक रूया बरलबे मारवाड़ी रोड जिसके आगे चार कदमचों का एक संगीन जीना मौजूद है.	रिसालदार सरदार मियां सिकन्दर मोहम्मदखां साहब मरहूम, साकिन बारामेहल, भोपाल. मजहबी-मसारिफ आबादनी मसजिद.

EXIT No. ....
PROVED BY........
EXHIBIT No. ....
Date........ Civil Judge

	२	३	४	५
			जीना मसजिद में आने के लिये ११ कदमचों का है. गुसलखाना, सकावा, मंजिल दोम सेहन मसजिद सीमेंट का जिसके जानिब मशरिक व शुमाल सीमेन्ट की जालीदार दीवार तामीर है. इमारत मसजिद इकेहरी सेहदरी जिसकी जुनूबी दीवार में एक खिड़की नसब है और तीनों दरवाजों में चोबी किवाड़ नसब हैं. बरआमदा चादरपोश पांचदरा, कोठरी, सकावा सानी. २,३८८ रुपये सालाना आमदनी है.	
१६२	१३०८ ता १३१४	मसजिद ताज नूरखां वाके मुत्तसिल साबिक इमारत अजाइबखाना, मेहल्ला, छावनी बिलायतीयान, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक–आराजी वकफीया मुतअल्लिका मसजिद हाजा. मगरिब–मकान नज्मे साहब, पहलवान. शुमाल–सड़क सरकारी. जुनूब–टी. बी. क्लिनिक.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसका सदर दरवाजा शुमाल रूया जिसके आगे आराजी नं. २ वकफिया सेहन मसजिद जिसमें अलगों का फर्श लगा है और नीम का एक दरख्त रोईदा है. सकावा, गुसलखाना, हुजरा, इमारत मसजिद पुख्ता इकेहरी सेहदरी जिसकी शुमाली दीवार में एक खिड़की नसब है. हुजरा अन्दरूनी दालान शुमाल रूया जिसकी मशरकी दीवार में एक खिड़की नसब है. नीज आराजी नं. १ मुतल्लिका मसजिद ताज नूर खां जिसका तूल शुमालन-जुनूबन २८ फीट ३ इंच और अर्ज शरकन गरबन १२ फीट ६ इंच है. इसमें बरगद का एक कदीम दरख्त मौजूद है. इस आराजी की मशरकी व जुनूबी दीवार सतेह जमीन से २ फीट २ इंच बलन्द अलगों की कायम है और इसके जानिब मगरिब हुजरा मसजिद की दीवार है. इस आराजी में एक गुमटी है. आराजी नं. २ मुतलीका मसजिद खास जिसका तूल शुमालन व जुनूबन २१ फीट, अर्ज शरकन-गरबन १२ फीट. इस आराजी में से सदर दरवाजा मसजिद तक आमदोरफ्त का रास्ता है. एक गुमटी भी कायम है. आमदनी १२० रुपये सालाना है.	जमादार ताज नूरखां साहब मरहूम, साकिन मेहल्ला छावनी विलायतीयान, भोपाल. मजहबी—इबादत इलाही.
१६३	१३१५ ता १३२८	मसजिद शकूरखां वाके मेहल्ला अड्डा शुजाखां, भोपाल हुदूद अरबा.— मशरिक–मकान मिरजा हमजा बेग साहब. मगरिब–सड़क सरकारी. शुमाल–इमारत वकफिया मुतल्लिका मसजिद हाजा. जुनूब–सड़क सरकारी.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसका सदर दरवाजा जुनूब रूया, जिसके आगे तीन संगीन कदमचों का जीना है. डेवढ़ी-सेहन जेरीन संगीन-सेहन बालाई संगीन इमारत मसजिद दोहरी पांच दरी पुख्ता जिसकी मगरबी दीवार में तीन खिड़कियां व शुमाली दीवार में एक खिड़की व जुनूबी दीवार में एक खिड़की नसब है. दरवाजा महराबदार यक शुमाली दीवार में हौज पर जाने के लिये कायम है. हौज पुख्ता संगीन, जिसके जानिब मशरिक व मगरिब व जुनूब चादरपोश सायेबान नसब है. दालान दोदरा चादरपोश जुनूब रूया हुजरा दो मगरिब रूया-बरआमदा चादरपोश जुनूब रूया-दरवाजा सानी मगरिब रूया-जामन का एक दरख्त सेहन जेरीन में रोईदा है व मकान नं. १ मुतल्लिका मसजिद शकूर खां वाके जानिब मशरिक है, जो सीमेन्ट का और तरज जदीद का है इसमें एक कमरा है, जिसकी शुमाली व जुनूबी दीवार में एक-एक दरवाजा नसब है–मकान नं. २ भी सीमेन्ट और तरज जदीद का बना हुआ है इसका सदर दरवाजा मगरिब रूया है डेवढ़ी दो कमरे हैं व एक दुकान पुख्ता यक मंजिला व यक चश्मा जानिब मगरिब रूया है–मकान नं. ३ मुतल्लिका मसजिद. यह मकान भी पुख्ता जदीद तरज का तामीर है इसकी मंजिल अव्वल में दो कमरे लबे सड़क-गुसलखाना, कमरा हाल नुमा एक, बालकनी,	अब्दुल शकूरखां साहब मरहूम साकिन मेहल्ला अड्डा शुजाखां, शाह[illegible] भोपाल—मजहबी. इबादत इलाही.

		३	४	५
			जिसके मशरकी गोशे में आबदारखाना और मगरबी गोशे में गुसलखाना है. मसजिद हाजा के शुमाल में एक तफरीहगाह भी है, इसमें मकानात बन चुके हैं, दुकानात भी बन चुकी हैं. एक कुवा भी अन्दरुन आराजी तफरीहगाह है. अ.मदनी सालाना १,६०८ रुपये है.	
[illegible]८४	१३२९ ता १४१७	ताजुल मसाजिद वाके हमीदिया रोड, साबिक ठेलेवाली सड़क, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक-हमीदिया रोड, साबिक ठेलेवाली सड़क. मगरिब—इमारत मदरसा उलूम दीनियात, जिसमें अब दफ्तर पी. डब्ल्यू. डी. है. शुमाल—मोतिया तालाब. जुनूब—आराजी मोकूफा मुतस्लिका मसजिद हाजा व बादहू सुल्तानिया रोड.	ताजुल मसाजिद की संगीन पुख्ता इमारत यक मंजिला व दो मंजिला व सेह् मंजिला है. दरवाजा मशरकी संगीन महराबदार, जिसमें जाफरीदार चोखट व किवाड़ नसब हैं मेहराबदार संगीन रास्ता सहेन मसजिद में जाने के लिये सेहन खास इमारत मसजिद मरदाना संगीन सेहरी नोदरी व बशुमूल मेराव कलां बस्ती के जीना संगीन एक-एक ऊपर की मंजिल में जाने के लिये गोशा शुमाल-मशरकी में व गोशे जुनूब मशरकी में इमारत मसजिद जनाना दो मंजिला जालीदार, संगीन, जो मरदाना मसजिद के जानिब शुमाल और जानिब जुनूब वाके है. इमारत मसजिद जनाना सानी यक मंजिला मशरिक रूया पांच-पांच दरी, जो जनाना मसजिद जानिब शुमाल व जानिब जुनूब वाके है और दोनों हिस्सों के आगे सेहन है और हर सेहन में एक-एक दरवाजा नसब है. दरवाजा अव्वल जुनूबी मेहराबदार, जिसके आगे रपटा है. यह रपटा बतौर सड़क इस्तेमाल होता है और सड़क के दोनों जानिब संगीन जीना है व दरवाजा जुनूबी सानी, जो दरवाजा अव्वल के मगरिब में है और इसका रकबा बमूजिब खसरा किस्तवार मरत्तबा बन्दोबस्त, सन् १३११ फसली ३६ बीघा ३२ बिस्वा है. ताजुल मसाजिद से मुतस्लिका इमारत में कमरों के तीन सिलसिले व पुख्ता होज व आराजियात व पाखानेजात व बावरचीखानेजात हैं. कमरों के तीन सिलसिलों में से पहिला सिलसिला जानिब जुनूब, दूसरा जानिब मशरिक, तीसरा जानिब शुमाल है. सिलसिले कमरेजात जुनूब में १४ कमरे और मशरिक में २३ कमरे और शुमाल में १८ कमरे हैं. सेहन मुतस्लिका मसजिद जनानी वाके गोशे शुमाल-मगरिब ताजुल मसाजिद सेहन मुतस्लिका मसजिद जनानी वाके गोशे जुनूब-मगरिब ताजुल मसाजिद आराजी नं. १, मुतस्लिका ताजुल मसाजिद मुन्दरजा सिलसिला नं. १३२९ वाके जानिब जुनूब मसजिद मजकूर, जो मैदान की शक्ल में मौजूद है और जिस पर मसजिद के इमारती पत्थर पड़े हुए हैं. इसकी मशरकी हद आहनी जंगला है और जुनूबी हद पुख्ता फसील है. बमूजिब बन्दोबस्त रैयतवारी, सन् १३२५ फसली इसका रकबा ६ एकड़ ७ डे. है. आराजी नं. २ मुतस्लिका ताजुल मसाजिद वाके जानिब मगरिब आराजी नं. १, जिस पर इमारती पत्थर पड़े हैं इसकी जुनूबी हद पुख्ता फसील से मेहदूद है बमूजिब बन्दोबस्त रैयतवारी, सन् १३३३ फसली इसका रकबा २ एकड़ १ डे. है. मदरसे उबेदिया दीनिया वाके अन्दरुन आराजी नं. १ मुन्दरजा सिलसिला नं. १३९२ गोशे जुनूब मशरकी यह पुख्ता दो मंजिला बरलबे सुल्तानिया रोड है व कारखाना मरम्मत मोटर वाके अन्दरुन आराजी नं. १ मुत्तसिल रपटा दरवाजा जुनूबी ताजुल मसाजिद सफदरखां	हर हाइनेस नवाब शाहजहां बेगम साहेबा, मरहूमा, साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. मजहबी-इबादत इलाही.

२	३	४	५
		शाहब ने ब किराया आराजी हासिल करके कायम किया है व यक किता होज पुख्ता दाके अन्दरून आराजी नं. १, जिसमें पानी का नल नसब है कायम है. व नीज १० पाखानेजात पुख्ता संडासनुमा, जो पुख्ता दीवार से मेहदूद हैं, जिनको दारूल उलूम ताजुल मसाजिद, भोपाल ने मुसलमानान असहाब खैर के चन्दे से अपने एहतमाम में तामीर कराये हैं. इसी तरह दो किता बावरचीखानेजात पुख्ता भी तामीर कराये हैं. चार किता गुसलखानेजात पुख्ता छतदार, जिनमें से दो मशरिक रूया हैं और दो मगरिब रूया हैं इनको भी दारूल उलूम ताजुल मसाजिद, भोपाल ने अपने एहतमाम से तामीर कराये हैं. सिलसिला किता-आत आराजी ताजुल मसाजिद की शुमाली दीवार और मोतिया तालाब के दरमियान आराजी के मुख्तलिफ किताआत का पेहम सिलसिला चला गया है, जिसका मजमूई रकबा बमूजिब बन्दोबस्त बीसशाला, सन् १३११ फसली ८ बीघा १२ बिस्वा है. किता नं. १—आराजी जो तखमीनन मुस्ततील शक्ल का है, और जिसके गोशे जुनूब-मगरबी में एक संगीन चबूतरे पर दो कबरें बनी हुई हैं. पैमाइश जानिब मशरिक ७२फीट है, जानिब मगरिब ८६ फीट, जानिब शुमाल ६७ फीट, जानिब जुनूब ६७ फीट है. किता नं. २—आराजी तखमीनन मुस्ततील शा.ल का है, उसका फर्श पुख्ता चूने का है इसके शुमाली सिरे पर होज मुन्दरजा सिलसिला नं. १४.६ है, इसकी पैमाइश यह है—जानिब मशरिक ८६फीट, जानिब मगरिब ८६ फीट, जानिब शुमाल ९१ फीट और जानिब जुनूब ९४ फीट किता नं. ३—यह मुस्ततील शक्ल में है. इसमें ताजुल मसाजिद के दो इमारती तराशीदा पत्थर पड़े हैं इसका तूल शरकन-गरबन ३१ फीट और अर्ज शुमालन-जुनूबन १३फीट ९ इंच है. किता नं.४—इस आराजी में ताजुल मसाजिद से मुतल्लिका तीन तराशीदा इमारती पत्थर पड़े हैं. व संगीन पट्टी का तूल शरकन-गरबन २६८फीट, अर्ज शुमालन-जुनूबन ५फीट, है, इसमें ताजुल मसाजिद का शुमाली दरवाजा खुलता है और इसपर दरवाजा मजकूर का जीना कायम है व बड़े-बड़े अलंगों की एक संगीन गोल डांट है जिसका तूल शुमालन-जुनूबन ५६ फीट और अर्ज शरकन-गरबन १० फीट है. किता नं.५—इस किते में मशरिक की जानिब दीवार अलंगों से मुलहिक एक नाला मौजूद है. नीज जुनूब की जानिब १० पुख्ता कदमचे तामीर है और ४ तामारी पत्थर भी पड़े हैं. किता नं. ६—यह मौके पर पठार की शक्ल में मौजूद है. इसमें कोई दरख्त नहीं है, शुमाल की तरफ अलंगों की एक दीवार कायम है. इसका तूल शरकन-गरबन १९६ फिट, अर्ज शुमालन-जुनूबन ५८ फिट है. किता नं. ७ इसकी सतेह संगलाख और नाहमवार है इसमें टेलीफून के दो खम्भे नसब हैं और खजूर का १ दरख्त है. आमदनी सालाना ५२८) है.	

१	२	३	४	५
[illegible]	..	मकान मुतल्लिका दारूल उलूम ताजुल मसाजिद वाके मेहल्ला अरनोपुरा गली काली थोबन, इतवारा, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—कूचा आम. मगरिब व शुमाल—मकान निसार हुसेन सा. जुनूब—मकान अब्दुल रेहमान खां साहब.	यक किता मकान यक मंजिला खिफालापोश, इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया सेहन कोठरी छोटी जुनूब रूया, पाखाना, गुसलखाना, दालान शुमाल रूया, सेहदरा कमरा शुमाल रूया दो दरा. आमदनी सालाना ७२ रुपये है.	छोटे खां साहब वल्द काले खां साहब कोट मर्चेंट साकिन इसलामपुरा, शहर भोपाल. खेराती, एआनत व इमदाद दारूल उलूम ताजुल मसाजिद.
३६६	१४१९ ता १४३४	मदरसा जहांगीरिया मुतल्लिक ताजुल मसाजिद वाके अकब मसजिद मजकूर. हुदूद अरबा.— मशरिक—ताजुल मसाजिद. मगरिब—सड़क. शुमाल—किता आराजी नं. ७ वक्फिया. जुनूब—आराजी नं. २ वक्फिया.	हर हाइनेस नवाब शाहजहां बेगम साहेबा मरहूमा, साबिक फरमारवाये, रियासत भोपाल ने अपने ऐहद हुकूमत में ताजुल मसाजिद तामीर की और मसजिद मजकूर के तअल्लुक से दीनी तालीम की तकमील के लिये उससे मुत्तसिल और एन उसके अकब में एक मदरसा कायम किया. अरबी व फारसी की तालीम के लिये अपने वालिद नवाब जहांगीर मोहम्मद खां की यादगार में मदरसा जहांगीरिया कायम किया जिसमें दूर-दूर से तुलबा आते थे और उनको वजाईफ मिलते थे, तालीम पाते थे. इसकी मकानियत की तफसील यह है—दरवाजा जुनूबी मुतल्लिका मदरसा जहांगीरिया जानिब जुनूब वाके है उसका मशरकी मुतून मिसमार है जानिब मगरिब कोई मुतून ही पहले से कायम नहीं है और न इसमें कोई किवाड़ नसब है. कमरों का सिलसिला शरकन-गरबन वाके है इसमें जुमला ५ कमरे पुख्ता व संगीन यक मंजिला शामिल हैं जिनके आगे पुख्ता शुमाल रूया बरआमदा है. यह कमरेजात जुनूबी रूया ह व सिलसिला कमरेजात मगरबी शुमालन व जुनूबन वाके है इसमें ६ कमरे पुख्ता व संगीन यक मंजिला शामिल हैं जिनके आगे पुख्ता मशरिक रूया बरआमदा है वस्ती ब्लाक कमरेजात मदरसे जहांगीरिया के वस्त में वाके है इस ब्लाक में जुमला ४ कमरेजात और एक किता दरमियानी हाल शामिल है इस ब्लाक के चारों तरफ संगीन बरआमदा बना है मशरकी और शुमाली बरआमदों के आगे संगीन कदमचों के जीने तामीर है व आराजी अन्दरूनी मुतल्लिका मदरसा जहांगीरिया के दरवाजे जुनूबी से शुरू होता है. इसका एक हिस्सा सिलसिला कमरेजात जुनूबी और वस्ती ब्लाक के दरमियान वाके है दूसरा मुसलसल हिस्सा ब्लाक मजकूर और सिलसिला कमरेजात मगरबी के माबेन सिलसिला मजकूर के शुमाली सिरे तक वाके है व यक किता बगीचा जिसमें दरख्तान समरदार और गैर समरदार नसब है. यह बगीचा पुख्ता दीवारों से मेहदूद है इसका खसरा नं. ३१ रकबा बमूजिब बन्दोबस्त रैयतवारी डी. ५० है. अन्दरून बगीचा दो किता मकान तामीर है एक पाखाना भी बना हुआ है और मदरसे के मशरिक रूया एक गुसलखाना भी है, और दो पाखाने मुसलसल जुनूब रूया तामीर है जिनके आगे कद्दे आदम बलन्द हिजाबी दीवार बनी है. मदरसे का दूसरा दरवाजा मगरिब की जानिब कायम है.	हर हाइनेस नवाब शाहजहां बेगम साहेबा, साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. मजहबी—तालीम कुरआन करीम.
३६७	१४३५ ता १४५१	इदारा यतीमखाना शाहजहांनी वाके मुत्तसिल मदरसा जहांगीरिया, शहर भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—आराजी नं. १ मुन्दरजा सिलसिला नं. १३९२. मगरिब—पठार व खबल मैदान. शुमाल—बेनजीर रोड.	हर हाइनेस नवाब सुलतानजहां बेगम साहेबा मरहूमा, साबिक फरमारवाये, रियासत भोपाल ने यतीमखाना हाजा अपनी वालदा माजदा हर हाइनेस नवाब शाहजहां बेगम साहेबा मरहूमा, साबिक फरमारवाये, रियासत भोपाल की यादगार कायम की यतीम बच्चों की परवरिश तालीम व तरबीयत के लिये	हरहाइनेस नवाब सुलतानजहां बेगम साहेबा मरहूमा, साबिक फरमारवाये, रियासत भोपाल. खेराती, कारहाये ने

Ex P3
PW2

Ex A.6
P.W.2
H. 21-12-19

२	३	४	५
	जुनूब—सुल्तानिया रोड.	तामीर कराया इस यतीमखाने में मुख्तलिफ इमारतें व आराजियात व कारखाने व मसजिद व काला दरवाजा व बाग शामिल हैं व जरे नक्द मुतल्लिका यतीमखाना इसकी तखमीनी तादाद चालीस हजार रुपया है जो यतीमखाने मजकूर की निस्बत उसके मुतल्लिका मुख्तलिफ वसाइल व आमदनी के जर्ये जमा हो गया है, यह इमारत पुख्ता मशरिक रूया यक मंजिला व दो मंजिला है. जोना मशरिक रूया कमरे ५, मशरिक रूया १९ दरा जिसके आगे पुख्ता बरआमदा है सेहन अकबी कमरे के पीछे कोठरी मशरिक रूया गुसलखाना, सकावा, पाखाने ३ शुमाल रूया, कमरा हालनुमा बराये निगरां साहब यतीमखाना व नीज मसजिद अन्दरूनी की इमारत पुख्ता बतौर दालान है और इसमें आमदोरफ्त के लिये हर कमरे में एक-एक दरवाजा है, खाने के कमरे में से भी एक रास्ता है इसमें एक फाटक शुमाल रूया कायम है इस मसजिद के जानिब शुमाल गुसलखाना व सकावा व पाखाना है और मसजिद के आगे सेहन है व एक किता आराजी बगीचा जिसके मगरबी व जुनूबी पुख्ता दीवार तामीर है इसमें फूलदार व समरदार व गैरसमरदार दरख्तान नसब है व एक मसजिद मौके पर एक पुख्ता व संगीन चबूतरे की शक्ल में मौजूद है व इससे मुतल्लिका ४ मकानात हैं जिसकी नोइयत यह है— मकान नं. १ मशमूला इमारत यतीमखाना—यह मकान सुपरिन्टेन्डेन्ट साहब, यतीमखाने की रिहाइश के लिये है इसका सदर दरवाजा मगरिब रूया है इसमें सेहन ४ कमरे, पाखाना, गुसलखाना, मकान यक मंजिला टायलपोश है. मकान नं. २—यह पुख्ता यक मंजिला कवेलूपोश है इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया है सेहन, दो दालान, कोठरियां मगरिब व मशरिक रूया हैं. मकान नं. ३—मोसूमा कारखाना, यह एक किता पुख्ता एक मंजिला टायलपोश एक तवील हाल की शक्ल में है जिसके छे दरों में लोहे की सलाखें नसब हैं. दरमियान में आमदोरफ्त के लिये दरवाजा नसब है इसकी मशरकी दीवार में ४ खिड़कियां हैं, जुनूबी दीवार में एक दरवाजा नसब है. मकान नं. ४—यह पुख्ता यक मंजिला टायलपोश जो मौके पर शरकन-गरबन एक हालनुमा कमरे की शक्ल में वाके है इसकी जुनूबी दीवार में दस दर कायम हैं जो आहनी सलाख और आहनी जाली से बन्द हैं. इन दरों के दरमियान में इस कमरे का दरवाजा आमदो-रफ्त के लिये नसब है व प्ले ग्राउन्ड की आराजी जो जानिब मशरिक व जानिब शुमाल खारदार आहनी तार से मेहदूद है व काला दरवाजा जो बरलबे सुल्तानिया रोड है. यह पुख्ता और संगीन बना हुआ है. इस दरवाजे से बेनजीर रोड का आगाज होता है इसमें दो कोठरियां पुख्ता संगीन हैं इस दरवाजे के आगे एक चबूतरा बना हुआ है. आमदनी सालाना ८४६ रुपये है.	

CASE No. [illegible]
P.W.No. [illegible]
EXHIBIT NO. P-3
Dated 10-9-03

एस एस शर्मा
ग्यारहवें अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश
भोपाल,

२	३	४	५
१४५३ ..	कब्रस्तान मोसूमा डेवढ़ी नवाब मोहसन-उल-मुल्क जनरल मोहम्मद उबैदुल्ला खां साहब बहादुर मरहूम वाके बरलबे हमीदिया रोड, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—बाग मकबरा शरीफ उर्फ बड़ा बाग. मगरिब—दरवाजा संगीन [illegible] मंजिला व आबादी अकब थानी. शुमाल—कब्रस्तान मोसूमे सफदर अलीशाह साहब. जुनूब—हमीदिया रोड.	यक किता आराजी कब्रस्तान जिसका खसरा नं. २०९ रकबा ६-७७ है जानिब मशरिक इस कब्रस्तान की आराजी बड़े बाग की मगरबी दीवार अहाते से एन बाद शुरू हो जाती है. इस कब्रस्तान में कायमी वक्फ के बाद से बेशुमार खाम व पुख्ता कब्र अदीद कदीम है.	हाफिज हाजी नवाब मोहसन-उल-मुल्क जनरल मोहम्मद उबैदुल्ला खां साहब बहादुर, मरहूम जागीरदार मालिक शिमला डेवढ़ी, भोपाल. खैराती, तदफीन अमवात.
१४५४ ता १४५७	वक्फ हाजी जाफरअली खां साहब बमुकाम भोपाल कायम करदा हाजी जाफरअलीखां साहब मरहूम वल्द अलताफ अलीखां साहब मरहूम, कौम पठान, साकिन मोहल्ला अन्दरून इतवारा दरवाजा मुत्तसिल मसजिद काजी शरीफ हुसेन साहब मरहूम.	यह वक्फ वाकिफ साहब मरहूम ने अपनी जिन्दगी में अपनी वफात के बाद अपनी यादगार कायम करने की गरज से किया है इस वक्फ में मुख्तलिफ मकानात यक मंजिला व दो मंजिला व नीज कोठरियां व दुकानात व मोटर गेरेज शामिल हैं. मकान नं. १—यह मकान पुख्ता दो मंजिला चादरपोश है जिसकी कीमत वक्फनामे में २,००० रुपये दर्ज है. सर्वे के वक्त इसके दो अलग-अलग हिस्से मौके पर पाये गये चूंकि हर हिस्से की नोइयत जुदागाना है इसलिये अलेहदा अलेहदा दरज किये गये. हिस्सा नं. १—मशमूला मकान नं. १ इसका सदर दरवाजा जुनूब रूया लबे सड़क जिसके आगे दोनों तरफ पुख्ता चोकियां बनी हुई हैं डेवढ़ी, पाखाना, सेहन, बावरचीखाना, गुसलखाना, दालान मशरिक रूया जिसमें जानिब मगरिब एक बगली कमरा है, एक दालान संगीन सेहदरा है और तीन कमरे हैं. हिस्सा नं. २—मशमूला मकान नं. १ जीना बेरूनी जीना संगीन अन्दरूनी चांदनी बतौर सेहन कमरा १ शुमाल रूया जिसमें दो बगली कमरे भी हैं एक जानिब मशरिक दूसरा जानिब मगरिब, बरआमदा संगीन चादरपोश बेरूनी, पाखाना, गुसलखाना. आमदनी ४८४ रुपये सालाना है.	हाजी जाफरअली खां साहब मरहूम वल्द अलताफ अलीखां साहब मरहूम कौम पठान मुत्तसिल मसजिद काजी शरीफहुसेन साहब मरहूम अन्दरून इतवारा, भोपाल. खैराती, कारखैर.
१४५८ ..	मकान नं. २ मुतल्लिका वक्फ हाजी जाफर अलीखां वाके मुत्तसिल मकान नं. १ जानिब शुमाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान नं. ४. मगरिब—मकान मुसम्मात अमतुर्रहीम साहेबा. शुमाल—मकान हफीज मियां साहब. जुनूब—मकान नं. १ मुन्दरजा सिलसिला नं. १४५५.	यक किता मकान खिफालपोश यक मंजिला पुख्ता व खाम इसका सदर दरवाजा जुनूब रूया जो मकान नं. १ में खुलता है और वहीं से आमदो-रफ्त है दालान पुख्ता सेहदरा, कमरे दो, चबूतरा, सेहन, बावरचीखाना सेहदरा, पाखाना, उसारा कवेलूपोश, आमदनी सालाना १८० रुपये है.	हाजी जाफर अलीखां साहब मरहूम वल्द अलताफअली खां सा. मरहूम, साकिन अन्दरून इतवारा, भोपाल. खैराती, कारखैर.
१४५९ ता १४६३	मकान नं. ३ मुतल्लिका वक्फ हाजी जाफर अलीखां साहब वाके मुत्तसिल मकान नं. १ जानिब मशरिक. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान मोहम्मद अलीखां साहब. मगरिब—मकान नं. १. शुमाल.—मकान नं. ४. जुनूब—सड़क सरकारी.	यह मकान पुख्ता दो मंजिला है इसमें दो हिस्से हैं. हिस्सा नं. १ का दरवाजा जुनूब रूया बरलबे सड़क जिसके दोनों जानिब पुख्ता कुरसियां बनी हैं, डेवढ़ी, पाखाना, सेहन पुख्ता जिसका दरवाजा मशरिक रूया है. गुसलखाना, बावरचीखाना, दालान शुमाल रूया सेहदरा जानिब जुनूब तीन कमरे हैं. हिस्सा नं. २ जीना हिस्सा मजकूर पर जाने के लिये लबे सड़क बरआमदा संगीन बेरूनी दालान चादरपोश, पाखाना, कमरे दो चांदनी पुख्ता जानिब जुनूब बतौर सेहन व नीज मोटर गेरिज बरलबे सड़क मंजिल अव्वल. मकान नं. ३ पुख्ता मशरिक रूया जिसमें आहनी चादर के किवाड़ नसब हैं व पाखाना वाके बरलबे सड़क मंजिल अव्वल मकान नं. ३ पुख्ता मशरिक रूया है जिसमें चोबी चोखट व किवाड़ नसब हैं. आमदनी सालाना ६६० रुपये है.	हाजी जाफर अलीखां साहब मरहूम वल्द अलताफ अलीखां साहब मरहूम, साकिन अन्दरून इतवारा, भोपाल. खैराती, कारखैर.

Exhibit No. 42A/81
Proved by ...
Exhibit ...
Date 18-8 ... Civil Judge 19/8/82

१	२	३	४	५
३७२	१४६४ ..	मकान नं. ४ मुतल्लिका वक्फ हाजी जाफर अलीखां वाके जानिब शुमाल, हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान हाजी मोहम्मद अलीखां साहब. मगरिब—मकान नं. १ व मकान नं. ३. शुमाल—मकान काजी अनवरअली साहब. जुनूब—मकान नं. २ मुन्दरजा सिलसिला नं. १४५८.	यक किता मकान पुख्ता यक मंजिला सिफाला-पोश इसका सदर दरवाजा जुनूब रूया जिसकी डेवढ़ी मकान नं. ३ में व शामरी-रक्त है, सेहन खाम, बावरचीखाना सेहदरा पाखाना, दालान, सेहदरा मशरिक रूया जानिब मगरिब गुसलखाना, दालान, सानी सेहदरा पुख्ता जिसके आगे तीन कदमचों का संगीन जीना है और इस दालान के जानिब मशरिक व मगरिब एक-एक बगली कमरा है.	हाजी जाफर अलीखां साहब मरहूम वल्द अलताफ अलीखां साहब मरहूम कौम पठान, साकिन अन्दरून इतवारा, भोपाल. खेराती, फारखेर.
३७३	१४६५ ता १४६७	मकान नं. ५ मुतल्लिका वक्फ हाजी जाफर-अलीखां वाके बेरून इतवारा दरवाजा लबे सड़क, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—सड़क सरकारी. मगरिब—मकान आयेशा बी साहेबा. शुमाल—कूचा नाफजा. जुनूब—सड़क व नाला.	यह मकान दो हिस्सों और एक दुकान पर मुश्त-मिल है, हर हिस्से में कोठरियां बनी हैं, हिस्सा नं. १ जो मकान मजकूर की शुमाली सिम्त में वाके है यह हिस्सा ५ किता कोठ-रियों पर मुश्तमिल है जिनमें से ४ जुनूब रूया हैं, एक मशरिक रूया है, हिस्सा नं. २ जो मकान मजकूर की जुनूबी सिम्त में वाके है इस हिस्से में ४ कोठरियां हैं जो शुमाल रूया हैं और हिस्से नं. १ के दरमियान खुला हुआ सेहन वाके है.	हाजी जाफर अलीखां साहब मरहूम वल्द अलताफ अलीखां साहब मरहूम, कौम पठान, साकिन अन्दरून इत-वारा, भोपाल. खेराती, फारखेर.
३७४	१४६८ ..	मकान नं. ६ मुतल्लिका वक्फ हाजी जाफर-अलीखां वाके मुत्तसिल मस्जिद शहामत खां बेरून इतवारा, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—कूचा. मगरिब—मकान इसमाईल खां साहब. शुमाल—कूचा व मकान. जुनूब—मकान गप्पू खाकरोब.	यह मकान दो मंजिला चादरपोश है मंजिल अव्वल में एक कोठा जानिब शुमाल है जो दो रूया है इसके आगे दालान है जिसमें दो दरवाजे नसब हैं जिसमें एक मशरिक रूया दूसरा जुनूब रूया है. मंजिल दोम में एक कोठा है.	हाजी जाफर अलीखां साहब मरहूम वल्द अलताफअली खां साहब मरहूम, साकिन अन्दरून इतवारा, भोपाल. खेराती, फारखेर.
३७५	१४६९ ता १४७५	मकान नं. ७ मुतल्लिका वक्फ हाजी जाफरअली खां वाके मेहल्ला खाकरोबान बेरून पीर दरवाजा, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—कूचा सरकारी व नाला. मगरिब—आराजी रेहमान साहब खाकरोब. शुमाल—मकान बुधू खाकरोब. जुनूब—आराजी वाकिफ साहब मरहूम.	इस मकान में सिर्फ पांच किता कोठरियां जिनके आगे दालान है, और एक पाखाना है यह सब चादरपोश हैं और इन सब में चोबी चोखट व किवाड़ नसब हैं.	हाजी जाफरअली खां साहब मरहूम वल्द अलताफअली खां साहब मरहूम, कौम पठान, साकिन अन्दरून इतवारा, भोपाल. खेराती, फारखेर.
३७६	१४७६ ता १४७७	जरे नकद तादादी मुबलिग २०,००० रुपये मुतल्लिका वक्फ हाजी जाफरअली खां मुन्दर्जे सिलसिला नं. १४५४.	यह वक्फ भी हाजी जाफरअली खां साहब मर-हूम ने अपनी जिन्दगी में गुरबा व यतामा के लिये किया है.	हाजी जाफरअली खां साहब मरहूम वल्द अलताफअली खां साहब मरहूम, कौम पठान, अन्दरून इतवारा, भोपाल. खेराती, इमदाद गुरबा मसाकीन.
३७७	१४७८ ता १४८२	मकान वाके मेहल्ला अड्डा शुजा खां अन्दरून इत-वारा दरवाजा, शहर भोपाल जो मिनजुमला जरे नकद के तादादी २०,००० रुपये के खरीद किया गया है. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकानात बुरहा कप्तान मोहम्मद हुसेनखां सा. मरहूम मगरीब—मकानात मोहम्मद इब्राहीम शेख नजीर. शुमाल व जुनूब—रास्ता आम.	यह एक दो मंजिला मकान है जो चन्द जुदा-गाना हिस्सों पर शामिल है. हिस्सा नं. १ मश-मूला मकान वाके मंजिल अव्वल डेवढ़ी मुश-तरका जीना बराये हिस्सा नं. ४ गुसल-खाना शिकिस्ता दो कमरे सेहदरा एक शुमाल रूया दूसरा मशरिक रूया-२ कोठरियां दालान सेहदरा मगरिब रूया, जीना सानी सेहन में. सेहन. हिस्सा नं. २ वाके मंजिल अव्वल जानिब शुमाल यह यक मंजिला पुख्ता खिफालापोश व चादरपोश है, डेवढ़ी शुमाल रूया है, दालान सेहदरा, शुमाल रूया, दो कोठरी, कमरे दो दरा मश-रिक रूया जिसमें एक खिड़की भी है. गुसल-खाना, पाखाना, सेहन, मोटर गेरिज वाके मंजिल अव्वल यह पुख्ता चादरपोश जिसमें चोबी फाटक नसब है, हिस्सा नं. ४ वाके मंजिल दोम कमरा जानिब शुमाल व जुनूब रूया, कोठरी, सन्दास शुमाल रूया, बरआमदा सेहदरा, चांदनी. आमदनी सालाना ७१४ रुपये है.	हाजी जाफरअली खां साहब मरहूम वल्द अलताफअली खां साहब मरहूम, कौम पठान, अन्दरून इतवारा, भोपाल— खेराती, इमदाद गुरबा मसाकीन.

१	२	३	४	५
	..	मकान मोकूफा अब्दुलकरीम साहब वाके अन्दरून बुधवारा मुत्तसिल लेला बुरज वाजेवाली गली, भोपाल, हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान छुट्टूखां साहब. मगरिब—सड़क सरकारी. शुमाल—मकान नजीरमोहम्मद खां साहब. जुनूब—कूचा गेर नाफजा.	एक किता मकान पुख्ता व खाम यक मंजिला व दो मंजिला. इसका तूल शरकन-गरबन ६२ फिट, अर्ज शुमालन-जुनूबन ४४ फिट है. इसकी मंजिल अव्वल में कमरा कला चारदरा मगरिब रूया जिसमें सड़क की तरफ संगीन सोफी दासा नसब है, सायेबान चादरपोश, डेवढ़ी, पाखाना बेरूनी लबे सड़क, जीना बेरूनी लबे सड़क मंजिल दोम के लिये जीना अन्दरूनी डेवढ़ी में से मंजिल दोम पर जाने के लिये गुसलखाना, दरवाजा अन्दरूनी, दालान पुख्ता, सेहदरा, कमरा बगली दो दालान खाम चारदरा शुमाल रूया, सिफालापोश जिसके मशरिक व मगरिब में एक-एक बगली कोठरी है. दालान मगरिब रूया दोदरा सिफालापोश जिसके शुमाल व जुनूब में एक-एक कोठरी है. दालान जुनूब रूया पांचदरा जिसके मशरिक में एक कोठरी है. पाखाना, मंजिल दोम पर गुसलखाना, पाखाना, कमरा छे दरा पुख्ता चादनीदार मगरिब रूया, कमरा शुमाल रूया पुख्ता चांदनीदार, कमरा जुनूब रूया पुख्ता चांदनी दार एक दरा.	अब्दुलकरीम साहब खम्यात वल्द शेखअब्दुल्ला साहब मरहूम, साकिन अन्दरून बुधवारा, मुत्तसिल लेला बुरज वाजेवाली गली, भोपाल. खेराती, कारखेर.
३७९	१४८४ ..	मकान नं. १ मोसूमे सिराज मोहम्मद साहब वाला मुतल्लिका वक्फ कय्यूम मोहम्मद खां वाके बिल्लू मियां साहब मुत्तसिल मसजिद टोलवाली, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान अकरम मोहम्मद खां साहब. मगरिब व शुमाल व जुनूब—मकान इज्जत मोहम्मद खां साहब.	यक किता मकान यक मंजिला. इसका सदर दरवाजा शुमाल रूया जो मकान हाजा व मकान इज्जत मोहम्मद खां साहब का मुश्तरका है डेवढ़ी जो मकान हाजा व मकान इज्जत मोहम्मद खां साहब की मुश्तरका है. सेहन दालान नं. १ जुनूब रूया सेहदरा, कोठरी मगरिब रूया अन्दरून दालान मजकूर. दालान नं. २ मशरिक रूया सेहदरा, कोठरियां दो अन्दरून दालान. दालान नं. ३ शुमाल रूया सेहदरा. कोठरी नं. १ अन्दरून दालान. पाखाना. आमदनी सालाना २०४ रुपय.	कमाल मोहम्मद खां साहब वल्द मियां माजिद मोहम्मद खां साहब मरहूम, साकिन मेहल्ला बुलूमियां साहब मुत्तसिल मसजिद टोलवाली, भोपाल. खेराती, कारखेर.
३८०	१४८५ ..	मकान नं. २ मोसूमे नीमवाला मुतल्लिका वक्फ कय्यूम मोहम्मद खां वाके मेहल्ला बिल्लूमियां साहब मुत्तसिल मसजिद टोलवाली. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान खुरशेद बेगम साहेबा. मगरिब—मकान इज्जत मोहम्मद खां साहब. शुमाल—मकान अकरम मोहम्मद खां साहब व. मोहम्मद हुसेन खां साहब. जुनूब—कूचा सरकारी.	यक किता मकान यक मंजिला इसका सदर दरवाजा जुनूब रूया डेवढ़ी व सेहन जिसमें एक दरख्त नीम का रोईदा है. दालान नं. १ शुमाल रूया दोदरा, कोठरी अन्दरून दालान जानिब मशरिक दालान दर दालान मगरिब रूया सेहदरा कोठरी अन्दरून दालान शुमाल रूया कमरा मशरिक रूया सेहदरा, दालान मशरिक रूया सेहदरा जो कमरे के आगे है. कोठरियां दो शुमाल रूया कोठरी एक बेरूनी जुनूब रूया, पाखाना दो जानिब मशरिक व मगरिब वाके है.	कमालमोहम्मद खां साहब वल्द मियां माजिद मोहम्मदखां साहब मरहूम, साकिन मोहल्ला बुल्लूमियां साहब मुत्तसिल मसजिद टोलवाली, भोपाल. खेराती, कारखेर.
३८१	१४८६ ..	आराजी वकफीया सैय्यद इश्तियाक हुसेन साहब वाके अकब मसजिद मीर बक्षी साहब, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—मसजिद मीर बक्षी साहब. मगरिब—साबिका मकान वाकीफ साहब. शुमाल—मकान अब्दुल अलीमखां साहब. जुनूब—कूचा नाफजा.	यक किता आराजी जो मसजिद मीर बक्षी साहब की मगरबी दीवार के साथ-साथ. वाके है. इसका तूल शुमालन-जुनूबन ५१ फीट और अर्ज शरकन-गरबन ११॥ फीट. इसकी शुमाली व जुनूबी दीवारें खाम मोजूद हैं.	सैय्यद इश्तियाक हुसेन साहब वल्द सैय्यद फरूख हुसेन साहब, हाल साकिन मुत्तसिल मोती मसजिद, शहर भोपाल. खेराती आबादानी मसजिद, मीर बक्षी साहब व मरम्मत वगैरह.
३८२	१४९० ता १४९८	मसजिद वाके मौजे रूसल्ली, तहसील हुजूर वाके जानिब मगरिब मोजा. हुदूद अरबा—हर चार जानिब आराजी सेहन मसजिद हाजा.	यह एक कदीम पुख्ता आलमगीरी मसजिद है और एक चबूतरे की शकल में मौजूद है. जिसका तूल शुमालन-जुनूबन २० फीट, अर्ज शरकन-गरबन १८ फीट है. इस मसजिद में जाने के लिये जानिब मशरिक तीन कदमचों का पुख्ता जीना तामीर है. इस मसजिद से मुतल्लिक इसके चारों तरफ सेहन की आराजी वाके है इस आराजी के बीच में मसजिद है. और चारों बेरूनी हुदूद पर आहनी जालीदार तार कायम है जो चोबी खम्भों पर नसब है. इसी आराजी	कदीम आलमगीरी मसजिद है. मजहबी इबादत इलाही.

१	२	३	४	५
			के गोशे जुनूब मशरिक में एक कदीम कबरस्तान है जिसमें दो पुख्ता और दो खाम कबरें हैं. व नीज यक किता आराजी जिसका रकबा २५ बीघा है मजरूआ है इसकी सालाना मालगुजारी ४२॥)३ है इसमें नम्बरान १३, १४।२, २५, २६, २७ हैं. सालाना ३,३०० रुपये का गल्ला पैदा होता है.	
१८३	१५०७	.. मकान वकफीया अब्दुल करीम खां उर्फ नब्बूखां मुतल्लिका मसजिद नानी साहेबा मुन्दरजे सिलसिला नं. ५७ वाके गली कसेरान, मोहल्ला बासबहेड़ा, जहांगीराबाद, भोपाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान वजीरखां साहब. मगरिब—रास्ता आम. शुमाल—मकान कालेखां साहब. जुनूब—मकान हाफिज अब्दुल कय्यूम साहब.	यक किता मकान खाम सिफालपोश जिसका तूल शरकन-गरबन ७६ फीट और अर्ज शुमालन-जुनूबन ४४ फीट. इसका सदर दरवाजा मगरिब रूया रास्ते आम पर चश्मा बेरूनी मगरिब रूया, डेवढ़ी मगरिब रूया, तीन कोठरियां जानिब शुमाल व मशरिक और जुनूब रूया हैं. सेहन बेरूनी पाखाना, पाखाना अन्दरूनी. आमदनी सालाना ७२ रुपये हैं.	अब्दुल करीम खां साहब उर्फ नब्बूखां साहब मरहूम, साकिन मोहल्ला बांस बहेड़ा, जहांगीराबाद, शहर भोपाल. मजहबी-अदाये मसारिफ मसजिद नानी साहेबा व तामीर मरम्मत मकान.
१८४	१५०८ ता. १५१३	कबरस्तान वाके मवेशी बाजार छावनी; सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक व शुमाल—रास्ता. मगरिब—प्रायमरी स्कूल. जुनूब—आराजी अब्दुल रशीदखां साहब.	यक किता आराजी कबरस्तान जिसके अन्दर कसरत से खाम व पुख्ता कदीम व जदीद कबरें मौजूद हैं यह कबरस्तान दो अलेहदा-अलेहदा खसरा नम्बरान पर शामिल है. नं. २६९।३८१।५-७०, २७०।१-१ है. इस कबरस्तान में दो कलन्दरी मसजिद और एक आहनी चादरपोश व कवेलूपोश पुख्ता दालीया बना है. जिसमें मुर्दे को गुसल दिया जाता है व नीज मुसम्मी खादिम अली तकियेदार का सुकूनती मकान भी तामीर है. इस कबरस्तान में समरदार और गैर समरदार दरख्तान मौजूद हैं.	साबिका हुकूमत, रियासत भोपाल. खेराती-तदफीन अमवात.
३८५	१५१४	.. कबरस्तान मन्डी सीहोर वाके बेरून आबादी मन्डी मजकूर जानिब शुमाल.	यक किता आराजी कबरस्तान जिसमें तमाम कदीम व जदीद कबूर खाम है.	साबिक हुकूमत, रियासत भोपाल. खेराती—तदफीन अमवात.
३८६	१५१५ ता. १५१८	कबरस्तान खानदानी हफीज मोहम्मद खां साहब वाके मुत्तसिल मछली बाजार लबे सड़क, छावनी सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक व जुनूब—सड़क सरकारी. मगरिब—सड़क. शुमाल—आराजी इन्डस्ट्रियल हाउस.	यक किता कबरस्तान कदीम जिसमें ज्यादातर हफीज मोहम्मद खां साहब के खानदान के अफराद की पुख्ता कबरें हैं. खसरा नं. १०१।१।०-३० है इसमें फूस की दो टपरियां भी हैं इसमें समरदार और गैर-समरदार दरख्तान भी मोजूद हैं. नीज एक पुख्ता कुवां भी है जिसपर दो हेन्ड पम्प नसब हैं.	हफीज मोहम्मद खां साहब मरहूम, साकिन छावनी सीहोर. खेराती—तदफीन अमवात.
३८७	१५१९ ता १५२३	मसजिद तुराबखां वाके मोहल्ला मंगलवारा बरलबे निजामत रोड, कस्बे सीहोर, हुदूद अरबा.— मशरिक—अहाता नं. २ मुन्दरजा सिलसिला नं. १५२१. मगरिब—मकान छोटेखां साहब. शुमाल—रास्ता. जुनूब—अहाता नं. १ मुन्दरजे सिलसिला नं. १५२०.	यक किता मसजिद पुख्ता कवेलूपोश सदर दरवाजा जानिब शुमाल और जानिब जुनूब वाके है. सेहन पुख्ता, इमारत मसजिद सेहदरी है. हुजरा मशरिक रूया, दालान कवेलूपोश जानिब शुमाल दोदरा जो हुजरे के आगे है. अहाता नं. १ मुतल्लिका मसजिद तुराबखां इसका तूल शरकन-गरबन २८॥ फीट, अर्ज शुमालन-जुनूबन २३ फीट है इसके जानिब शुमाल व जुनूब पुख्ता दीवार कायम हैं. जुनूबी दीवार में एक दरवाजा नसब है इसमें मदोकामनी का एक दरख्त भी है. अहाता नं. २ मुतल्लिका मसजिद इसका तूल शुमालन-जुनूबन २७ फीट अर्ज शरकन-गरबन २६ फीट है. यह अहाता मशरिक और शुमाल की जानिब पुख्ता दीवार से महदूद है. इसमें मसजिद का गुसलखाना चादरपोश व मकाबा पुख्ता तामीर है. इस अहाते में मशरकी दीवार के अन्दर एक कुवां भी है मोरसली का एक दरख्त भी है.	तुराबखां साहब मरहूम वल्द हुसेनखां साहब मरहूम, साबिक जमादार पुलिस, साकिन कस्बे सीहोर. मजहबी-इबादत इलाही.

१	२	३	४	५
[illegible]	..	आराजी खंडहर वकफीया वालदा सईद मियां साहब वाके मेवाती मोहल्ला, कस्बे सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक–मकान बुधा कसाई. मगरिब–मकान नथू कुम्हार. शुमाल–मकान मुरादखां साहब. जुनूब–मकान गौहरजान साहिबा.	यक किता खंडहर जो बिलकुल मुन्हदिम हो चुका था और जिसकी सिर्फ आराजी और मलबा मौके पर मौजूद है.	वालदा साहेबा मरहूमा सईद मियां साहब, साकिन मेवाती मोहल्ला कस्बे सीहोर. खेराती, मसारिफ तामीर मरम्मत मसजिद तुराबखां.
[illegible]	१५२५ ता १५२६	मसजिद धोबीपुरा उर्फ पीपलवाली वाके मोहल्ला धोबीपुरा, कस्बे सीहोर, हुदूद अरबा— मशरिक व मगरिब व शुमाल–रास्ता. जुनूब–मकान फारुकअली साहब.	यक किता मसजिद पुख्ता कवेलूपोश इसका सदर दरवाजा शुमाल रूया है. सेहन खाम जिसमें जानिब मशरिक गुसलखाना तामीर है. सेहन पुख्ता, इमारत मसजिद सेहदरी जिसकी शुमाली दीवार में एक खुली अलमारी कायम है. बरआमदा आहनी चादरपोश सेहदरा हुजरा मशरिक रूया जिसकी शुमाली दीवार में एक रोशनदान है इसमें एक पुख्ता कुवां भी है.	जम्मनशाह साहब दुरवेश मरहूम, साकिन मोहल्ला धोबीपुरा, कस्बा सीहोर. मजहबी इबादत इलाही.
३९०	१५२७	मसजिद निजामत वाके अन्दरून अहाता निजामत, कस्बे सीहोर. हुदूद अरबा.— हरचार जानिब आराजी उफतादा.	यक किता मसजिद पुख्ता आहनी चादरपोश इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया. सेहन पुख्ता इमारत मसजिद पांच दरी जिसकी मगरबी दीवार में तीन खिड़कियां नसब हैं. गुसलखाना.	साबिक हुकूमत, रियासत भोपाल. मजहबी, इबादत इलाही.
३९१	१५२८ ता १५३०	मसजिद इनायत खां वाके मोहल्ला काजीपुरा, कस्बे सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक–आराजी उफतादा. मगरिब, जुनूब–रास्ता. शुमाल–गली.	यक किता मसजिद पुख्ता आहनी चादरपोश इसका सदर दरवाजा मगरिब रूया जिसके आगे ५ कदमचों का संगीन जीना तामीर है. सेहन खाम जिसमें मोरसली का एक दरख्त, सुरजने का एक दरख्त, शरीफा का एक दरख्त रोईदा है. एक चाह पुख्ता भी है. गुसलखाना व सकावा आराजी खाम में. हुजरा कवेलूपोश, सेहन पुख्ता. इमारत मसजिद पांचदरी जिसकी शुमाली दीवार में एक खुला हुवा रोशनदान है.	मुंशी इनायत खां साहब मरहूम, साबिक कानूनगो व साबिक जागीरदार, रियासत भोपाल. मोहल्ला काजीपुरा, कस्बे सीहोर. मजहबी, इबादत इलाही.
३९२	१५३१ ता १५३३	मसजिद चौपड़ेवाली वाके बरलबे कस्बे रोड जानिब मगरिब कस्बे सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक–कस्बा रोड. मगरिब व शुमाल–आराजी. जुनूब–चौपड़ा व बादहू आराजी नाला.	यक किता मसजिद पुख्ता कवेलूपोश इसका सदर दरवाजा जो जुनूबी दीवार में नसब है जिसमें आहनी सलाखदार फाटक लगा है. सेहन खाम. गुसलखाना, सेहन पुख्ता जिसमें एक दरख्त आम का और एक दरख्त शरीफे का नसब है. इमारत मसजिद सेहदरी जिसकी शुमाली दीवार में एक अलमारी और जुनूबी दीवार में एक खिड़की नसब है. पुख्ता दीवार अहाता जो सेहन के जानिब मशरिक व शुमाल व जुनूब तामीर है व चौकोर शक्ल का एक चौपड़ा भी है. जिसमें पानी बकसरत है.	मजहबी, इबादत इलाही.
३९३	१५३४ ता १५३७	मसजिद पीली वाके मोहल्ला तलय्या, कस्बे सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक–अहाता मुतल्लिका मसजिद. मगरिब व जुनूब–सड़क. शुमाल–मकान सय्यद रमजानअली साहब.	यक किता मसजिद पुख्ता कवेलूपोश इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया सेहन पुख्ता. इमारत मसजिद पांचदरी जिसकी शुमाली दीवार में एक अलमारी और जुनूबी दीवार में एक खिड़की नसब है. बरआमदा आहनी चादरपोश पांचदरा. हुजरा मशरिक रूया, दालान कवेलूपोश हुजरे के आगे है. गुसलखाना, सकावा, मदोकामनी के दो दरख्त हैं व यक किता अहाता जिसके जानिब शुमाल व जुनूब पुख्ता बलन्द दीवार तामीर है. इन दोनों दीवारों में एक-एक दरवाजा नसब है. इसी अहाते में एक पुख्ता चाह भी है.	हर हाइनेस नवाब सुलतान जहां बेगम साहेबा मरहूमा, साबिक फरमारवाये, रियासत भोपाल. मजहबी, इबादत इलाही.
३९४	१५३८ ता १५४७	मसजिद हूरी हज्जानी वाके छोटा बाजार, कस्बे सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक–सड़क सरकारी. मगरिब–मकान बालचंद कुम्हार. शुमाल–मकान न्यामतुल्लाखां साहब. जुनूब–मकान मुल्ला कादर भाई साहब.	यक किता मसजिद पुख्ता इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया जिसके आगे दो संगीन कदमचे और उनके ऊपर आहनी चादरपोश सायेबान कायम है. डेवढ़ी सेहन खाम जिसमें एक दरख्त अमरूद का रोईदा है. सेहन संगीन जिसपर आने-जाने के	मुसम्मात हूरी हज्जानी साहेबा मरहूमा, साकिन मोहल्ला छोटा बाजार-कस्बा सीहोर. मजहबी, इबादत इलाही.

१	२	३	४	५
			लिये एक संगीन कदमचा तामीर है. इमारत मसजिद दोहरी सेहदरी जिसकी छत पुख्ता डाटदार है. बरआमदा सेदरा आहनी चादरपोश जिसका एक मजीद दर जानिब जुनूब भी है इसी मसजिद के गोशे जुनूब मगरिब में एक चाह पुख्ता है इसका दहाना भी पुख्ता बना है इसपर दो आहनी चरखियां कायम हैं इस कुवें के मुत्तसिल मसजिद का गुसलखाना व सकावा भी है. इसीसे मुतल्लिक आराजी नं. १ खाम जिसका तूल शरकन-गरबन २० फीट, अर्ज शुमालन-जुनूबन ७ फीट है. इसमें अनार और अन्जीर का एक-एक दरख्त भी है. आराजी नं. २—आराजी नं. १ के बाद वाके है. इसका तूल शरकन-गरबन २४ फीट, अर्ज शुमालन-जुनूबन १३॥ फीट है. आराजी नं. ३—खाम जिसका तूल शुमालन-जुनूबन १२ फीट, अर्ज शरकन-गरबन ७ फीट है. इसमें शरीफे का एक दरख्त है व दो किता दुकानात एक जानिब शुमाल व एक जानिब जुनूब सदर दरवाजे के आसपास हैं. आमदनी सालाना ७२ रुपये है.	
१९५	१५४८ ता १५५२	मसजिद सिपाहीपुरा उर्फ मोरसलीवाली वाके मेहल्ला सिपाहीपुरा, कस्बा सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान पंचायती एहले मेहल्ला. मगरिब—मकान मंजूरअली साहब. शुमाल—मकान हकीम साहब. जनूब—आराजी मुतल्लिका मसजिद हाजा बादहू सड़क सरकारी.	यक किता मसजिद कवेलूपोश सदर दरवाजा जो आराजी मुतल्लिका मसजिद हाजा में खुलता है जिसके आगे ५ कदमचों का संगीन जीना तामीर है. इस जीने के जानिब मशरिक व मगरिब संगीन कदमचे बने हुवे हैं. सेहन खाम जिसमें गुसलखाना तामीर है. दरवाजा सानी शुमाली दीवार में सेहन पुख्ता. दरख्त मोरसली. इमारत मसजिद दोहरी पांचदरी जिसकी शुमाली व जुनूबी दीवार में एक-एक खिड़की नसब है. बरआमदा आहनी चादरपोश सातदरा जिसका आठवां दर जानिब जुनूब है. सकावा सेहन पुख्ता के गोशे शुमाल मशरिक में व यक-किता चाह पुख्ता यह कुवां निस्फ मसजिद के अन्दर वाके है और निस्फ मसजिद के बाहर है. व मकान (हुजरा) मुतल्लिका मसजिद जो मसजिद के जानिब जुनूब वाके है पुख्ता यक मंजिला कवेलूपोश है. इसमें एक कमरा एक दालान इसकी मगरबी दीवार में एक खिड़की है. नीज एक आराजी मुतल्लिका मसजिद है जो चबूतरे के बतौर इस्तेमाल होती है. इसका तूल शरकन-गरबन ५३ फीट, अर्ज शुमालन-जुनूबन ३ फीट है.	मुसलमानान एहले मेहल्ला ने बाहमी, चन्दे से तामीर कराके वक्फ की है. मजहबी इबादत इलाही.
१९६	१५५३ ता १५५८	जामे मसजिद उर्फ सरायेवाली मसजिद मरदाना वाके छावनी सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक—आबादी. मगरिब व शुमाल—सड़क. जुनूब—आबादी गाड़ी अड्डा.	यक किता मसजिद पुख्ता जिसका खसरा नं. २०६ है. इसका सदर दरवाजा शुमाल रूया है. सेहन खाम बशक्ल अहाता जिसकी दीवार जानिब मशरिक व शुमाल ४ फीट बलन्द तामीर है. बेरूनी गुसलखाना चादरपोश शुमाल व मगरिबी गोशे में सेहन पुख्ता नं. १ आहनी चादरपोश जिसमें कुवां और सकावा तामीर है. सकावा सानी गुसलखाना अन्दरूनी. सेहन संगीन नं. २ हुजरा कवेलूपोश दालान आठदरा आहनी चादरपोश इमारत मसजिद पुख्ता सातदरी. जीना छत पर जाने का शुमाली दीवार पर से है. दरवाजा सानी जुनूबी दीवार में जनाना जामे मसजिद में आने-जाने के लिये जामे मसजिद जनाना वाके जानिब जुनूब यह पुख्ता	मुंशी इमतियाज अलीखां साहब मरहूम, साबिक वजीर, रियासत भोपाल. मजहबी, इबादत इलाही.

१	२		३	४	५
				यक मंजिला चादरपोश. सदर दरवाजा मशरिक रूया. फर्श पुख्ता इमारत मसजिद यकदरी है व अकब मसजिद मजकूर में तीन किता दुकानात हैं. यह पुख्ता यक मंजिला हैं. आमदनी ४२० रुपये सालाना हैं.	
३९७	१५५९	..	मकान नं. १ मुतल्लिका जामे मसजिद, छावनी सीहोर वाके निकट मसजिद मजकूर. हुदूद अरबा.— मशरिक व जुनूब—सड़क. मगरिब—कुवां. शुमाल—मकान सेठ जुमालालजी साहब.	यक किता मकान पुख्ता यक मंजिला कवेलूपोश. इसका सदर दरवाजा जुनूब रूया बरलबे सड़क. कमरे दो, सेहन खाम, पाखाना, दरवाजा सानी मशरिक रूया. दरवाजा सालिस मगरिब रूया हैं. आमदनी सालाना १४४ रुपये हैं.	मजहबी, खैराती, अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद.
३९८	१५६०	..	मकान नं. २ मुतल्लिका जामे मसजिद वाके निकट मसजिद मजकूर. हुदूद अरबा.— मशरिक—गली. मगरिब—रास्ता. शुमाल—मकान मौहूफा नं. ३. जुनूब—गार्ड रोड.	यक किता मकान पुख्ता यक मंजिला कवेलूपोश इसका सदर दरवाजा मगरिब रूया है. दरवाजा सानी मशरिक रूया. सेहन खाम दालान दो, कमरे दो, पाखाना. आमदनी सालाना १०८ रुपये हैं.	मुंशी एहमद हसन साहब मरहूम, साबिक मजिस्ट्रेट, छावनी सीहोर. मजहबी, अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद.
३९९	१५६१	..	मकान नं. ३ मुतल्लिका जामे मसजिद, सीहोर, वाके मुतसिल मकान नं. २. हुदूद अरबा.— मशरिक—गली. मगरिब—रास्ता. शुमाल—मकान नं. ४. जुनूब—मकान नं. २.	यक किता मकान पुख्ता यक मंजिला कवेलूपोश इसका सदर दरवाजा मगरिब रूया. दरवाजा सानी मशरिक रूया, सेहन खाम. ड्योढ़ी, कमरे दो, बावरचीखाना, दालान, पाखाना, गुसलखाना भी है. आमदनी सालाना ९६ रुपये है.	मुंशी एहमद हसन साहब मरहूम, साबिक मजिस्ट्रेट, छावनी सीहोर. मजहबी, अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद.
४००	१५६२	..	मकान नं. ४ मुतल्लिका जामे मसजिद, सीहोर वाके जानिब शुमाल, मकान नं. ३. हुदूद अरबा.— मशरिक—गली. मगरिब—रास्ता. शुमाल—मकान नं. ५. जुनूब—मकान नं. ३.	इस मकान की मकानियत मकान नं. ३ है लेकिन इसमें गुसलखाना नहीं है. आमदनी सालाना ७२ रुपये हैं.	मुंशी एहमद हसन साहब मरहूम, साबिक मजिस्ट्रेट, छावनी सीहोर. मजहबी अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद.
४०१	१५६३ ता १५६६		मकान नं. ५ मुतल्लिका जामे मसजिद, सीहोर वाके जानिब शुमाल मकान नं. ४. हुदूद अरबा.— मशरिक—गली. मगरिब—रास्ता. शुमाल—सेहन खाम जामे मसजिद. जुनूब—मकान नं. ४.	यक मकान यक मंजिला पुख्ता कवेलूपोश है इसके तीन अलहेदा-अलहेदा हिस्से हैं. हिस्सा नं. १ में एक दालान है और दरवाजा जानिब शुमाल है. हिस्सा नं. २ इसमें कमरा एक, सेहन खाम, पाखाना सदर दरवाजा जानिब मगरिब है. हिस्सा नं. ३ इसमें कमरा एक और सेहन और सदर दरवाजा. आमदनी सालाना १२० रुपये हैं.	मुंशी इमतियाजअलीखां साहब मरहूम, साबिक वजीर, रियासत भोपाल. [illegible]बी, अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद.
४०२	१५६७	..	मकान नं. ६ मुतल्लिका जामे मजसिद, छावनी सीहोर वाके मछली बाजार, बरलबे सड़क. हुदूद अरबा.— मशरिक—सड़क. मगरिब व शुमाल—मकान मुल्ला फिदाअली साहब. जुनूब—कूचा गैर नाफ़ज़ा.	यक किता मकान खाम यक मंजिला कवेलूपोश सदर दरवाजा मशरिक रूया दरवाजा सानी जुनूब रूया, सेहन, दालान दो, कमरे दो, पाखाना. आमदनी सालाना १२० रुपये हैं.	राय साहब ठेकेदार, साकिन मोहल्ला मछली बाजार, छावनी सीहोर. मजहबी, आबादानी मसजिद.
४०३	१५६८	..	मकान नं. ७ मुतल्लिका जामे मजसिद, सीहोर वाके मछली बाजार मुतसिल मकान रमजान साहब पेहलवान हुदूद अरबा.— मशरिक—जमीन उफ़तादा सरकारी. मगरिब—सड़क. शुमाल—जमीन उफ़तादा सेठ जुम्मालाल साहब. जुनूब—जमीन रमजान साहब, पेहलवान.	वक्फ के वक्त यह एक तामीरशुदा मकान था मगर अब यह मुन्हदम हो चुका है. मके पर आराजी उफ़तादा है इसका तूल शरकन गरबन ४० फीट ५ इंच, अर्ज शुमालन जुनूबन २५ फीट ४ इंच है.	मोहम्मद उमरखां साहब पेंशनर साकिन मछली बाजार छावनी सीहोर मजहबी, मसारिफ आबादानी मसजिद.
४०४	१५६९	..	मकान नं. ८ मुतल्लिका जामे मसजिद, सीहोर वाके मुतसिल मकान अब्दुल वाहिद साहब, वकील, मछली बाजार, छावनी सीहोर, हुदूद अरबा.— मशरिक व शुमाल—मकान अब्दुल वाहिद साहब, वकील. मगरिब—मकान मोहम्मद मासूम साहब. जुनूब—रास्ता.	वक्फ के वक्त यह एक मकान था मगर अब यह मुन्हदम हो चुका है. मके पर आराजी मौजूद है जिसका तूल शरकन गरबन ४४ फीट अर्ज शुमालन जुनूबन ३५ फीट है.	जुम्मा साहब मरहूम भिश्ती, साकिन छावनी सीहोर. मजहबी अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद.

१	२	३	४	५
४०५	१५७०	निस्फ हिस्सा मकान नं. ९ मुतल्लिका जामे मसजिद, सीहोर वाके मोहल्ला चकलापुरा, छावनी सीहोर, हुदूद अरबा.— मशरिक—रास्ता. मगरिब—सड़क. शुमाल—मकान अब्दुल गफूर साहब. जुनूब—बकिया निस्फ हिस्सा मकान हाजा.	यह कुल का कुल मकान इस तौर पर वक्फ है कि इसका जुनूबी निस्फ हिस्सा जामे मसजिद, छावनी सिहोर में वक्फ है और बकिया निस्फ हिस्सा शुमाली मसजिद सुलतानी में वक्फ है निस्फ जुनूबी हिस्सा जो जामे मसजिद में वक्फ है उसकी मकानियत यह है- इसका सदर दरवाजा मगरिब रूया. कमरे दो, दालान, सेहन, पाखाना है. आमदनी सालाना ३६ रुपये हैं.	मुसम्मात हुदूपा बाई साहेबा बेवा दौलत साहब नदाफ, साकिन छावनी सीहोर. मजहबी अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद.
४०६	१५७१	मकान नं. १० मुतल्लिका जामे मसजिद सीहोर वाके पेश गाड़ी रोड, छावनी सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक—सड़क मगरिब—मकान लोहार. शुमाल—गली. जुनूब—मकान डाक्टर मकसूद मोहम्मद सा.	यह मकान तीन कोठे पर मुश्तमिल है जो यक मंजिला पुख्ता खिफालापोश है और मुत्तसल वाके है. इन कोठों के अकब में दालान है और सामने छः फुट चौड़ा चबूतरा वाके है, आमदनी सालाना १३२ रुपये है.	बेवा साहेबा डॉक्टर शरफुद्दीन साहब मरहूम, साकिन छावनी सीहोर. मजहबी, अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद.
४०७	१५७२	मकान नं. ११ मुतल्लिका जामे मसजिद छावनी सीहोर वाके बरलबे मारकीट रोड, सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक—सड़क. मगरिब व शुमाल—मकान नियाज मोहम्मद साहब जुनूब—मकान मुल्ला मुजफ्फरहुसेन साहब.	यह मकान दो कोठों पर मुश्तमिल है जो पुख्ता व यक मंजिला और खिफालापोश है और बरलबे मारकीट रोड मुत्तसल वाके हैं. आमदनी ७२ रुपये सालाना है.	मुसम्मात फातमा बाई साहेबा मरहूमा, सा. छावनी सीहोर, मजहबी अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद.
४०८	१५७३	मकान नं. १२ मुतल्लिका जामे मसजिद, छावनी सीहोर वाके मुत्तसिल कोतवाली बरलबे रोड छावनी. हुदूद अरबा.— मशरिक—मोहकमसिंह साहब. मगरिब—मकान डॉक्टर फतेमोहम्मद साहब. शुमाल—जमीन उफतादा सरकारी. जुनूब—भोपाल-सीहोर रोड.	यक किता मकान पुख्ता यक मंजिला खिफालापोश इसका सदर दरवाजा जुनूब रूया. दरवाजा सानी शुमाल रूया, दालान दो, कमरा एक बावरचीखाना, सेहन, पाखाना. आमदनी सालाना ९६ रुपये है.	बेगम साहेबा मुंशी अब्दुल वासे साहब, पेन्शनर पुलिस, साकिन छावनी सीहोर. मजहबी अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद.
४०९	१५७४	मकान नं. १३ मुतल्लिका जामे मसजिद, छावनी सीहोर वाके जानिब जुनूब मसजिद मजकूर. हुदूद अरबा.— मशरिक—गली. मगरिब—मकान हीरा धोबी. शुमाल—जनाना जामे मसजिद. जुनूब—गाड़ी रोड.	यक किता मकान पुख्ता यक मंजिला खिफालापोश इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया. दरवाजा सानी मगरिब रूया चबूतरा ६ फीट आराज मगरिब दरवाजे के आगे कमरे तीन जुनूब रूया कमरा कलां शुमाल रूया. दालान दो, सेहन, पाखाना. आमदनी सालाना ४८ रुपये हैं.	हर हाइनेस नवाब शाहजहां बेगम साहेबा मरहूमा, साबिक फरमारवाये, रियासत भोपाल. मजहबी, अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद.
४१०	१५७५ ता १५७८	मसजिद गोहापुरा वाके मेहल्ला गोहापुरा, कस्बे सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान हाफिज मोहम्मद इमरान साहब. मगरिब—मैदान. शुमाल व जुनूब—रास्ता खास.	यक किता मसजिद पुख्ता संगीन सदर दरवाजा दो एक जानिब शुमाल दूसरा जानिब जुनूब है. डेवढ़ी छतदार जुनूबी दरवाजे के बाद सेहन खाम जिसमें एक पुख्ता मजार मौजूद है व नीज मोरसली का दरख्त एक, अमरूद के दरख्त दो रोईदा है. सेहन संगीन और शुमाल मशरकी गोशे में एक पुख्ता कुवां तामीर है. गुसलखाने दो—इमारत मसजिद संगीन पांचदरी इकेहरी बरआमदा आहनी चादरपोश चौदा दरा, हुजरे दो जानिब जुनूब जीना चांदनी पर जाने के लिये व यक मकान पुख्ता चादरपोश मुत्तसिल का मसजिद गोहापुरा इसमें कमरे दो—एक बड़ा है और एक छोटा है. छोटे कमरे का दरवाजा बड़े कमरे में खुलता है और जुनूब की जानिब एक खिड़की है और दो चबूतरे पुख्ता आहनी चादरपोश भी हैं.	मजहबी, इबादत इलाही.
४११	१५७९	मसजिद कलन्दरी वाके मेहल्ला गोहापुरा, कस्बे सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक—बोलडर रोड. मगरिब—मैदान. शुमाल—रास्ता. जुनूब—मकान हाफिज अब्दुल अजीज साहब.	यक किता मसजिद कलन्दरी पुख्ता, जिसकी मगरब दीवार सतेह चबूतरे ११ फीट बलंद कायम है. इस मसजिद के जानिब मशरिक व शुमाल व जुनूब मुन्डेरवाली ५ फीट बलन्द पुख्ता दीवार तामीर है. मशरकी दीवार के वस्त में एक फाटकनुमा रास्ता मौजूद है, जिसमें आहनी सलाखदार दरवाजा है. मसजिद का फर्श संगीन है.	मजहबी, इबादत इलाही.

१	२	३	४	५
	..	मसजिद मरधोवाली उर्फ कच्ची मसजिद वाकै मेहल्ला सिपाहीपुरा, कस्बे सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक व जुनूब में आराजी उफ्तादा. मगरिब—सड़क सरकारी. शुमाल—रास्ता.	यक किता मसजिद पुख्ता कवेलूपोश इसका सदर दरवाजा शुमाल रूया. सेहन खाम, जो जानिब मशरिक शुमाल व जुनूब पुख्ता दीवार से मेहदूद है—इमारत मसजिद यकदरी, जिसकी शुमाली दीवार में एक खिड़की नसब है बरआमदा पांचदरा, जिसके मशरकी खम्बों पर आहनी पत्ती की जाफरी लगी है. दरमियानी दरवाजे में आमदोरफ्त के लिये चोबी फटकी आहनी पत्तीदार नसब है.	मुसलमानान एहले मेहल्ला ने बाहमी चन्दे से तामीर कराकर वक्फ की है. मजहबी इबादत इलाही.
४१३	१५८१ ता १६०१	सुल्तानुल मसाजिद उर्फ मियांजीवाली मसजिद वाके छावनी सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक व शुमाल—आराजी बकफिया मुतल्लिका मसजिद. मगरिब—सिलसिला दुकानात मुतल्लिका मसजिद हाजा. जुनूब—सड़क सरकारी.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिल व दो मंजिला सदर दरवाजा आहनी फाटकदार जुनूब रूया. दरवाजा सानी चोबी शुमाल रूया. सेहन संगीन, चाह पुख्ता, गुसलखाना पुख्ता दो, पाखाना बेरूनी एक, बरआमदा चादरपोश नौदरा जो चोबी खम्बों पर कायम है. हुजरा पुख्ता जिसमें एक बेरूनी दरवाजा सड़क की जानिब है. हुजरा पुख्ता सानी मशरिक रूया दो मंजिला जानिब शुमाल इमारत मसजिद दोहरी संगीन सातदरी, खिड़कियां संगीन जालीदार सात. जीना हुजरा सानी के अन्दर से मंजिल दोम पर जाने के लिये इससे मुतल्लिक आराजी नं. १ मोसूमे पारक मसजिद मियांजी साहब जिसका खसरा नं. ४६२, रकबा १–७० था, लेकिन इसमें से ०–२७ रकबा गवर्नमेंट को बाल विहार के लिये दे दिया गया. इसमें दरख्तान समरदार और गैर समरदार नसब हैं. आराजी नं. २, खसरा नं. ४६५।५—७९ डी. है. आराजी नं. ३ मुतल्लिका मसजिद, जिसका खसरा नं. ४६५।४ रकबा ०.४१ है. इसमें रामफल के दो और नीम का एक दरख्त रोईदा है. नीज सिलसिले दुकानात १३ किता जो मसजिद हाजा से मुतल्लिक हैं. मसजिद के जानिब मगरिब और जानिब जुनूब मसजिद मजकूर है. एक मोटर गेरिज आराजी नं. १ बरलबे सड़क वाके है. यह चादरपोश है और आहनी चादर के फाटक नसब है व एक खंडर वाके मुत्तसिल मोटर गेरिज है व एक कोठरी वाके अकब दुकान नं. १० खिफालापोश है. आमदनी सालाना १,१२८ रु. है.	हाजी सैयद मियांजी नूर मोहम्मद साहब मरहूम, साकिन छावनी, सीहोर. मजहबी इबादत इलाही.
४१४	१६०२	.. मकान नं. १ मुतल्लिका सुल्तानुल मसाजिद उर्फ मियांजी साहब वाली मसजिद वाके बरलबे सड़क अकब दुकानात छावनी, सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक व मगरिब—सड़क. शुमाल—मकान घनशाम लोहार. जुनूब—मकान कन्हय्या लाल सिकलीगर.	यक किता मकान पुख्ता चादरपोश इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया है. सेहन-पाखाना-कोठरी सेहदरा. आमदनी सालाना ६० रु. है.	खान बहादुर डॉक्टर एहमद बक्श साहब मरहूम, चीफ सर्जन, रियासत भोपाल, सा. इंदौर. मजहबी अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद.
४१५	१६०३	.. मकान नं. २ मुतल्लिका सुल्तानुल मसाजिद उर्फ मियांजी साहब वाली मसजिद, छावनी सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक व जुनूब—सड़क सरकारी. मगरिब व शुमाल—आराजी नं. १ मौसूमे पारक मसजिद.	यक किता मकान पुख्ता यक मंजिला कवेलूपोश इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया है. सेहन, पाखाना, दालिया, कमरा सायेबान पेश कमरा.	हाजी सय्यद मियांजी नूर मोहम्मद साहब मरहूम, साकिन छावनी सीहोर. मजहबी-अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद.
४१६	१६०४	.. निस्फ हिस्सा मकान नं. ३ मुतल्लिका सुल्तानुल मसाजिद वाके मेहल्ला चकलापुरा, छावनी सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक—रास्ता. मगरिब—सड़क. शुमाल—बकीया निस्फ हिस्सा मकान. जुनूब—मकान जुम्मा.	यह कुल का कुल मकान इस तौर पर वक्फ है कि इसका निस्फ शुमाली हिस्सा सुल्तानुल मसाजिद में वक्फ है और बकिया जुनूबी हिस्सा जामे मसजिद, छावनी सीहोर उर्फ सरायँ वाली मसजिद में वक्फ है. मसजिद हाजा में जो शुमाली हिस्सा वक्फ है उसमें कोठा एक खाम खिफालापोश सेहन कोठा मजकूर के आगे है. आमदनी सालाना ३६) है.	मुसम्मात छुटमा बाई बेवा दौलत साहब नदाफ, साकिन छावनी सीहोर. मजहबी, अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद.

	२	३	४	५
	१६०५ ..	बाग मुतल्लिका मुलतानुल मसाजिद वार्क स्टेशन रोड, मेहतर मेहल्ला, छावनी सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक—आबादी मेहतरान. मगरिब—सड़क सरकारी. शुमाल—आराजी नं. १०५. जुनूब—आराजी नं. १०२.	दो किता आराजियात सरसब्ज व शादाब जिनमें बाग लगा है इसमें एक आराजी का खसरा नं. १०२, रकबा ५-१० है दूसरी आराजी का खसरा नं. १०३।२ रकबा ०-२५ है इसमें काश्त होती है और इसमें दरख्तान आम १२, जामुन १, अमरूद ६, बेरी ३, इमली २, शहतूत २, बील १, मोगरा एक तख्ता, मोरसली एक नसब है व एक चाह पुख्ता आबपाशी के लिये मौजूद है. आमदनी सालाना ३००) है.	मुसम्मात हशमत बेगम साहेबा उर्फ शान्तीबाई साहेबा जोज खान बहादुर डॉक्टर एहमद बक्ष साहब मरहूम, चीफ सर्जन, रियासत भोपाल, साकिन इंदौर. मजहबी अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद.
४१८	१६०६ ता १६१७	मसजिद भोपाली फाटक करबे सीहोर. हुदूद अरबा.— हरचार जानिब आराजी मुतल्लिका मसजिद हाजा बादहू सड़क.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया जिसका रास्ता आराजी नं. १ में से है. इस दरवाजे के आगे तीन संगीन कदमचे तामीर हैं सेहन खाम इसमें दो गुसलखाने व एक सकावा तामीर है सेहन पुख्ता—इमारत मसजिद पांचदरी जिसकी जुनूबी दीवार में एक खिड़की नसब है. बरआमदा आहनी चादरपोश. सेहन खाम में दरख्तान समरदार व गर समरदार व फुलवार मुतफर्रिक नसब है. आराजी नं. १ मुतल्लिका मसजिद भोपाली फाटक इसमें गिट्टी का रास्ता बना हुवा है. यह आराजी मशरकी सदर दरवाजे के आगे है और जानिब शुमाल व जुनूब चोबी खंबों से मेहदूद है. इसमें एक चाह पुख्ता भी है. यह जानिब मशरिक २१ फीट, जानिब मगरिब ५९ फीट, जानिब शुमाल ६० फीट और जानिब जुनूब ५४ फीट है. आराजी नं. २ मुतल्लिका मसजिद भोपाली फाटक वार्के एन अकब मसजिद इसमें मसजिद की मगरिबी दीवार के एन नीचे तीन किता दुकानात तामीर है. पैमाइश जानिब मशरिक ११२ फीट, मगरिब ११७ फीट, जानिब शुमाल २५५ फीट, जानिब जुनूब ११७ फीट है. आराजी नं. ३ मुतल्लिका मसजिद भोपाली फाटक वार्के मुलहिक शुमाली दीवार मसजिद. इस आराजी में मसजिद का शुमाली दरवाजा खुलता है और इसके आगे पांच कदमचों का संगीन जीना कायम है. यह जानिब मशरिक ८ फीट और जानिब मगरिब ४१ फीट, जानिब शुमाल ७१ फीट, जानिब जुनूब ५७ फीट है. आराजी नं. ४ यह मसजिद मजकूर की जुनूबी दीवार से ऐन मुलहिक है इसमें जुनूबी दरवाजा खुलता है और इसके आगे पांच कदमचों का जीना है. यह जानिब मशरिक ३॥ फीट, जानिब मगरिब ८। फीट, जानिब शुमाल ५७॥ फीट और जानिब जुनूब ५९ फीट है और ४ किता दुकानात का सिलसिला शुमालन व जुनूबन है यह दुकानें मसजिद की मगरबी के मुलहिक हैं और यह दुकानात आराजी नं. २ में कायम हैं. आमदनी सालाना ७२) है.	हर हाईनेस नवाब सुलतानजहां बेगम साहेबा मरहूमा, साबिक फरमारवाये रियासत भोपाल. मजहबी, इबादत इलाही.
४१९	१६१८ ..	मसजिद सायर व तूतरा कस्बे सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक व मगरिब व शुमाल—रास्ता. जुनूब—मकान परना कसार.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसका सदर दरवाजा शुमाल रूया जिसके आगे दो कदमचों का एक जीना है. फर्श संगीन. हुजरा. सेहन पुख्ता इमारत मसजिद पांचदरी—गुसलखाना है.	हर हाईनेस नवाब शाहजहां बेगम साहेबा मरहूमा, साबिक फरमारवाये, रियासत भोपाल. मजहबी इबादत इलाही

	२	३	४	५
	[illegible]-३१	मसजिद नासरी वाके मेहल्ला गंज मुत्तसिल मोटर स्टेन्ड, छावनी सीहोर. हुदूद अरबा:— मशरिक व जुनूब—सड़क. मगरिब—रास्ता. शुमाल—आबादी.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला खसरा नं. २४० रकबा ०.१२ डी. है—इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया है. सेहन पुख्ता इमारत मसजिद सेहदरी कवेलूपोश जिसके आगे आहनी चादरपोश दालान सेहदरा है. जिसका एक दर जानिब शुमाल, दूसरा जानिब जुनूब भी है. हुजरा मसजिद के जानिब शुमाल है व अन्दरून मसजिद एक आराजी मुसल्लस की शक्ल में है. जानिब मशरिक ४४ फीट और जानिब मगरिब २७ फीट, जानिब शुमाल ४५ फीट और जानिब जुनूब २० फीट है. इसमें मोरसली का एक दरख्त भी है और जानिब शुमाल जो आराजी है उसका तूल शरकन-गरबन ६१ फीट, अर्ज शुमालन-जुनूबन १४ फीट है. इसमें ५ नीबू व ४ अमरूद व २ शरीफे के दरख्त रोईदा हैं—आराजी नं. ३ जो जानिब जुनूब अन्दरून अहाता मसजिद है इसमें एक पुख्ता कुआं, दो गुसलखाने तामीर हैं. आम का एक दरख्त व अन्जीर एक अरन्ड ककड़ी तीन व गुलाब ६, मदोकामनी का एक दरख्त रोईदा है. यह जानिब मशरिक ४० फीट और जानिब मगरिब २९ फीट व शुमाल ४२ फीट और जानिब जुनूब २१ फीट है और जानिब मशरिक व जुनूब ४ किता दुकानात इकेहरी चादरपोश जिसके आगे सीमेंट का चबूतरा तामीर है. आमदनी सालाना ३६०) है.	मुसलमानान एहले मेहल्ला ने बाहमी चन्दे से तामीर कराके वक्फ की है. मजहबी—इबादत इलाही.
१	१६३२ ता १६३५	मसजिद पलटन वाली वाके मुत्तसिल सुलतानुल मसाजिद उर्फ मियांजी साहब वाली मसजिद, छावनी सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक—आराजी मोकूफा मुतल्लिका मसजिद. मगरिब—मकान व आराजी सय्यद मेहमूद हुसेन साहब वकील. शुमाल—आराजी मोकूफा मुतल्लिका मसजिद. जुनूब—सड़क सरकारी.	यक किता मसजिद पुख्ता कवेलूपोश जिसका खसरा नं. ४९४।४६० रकबा ०.२२ डी. है. सदर दरवाजा जुनूबरूया बरलबे सड़क सेहन खाम जानिब मशरिक व जुनूब जिसमें एक सकावा तामीर है इसमें अमरूद एक, और शहतूत का एक दरख्त नसब है. सदर दरवाजा सानी जानिब मशरिक गुसलखाना सेहन खाम के गोशे शुमाल मशरिक में है. सेहन पुख्ता, इमारत मसजिद सेहदरी कवेलूपोश, हुजरा मशरिक रूया इमारत मसजिद के जानिब जुनूब है व आराजी नं. १ मुतल्लिका मसजिद वाके पेश मशरकी दरवाजा है. इसमें अमरूद एक और इमली का दरख्त एक रोईदा है—इसका तूल शुमालन जुनूबन ६१ फीट, अर्ज शरकन गरबन २४ फीट है.	बजमाने पोलीटीकल एजेन्सी भोपाल बमुकाम सीहोर मुसलमानान मुलाजमान पलटन ने बाहमी चन्दे से तामीर कराके वक्फ की. मजहबी, इबादत इलाही.
२	१६३६ ता १६३७	आराजी नं. २ मुतल्लिका मसजिद पलटनवाली वाके जानिब मशरिक आराजी नं. १, छावनी सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक व शुमाल—आराजी उफतादा व रास्ता आम. मगरिब—आराजी सय्यद मेहमूद हुसेन साहब, वकील. जुनूब—सड़क सरकारी.	यक किता आराजी काश्त जिसका मजमूई रकबा ४४७७१ मुरब्बा फीट है. यह आराजी दो हिस्सों में मुनकसिम है हिस्सा अव्वल मसजिद के जानिब शुमाल मगरिब और रकबा २१८७९ मुरब्बा फीट है और हिस्सा दोम का रकबा २२८९२ मुरब्बा फीट है. इसमें बेरी एक, अरंड ककड़ी दो, इमली ३ व अमरूद ५ व विलायती इमली २ व नीम के दो दरख्त रोईदा हैं. इसमें एक चाह भी पुख्ता मौजूद है. आमदनी सालाना १७५ रु. है.	हाजी काजी मौलवी मोहम्मद उवेस साहब बहादुर, बी. ए., एल-एल. बी., रिटायर्ड डिस्ट्रिक्ट व सेशन जज, भोपाल. मजहबी, अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद.
[illegible]	१६३८ ता १३६९	मसजिद लायब्रेरी वाली वाके मुत्तसिल न्यू मिडिल स्कूल, छावनी सीहोर हुदूद अरबा.— मशरिक व शुमाल—न्यू मिडिल स्कूल. मगरिब—बावली पुख्ता. जुनूब—रास्ता.	यक किता मसजिद पुख्ता. इस मसजिद की तीन जानिब की दीवार और फर्श सालिम मौजूद है लेकिन छत मुन्हदिम हो चुकी है. इसके शुमाल व जुनूब की दीवार में एक-एक खिड़की कायम है और मसजिद के अहाते के वस्त में एक मजार है. अहाता व मसजिद का तूल शरकन-गरबन ८५ फीट, अर्ज शुमालन-जुनूबन ५३ फीट है व बावली पुख्ता.	मजहबी, इबादत इलाही.

१	२	३	४	५
			मुतल्लिका मसजिद वाके अकब मगरबी दीवार मसजिद है.	
४२४	१६४० ता १६४३	मसजिद बांसपुरा वाके मेहल्ला बांसपुरा, कस्बे सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक व शुमाल व जुनूब—रास्ता. मगरिब—मैदान.	यक किता मसजिद पुख्ता आहनी चादरपोश इसका सदर दरवाजा मशरिक रुया सेहन खाम, जिसमें गुसलखाना व कुवां पुख्ता तामीर है और दरख्तान समरदार व फुलवार नसब हैं. पुख्ता सेहन भी है. बरआमदा इमारत मसजिद सेहदरी, जिसकी शुमाली दीवार में एक खिड़की और जुनूबी दीवार में एक अलमारी नसब है और ४ इमली के दरख्त भी हैं. आमदनी सालाना ३०० रु. है.	हाफिज मोहम्मद इस्माईल साहब मरहूम, ताजिर पारचा, साकिन मेहल्ला बांसपुरा, कस्बे सीहोर. मजहबी—इबादत इलाही.
४२५	१६४४	.. मसजिद कलन्दरी वाके बेरलवे स्टेशन रोड जानिब मशरिक अन्दरून अहाता दरगाह दूल्हा मियां साहब रेहमतुल्ला इलेह, छावनी सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक व शुमाल—आराजी अब्दुल लतीफ साहब. मगरिब—स्टेशन रोड. जुनूब—नाला.	यक किता मसजिद कलन्दरी पुख्ता इसकी मगरबी दीवार कद्दे आदम बलन्द है इसका चबूतरा भी पुख्ता है, जिसपर एक फर्श मौजूद है, इसका तूल शुमालन व जुनूबन १७ फीट और अर्ज शरकन-गरबन १६ फीट है.	मजहबी—इबादत इलाही.
४२६	१६४५ ता १६४७	कबरस्तान दूल्हा मियां वाला वाके मुत्तसिल मसजिद कलन्दरी. हुदूद अरबा.— मशरिक व शुमाल—आराजी अब्दुल लतीफ साहब. मगरिब—स्टेशन रोड. जुनूब—नाला.	यक किता आराजी कबरस्तान खसरा नं. १२३ रकबा ०—२८ है इसमें कसरत से पुख्ता व खाम कबरें मौजूद हैं इसमें फलदार दरख्तान भी हैं.	खैराती—तदफीन अमवात.
४२७	१६४८	.. मसजिद कलन्दरी वाके अन्दरून अहाता कदवाई एग्रीकल्चर कालिज, छावनी सीहोर. हुदूद अरबा.— हर चार जानिब आराजी अहाता कालिज मजकूर.	यक किता मसजिद पुख्ता कलन्दरी, जो हर चार जानिब पुख्ता दीवार से मेहदूद है. आमदोरफ्त के लिये चोबी दरवाजा नसब है.	मजहबी—इबादत इलाही.
४२८	१६४९ ता १६५२	मसजिद बड़वाली वाके मेहल्ला जामनपुरा, कस्बा सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक—न.ला. मगरिब—रास्ता. शुमाल—आराजी मुतल्लिका मसजिद हाजा. जुनूब—मकान कल्लू भाई साहब.	यक किता मसजिद पुख्ता आहनी चादरपोश इसका सदर दरवाजा मगरिब रुया है. सेहन खाम इसमें फलदार दरख्त है. चाह पुख्ता. सकावा. गुसलखाना. इसमें इमामबक्श साहब की कबर भी है व नीज आराजी मुतल्लिका मसजिद हाजा, जिस्का तूल शुमालन-जुनूबन ११० फीट और अर्ज शरकन-गरबन ६१ फीट है. यह आराजी बलन्द चोबी दीवार से मेहदूद है. इसमें फुलवार और फलदार दरख्त भी हैं.	इमामबक्श साहब मरहूम मेहतर चौधरी, साकिन मेहल्ला जामनपुरा. कस्बे सीहोर. मजहबी—इबादत इलाही.
४२९	१६५३ ता १६५६	मसजिद कबीटवाली वाके मेहल्ला जामनपुरा, कस्बे सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक—रास्ता. मगरिब—सड़क. शुमाल—मैदान. जुनूब—आराजी मुतल्लिका मसजिद हाजा.	यक किता मसजिद पुख्ता इसका सदर दरवाजा जुनूब रुया सेहन खाम इसमें फुलवार और फलदार दरख्त भी हैं. सकावा, गुसलखाना, सेहन पुख्ता इमारत मसजिद पांचदरी आहनी चादरपोश, जिसकी शुमाली व जुनूबी दीवार में एक-एक खिड़की नसब है और मशरकी दीवार से मुल्हिक एक चाह पुख्ता मौजूद है.	फैजखां साहब मरहूम, चौधरी, साकिन मेहल्ला जामनपुरा, कस्बे सीहोर. मजहबी—इबादत इलाही.
४३०	१६५७ ता १६५८	आराजी मुतल्लिका मसजिद कबीटवाली, जो मसजिद के जानिब जुनूब है. हुदूद अरबा.— मशरिक व जुनूब—रास्ता. मगरिब—सड़क सरकारी. शुमाल—मसजिद.	आराजी यक किता जिसके जानिब मशरिक व मगरिब व जुनूब चोबी दीवार बतौर अहाता मौजूद है और जानिब शुमाल मसजिद की जुनूबी दीवार है यह जानिब मशरिक ४९ फीट और मगरिब ५३ फीट और जानिब शुमाल ५३ फीट और जानिब जुनूब ५३ फीट है. इसमें एक बगीचा भी है.	चौधरी कासमखां साहब मरहूम व इब्राहीमखां साहब मरहूम, साकिन मेहल्ला जामनपुरा, कस्बे सीहोर. खैराती—निस्तार मसजिद.
४३१	१६५९ ता १६६२	जामे मसजिद, कस्बे सीहोर वाके अकब साबिक इमारत निजामत मेहल्ला, ब्राह्मनपुरा, सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक—आराजी उफतादा. मगरिब—आराजी नं. २ मुतल्लिका मसजिद. शुमाल—आराजी नं. १ मुतल्लिका मसजिद हाजा.	यक किता मसजिद संगीन इसका सदर दरवाजा मशरिक रू । डेवढ़ी संगीन-दूसरा संगीन सदर दरवाजे के जानिब शुमाल गुसलखाना सेहन संगीन-इमारत मसजिद संगीन दोहरी पांच-पांच दरी, जिसके अन्दरूनी हिस्से की शुमाली और जुनूबी दीवारों में एक-एक खिड़की है. इसीसे मुतल्लिका	मुर्गीसुद्दीन शाह मरहूम वाल्दह हर हाइनेस नवाब सिकन्दर जहां बेगम साहेबा मरहूमा, साबिक फरमारवाये, रियासत भोपाल. मजहबी—इबादत इलाही.

२	३	४	५
		आराजी नं. १, जो मसजिद की शुमाली दीवार से मुलहिक है खाम है जिसका तूल शरकन-गरबन १०५ फीट और अर्ज शुमालन व जुनूबन १८ फीट है इसमें शरीफों के दरख्त हैं. आराजी नं. २ वाके अकब मसजिद, जिसका तूल शुमालन-जुनूबन ४७ फीट अर्ज शरकन-गरबन २५ फीट है इसमें भी गोंदी व शरीफों के दरख्त हैं.	
१६६४ ..	मसजिद काजीपुरा वाके मेहल्ला काजीपुरा, कस्बे सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक, मगरिब व जुनूब—रास्ता आम. शुमाल—खंडर रोशनखां साहब.	यक किता मसजिद पुख्ता जिसकी छत डांटदार है इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया है. सेहन खाम, जिसमें एक गुसलखाना और जानिब जुनूब चाह पुख्ता तामीर है सेहन संगीन. इमारत मसजिद सेहदरी.	काजी निजामुद्दीन साहब मरहूम वल्द काजी हसनअली साहब मरहूम, साकिन काजीपुरा, कस्बे सीहोर. मजहबी—इबादत इलाही.
१६६५ ता १६६६	ईदगाह सीहोर वाके जानिब मगरिब सरक्यूलर रोड, कस्बे सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक—आराजी उफतादा दयालाल साहब बादहू नाला व सरक्यूलर रोड. मगरिब—आराजी परमा साहब शुमाल—कबरस्तान. जुनूब—नाला.	यह किता ईदगाह पुख्ता है इसका खसरा नं. २०९—२।१।०—४६, इसमें एक कबीट का दरख्त है इसमें जानिब मशरिक ४ दरवाजे आमदो रफ्त के लिये कायम हैं शुमाली जानिब भी एक दरवाजा तामीर है इसका तूल शुमालन-जुनूबन १३१ फीट, अर्ज शरकन-गरबन १०३ फीट है.	अमीरूल मुल्क वालाजाह नवाब सय्यद सिद्दीकी हसन साहब मरहूम, शोहर हर हाईनेस नवाब शाहजहां बेगम साहेबा मरहूमा, साबिक फरमारवाये, रियासत भोपाल. मजहबी, इबादत इलाही.
१६६७ ता १६६९	कबरस्तान तकिया पीर बुढ़न वाके कस्बे सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक व शुमाल—रास्ता. मगरिब व जुनूब—सड़क.	आराजी कबरस्तान इसका खसरा नं. ८२५, रकबा ०.६१ है इसमें पुख्ता व खाम कबरें मौजूद हैं नीम व इमली के दरख्तान हैं व एक किता मसजिद कलन्दरी है हरसेह जानिब की दीवारें शिकस्ता हैं इसका तूल शरकन-गरबन २७ फीट और अर्ज शुमालन-जुनूबन १९ फीट है.	साबिक हुकूमत, रियासत भोपाल. खैराती तदफीन अमवात.
१६७० ता १६९७	मसजिद मन्डी वाके मेहल्ला मंडी, सीहोर. हुदूद अरबा.— हरचार जानिब आराजी मुतल्लिका मसजिद हाजा.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला खसरा नं. ६६३ इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया डेवढ़ी सेहन पुख्ता इमारत मसजिद पुख्ता सेहदरी जिसकी मगरबी दीवार में तीन खिड़कियां हैं बरआमदा आहनी चादरपोश है. इसीसे मुतल्लिक आराजी नं. १ पेश सदर दरवाजा वाके है यह जानिब मशरिक १०९ फीट व जानिब मगरिब ११२ फीट, जानिब शुमाल ५९ फीट, जानिब जुनूब १७ फीट है, दो पेशाबखाने भी इसी आराजी में हैं चोबी खंबों से व आहनी खारदार तार से मेहदूद है और आराजी नं. २ जानिब शुमाल है यह जानिब मशरिक ५३ फीट जानिब मगरिब ६८ फीट, जानिब शुमाल १०४ फीट जानिब जुनूब ९८ फीट है यह भी चोबी खंबों पर आहनी तार से हदबन्दी करदी गई है और आराजी नं. ३ जो जानिब जुनूब है यह जानिब मशरिक १३८ फीट और जानिब मगरिब १०२ फीट व शुमाल १०० फीट जानिब जुनूब ४९ फीट है. इस आराजी में मसजिद के ममलूका कोठों के तीन सिलसिले तामीर हैं जिसमें ६ जुनूब रूया, ६ मशरिक रूया, ५ मगरिब रूया हैं. आमदनी सालाना १,११६) है.	मुसलमानान, मंडी सीहोर ने बाहमी चन्दे से तामीर कराके वक्फ किया—मजहबी. इबादत इलाही.
१६९८ ता १७०५	कबरस्तान बीबी साहेबा वाके कस्बे सीहोर मुत्तसिल झुग्गा बाड़ी. हुदूद अरबा.— मशरिक—गोहा बादहू हरसेह जानिब खेत.	यक किता आराजी कबरस्तान नम्बरान १६४।३-३, ५७३।०—४१, ५७४।१—४१, ५७५।०—८७, २७५।२।०—२१, ५७६।१।१—३ ५७६।२।०—३०, ५७८।१।०—४१, ५७८।२।०—३ है. इसमें दरख्तान समरदार व गेर समरदार रोइदा हैं.	साबिक हुकूमत रियासत भोपाल. खैराती—तदफीन अमवात.
...६ ता १७०८	कबरस्तान वाके मुत्तसिल ईदगाह जानिब शुमाल ईदगाह कस्बे सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक—आराजी दयालाल. मगरिब व शुमाल—आराजी परमा. जुनूब—ईदगाह.	यक किता आराजी कबरस्तान खसरा नं. २१२।०—३५ इसमें बहुत सी खाम व पुख्ता कबरें मौजूद हैं. इसमें फलदार दरख्त भी हैं. बांस के दरख्त हैं.	,,]

१	२	३	४	५
[illegible]	[illegible] ता १७१४	कबरस्तान अलीगढ़ वाके अकब मसजिद चोपड़ा, कस्बे सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक—आराजी इम्तीयाज हुसेन साहब. मगरिब—आराजी शुगर फेक्टरी. शुमाल—कबरस्तान मोमनान. जुनूब—नाला.	यक किता आराजी कबरस्तान जिसमें कसरत से खाम व पुख्ता कबरें मौजूद हैं खसरा नं. ५८९।५–४२, ११५३।५८९।२–० इसमें दरख्तान समरदार वगैरा भी नसब हैं व यक किता मसजिद कलन्दरी जो दीवार अहाते से मेहदूद है अन्दरून कबरस्तान है व यक किता चाह पुख्ता जो मसजिद कलन्दरी में गोशे शुमाल व मशरिक में हैं.	साबिक हुकूमत, रियासत भोपाल. खेराती—तदफीन अमवात.
४३९	१७१५ ता १७१६	कबरस्तान मोमनान वाके मुत्तसिल मसजिद चोपड़ा व आराजी शुगर फेक्टरी, कस्बे सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक—आराजी मिरजा मतलूब बेग साहब. मगरिब व शुमाल आराजी शुगर फेक्ट्री. जुनूब—कबरस्तान अलीगढ़.	यक किता आराजी कबरस्तान खसरा नं. ५९२।३–४९ इसमें पुख्ता व खाम कबरें मौजूद हैं इसमें दरख्तान फुलवार वगैरह भी हैं.	"
४४०	१७१७ ..	कबरस्तान वाके अन्दरून अहाता शुगर फेक्टरी, सीहोर. हुदूद अरबा— हर चार जानिब आराजी शुगर फेक्टरी है.	यक किता आराजी कबरस्तान खसरा नं. ६१५।१।०—३३. इसमें खाम व पुख्ता कबरें मौजूद हैं.	"
४४१	१७१८ ता १७२०	कबरस्तान वाले मियां साहब वाके अकब मकान मोहम्मद एहमद साहब, ठेकेदार, मोहल्ला तलय्या, कस्बे सीहोर. हुदूद अरबा.– मशरिक—मकान मोहम्मद एहमद साहब, ठेकेदार. मगरिब—मकान गोविंदराव साहब. शुमाल—मकानात अब्दुल मजीद साहब वगैरह. जुनूब—रास्ता.	यक किता आराजी कबरस्तान जिसका खसरा नं. ७९८।०–५० इसमें पुख्ता व खाम कबरें मौजूद हैं. इसमें एक इमली का दरख्त है व अन्दरून कबरस्तान एक मसजिद कलन्दरी भी हैं जो शकिस्ता है.	"
४४२	१७२१ ता १७२७	कबरस्तान पीर बुढन वाके मुत्तसिल लोटिया पुल, कस्बे सीहोर. हुदूद अरबा— मशरिक व जुनूब—सड़क. मगरिब—आराजी वेदप्रकाश सा० शुमाल—आराजी मुसम्मात धनीया साहेबा.	यक किता कबरस्तान जिसमें पुख्ता व खाम कबरें मौजूद हैं खसरा नं. ८०७।०–३९, ८१३।१–०, ८२३।१–७४. इसमें समरदार वगरह के दरख्तान भी हैं.	"
४४३	१७२८ ता १७३०	मसजिद काजी हैदर साहब वाके अकब अदालत सब-जजी, छावनी सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक व जुनूब—सड़क व पार्क. मगरिब—आराजी वाकिफ साहब. शुमाल—मकान वाकिफ साहब.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसका सदर दरवाजा जुनूब रुया है—सेहन संगीन सकावा व हम्माम. कुव. इमारत मसजिद सेहदरी जिसके दरमियानी दर में आहनी सलाखदार किवाड़ नसब हैं और शुमाली व जुनूबी दरों में आहनी सलाखदार जालीदार एक-एक खिड़की नसब है. जुनबी दीवार में एक खिड़की नसब है. हुजरा बरआमदा आहनी चादरपोश चारदरा है व नीज आराजी मुतल्लिका मसजिद जो मसजिद के जानिब जुनूब वाके है इसमें फलदार दरख्त भी हैं. इसकी पैमाइश मशरिक की तरफ २८ फीट और जानिब मगरिब ३५ फीट, जानिब शुमाल ३६ फीट, जानिब जुनूब ३६ फीट है.	काजी मोहम्मद हैदर साहब मरहूम, साकिन मुत्तसिल मसजिद हाजा. मजहबी—इबादत इलाही
४४४	१७३१ ता १७३५	मसजिद एक मिनारेवाली वाके मोहल्ला गंज मुत्तसिल मवेशी बाजार, छावनी सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक—मवेशी बाजार. मगरिब व जुनूब—सड़क. शुमाल—चौकी पुलिस.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसका खसरा नं. २६६ है और जानिब शुमाल व जुनूब दो सदर दरवाजे हैं, सेहन खाम व एक चाह पुख्ता व गुसलखाना. दूसरा सेहन पुख्ता है. इमारत मसजिद सेहदरी जिसमें चोबी किवाड़ नसब हैं. इसकी मगरबी दीवार में तीन खिड़कियां हैं. जुनूबी दीवार में भी एक खिड़की है. हुजरा एक. आराजी नं. १ मुतल्लिका मसजिद वाके जानिब मशरिक मसजिद है पुख्ता कुवां इसी आराजी में है इसका तूल शुमालन-जुनूबन ६४ फीट, अर्ज शरकन-गरबन ६० फीट है. आराजी नं. २ जो जानिब शुमाल मसजिद वाके है इसका तूल शरकन-गरबन ४२ फीट, अर्ज शुमालन-जुनूबन ५ फीट है.	मुकेरियान छावनी सीहोर के अफरादने बाहमी चन्दे से तामीर कराके वक्फ की. मजहबी—इबादत इलाही

	३	४	५
		आराजी नं. ३ जो जानिब शुमाल इसका तूल शरकन-गरबन १४ फीट, अर्ज शुमालन-जुनूबन ४ फीट है. आराजी नं. ४ जो जानिब मगरिब है यह मशरिक में ४६ फीट, मगरिब में ४५ फीट, शुमाल में १६ फीट, जुनूब में ३५ फीट लम्बी है.	
१७३६ ..	मकान नं. १ मुतल्लिका मसजिद एक मिनारे-वाली बार्के मोहल्ला मुकेरियान गंज, छावनी सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक व शुमाल–सड़क सरकारी. मगरिब–मकान खलील एहमद साहब. जुनूब–मकान गोविन्दराम साहब.	यक किता मकान पुख्ता यक मंजिला सिफालापोश चबूतरा खाम कमरे दो मशरिक रूया सेहन जिसमें पाखाना, गुसलखाना तामीर है.	अफराद मुकेरियान ने बाहमी चन्दे से खरीद कर वक्फ किया है. खैराती, अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद.
१७३७ .	मकान नं. २ मुतल्लिका मसजिद एक मिनारे-वाली बार्के छावनी सीहोर. हुदूद अरबा.– मशरिक व मगरिब–सड़क. शुमाल–मकान मोहन उस्ताद. जुनूब–मकान बद्दूलाल मिस्तरी.	यक किता मकान पुख्ता यक मंजिला आहनी चादरपोश व कवेलूपोश मशरिक रूया, दालान, कमरे दो, सेहन जिसमें गुसलखाना व पाखाना बना है. आमदनी सालाना ९६ रुपये हैं.	शेख मुन्नू साहब वल्द शेख कय्यूम साहब, साकिन छावनी सीहोर व नसरुल्ला खां साहब वल्द अमीरखां साहब, साकिन छावनी सीहोर. खैराती, मसारिफ आबादानी मसजिद.
१७३८ ..	मकान नं. ३ मुतल्लिका मसजिद एक मिनारे-वाली बरलबे गंज रोड जानिब मशरिक छावनी सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक–गंज रोड. मगरिब–आराजी सरकारी. शुमाल–मकान पूरन मिस्तरी. जुनूब–मकान मास्टर खुदाबक्ष साहब.	यक किता मकान पुख्ता दो मंजिला कवेलूपोश मशरिक रूया चबूतरा बतौर सेहन दालान दो चश्मे, कोठे दो, सेहन जो चारदीवारी से महदूद है. इसमें गुसलखाना व पाखाना भी है. आमदनी सालाना ९६ रुपये है.	अफराद मुकेरियान ने बाहमी चन्दे से खरीद-कर वक्फ किया है खैराती, अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद.
१७३९ ता १७४०	आराजी नं. ५ मुतल्लिका मसजिद एक मिनारे-वाली बार्के मोहल्ला मुकेरियान, छावनी सीहोर. हुदूद अरबा–हरचार जानिब रास्ता आम.	यक किता आराजी खाम इसमें एक दरख्त इमली का है इसका तूल शरकन-गरबन ४१ फीट, अर्ज शुमालन-जुनूबन ३७ फीट है.	मजहबी, निस्तार मसजिद.
१७४१ ..	आराजी नं. ६ मुतल्लिका मसजिद एक मिनारेवाली बार्के मोहल्ला मुकेरियान, छावनी सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक व मगरिब–रास्ता. शुमाल–आराजी भूरेखां साहब. जुनूब–मकान मुन्ने साहब.	यक किता आराजी खाम इसका तूल शरकन गरबन ५७ फीट, अर्ज शुमालन-जुनूबन १५ फीट है.	शेख छोटे साहब, मेहतर (चौधरी), साकिन मोहल्ला मुकेरियान, छावनी सीहोर. मजहबी, निस्तार मस्जिद.
१७४२ ..	दुकान नं. ४ मुतल्लिका मसजिद नासरी बार्के मुत्तसिल मोटर स्टेन्ड बरलबे गंज रोड, छावनी सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक–गंज रोड. मगरिब व जुनूब–मकान अब्दुल रसीद व अब्दुल रऊफ साहब.	यक किता दुकान दो चश्मा आहनी चादरपोश इकेहरी. आमदनी सालाना ६० रुपये हैं.	सैयद ऐहमद अली साहब मरहूम वल्द सैयद वजीरअली साहब., साकिन छावनी सीहोर- मजहबी, अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद.
१७४३ ता १७४४	मकान मुतल्लिका मसजिद नासरी मुन्दर्जा सिलसिला नं. १६१९ बरलबे आष्टा रोड, छावनी सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक–आष्टा रोड. मगरिब–रास्ता आम. शुमाल–मकान मौकूफा मुतल्लिका जामे मसजिद. जुनूब–खंडहर.	यक किता मकान पुख्ता यक मंजिला कवेलूपोश मशरिक रूया. चबूतरा संगीन दालान मशरिक रूया. कमरा दालान मगरिब रूया सेहन जिसमें एक दरख्त शरीफे का रोईदा है. आमदनी सालाना ७२ रुपये हैं.	एहेलिया साहेबा मरहूमा अब्दुल बारी साहब मरहूम, साकिनान छावनी सीहोर. मजहबी, अदाये मसारि आबादानी मसजिद.
१७४५ ता १७४७	मसजिद खुर्शीपुरा बार्के अन्दरून मोहल्ला मजकूर, कस्बे इछावर, जिला सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक, मगरिब व शुमाल–रास्ता. जुनूब–मकान छंगाशाह व छुट्टूशाह.	यक किता मसजिद पुख्ता आहनी चादरपोश. इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया है. सेहन खाम जिसमें गुसलखाना तामीर है. इसमें फलदार दरख्तान व फल-फूल नसब हैं. सेहन पुख्ता, इमारत मसजिद पांच-दरी है.	मुसलमानान ऐहले मोहल्ला ने बाहमी चन्दे से तामीर कराके वक्फ की. मजहबी, इबादत इलाही.

	२	३	४	५
४५३	१७[illegible] ..	मकान मुतल्लिका मसजिद खुर्शीपुरा, कस्बे इछावर. हुदूद अरबा.— जुनूब—मकान छब्बूशाह साहब. मशरिक व मगरिब—गली. शुमाल—रास्ता.	यक किता मकान कवेलूपोश चबूतरा खाम कमरे २, दालान एक, कोठरी एक.	बड़वाली माजी साहेब, मरहूमा, साकिन मेहल्ला खुर्शीपुरा, कस्बे इछावर. मजहबी, अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद.
४५४	१७४९ ता १७५०	मसजिद बाजारवाली जानिब मगरिब कस्बे इछावर, जिला सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक—बाजार. मगरिब—नाला. शुमाल—मकान मौकूफा मुतल्लिका मसजिद हाजा. जुनूब—मकान गिरधारीलाल.	यक किता मसजिद पुख्ता आहनी चादरपोश सदर दरवाजा मशरिक रूया, सेहन पुख्ता, इमारत मसजिद चारदरी इकेहरी गुसलखाना बेरून मसजिद जानिब शुमाल नीज आराजी मुतल्लिका मसजिद वाके अकब मसजिद हैं.	मुसलमानान ऐहले मेहल्ला ने बाहमी चन्दे से तामीर कराके वक्फ की. मजहबी, इबादत इलाही.
४५५	१७५१ ..	मकान मुतल्लिका मसजिद बाजारवाली वाके मुत्तसिल मसजिद कस्बे इछावर. हुदूद अरबा.— मशरिक—बाजार. मगरिब—खंडरा. शुमाल—मकान गुट्टी तेली. जुनूब—मसजिद बाजारवाली.	यक किता मकान खिफालापोश सदर दरवाजा बाजार की तरफ कायम है और इसके आगे बरआमदा है इसमें कोठे दो, सायेबान एक. आमदनी सालाना ४८) है.	मुसलमानान कस्बे इछावर ने मकान खरीद कर वक्फ किया है. मजहबी, अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद.
४५६	१७५२ ता १७५४	मसजिद कोलीपुरा उर्फ मसजिद रोशनखां वाके मेहल्ला मजकूर, कस्बे इछावर. हुदूद अरबा.— मशरिक—आराजी मोकूफा. मगरिब—पुश्त मसजिद बादहू रास्ता आम. शुमाल—गली. जुनूब—रास्ता आम.	यक किता मसजिद पुख्ता आहनी चादरपोश सदर दरवाजा दो जानिब मशरिक और मगरिब हैं. सेहन खाम जिसमें फुलवार के दरख्तान नसब हैं. सहन पुख्ता इमारत मसजिद पांचदरी. बरआमदा आहनी चादरपोश हुजरा व गुसलखाना. नीज आराजी मुतल्लिका मसजिद वाके अकब मसजिद इसका तूल शुमालन-जुनूबन ३० फीट, अर्ज शरकन-गरबन १० फीट है.	रोशनखां साहब मरहूम साकिन मेहल्ला कोलीपुरा, कस्बे इछावर. मजहबी, इबादत इलाही.
४५७	१७५५ ता १७५७	मसजिद गढ़ीवाली उर्फ तेहसीलवाली वाके अन्दरून अहाता, तेहसील कस्बे इछावर. हुदूद अरबा.— हरचार जानिब अहाता तेहसील.	यक किता मसजिद पुख्ता टीनपोश इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया सेहन पुख्ता इमारत मसजिद सेहदरी, बरआमदा चादरपोश सेहदरा व नीज एक बगीचा मुतल्लिका मसजिद जो मसजिद की जुनूबी दीवार से मिला हुआ है. यह बगीचा शरकन-गरबन मसजिद के तूल के बराबर तवील है और अर्ज शुमालन-जुनूबन ३ फीट है. इसमें फलदार दरख्त भी हैं व यक किता मकान पुख्ता मगरिब रूया. इसका सदर दरवाजा मगरिब रूया है. पाखाना और गुसलखाना भी है.	हर हाइनेस नवाब गोहर कुदसिया बेगम मरहूमा साबिक फरमारवाये, रियासत भोपाल. मजहबी, इबादत इलाही.
४५८	१७५८ ता १७६३	जामे मसजिद वाके मेहल्ला सीसगरपुरा, कस्बे इछावर, जिला सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान अजीमखां साहब. मगरिब—मकान गुलफाम बेग साहब. शुमाल—आराजी नं. १ मुतल्लिका मसजिद. जुनूब—रास्ता.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला आहनी चादरपोश इसका सदर दरवाजा जुनूब रूया जिसके आगे पांच कदमचों का पुख्ता जीना तामीर है. सेहन खाम जिसमें दरख्तान नसब हैं. इसमें सकावा व गुसलखाना भी है. सेहन पुख्ता जिसके जानिब शुमाल व जुनूब के लिये आहनी चादरपोश बरआमदा बना हुआ है. इमारत मसजिद पांचदरी बरआमदा आहनी चादरपोश नीज बगीचा मुतल्लिका मसजिद जो पुख्ता फर्श के जानिब शुमाल है हर चार जानिब पुख्ता दीवार से मेहदूद है इसमें फलदार दरख्तान वगैरह नसब हैं व आराजी मुतल्लिका जामे मसजिद जो बगीचे के शुमाली दीवार से मिली है इसका तूल शरकन-गरबन ९८ फीट और अर्ज शुमालन-जुनूबन १९ फीट है. आराजी नं. २ जो मसजिद की जुनूबी दीवार से मुलहिक है इसका तूल शरकन-गरबन ९८ फीट और अर्ज शुमालन-जुनूबन ६। फीट है.	मुसलमानान कस्बे इछावर ने बाहमी चन्दे से तामीर करके वक्फ की. मजहबी, इबादत इलाही.

		३	४	५
		आराजी नं. ३ का हुदूद अरबा.— मशरिक व मगरिब—गली. शुमाल—कुवां अम्मूशाह. जुनूब—रास्ता व नाला.	आराजी नं. ३ यक किता आराजी खाम है इसका तूल शुमालन-जुनूबन ३०½ फीट और अर्ज शरकन-गरबन २३ फीट है.	अम्मूशाह साहब मरहूम वल्द कासमशाह साहब मरहूम, साकिन मेहल्ला सीसगरपुरा, कस्बे इछावर.
५९	१७६४ ता १७६६	बड़ा कबरस्तान वाकै येहन आबादी कस्बे इछावर, हुदूद अरबा.— मशरिक—नाला. मगरिब—आराजी आत्माराम साहब वगैरह. शुमाल—आराजी सेठ गोपालदास साहब. जुनूब—आराजी जगन्नाथ साहब व आराजी मासूम साहब.	इस कबरस्तान में कसरत से खाम व पुख्ता कब्रें मौजूद हैं. नम्बरान खसरा १२२—३-४३, ३३१/५-२३, ३३३/२-२५ इसमें फलदार दरख्त भी हैं और गैरसमरदार दरख्त भी है.	साबिक हुकूमत, रियासत भोपाल. खैराती तदफीन अमवात.
६०	१७६७ ता १७७०	कबरस्तान पिंडारान जो आबादी कस्बे इछावर के जानिब जुनूब वाकै है. हुदूद अरबा.— मशरिक—आराजी कांदीलाल महाराज. मगरिब—रास्ता आम. शुमाल—आबादी कस्बा. जुनूब—आराजी अनोखीलाल साहब.	इस कबरस्तान में पुख्ता व खाम कबरें हैं. इसका खसरा नं. ८६७/०-७४ है इसमें दो कलन्दरी मसजिद भी हैं और इमली के चार दरख्तान भी नसब हैं.	„
६१	१७७१ ता १७७३	कबरस्तान आन मुसलमानान उर्फ मोहम्मद अली शाह वाला वाकै जानिब जुनूब कस्बे इछावर. हुदूद अरबा.— मशरिक—बाड़ा अनोखीलाल पटेल. मगरिब व शुमाल—आराजी मन्काशाह. जुनूब—आराजी मुसम्मात शाहजहां जौजे निसार मोहम्मद.	इसका खसरा नं. ८७५/०-२३ इसमें एक पुख्ता कुवां मौजूद है. इसमें समरदार और गैरसमरदार दरख्तान भी नसब हैं. खाम व पुख्ता कबरें भी हैं.	„
६२	१७७४ ता १७७५	कबरस्तान कुलजदगरान जो आबादी कस्बे इछावर के जानिब जुनूब वाकै है.	इस कबरस्तान में खाम व पुख्ता कबरें मौजूद हैं और दरख्तान समरदार भी हैं इसका खसरा नं. ११७३/९०९/०-२० है.	„
६३	१७७६ ता १७७७	ईदगाह जदीद मुतल्लिका कस्बे इछावर मुत्तसिल आबादी कस्बे इछावर, दरम्यान सीहोर-इछावर रोड जानिब मगरिब. हुदूद अरबा.— मशरिक—नाका फारेस्ट. मगरिब व जुनूब—बाग मुतल्लिका देह व नदी. शुमाल—आराजी सेठ प्रतापमलजी.	यक किता ईदगाह जिसका सदर दरवाजा सीहोर-इछावर रोड से है इसकी मगरबी दीवार बलन्द तामीर है इसका चबूतरा खाम कोरबन्दी पुख्ता है इसमें १३ दरख्त अम्बा हैं इसका खसरा नं. ४९/२/०-८५ है.	मुसलमानान कस्बे इछावर ने बाहमी चन्दे से तामीर कराके वक्फ की. मजहबी, इबादत इलाही.
६४	१७७८ ता १७७९	कबरस्तान वाकै मौजे बिलागपुरा मुत्तसिल आबादी कस्बे इछावर. हुदूद अरबा.— मशरिक—आराजी भवरजी. मगरिब—सड़क पुख्ता. शुमाल—पौहा. जुनूब—आराजी मुसम्मात कस्तूरीबाई.	इस कबरस्तान के नम्बरान खसरा १०३, १०४ १०५/०-७३ इसमें दो दरख्त अम्बा हैं, खाम व पुख्ता कबरें हैं.	साबिक हुकूमत, रियासत भोपाल. खैराती, तदफीन अमवात.
६५	१७८० ..	ईदगाह साबिक कस्बे इछावर मुतल्लिका, जो आबादी के जानिब जुनूब है. हुदूद अरबा.— मशरिक व शुमाल व जुनूब—नागावाला बाग. मगरिब—रास्ता आम.	इसका खसरा नं. ९३३/०-२ इसकी मगरबी दीवार पुख्ता है इसका चबूतरा भी पुख्ता है.	मुसलमानान कस्बे इछावर ने बाहमी चन्दे से तामीर कराके वक्फ की. मजहबी, इबादत इलाही.
६६	१७८१ ..	मकान मुतल्लिका जामे मसजिद मुत्तसिल मसजिद मजकूर कस्बे इछावर हुदूद अरबा.— मशरिक व जुनूब—मकान गुलफाम बेग साहब. मगरिब—रास्ता आम. शुमाल—मैदान.	यक किता मकान सिफालपोश इसका सदर दरवाजा मगरिब रुया है इसके आगे चबूतरा खाम है. कोठा एक जिसकी शुमाली दीवार में एक खिड़की नसब है.	भूरूखां साहब उर्फ फक्कड़, साकिन मकान मजकूर. मजहबी अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद.
६७	१७८२ ..	खंडेरा मुतल्लिका मसजिद कोलीपुरा उर्फ मसजिद रोशनखां वाकै मुत्तसिल मसजिद मजकूर, कस्बे इछावर. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान परसराम नज्जार. मगरिब—मसजिद मजकूर. शुमाल—मकान हुसेन व बशीर कुलजदगरान. जुनूब—मकान अब्दुल हकीम साहब.	यक किता खंडेरा जिसके हुदूद कायम हैं. आमदनी सालाना २५ रुपये है.	एहमद खां साहब मरहूम व बशीर खां साहब व रमजानखां साहब मरहूम, मेहल्ला सीसगरपुरा, कस्बे इछावर. मजहबी, अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद.

१	२	३	४	५
४६८	१७८३ ..	टपरिया मुतल्लिका मसजिद कोर्लीपुरा वाके अकब मसजिद कस्बे इछावर, हुदूद अरबा.— मशरिक—रास्ता आम व मसजिद. मगरिब—चाह आबनोशी. शुमाल—रास्ता आम. जुनूब—मकान शमसुल हसन.	इस टपरिया का तूल ६० फीट, अर्ज ३० फीट है. यह एक चादरपोश टपरिया है. आमदनी सालाना ४८ रुपये है.	नत्थेखां साहब मरहूम नदाफ, साकिन कस्बे इछावर. मजहबी अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद.
४६९	१७८४ ..	मकान मौसूमे इमामबाड़ा वाके मेहल्ला खुरपीपुरा, कस्बे इछावर. हुदूद अरबा.— मशरिक—कूचा नाफजा. मगरिब—मकान मेहमूद बेग साहब. शुमाल—रास्ता आम. जुनूब—खंडेरा अब्दुल रशीद खां साहब.	यह बवक्त एक किता आराजी थी अब इस पर एक खपरपोश मकान तामीर है. आमदनी सालाना ३६ रुपये है.	मीरन साहब उस्ताद मरहूम, साकिन कस्बे इछावर. खैराती, इमदाद कारहाये खेर.
४७०	१७८५ ..	दुकानात मुतल्लिका जामे मस्जिद वाके बिलमुकाबिल सदर दरवाजा जामे मसजिद, कस्बे इछावर. हुदूद अरबा.— मशरिक—गली आम. मगरिब—मैदान. शुमाल—रास्ता आम. जुनूब—मकान कालेखां साहब.	दो किता दुकानात सिफालापोश शुमाल रूया जिसके आगे सीमेंट का चबूतरा बना है. जानिब मगरिब एक साम चबूतरा तामीर है जिसकी पुख्ता कोर बन्दी है. आमदनी सालाना ७२ रुपये है.	हमीदखां साहब ठेकेदार, साकिन कस्बे इछावर. मजहबी, अदाये मसारिफ आबादानी मसजिद व मरम्मत मकानात.
४७१	१७८६ ..	बेतुल माल मुसलमानान, साकिनान कस्बे इछावर.	यह बेतुल माल सन् १९४६ ई. में सैयद कासम हसन साहब, ठेकेदार, इछावर की तेहरीक पर कस्बे के आम मुसलमानान ने बाहमी चन्दे से बतौर एक वक्फ कायम किया था. कुल रकम ९२६॥।≡)४ है.	मुसलमानान, कस्बे इछावर ने बाहमी चन्दे से यह मौकूफा फन्ड कायम किया. खैराती इमदाद कारखेर.
४७२	१७८७ ..	आराजी मुतल्लिका मसजिद कोर्लीपुरा वाके जानिब शुमाल मसजिद कस्बे इछावर. हुदूद अरबा.— मशरिक व मगरिब व शुमाल—मैदान. जुनूब—मसजिद कोर्लीपुरा.	यह किता आराजी उफतादा जिसका तूल ७५ फीट, अर्ज ३० फीट है.	अब्दुल रशीद खां साहब वल्द हाजी अब्दुल करीम खां साहब, साकिन कस्बे इछावर. मजहबी, मसारिफ आबादानी मसजिद.
४७३	१७८८ ..	मसजिद कलन्दरी वाके मौजे कोहना सिर बरलबे सीहोर-इछावर रोड जानिब मगरिब. हुदूद अरबा.— हर चार जानिब आराजी उफ्तादा.	यक किता मसजिद कलन्दरी जिसकी मगरबी दीवार पुख्ता मौजूद है और पुख्ता चबूतरा बना है और जानिब जुनूब किसी बुजुर्ग का मजार है.	मजहबी, इबादत इलाही.
४७४	१७८९ ..	मसजिद मौजे दिवड़या, तेहसील इछावर, जिला सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान गंगाराम तेली. मगरिब व शुमाल—रास्ता. जुनूब—मकान देवा कलाल.	यक किता मसजिद पुख्ता कवेलूपोश सदर दरवाजा दो—एक जानिब शुमाल दूसरा जानिब जुनूब है. इमारत मसजिद सेहदरा जिसकी शुमाली व जुनूबी दीवारों में एक-एक खिड़की है. सेहन पुख्ता शिकिस्ता हुजरा कवेलूपोश मसजिद के जानिब जुनूब है.	सैयद वजीर अली साहब मरहूम, कस्बे इछावर. मजहबी, इबादत इलाही.
४७५	१७९० ..	कबरस्तान मौजे दिवड़या, तेहसील इछावर, जो आबादी देह के जानिब जुनूब है. हुदूद अरबा.— हर चार जानिब आराजी देह.	इस कबरस्तान में कसरत से कदीम व जदीद खाम कबरें हैं.	साबिक हुकूमत, रियासत भोपाल. खैराती, तदफीन अमवात.
४७६	१७९१ ..	मसजिद मौजे कोटरी वाके बरलबे सीहोर-आष्टा रोड जानिब शुमाल तेहसील आष्टा, जिला सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक—इमारत प्रायमरी स्कूल. मगरिब—मकान सेठ छगनलाल साहब. शुमाल—आराजी काश्त भवाना वल्द दोला. जुनूब—सीहोर-आष्टा रोड.	यक किता मसजिद पुख्ता आहनी चादरपोश इसका सदर दरवाजा जुनूब रूया. सेहन खाम, इमारत मसजिद सेहदरी खसरा नं. २३७४।५३५।०-३ है.	मुसलमानान मौजे ने बाहमी चन्दे से तामीर कराकर वक्फ की. मजहबी, इबादत इलाही.
४७७	१७९२ ता १७९३	कबरस्तान मौजे कोटरी वाके बेरून आबादी जानिब जुनूब. हुदूद अरबा.— मशरिक व मगरिब व शुमाल—नाला. जुनूब—मरघट.	इस कबरस्तान में जुम्ला कदीम जदीद कबरें खाम हैं. खसरा नं. ९६०।१।१-२० इसमें आम के दरख्त पांच, महुव्वे दो रोइदा हैं.	साबिक हुकूमत, रियासत भोपाल. खैराती, तदफीन अमवात.
४७८	१७९४ ता १७९५	मसजिद कस्साबान वाके मेहल्ला कस्साबान, कस्बे आष्टा. हुदूद अरबा.— मशरिक व जुनूब—मकान शरीफ साहब. मगरिब—मकान अब्दुल करीम साहब.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला सदर दरवाजा मशरिक रूया डेवढी पुख्ता. सेहन पुख्ता इमारत मसजिद इकेहरी पांच दरी. बरआमदा आहनी चादरपोश पांच-	पंचायत कस्साबान कस्बे आष्टा ने बाहमी चन्दे से तामीर कराके वक्फ की. मजहबी,

	३	४	५
	...ाल–रास्ता.	दरा व नीज एक मकान मुतल्लिका मसजिद जानिब जुनूब पुख्ता आहनी चादरपोश जिसका सदर दरवाजा बरआमदा मसजिद की जुनूबी दीवार में से है. एक पुख्ता कमरा और सेहन खाम है.	इबादत इलाही.
...६ ता १७९७	मसजिद मंगापुरा उर्फ मोमनानपुरा वार्के अन्दरून मेहल्ला मजकूर कस्बे आष्टा, जिला सीहोर. हुदूद अरबा—हर चार जानिब रास्ता आम.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला आहनी चादरपोश इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया, सेहन खाम हैं. इसमें एक अनार और एक मदो कामनी का दरख्त है. मसजिद इकेहरी पांचदरी बरआमदा चादरपोश है.	मुसलमानान ऐहले मेहल्ला ने बाहमी चन्दे से तामीर कराके वक्फ की है. मजहबी, इबादत इलाही.
...८ ता १७९९	कबरस्तान मोमनान वार्के मेहल्ला मंगापुरा, कस्बे आष्टा. हुदूद अरबा.— मशरिक–आबादी मेहल्ला मंगापुरा. मगरिब–मरघट. शुमाल–बाड़ा मिरजा याकूब बेग साहब. जुनूब–बाड़ा मुसम्मात रकीबन बी बेवा हाफिज जमालुद्दीन साहब.	इस कबरस्तान में कसरत से खाम कबरें मौजूद हैं. इसका खसरा नं. ५९६।१·११ है. इसमें समरदार दरख्तान भी हैं.	साबिका हुकूमत, रियासत भोपाल. खैराती, तदफीन अमवात.
...० ता १८०६	मसजिद गाड़ी दरवाजा वार्के बालाइकिला, कस्बे आष्टा. हुदूद अरबा.— मशरिक–आराजी नं. १ मुतल्लिका मसजिद. मगरिब–मकान वासिल शाह साहब. शुमाल–रास्ता. जुनूब–कबरस्तान व मकान वासिल शाह साहब.	यक किता मसजिद यक मंजला सिफालापोश सदर दरवाजा मशरिक रूया जिसके आगे आठ कदमचों का संगीन जीना है. सेहन खाम. इमारत मसजिद दोहरी सेहदरी है. हुजरा सिफालापोश जिसके आगे दोदरा बरआमदा व नीज आराजी मुतल्लिका मसजिद हाजा वार्के पेश सदर दरवाजा इसका तूल शरकन-गरबन ४५ फीट, अर्ज शुमालन जुनूबन ३४ फीट. इसमें गैरसमरदार दरख्त नसब हैं व आराजी नं. २ मुतल्लिका मसजिद जो जानिब जुनूब है. इसका रकबा २–८ है, खसरा नं. ७९. इसका जमा ८।।।–) है.	हशमत खां साहब मरहूम, नाजिम, जिला आष्टा. मजहबी इबादत इलाही.
... ..	कबरस्तान वार्के जानिब जुनूब मसजिद गाड़ी दरवाजा.	इस कबरस्तान का तूल शरकन-गरबन ६४ फीट, अर्ज शुमालन-जुनूबन ३५ फीट है. इसमें मुतअद्दीद खाम कबरें है. २ पुख्ता कबरें हैं.	हिज हाइनेस नवाब मोहम्मद हमीदुल्ला खां साहब बहादुर, साबिक फरमारवाये, रियासत भोपाल. खैराती, तदफीन अमवात.
...८ ता १८०९	कबरस्तान मौसूमे अलोगढ़ अखाड़ेवाला वार्के बेरून गाड़ी दरवाजा, कस्बे आष्टा. हुदूद अरबा.— मशरिक–रास्ता आम व किला. मगरिब–नदी पारबती. शुमाल–किला. जुनूब–नजरबाग.	इस कबरस्तान का खसरा नं. ५७४–०·३८ इसमें खाम व पुख्ता कबरें मौजूद हैं और शरीफे के दरख्त भी हैं.	साबिक हुकूमत, रियासत भोपाल. खैराती, तदफीन अमवात.
... ..	मसजिद थाना वार्के अन्दरून अहाता इमारत थाना कस्बे आष्टा. हुदूद अरबा.— मशरिक व शुमाल–आराजी अहाता थाना. मगरिब–आराजी खंडहर. जुनूब–इमारत थाना.	यक किता मसजिद कवेलूपोश सदर दरवाजा मशरिक रूया जिसके आगे दो कदमचों का पुख्ता जीना है. सेहन पुख्ता, सकावा, इमारत मसजिद दोदरी.	साबिक हुकूमत, रियासत भोपाल. मजहबी, इबादत इलाही.
...ता १८१५	मसजिद मोमनान वार्के मौजे अलीपुर, तेहसील आष्टा. जिला सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक–आराजी मुतल्लिका मसजिद. बकिया हरसेह जानिब रास्ता.	यक किता मसजिद आहनी चादरपोश सदर दरवाजा मशरिक रूया. सेहन पुख्ता. इमारत मसजिद सेहदरी बरआमदा आहनी चादरपोश सेहदरा हुजरा जानिब शुमाल व जुनूब रूया. गुसलखाना बेरून मसजिद व नीज आराजी नं. १ मुतल्लिका मसजिद जो जानिब मशरिक वाके है इसका तूल शुमालन-जुनूबन ४५ फीट, अर्ज शरकन गरबन ३८ फीट है व बागीचा मुतल्लिका मसजिद जो अन्दरून सेहन मसजिद जानिब जुनूब वाके है यह पुख्ता दीवार से मेहदूद है इसमें मुख्तलिफ किस्म के दरख्तान नसब	हिज हाइनेस नवाब मोहम्मद हमीदुल्ला खां साहब बहादुर, साबिक फरमारवाये, रियासत भोपाल. मजहबी, इबादत इलाही.

१		३	४	५
			है व नीज आराजी नं. २ मुतल्लिका जो जुनूबी दीवार के एन मुलहिक है. इसका तुल शरकन-गरबन ३८ फीट, अर्ज शुमा-लन-जुनूबन १५ फीट है व इमारत मकतब मुतल्लिका मसजिद पुख्ता जुनूब रूया एक कमरा है, चादरपोश है.	
४८६	१८१६ ता १८१९	अहाता मजार सय्यद अब्दुल वाहिद शाह साहब रेहमतुल्ला अलेह वाके बेरून आबादी मौजे अलीपुर जानिब शुमाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—आराजी माफी. मगरिब व शुमाल—कबरस्तान. जुनूब—आराजी मानकलालजी.	इस अहाते का सेहन खाम है यह चार दीवारी से मेहदूद है इसके दो हिस्से हैं अन्दरूनी हिस्से में शाह साहब मगफूर का मजार है बेरूनी हिस्से में समरदार और गैरसमर-दार दरख्तान हैं व मसजिद कलन्दरी जो अहाते के अन्दरूनी हिस्से में वाके है, पुख्ता है.	खैराती—कायमी यादगार.
४८७	१८२० ..	कबरस्तान जो अहाते के जानिब शुमाल वाके है. हुदूद अरबा.— मशरिक व मगरिब व शुमाल—आराजी शेख बशीरुद्दीन साहब. जुनूब—अहाता मजार.	इसका खसरा नं. १३०—०.८१ इसमें मुत-अद्दीद खाम कबरें मौजूद हैं.	साबिक हुकूमत, रियासत भोपाल. खेराती, तद-फीन अमवात.
४८८	१८२१ ता १८२३	मसजिद शाहजहांनी वाके बरलबे सिकन्दर बाजार जानिब मगरिब कस्बे आष्टा. हुदूद अरबा.— मशरिक—सड़क सरकारी. मगरिब—मकान सैयद मुजफरअली साहब. शुमाल—रास्ता. जुनूब—गली.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया जिसके आगे दो कदमचों का संगीन जीना है डेवढ़ी, सेहन संगीन इसमें दो पुख्ता गुसलखाने तामीर हैं. इमारत मसजिद पांचदरी है बरआमदा चादरपोश पांचदरा, हुजरे दो, व नीज बागीचा मुतल्लिका मसजिद यह शुमाली दीवार से एन मुलहिक है व दुका-नात मुतल्लिका मसजिद हाजा वाके जेरीन मसजिद यह चार दुकानें हैं जिसमें तीन मशरिक की जानिब और एक शुमाल की जानिब है. आमदनी सालाना ४२०) है.	हर हाइनेस नवाब शाह-जहां बेगम साहेबा मरहूमा, साबिक फर-मारवाये रियासत भोपाल. मजहबी, इबादत इलाही.
४८९	१८२४ ता १८२५	जामे मसजिद वाके मेहल्ला किला कस्बे आष्टा. हुदूद अरबा.— मशरिक—रास्ता. मगरिब व जुनूब—मकान व आराजी मास्टर नरायन साहब. शुमाल—मकान दत्तप्रसाद साहब, जागीरदार.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला सदर दरवाजा डेवढ़ी मशरिक रूया सेहन खाम. पाखाना, पेशाबखाना, कोठरी एक, हुजरा कवेलूपोश जिसके आगे एक बरआमदा चादरपोश. सेहन पुख्ता इमारत मसजिद पुख्ता सातदरी बरआमदा आहनी चादर-पोश आठदरा.	हर हाइनेस नवाब शाहर कुदसिया बेगम साहेबा मरहूमा, साबिक फरमारवाये, रियासत भोपाल. मजहबी, इबादत इलाही.
४९०	१८२६ ता १८२८	मसजिद तेहसील वाली वाके अन्दरून अहाता तेहसील मेहल्ला किला, कस्बे आष्टा.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला सदर दरवाजा मशरिक रूया सेहन पुख्ता नं. १ जिसमें अनार का एक दरख्त और पुख्ता दो कबरें मौजूद हैं. गुसलखाना सेहन पुख्ता नं. २ इमारत मसजिद दोहरी पांच-दरी बरआमदा पांचदरा आहनी चादर-पोश व नीज एक किता मकान मुतल्लिका मसजिद जो जानिब शुमाल मसजिद है. पुख्ता यक मंजिला है. सदर दरवाजा एक मशरिक रूया और दूसरा जुनूब रूया है. कमरा आहनी चादरपोश, बरआमदा, सेहन खाम, पाखाना.	हर हाइनेस नवाब शाह-जहां बेगम साहेबा मरहूमा, साबिक फर-मारवाये, रियासत भोपाल. मजहबी, इबादत इलाही.
४९१	१८२९ ता १८३२	मसजिद काजीपुरा वाके मेहल्ला काजीपुरा, कस्बे आष्टा. हुदूद अरबा.— मशरिक—आराजी नं. १ मुतल्लिका मसजिद हाजा. मगरिब—मकान सुबहानखां साहब. शुमाल—मकान रियासतखां साहब व मकान मोइनुद्दीन. जुनूब—आराजी नं. २ मुतल्लिका मसजिद हाजा.	यक किता मसजिद आहनी चादरपोश इसका सदर दरवाजा जुनूब रूया है. सेहन संगीन इमारत मसजिद पांचदरी बरआमदा आहनी चादरपोश, हुजरा जिसके आगे बरआमदा चादरपोश है व नीज आराजी नं. १ मुतल्लिका मसजिद मुस्तकिल शक्ल में वाके है और चारों तरफ दीवार से मेह-दूद है. इसके मगरबी दीवार में एक दरवाजा और फटकी आमदोरफ्त के लिये नसब है. इसमें जानिब शुमाल मसजिद का पुख्ता कुआं, सकावा और तीन गुसलखाने तामीर हैं. एक पुख्ता मजार भी है और कुछ दरख्तान भी हैं व आराजी नं. २ जो मस-जिद की जनूबी दीवार से मलहिक है.	मुसलमानान ऐहले मेहल्ला ने बाहमी चन्दे से तामीर कराके वक्फ की है. मजहबी, इबादत इलाही.

	३	४	५
		पैमाइश मशरिक १८ फीट, मगरिब ४॥ फीट, शुमाल ३८ फीट, जुनूब में ४१ फीट हैं. मसजिद का आमदोरफ्त का दरवाजा भी इसीमें हैं.	
१८४८	मसजिद जामनवाली उर्फ मसजिद शाह मिरजा वाकै मेहल्ला किला, कस्बे आष्टा. हुदूद अरबा.— मशरिक व शुमाल—रास्ता. मगरिब—मकान गफूरसाहब वल्द करीमबक्ष साहब. जुनूब—मकान अय्यूबअली साहब.	एक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला आहनी चादरपोश इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया सेहन खाम इसमें मदो कामनी और अरन्ड ककड़ी के दरख्त रोईदा हैं. सेहन पुख्ता इसमें मोरसली और जामन का एक-एक दरख्त है. इमारत मसजिद दोहरी पांचदरी है, हुजरा जानिब जुनूब, मकावा एक, गुसलखाना, बरआमदा आहनी चादरपोश व बगीचा मुतल्लिका मसजिद जो मसजिद के जानिब जुनूब वाकै है इसमें दरख्तान फलदार नसब हैं.	मिरजा कल्बेग साहब, साकिन मेहल्ला किला, कस्बे आष्टा. मजहबी इबादत इलाही.
१८४९	मसजिद जुमापुरा उर्फ जमालपुरा, कस्बे आष्टा. हुदूद अरबा.— मशरिक—आराजी मुतल्लिका मसजिद हाजा. मगरिब—आराजी कबरस्तान. शुमाल—दुकानात मुतल्लिका मसजिद. जुनूब—रास्ता आम.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया डेवढ़ी सेहन खाम. सेहन संगीन जिसमें समरदार और गैरसमरदार दरख्त भी नसब हैं. इमारत मसजिद पांचदरी बरआमदा आहनी चादरपोश हुजरे दो व एक कयामगाह बराये जमाअत तबलीगी वाकै अन्दरून सेहन यह आहनी चादरपोश है इसका एक दरवाजा जानिब मशरिक दूसरा जानिब शुमाल है व एक चाह पुख्ता जो मसजिद की मशरकी दीवार से मुलहिक है इसमें एक आहनी हैन्ड पम्प नसब है व एक बागीचा जानिब शुमाल है इसकी हद मेहदूद है. इसमें एक गुसलखाना व सकावा फलदार दरख्त भी हैं बसिलसिले दुकानात मुतल्लिका मसजिद जो बगीचे के जानिब शुमाल वाकै हैं और आराजी जो मसजिद की मशरकी दीवार से मुलहिक है इसका तुल शरकन-गरबन ६१ फीट, अर्ज शुमालन-जुनूबन ४२ फीट व मकान जो मसजिद के जानिब जुनूब वाकै हैं व एक कुआं भी जो दोनों शिकिस्ता हैं.	हाफिज याकूबअली साहब मरहूम, साकिन बासीलवाका नबीस, तेहसील आष्टा मजहबी, इबादत इलाही.
१८५०	मसजिद हुमांदिया वाकै मेहल्ला तिरपोलिया, कस्बे आष्टा. हुदूद अरबा.— मशरिक व जुनूब—रास्ता आम. मगरिब—मकान मुल्ला नवाबअली साहब. शुमाल—गली गैर नाफजा.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला सदर दरवाजा दो सेहन संगीन जिसमें चमेली व अनार का एक-एक दरख्त नसब है. इमारत मसजिद पुख्ता सेहदरी बरआमदा आहनी चादरपोश सेहदरा. सकावा जानिब जुनूब जिसके आगे आहनी चादरपोश वजूखाना बना है व आराजी मुतल्लिका मसजिद जो अकब में वाकै है खाम है और इसमें आमदोरफ्त के लिये सेहन मसजिद में से दरवाजा कायम है. और गोशे जुनूब मगरिब में दो गुसलखाने और उनसे मुलहिक एक चाह पुख्ता तामीर है इसमें मदो कामनी व अंजीर व अमरूद के दरख्त भी हैं. व एक दुकान आहनी चादरपोश है इसका एक दरवाजा मशरकी दीवार में, दूसरा जुनूबी दीवार में नसब है. आमदनी सालाना ६०) है.	मुसलमानान एहले मेहल्ला ने बाहमी चन्दे से तामीर कराके वक्फ की. मजहबी, इबादत इलाही.
	मसजिद जेर तालाबवाली वाकै जानिब मगरिब बड़ा तालाब, कस्बे आष्टा. हुदूद अरबा.— मशरिक व शुमाल व जुनूब—कबरस्तान. मगरिब—आराजी रामलाल साहब.	यक किता मसजिद कलन्दरी जिसकी मगरबी दीवार कद्दे आमद बलन्द है पुख्ता चबूतरा है जिसपर एक पुख्ता कबर बनी है.	मजहबी, इबादत इलाही.
१८५२	मसजिद कुदसिया बेगम वाकै मेहल्ला नजरगंज, कस्बे आष्टा. हुदूद अरबा.— हरचार जानिब रास्ता आम.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया है, सेहन खाम जिसके शुमाली हिस्से में गुसलखाना व सकावा बने हैं सेहन पुख्ता मसजिद दोहरी पांचदरी, हुजरा मशरिक रूया, सेहन में दरख्तान भी नसब हैं.	हर हाइनेस नवाब गोहर कुदसिया बेगम साहेबा, साबिक फरमारवाये, रियासत भोपाल. मजहबी, इबादत इलाही.

		३	४	५
[illegible]	१८५४ ता १८५७	मसजिद काली वाके महल्ला हाथीखाना, कस्बे आष्टा. हुदूद अरबा.— मशरिक व शुमाल व जुनूब—कबरस्तान. मगरिब—आराजी मुतल्लिका मसजिद हाजा.	एक किता मसजिद पुख्ता दोहरी बिला छत सदर दरवाजा मशरिक रूया इमारत मसजिद दोहरी सेहदरी इसका खसरा नं. ३६१-०·३० है व एक बरआमदा जानिब शुमाल मसजिद है यह हर चार जानिब दीवार से मेहदूद है फर्श खाम है और मसजिद में आने-जाने के लिये एक मेहराबदार दरवाजा कायम है व एक जुनूबी बरआमदा है व नीज आराजी मुतल्लिका मसजिद जो अकब में जानिब मगरिब वाके है इसमें जानिब मशरिक दीवार है और बकिया हरसेह जानिब आहनी खारदार तार लगा हुआ है इसमें एक गुसलखाना है इसका तूल शुमालन-जुनूबन १७४ फीट, अर्ज शरकन-गरबन ४५ फीट है.	हिज मेजिस्टी मोहीउद्दीन औरंगजेब आलमगीर मरहूम, साबिक शहेन्शाहे हिन्द. मजहबी, इबादत इलाही.
४९८	१८५८ ता १८५९	कबरस्तान नं. १ काली मसजिद वाला वाके मुत्तसिल काली मसजिद.	इसका खसरा नं. ३६२–०·३१ इसमें पुख्ता खाम कदीम जदीद कबरें मौजूद हैं और एक दरख्त इमली का है.	साबिक हुकूमत, रियासत भोपाल. खैराती, तदफीन अमवात.
४९९	१८६० ..	कबरस्तान नं. २ काली मसजिद वाला वाके मुत्तसिल काली मसजिद.	इसका खसरा नं. ३६३–०·२० इसमें पुख्ता व खाम कदीम जदीद कबरें मौजूद हैं.	"
५००	१८६१ ..	कबरस्तान नं. ३ काली मसजिद वाला वाके मुत्तसिल काली मसजिद वाला.	इसका खसरा नं. ३६५–०·१६ है इसमें पुख्ता व खाम कबरें मौजूद हैं.	"
५०१	१८६२ ..	कबरस्तान रेहमत शाह वाला वाके अकब मसजिद जुम्मापुरा उर्फ जमालपुरा, कस्बे आष्टा हुदूद अरबा.— मशरिक—मसजिद. मगरिब व शुमाल—सड़क. जुनूब—रास्ता आम.	इसका खसरा नं. ७४–१–३ इसमें सिर्फ खाम कबरें मौजूद हैं.	"
५०२	१८६३ ..	कबरस्तान भाला शाह वाला वाके मुत्तसिल भोपाल-इन्दौर रोड, कस्बे आष्टा.	इसमें पुख्ता खाम कबरें मौजूद हैं नीज नीम के दो दरख्त हैं.	"
५०३	१८६४ ता १८६५	कबरस्तान कुंजड़ों वाला वाके कस्बे आष्टा मुत्तसिल मोटर स्टेन्ड, बरलबे भोपाल-इन्दौर रोड जानिब शुमाल. हुदूद अरबा.— मशरिक—कबरस्तान रेहमतशाह वाला. मगरिब—मकान सरकारी. शुमाल—नदी पारवती. जनूब—भोपाल-इन्दौर रोड.	इसका खसरा नं. ६०–७–५९ है इसमें पुख्ता खाम कदीम जदीद कबरें मौजूद हैं. इसमें दो दरख्त खजूर नसब हैं.	"
५०४	१८६६ ता १८६९	अहाता मजार शाला सैयद साहब रेहमतुल्ला अलेह वाके मेहल्ला तिरपोलिया, कस्बे आष्टा. हुदूद अरबा.— हरचार जानिब रास्ता आम.	यह अहाता हरचार जानिब कद्दे आदम बलन्द पुख्ता दीवार से मेहदूद है. इसका दरवाजा जानिब जुनूब है और जानिब शुमाल एक खिड़की भी है इसमें तीन पुख्ता कबरें हैं इसमें कबीट और इमली के दरख्त भी हैं व एक मसजिद कलन्दरी वाके अन्दरून अहाता है. इसका फर्श खाम है.	मुकद्दस—बराये तहफ्फुज मजार व इबादत इलाही.
५०५	१८७० ..	छै किता दुकानात वाके बिलमुकाबिल मसजिद शाहजहानी, कस्बे आष्टा. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान इमरतलाल. मगरिब—सिकन्दर बाजार. शुमाल—सड़क सरकारी. जुनूब—आराजी.	एक किता आराजी खंडहर जिसका तूल शुमालन-जुनूबन ८२ फीट, अर्ज शरकन-गरबन २७ फीट है. आमदनी सालाना १८) है.	मुसम्मात हशमत बी साहेब मरहूमा जौजे मुंशी याकूबअली साहब, साबिक वासीलबाकीनवीस, तहसील आष्टा. मजहबी—अदाये मसारिफ मसजिद.
५०६	१८७१ ..	मदरसे इसलामिया, आष्टा वाके बरलबे सिकन्दर बाजार रोड बिलमुकाबिल मसजिद शाहजहानी. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान बशीरुद्दीन साहब व मकान शौकतअली साहब. मगरिब—सिकन्दर बाजार रोड. शुमाल—दुकानात. जुनूब—मकान व आराजी सैयद शौकतअली साहब, वकील.	यह इमारत मदरसा जेर तामीर है. इस आराजी को पैमाइश यह है—मशरिक ५० फीट, मगरिब ५० फीट, शुमाल ६५ फीट, जुनूब ३३ फीट है.	मुसलमानान कस्बे आष्टा ने बाहमी चन्दे से यह आराजी खरीद कर मदरसा बनाना शुरू किया है. मजहबी, बराये तालीम इस्लामी.

	३	४	५
[illegible]	आराजी माफी मुतल्लिका मजार बेताल शाह साहब रेहमतुल्ला इलेह वाके बेरून आबादी कस्बे आष्टा मुत्तसिल बड़ा तालाब. हुदूद अरबा.— मशरिक, मगरिब व शुमाल—बड़ा तालाब. जुनूब—बाग सेठ हस्तमल साहब.	इस आराजी का खसरा नं. ४४२–१–२४ है इसमें एक दरख्त अम्बा नसब है. आमदनी सालाना २०० रुपए है.	साबिक हुकूमत रियासत, भोपाल. मजहबी, बराये सफाई व हिफाजत मजार शरीफ.
[illegible] ता १८७६	आराजी माफी मुतल्लिका मजार पेहलवानशाह साहब रेहमतुल्ला इलेह वाके बेरून आबादी कस्बे आष्टा मुत्तसिल बड़ा तालाब. हुदूद अरबा.— मशरिक, मगरिब व शुमाल—बड़ा तालाब. जुनूब—बाग हस्तमल साहब.	इसका खसरा नं. ४४३।२–११ यह काली पहाड़ी के नाम से मौसूम है. इसमें एक दरख्त आम का है व मसजिद कलन्दरी वाके मुत्तसिल आराजी हाजा इसका चबूतरा पुख्ता और मगरबी दीवार कद्दे आदम बलन्द है. आमदनी सालाना २०० रुपए है.	”
१८७७ ता १८८०	कबरस्तान ममरीज शाह वली वाला वाके मुत्तसिल नाला जानिब मगरिब बेरून आबादी कस्बे आष्टा. हुदूद अरबा.— मशरिक व शुमाल—नाला. मगरिब—मजार ममरीज शाह वली वाला, रेहमतुल्ला इलेह. जुनूब—बाग सेठ सरदारमलजी.	यह एक कदीम कबरस्तान है. इसका खसरा नं. ७१७–४–१४ है, इसमें कसरतसे कदीम जदीद खाम पुख्ता कबरें मौजूद हैं. इसी कबरस्तान में मजार हजरत ममरीज शाह वली रेहमतुल्ला इलेह का है. यह एक अहाता है जो चार दीवारी से मेहदूद है इसकी आमदोरफ्त का रास्ता जुनूबी दीवार से है. इसमें खिरनी का एक दरख्त भी है इसी अन्दरूनी अहाते में एक मसजिद कलन्दरी है. आमदनी सालाना १० है.	तातार खां साहब मरहूम, अफसर कमांडिग, अफवाज, रियासत ग्वालियर ने वक्फ किया. खैराती, तदफीन अमवात.
१८८१ ता १८८२	कबरस्तान नं. २ ममरीज शाह अली वाला वाके मुत्तसिल नाला बेरून आबादी कस्बे आष्टा. हुदूद अरबा.— मशरिक—आराजी. मगरिब—बाग फौजदार खां साहब वाला. शुमाल—नाला. जुनूब—आराजी नत्थे खां साहब.	इस कबरस्तान का खसरा नं. ७१९।१४–३ इसमें कसरत से पुख्ता व खाम कबरें मौजूद हैं. इसमें इमली और शरीफों के दरख्त भी हैं.	”
१८८३ ता १८८४	मसजिद नजरगंज वाके सिकन्दर बाजार मुत्तसिल कुवां कस्बे आष्टा. हुदूद अरबा.— मशरिक—सड़क. मगरिब—अहाता मजारात. शुमाल—मकान मुंशी मोहम्मद इसहाक साहब. जुनूब—मकान सेठ पृथीलाल साहब.	यक किता मसजिद पुख्ता आहनी चादरपोश सदर दरवाजा शुमाल रूया, सेहन खाम, गुसलखाना, सेहन पुख्ता, इमारत मसजिद एक दरी इसमें एक दरख्त शरीफे का है.	मुसलमानान एहले मेहल्ला ने बाहमी चन्दे से तामीर कराके वक्फ की. मजहबी, इबादत इलाही.
१८८५ ता १८८६	अहाता मजारात वाके जानिब जुनूब मसजिद नजरगंज, हुदूद अरबा.— मशरिक—दुकान. मगरिब—मकान सेठ लाभमल साहब. शुमाल—मसजिद. जुनूब—मकान पृथीलाल साहब.	इस अहाते में तीन पुख्ता मजारात मौजूद हैं. इसमें कबीट, मौरसली वगैरह के दरख्त भी हैं.	मुसलमानान एहले मेहल्ला ने बाहमी चन्दे से तामीर कराके वक्फ की. मुकद्दस, बराये तहफ्फुज मजारात.
१८८७ ..	मसजिद शाकिर शाह साहब वाके मेहल्ला मंगापुरा. कस्बे आष्टा. हुदूद अरबा.— मशरिक—आराजी कास्त. मगरिब व जुनूब—रास्ता आम. शुमाल—कबरस्तान बरने वाला.	बवक्त वक्फ यह मसजिद पुख्ता यक मंजिला थी मरूरे जमाने से मुन्हदिम होगई अब उसकी मगरबी दीवार पुख्ता बनाई गई है.	सैयद शाकिर शाह साहब रेहमतुल्ला इलेह, साकिन कस्बे आष्टा. मजहबी, इबादत इलाही.
१८८८ ता १८८९	कबरस्तान बरने वाला शाकिर शाह साहब वाला वाके मेहल्ला मंगापुरा, कस्बे आष्टा. हुदूद अरबा.— मशरिक—बाड़ा बावली शाह. मगरिब—कबरस्तान रेतघाट वाला व बाड़ा अमजदबेग साहब. शुमाल—नदी पारबती. जुनूब—आबादी मंगापुरा.	इस कबरस्तान में पुख्ता व खाम कबरें मौजूद हैं व नीज सैयद शाकीर शाह साहब रहमतुल्ला इलेह का पुख्ता मजार भी है इसमें मुख्तलिफ दरख्त भी हैं. खसरा नं. ५८६–२–४७ है, नीज एक मसजिद कलन्दरी है इसकी मगरबी व शुमाली दीवार कायम है. सेहन खाम है इसमें एक खाम कदीम कबर मौजूद है.	साबिक हुकूमत, रियासत भोपाल. खैराती, तदफीन अमवात.
१८९० ..	मसजिद बाड़े वाली वाके अन्दरून आराजी बाड़ा शरीफा वाके मेहल्ला मंगापुरा, कस्बे आष्टा.—हुदूद अरबा. हरचार जानिब आराजी बाड़ा शरीफा.	यह मसजिद बिला छत की है इसका सदर दरवाजा मशरिक रुया है. इसका सेहन खाम है.	मुसलमानानि एहले मेहल्ला ने बाहमी चन्दा तामीर करके वक्फ की, मजहबी, इबादत इलाही.

	२	३	४	५
५१६	१८९१ ..	मकान मौसूमे इमामबाड़ा वाके मेहल्ला मंगापुरा, कस्बे आष्टा. हुदूद अरबा.-- मशरिक---मकान. मगरिब---आराजी उफतादा. शुमाल---मकान. जुनूब---आराजी उफतादा व रास्ता आम.	इस मकान की हर चार सिम्त की दीवार खंडहर हैं और हर चार जानिब से मुरव्वा फिट है.	मुसम्मात जुमी बाई साहेबा मरहूमा बेवा कायम खां ना. मरहूम मेहतर (चोपरी), मोमन अनसारियान नाकिसान कस्बे आष्टा. मजहबी, बराये ताजियादारी.
५१७	१८९२ ता १८९३	कबरस्तान लालखां वाला वाके मुत्तसिल मकान डॉक्टर सैयद आले मुरतुजा साहब मेहल्ला काजीपुरा, कस्बे आष्टा. हुदूद अरबा.-- मशरिक---मकान डॉक्टर सैयद आले मुरतुजा साहब व मकान करीमशाह साहब फकीर. बकीया हरसेह जानिब रास्ता.	इसका खसरा नं. ६१-०.५६ है इसमें कदीम जदीद खाम कबरें हैं, इमली का एक दरख्त भी है.	साबिक हुकूमत, रियासत भोपाल. खैराती, तदफीन अमवात.
५१८	१८९४ ..	मसजिद कलन्दरी वाके मेहल्ला जुमापुरा, कस्बे आष्टा. हुदूद अरबा.-- मशरिक व शुमाल--रास्ता आम. मगरिब---आराजी गुलामअली शाह साहब. जुनूब---मकान गुलामअली शाह साहब.	इस मसजिद की मगरबी दीवार कायम है इसका पुख्ता चबूतरा शिकिस्ता है. इसका तूल शरकन-गरबन ३३ फीट, अर्ज शुमालन-जुनूबन १८ फीट है.	मजहबी, इबादत इलाही.
५१९	१८९५ ..	मसजिद बड़ा तकिया वाली वाके मेहल्ला बड़ा तकिया, कस्बे आष्टा. हुदूद अरबा.-- मशरिक, मगरिब व जुनूब--आराजी कबरस्तान. शुमाल---मकान अमीरखां साहब.	यह किता मसजिद पुख्ता कोहनी जिसकी हर चारजानिब की दीवारें कायम हैं लेकिन छत नहीं है. सदर दरवाजा मशरिक की जानिब है.	शाजी सैयद बाकी शाह साहब मरहूम, सा. मेहल्ला बड़ा तकिया, कस्बे आष्टा. मजहबी, इबादत इलाही.
५२०	१८९६ ता १८९७	कबरस्तान नं. १ बड़ा तकिया वाला वाके मेहल्ला काजीपुरा, कस्बे आष्टा. हुदूद अरबा.-- मशरिक व जुनूब--आराजी काश्त मुसम्मी बड़ा भय्या फकीर. मगरिब---आराजी काश्त भोला काछी. शुमाल---आराजी काश्त बशारत साहब.	इस कबरस्तान का खसरा नं. ४५९.०-७१ है इसमें कसरत से खाम पुख्ता कबरें मौजूद हैं इमली व शरीफों के दरख्त भी हैं.	साबिक हुकूमत भोपाल खैराती, तदफीन अमवात.
५२१	१८९८ ता १९००	कबरस्तान नं. २ बड़ा तकिया वाला वाके मुत्तसिल कबरस्तान नं. १.	इसका खसरा नं. ४६०--०.५० इसमें मुख्तलिफ किस्म के दरख्तान हैं व नीज पुख्ता व खाम जदीद कदीम कबरें भी हैं. कबरस्तान नं. ३ जो कबरस्तान नं. १ के मुत्तसिल है. इसका खसरा नं. ४७०-०.१७ है इसमें भी पुख्ता-खाम कबरें हैं और मुख्तलिफ किस्म के दरख्तान भी हैं इसमें एक मसजिद कलन्दरी भी है इसकी मगरबी दीवार पुख्ता है.	"
५२२	१९०१ ता १९०३	कबरस्तान काछीपुरा वाके मेहल्ला काछीपुरा, कस्बे आष्टा. हुदूद अरबा.--- हरचार जानिब रास्ता.	इसमें कसरत से पुख्ता व खाम कबरें मौजूद हैं व नीज मसजिद कलन्दरी इसकी मगरबी दीवार पुख्ता सालिम है दूसरी मसजिद कलन्दरी इसकी दीवार मगरबी भी पुख्ता है चबूतरा भी पुख्ता है.	"
५२३	१९०४ ता १९०५	कबरस्तान टेकरी वाला वाके मेहल्ला काजीपुरा, कस्बे आष्टा. हुदूद अरबा.--- मशरिक---रास्ता बादहू मकानात खाकरोबान. मगरिब---तलाई गुलधी. शुमाल---आराजी मुआफ काछीपुरा गुलधी जुनूब---आराजी माफी सरदार शाह.	इसमें कसरत से पुख्ता खाम कबरें मौजूद हैं. इसमें समरदार दरख्तान भी हैं. खसरा नं. ४५८-१-४-०. रकबा तखमीनन है.	"
५२४	१९०६ ..	कबरस्तान अकबर शाह वाला वाके बरलबे शुमाली पारबती नदी, कस्बे आष्टा. हुदूद अरबा.--- मशरिक---नाला. मगरिब---रास्ता. शुमाल---बाग कालूगिर. जुनूब---आराजी माफी मन्दर, बांसखेड़ा.	इस कबरस्तान में कसरत से कदीम जदीद पुख्ता खाम कबरें मौजूद हैं और मुख्तलिफ किस्म के दरख्त रोईदा हैं. खसरा नं. २११-२-७८, २०३-२---७६ है.	"
५२५	१९०७ ..	कबरस्तान नं. १ डोराबाद वाके मौजे डोराबाद, तहसील आष्टा, जिला सीहोर.	इसका खसरा नं. १७३--६--२७ इसमें कसरत से खाम कबरें मौजूद हैं और मुख्तलिफ किस्म के दरख्त भी हैं.	"

	३	४	५
	कब्रस्तान नं. २ डोराबाद वाके मौजे डोराबाद, तहसील आष्टा. हुदूद अरबा.— मशरिक—रास्ता. मगरिब—नाला. शुमाल—खेत अजमतुल्ला साहब. जुनूब—पारवती नदी.	इसमें कसरत से खास कबरें कदिम जदीद मौजूद हैं और मुख्तलिफ किस्म के दरख्त भी हैं. इसके खसरा नं. १४१-२-८३, १४२-०७९, १६१/२-१६२-२-८४, १७१-१-१-७२ हैं.	साबिक हुकूमत, रियासत भोपाल. खैराती, तदफीन अमवात.
१९०९ ता १९१०	कब्रस्तान नद्दा खां वाके बेरून आबादी मौजे अलीपुर. जानिब शुमाल, तहसील आष्टा.—हुदूद अरबा.— मशरिक—आराजी कालूगिर साहब. मगरिब—आराजी माफी मुजीबुर्रहमान सा. शुमाल—आराजी हसन नद्दाफ. जुनूब—कब्रस्तान अकबर शाह वाला.	इसका खसरा नं. १४३—०·३१ है इसमें पुख्ता खाम जदीद व कदीम कबरें मौजूद हैं और मुख्तलीफ अनवा व अकसाम के दरख्त हैं इसमें एक मसजिद कलन्दरी भी है, पुख्ता है इसके सेहन में एक पुख्ता कबर भी है.	"
१९११ ता १९१२	कब्रस्तान एहले खानदान सैयद मुजीबुर्रहमान साहब, माफीदार जो मौजे अलीपुर, तहसील आष्टा के जानिब शुमाल बेरून आबादी वाके है. हुदूद अरबा.— चहारचार जानिब आराजी माफी.	इस कब्रस्तान का खसरा नं. २७६—०.२१ है. यह कब्रस्तान साहब मौसूफ का अपना निजी है इसमें इमली का एक दरख्त है.	सैयद मुजीबुर्रहमान सा. मरहूम माफीदार, साकिन कस्बे आष्टा, खैराती, तदफीन अमवात.
१९१३ ता १९१४	कब्रस्तान नत्थूशाह फकीर, वाके मेहल्ला गोसाई बेरून आबादी मौजे अलीपुर तहसील आष्टा. हुदूद अरबा.— मशरिक—आराजी काश्त मुसूशाह फकीर. मगरिब—आबादी गोसाई मेहल्ला. शुमाल व जुनूब—बाड़ा मुसूशाह फकीर.	इस कब्रस्तान का खसरा नं. ५१७—१-६३ इसमें पुख्ता खाम जदीद कदीम कबरें मौजूद हैं और समरदार दरख्तान भी हैं.	साबिक हुकूमत, रियासत भोपाल. खैराती, तदफीन अमवात.
१९१५	कब्रस्तान रेट घांटवाला वाके मेहल्ला भंगापुरा, कस्बे आष्टा. हुदूद अरबा.— मशरिक—कब्रस्तान करनेवाला. मगरिब—बाड़ा अमजदबेग साहब व बाड़ा मोती साहब व नाला. शुमाल—नदी पारबती. जुनूब—बाड़ा अमजदबेग साहब व कब्रस्तान करमशाहवाला.	इसका खसरा नं. ५७९।१—२·४० इसमें कसरत से कबरें मौजूद हैं.	"
१९१६ ता १९१७	ईदगाह कस्बे आष्टा वाके बेरून आबादी मौजा अलीपुर व अन्दरून आराजी माफी सैयद मुजीबुर्रहमान साहब मरहूम, साकिन कस्बे आष्टा. हुदूद अरबा.— हर चार जानिब आराजी माफी.	इसका खसरा नं. २५२-२—०·१० है. ईदगाह हर चार जानिब पुख्ता दीवार से मेहदूद है इसके दो दरवाजे जानिब मशरिक व जुनूब कायम हैं. आहनी सलाखदार किवाड़ नसब हैं इसका सेहन खाम है इसके सेहन में एक कबीट का और एक नीम का दरख्त नसब है.	मुसलमानान कस्बे आष्टा ने बाहमी चन्दे से तामीर कराके वक्फ की है. मजहबी, इबादत इलाही.
१९१८	कब्रस्तान ईदगाह वाला वाके बेरून आबादी मौजे अलीपुर, तेहसील आष्टा. हुदूद अरबा. हरचार जानिब आराजी तकिया.	इसका खसरा नं. ३५०—०·३० इसमें जदीद कदीम खाम कबरें मौजूद हैं.	"
१९१९ ता १९२०	कब्रस्तान करमशाह वली वाके मेहल्ला भंगापुरा, कस्बे आष्टा. हुदूद अरबा.— मशरिक—बाड़ा अमजद बेग साहब. मगरिब—नाला. शुमाल—कब्रस्तान रेत घांट. जुनूब—मरघट व बाड़ा याकूब बेग साहब.	इस कब्रस्तान का खसरा नं. ५९०-१—४·१६ है इसमें कसरत से खाम पुख्ता कबरें मौजूद हैं और ला तादाद शरीफों के दरख्तान नसब हैं.	"
१९२१ ता. १९२२	कब्रस्तान पुख्ता तालाबवाला वाके मुत्तसिल बाग कनरवावाला, कस्बे आष्टा. हुदूद अरबा.— मशरिक—तालाब पुख्ता. मगरिब व जुनूब—आराजी दरोपदीबाई. शुमाल—आराजी दत्तप्रसाद सा.	इस कब्रस्तान का खसरा नं. ६०६—०·८७ इसमें कदीम व जदीद खास कबरें मौजूद हैं व नीज ५० दरख्त शरीफों के भी हैं.	"
१९२३	कब्रस्तान खानदानी शेख नसीरूद्दीन साहब, माफीदार व पटेल, मौजे अलीपुर, तहसील आष्टा. हुदूद अरबा.— हरचार जानिब आराजी साहब मौसूफ.	यह कब्रस्तान भोपाल-इन्दौर रोड के जानिब मगरिब वाके है इसमें साहब मौसूफ के अफराद खानदान की खाम कबरें मौजूद हैं नीज मुख्तलिफ अकसाम के दरख्त भी हैं.	"

	२	३	४	५
५३६	१९२४	कबरस्तान मोमनान वाके जानिब जुनूब वाके बेरून आबादी मौजे अलीपुर, तहसील आष्टा. हुदूद अरबा.— मशरिक–खेत बशीरूद्दीन साहब. मगरिब–खेत मुजफ्फरूद्दीन साहब. शुमाल–खेत अब्दुला साहब. जुनूब–गोहा.	इसका खसरा नं. १४४–०·७, १४५–०·२४, १४७–०·११ है इसमें कसरत से खाम पुख्ता कदीम व जदीद कबरें मौजूद हैं और मुख्तलीफ किस्म के दरख्तान भी हैं.	साबिक हुकूमत, रियासत भोपाल. खेराती तदफीन अमवात.
५३७	१९२५	कबरस्तान रंगरेजवाला वाके मुत्तसिल पुख्ता तालाब बेरून आबादी, कस्बे आष्टा. हुदूद अरबा.— मशरिक–तालाब पुख्ता. मगरिब–बाग जगन्नाथप्रशाद साहब. शुमाल–आराजी दरोपदीबाई. जुनूब–बाग दत्तप्रशाद साहब.	इस कबरस्तान का खसरा नं. ६१६–१·८४ है इसमें खाम कबरें जदीद व कदीम मौजूद हैं.	
५३८	१९२६ ता १९२८	कबरस्तान बियाबानी साहबवाला जो बेरून आबादी कस्बे आष्टा बड़े तालाब के गोशे जुनूब मशरकी में वाके है. हुदूद अरबा.— मशरिक व मगरिब व शुमाल–तालाब. जुनूब–आराजी काश्त अब्दुल रहीम साहब व वासोदेव साहब.	इसका खसरा नं. ६४०–१·१ है इसमें पुख्ता खाम कदीम व जदीद कबरें मौजूद हैं और समरदार दरख्तान भी हैं.	हजरत बियाबानी शाह साहब रेहमतुल्ला इलेह जिनका मजार इस कबरस्तान में बना है. खेराती, तदफीन अमवात.
५३९	१९२९	मसजिद कलन्दरी जो मौजे अलीपुर, तहसील आष्टा बेरून आबादी जानिब मगरिब वाके है. हुदूद अरबा.— मशरिक व शुमाल व जुनूब–गोहा. मगरिब–तालाब.	यह मसजिद पुख्ता दीवार से महदूद है इसका चबूतरा खाम है.	मजहबी, इबादत इलाही.
५४०	१९३० ता १९३१	मसजिद शेखान उर्फ अरीठेवाली वाके मेहल्ला शेखजादगान, मौजे अलीपुर, तहसील आष्टा. हुदूद अरबा.— हर चार जानिब आराजी.	यक किता मसजिद पुख्ता सदर दरवाजा जुनूब रूया सेहन खाम जिसमें एक दरख्त अरन्ड कवाड़ी का है. इमारत मसजिद सेहदरी है.	शेख बशीरूद्दीन साहब, मुकद्दम, मौजे अलीपुर. मजहबी, इबादत इलाही.
५४१	१९३२ ता १९३३	कबरस्तान बच्चेगान, मेहल्ला शेखजादगान, मौजे अलीपुर, तहसील आष्टा जो मसजिद के मशरिक में वाके है. हुदूद अरबा.— मशरिक–बाड़ा फजलुद्दीन साहब. मगरिब–मसजिद. शुमाल–नाला व सड़क. जुनूब–मकानात शेख बशीरूद्दीन साहब.	इसका खसरा नं. ३२०/२२४–०·३० है. इसमें बच्चों की खाम कबरें मौजूद हैं. इसमें दरख्तान समरदार भी हैं.	साबिक हुकूमत, रियासत भोपाल. खैराती तदफीन अमवात.
५४२	१९३४	मसजिद कलन्दरी उर्फ मसजिद कल्लू शरीफ वाके बरलबे शुमाली पारवती नदी बेरीन अमरीकन बंगला कस्बे आष्टा. हुदूद अरबा— मशरिक व मगरिब–आराजी उफतादा. शुमाल–कम्पाउन्ड अमरीकन बंगला. जुनूब–घाट पारवती नदी.	इस मसजिद की शुमाली व मगरबी दीवारें कायम हैं और पुख्ता चबूतरा है.	कल्लू शरीफ साहब मरहूम, साबिक मुलाजिम, अदालत निजामत, आष्टा. मजहबी इबादत इलाही.
५४३	१९३५ ता १९३६	कबरस्तान सैयद एहमद हुसेन साहब रेहमतुल्ला इलेह उर्फ मीर साहब वाके अन्दरून ब्लॉक डेवलपमेन्ट फार्म, मौजे अलीपुर, तहसील आष्टा, जिला सीहोर.	इसका खसरा नं. १९२–०·५६ है इसमें कदीम जदीद पुख्ता खाम कबरें मौजूद हैं और एक बुजुर्ग का पुख्ता मजार बना हुआ है इसमें तीन इमली के दरख्त हैं.	साबिक हुकूमत, रियासत भोपाल. खेराती तदफीन अमवात.
५४४	१९३७	मकान वाके मौजे भैंसाखेड़ी, तहसील हुजूर बरलबे भोपाल-सीहोर रोड जानिब शुमाल. हुदूद अरबा.— मशरिक व मगरिब व शुमाल–आराजी सरकारी. जुनूब–भोपाल-सीहोर रोड.	कायेमी वक्फ के वक्त यह मकान खाम सिफालापोश था मगर खंडहर की शक्ल में था अब गवर्नमेन्ट ने इसपर कब्जा करके ग्रामसेवक क्वार्टर तामीर कर दिया है.	शेख रमजानी साहब मरहूम, साकिन मौजे भैंसाखेड़ी. मजहबी, बराये कयाम मदरसा दीनियात.
५४५	१९३८	कबरस्तान वाके मौजे भैंसाखेड़ी, तहसील हुजूर. हुदूद अरबा.— मशरिक व जुनूब–आराजी काश्त श्रीमती मुकर्रब बहो बेगम व पटेल मौजा. मगरिब–बाड़ा लछमीनरायन. शुमाल–आराजी घनलाल साहब देसवाली.	यह कबरस्तान मुसल्लस की शक्ल में है इसमें चुमला कबरें खाम हैं.	साबिक हुकूमत, रियासत भोपाल. खेराती तदफीन अमवात.
५४६	१९३९ ता १९४४	मसजिद मौजे खजूरी सड़क वाके बरलबे सीहोर-भोपाल रोड, तहसील हुजूर, जिला सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक–आराजी नं. १ मुतल्लिका मसजिद.	यक किता मसजिद यक मंजिला सदर दरवाजा मशरिक रूया सेहन खाम जिसके गोशे शुमाल मशरिक पुख्ता गुसलखाना इसमें मदो कामनी व नीबू वगैरह के दरख्त	साबिक हुकूमत, रियासत भोपाल. मजहबी इबादत इलाही.

	३	४	५
	मगरिब—रास्ता खास. शुमाल—आराजी नं. २ मुतल्लिका मसजिद. जुनूब—आराजी नं. ३ मुतल्लिका मसजिद.	भी हैं सेहन संगीन इमारत मसजिद सेहदरी बरआमदा आहनी चादरपोश चारदरा हुजरा जानिब शुमाल मसजिद व एक पुख्ता कुआं जो शुमाली दीवार से बिलकुल मुलहिक है और शुमाली दीवार में एक आहनी चरखी भी नसब है इसी से मुतल्लिक आराजी नं. १ जो खाम है जो पैमाइश में जानिब मशरिक २५ फीट और जानिब मगरिब २९ फीट, जानिब शुमाल १५ फीट, जुनूब १९ फीट है. आराजी नं. २ जो मसजिद के जानिब शुमाल है. जो जानिब मशरिक ११ फीट, जानिब मगरिब ६ फीट, जानिब शुमाल ६० फीट, जानिब जुनूब ६० फीट है. आराजी नं. ३ जो मसजिद की जानिब जुनूब वाके है वह जानिब मशरिक ७२ फीट और जानिब मगरिब ७० फीट और जानिब शुमाल ५८ फीट और जानिब जुनूब ५० फीट है, यह खाम है. इसका खसरा नं. १४९—०·७ है.	
ता १९४६	कबरस्तान मौजे खजूरी सड़क, तेहसील हुजूर. हुदूद अरबा.— मशरिक—गटा शिवचरन व मुन्नू वगैरह. मगरिब—गटा शिवदास व सुखदास. शुमाल—गटा मुन्शीलाल साहब. जुनूब—गटा राजमल साहब.	इसका खसरा नं. १७५—०·३३ है इसमें खाम व पुख्ता कदीम व जदीद कबरें मौजूद हैं इसमें इमली का एक दरख्त भी है.	साबिक हुकूमत, रियासत भोपाल. खैराती, तदफीन अमवात.
१९४७ ..	मकान वाके मौजे खजूरी सड़क, तेहसील हुजूर. हुदूद अरबा.— मशरिक—मकान रफीकमियां साहब. मगरिब—इमारत पी. डब्ल्यू. डी. शुमाल—भोपाल-सीहोर रोड. जुनूब—मकान हीरा.	यह मकान बवक्त वक्फ खाम कवेलूपोश था मगर अदम निगरानी की वजह से खंडहर होगया हाल ही में गवर्नमेन्ट ने इसपर कब्जा करके मुलहिक इमारत सरकारी में शामिल कर लिया है.	शेख अब्दुल्ला साहब मरहूम नौ मुसलिम, साकिन मौजे खजूरी सड़क. मजहबी, बराये जरूरियात मसजिद.
ता १९५०	बाग माफी वाके बरलबे भोपाल-सीहोर रोड जानिब शुमाल मौजे पचांवा, तेहसील सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक व जुनूब—भोपाल-सीहोर रोड. मगरिब—मकान बाबूलाल. शुमाल—आराजी मुन्ना, चौकीदार.	यक किता बाग जिसके जानिब मशरिक, मगरिब व जुनूब खारदार आहनी तार चोबी खम्बों पर बतौर हदबन्दी कायम है और शुमाल में कांटों की बागड़ है इसमें एक पुख्ता कुआं भी है इसमें दरख्तान समरदार मौजूद हैं इसमें एक मसजिद आहनी चादरपोश इसका चबूतरा पुख्ता है इसकी मगरबी दीवार सालिम है. इस बाग के गोशे शुमाल-मशरिक में एक कबरस्तान है. एक पुख्ता कबर है बकिया सब कबरें खाम हैं.	साबिक हुकूमत, रियासत भोपाल. मजहबी, बराये मसारिफ आबादानी मसजिद व मरम्मत वगैरह.
..	कबरस्तान वाके मौजे थूना खुर्द, जिला व तेहसील सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक—आराजी मेहराजुद्दीन साहब. मगरिब व शुमाल—तालाब. जुनूब—गोहा.	इसका खसरा नं. २५४।१—३·२० है इसमें जुमला कबरें खाम हैं.	साबिक हुकूमत, रियासत भोपाल. खैराती, तदफीन अमवात.
१९५४	जामे मसजिद वाके कस्बे जावर, तेहसील आष्टा, जिला सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक—आराजी मुतल्लिका मसजिद. मगरिब—मकानात सरकारी. शुमाल—रास्ता. जुनूब—सड़क.	यक किता मसजिद पुख्ता यक मंजिला सदर दरवाजा मशरिक रुया सेहन खाम इसमें दो गुसलखाने और सकावा है. सेहन पुख्ता. इमारत मसजिद पांचदरी है बरआमदा आहनी चादरपोश है. हुजरे दो एक जानिब शुमाल दूसरा जानिब जुनूब हैं. नीज आराजी मुतल्लिका मसजिद जो जानिब मशरिक वाके है इसमें मसजिद का एक पुख्ता कुंवा और एक पुख्ता मजार है यह आराजी जानिब मशरिक ११ फीट है, मगरिब ६१ फीट और जानिब शुमाल १३० फीट, जानिब जुनूब ८१ फीट है.	हर हाइनेस नवाब सुलतानजहांबेगम साहबा मरहूमा, साबिक फरमारवाये, रियासत भोपाल. मजहबी, इबादत इलाही.

१	२	३	४	५
२	१९५७ ता १९६१	मसजिद छोटी वाके मेहल्ला गंज कस्बे जावर, तेहसील आष्टा, जिला सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक—आराजी नं. १. मगरिब—आराजी नं. २. शुमाल—आराजी नं. ३. जुनूब—आराजी नं. ४ मुन्दर्जे सिलसिला नं. १९६०.	यक किता मसजिद पुख्ता आहनी चादरपोश इसका सदर दरवाजा शुमाल रूया सेहन खास जिसमें एक संगीन कबर मोजूद है सेहन पुख्ता इसमें एक दरख्त मोरसली का है. इमारत मसजिद पांचदरी, बरआमदा आहनी चादरपोश छैदरा हुजरा, नीज एक किता आराजी नं. १ मुतल्लिक मसजिद जो जानिब मशरिक वाके है. इसमें मसजिद का एक कुआं इसका तूल शुमालन-जुनूबन २४ फीट और अर्ज शरकन-गरबन २२ फीट है. आराजी नं. २ जो मसजिद के जानिब मगरिब वाके है इसका तूल शुमालन-जुनूबन ४१ फीट और अर्ज शरकन-गरबन २ फीट है. आराजी नं. ३ जो शुमाल की जानिब है इसका तूल शरकन-गरबन ८७ फीट, अर्ज शुमालन-जुनूबन २० फीट है. इसमें इमली का एक दरख्त भी है आराजी न. ४ जो जानिब जुनूब है यह खास है यह जानिब मशरिक २९॥ फीट और जानिब मगरिब २ फीट, जानिब शुमाल ११ फीट और जानिब जुनूब ११ फीट है.	शेख रमजान साहब मरहूम चौधरी कस्बे जावर, तहसील आष्टा. मजहबी, इबादत इलाही.
५५३	१९६२	ईदगाह वाके बेरून आबादी कस्बे जावर मेहल्ला फकीरपुरा, तेहसील आष्टा. हुदूद अरबा.— मशरिक व शुमाल—गोहा. मगरिब व जुनूब—आराजी भूरा व पूरन.	यक किता ईदगाह जिसके हर चार जानिब पुख्ता दीवार तामीर है इसका सदर दरवाजा मशरिक रूया है सेहन खास इसका तूल शुमालन व जुनूबन ४० फीट, अर्ज शरकन-गरबन ३५ फीट है.	मुसलमानान कस्बे जावर ने बाहमी चन्दे से तामीर कराके वक्फ की. मजहबी, इबादत इलाही.
५५४	१९६३ ता १९६४	कबरस्तान रंगरेजान जो बरलबे नाला जानिब जुनूब आबादी वाके है. हुदूद अरबा.— मशरिक व जुनूब. रास्ता— मगरिब आराजी काश्त भूरा व पूरन. शुमाल—नाला.	इसमें जदीद व कदीम खाम कबरें मोजूद हैं इसमें आम का एक दरख्त और खजूर के १ दरख्त हैं.	साबिक हुकूमत रियासत भोपाल. खेराती, तदफीन अमवात.
५५५	१९६५ ता १९६६	कबरस्तान कस्साबान जो कबरस्तान रंगरेजान के जानिब शुमाल वाके है. कस्बे जावर, तेहसील आष्टा. हुदूद अरबा.— मशरिक—नाला व रास्ता. मगरिब—आराजी काश्त भूरा व पूरन. शुमाल व जुनूब—नाला.	इसमें जुम्ला कबरें कदीम व जदीद खाम हैं व आम के दरख्त दो और खजूर के दरख्त ५ हैं.	"
५५६	१९६७ ता १९६८	कबरस्तान नद्दाफान जो कबरस्तान कस्साबान के जानिब मशरिक वाके है. हुदूद अरबा.—मशरिक व जुनूब नाला. मगरिब—रास्ता. शुमाल—गोहा.	इसमें जुम्ला कदीम जदीद कबरें खाम हैं इसमें आम और इमली के एक-एक दरख्त हैं.	"
५५७	१९६९ ता १९७०	कबरस्तान आम पब्लिक, कस्बे जावर जो नद्दाफान के कबरस्तान के जानिब मशरिक वाके है. हुदूद अरबा.— मशरिक व मगरिब—रास्ता. शुमाल—नाला. जुनूब—आराजी माफी सुभान शाह.	इसमें कदीम जदीद पुख्ता खाम कबरें मोजूद हैं इसमें समरदार व गैर समरदार दरख्तान भी हैं.	"
५५८	१९७१ ता १९७६	मसजिद वाके पिंजार मेहल्ला कस्बे मेतवाड़ा, तेहसील आष्टा, जिला सीहोर. हुदूद अरबा.— मशरिक—नदी. मगरिब—मकानात. शुमाल व जुनूब—रास्ता.	यक किता मसजिद पुख्ता टायलपोश सदर दरवाजा मशरिक रूया सेहन खाम मारूत मसजिद सेहदरी बरआमदा सेहदरा चादरपोश हुजरा जानिब जुनूब व नीज आराजी नं. १ जो मसजिद के अकब में वाके है खाम है इसमें एक पुख्ता कुआं है. आराजी नं. २ जो जानिब मशरिक है और पुख्ता चारदीवारी से महदूद है. इसमें पुख्ता एक चबूतरा बना हुआ है गुसलखाना भी तामीर है. एक दरख्त इमली का भी है इसमें एक मकान भी बना हुआ है जिसमें एक कमरा-सेहन बावरचीखाना व पाखाना है.	मुसलमानान एहले कस्बे ने बाहमी चन्दे से तामीर कराके वक्फ की. मजहबी, इबादत इलाही.